राष्ट्रीय संस्करण
CopyRight - Jagran.com

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दो दशक बिताने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं मिताली राज

>> 14

वर्ष 3 अंक 122

दैनिक जागरण

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, गुरुवार, 10 अक्टूबर 2019

www.jagran.com

पृष्ठ 16

सरोकार

प्लास्टिक से पीछा छुड़ाने के तरीके बता रहा स्टार्टअप

नई दिल्ली : प्लास्टिक से पीछा छुड़ाने की मुहिम तेजी से रंग ला रही है। वैकल्पिक उत्पाद बना रहे यंग स्टार्टअप यूनीको की सफलता इसका प्रमाण है। 50 हजार की लागत से शुरू हुआ यह स्टार्टअप महज एक साल में 35 लाख की पूंजी तक पहुंच गया है। (पेज-10)

जागरण विशेष

5जी के स्वागत को तैयार है दमदार स्वदेशी एंटीना

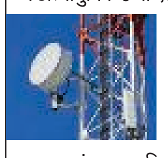

धनबाद : आइआइटी आइएसएम, धनबाद ने अत्याधुनिक 5जी एंटीना तैयार किया है, जो फरवरी तक सरकार को सौंप दिया जाएगा। एंटीना की फ्रीक्वेंसी शानदार है और बैट्री लाइफ पांच गुना अधिक, आकार और वजन 4जी एंटीना के बराबर ही है। (पेज-10)

न्यूज गैलरी

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

भारत और फ्रांस में मजबूत हुए रक्षा संबंध : राजनाथ

पेरिस : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को बताया कि उन्होंने फ्रांस दौरे के क्रम में बुधवार को अपने फ्रांसीसी समकक्ष फ्लोरेंस पार्ली के साथ उपयोगी बातचीत की है और इस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय रक्षा संबंधों के सभी आयामों की समीक्षा की।

महासमर ▶ पृष्ठ 4

2024 तक सभी घुसपैठिये देश से बाहर होंगे : शाह

कैथल : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को हरियाणा में रैलियां कर विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान का शंखनाद किया। कैथल में आयोजित विजय संकल्प रैली के दौरान उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले सभी घुसपैठियों को देश से बाहर करने का एलान किया।

नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 7

एक माह की देरी से शुरू हुई मानसून की वापसी

नई दिल्ली : दक्षिणी पश्चिम मानसून ने चार महीने बरसात के बाद बुधवार से अपनी वापसी शुरू कर दी। वैसे मानसून की विदाई की सामान्य तारीख एक सितंबर थी। मौसम विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी।

कारोबार ▶ पृष्ठ 12

हाईवे किनारे की जमीन से पैसे जुटाएगा एनएचएआइ

नई दिल्ली : नई परियोजनाओं के लिए धन जुटाने के लिए एनएचएआइ नए तरीके तलाश रहा है। इस कड़ी में टीओटी योजना के जरिये तैयार सड़क परियोजनाओं के टोल ठेके देने का उसका कदम नाकाफी साबित हुआ है। लिहाजा, अब वह राजमार्गों के किनारे की जमीन को लीज पर देकर भी पैसा जुटाएगा।

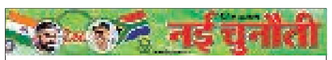

नई चुनौती

टेस्ट सीरीज
भारत vs द. अफ्रीका

सुबह 9:30 बजे से
स्थान : पुणे
प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क

गुलाम कश्मीर से आए सभी परिवारों को सरकार देगी 5.5 लाख रुपये की मदद

कैबिनेट फैसले ▶ केंद्रीय कर्मियों व पेंशनभोगियों को पांच फीसद अतिरिक्त डीए/डीआर का तोहफा

जम्मू-कश्मीर में बसने से पहले दूसरे राज्यों में रहे 5,300 परिवारों को भी मिलेगा लाभ

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सरकार ने पाकिस्तान के कब्जे वाले गुलाम कश्मीर से आकर जम्मू एवं कश्मीर में बसने वाले विस्थापित परिवारों के लिए 5.5 लाख रुपये की एकमुश्त मदद का दायरा बढ़ा दिया है। अब इस दायरे में ऐसे 5,300 परिवारों को भी शामिल किया है, जो गुलाम कश्मीर से आकर पहले किसी अन्य राज्य में रहे थे, फिर जम्मू-कश्मीर में बसे। बुधवार को पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला किया गया। पहले केवल उन परिवारों को मदद का एलान किया गया था, जो गुलाम कश्मीर से आकर सीधे जम्मू-कश्मीर में बसे थे।

केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर ने कैबिनेट के फैसले का ब्योरा देते हुए कहा, सरकार ने 'ऐतिहासिक गलती' को ठीक कर दिया है। पीएम मोदी ने 2016 में एलान किया था कि विभाजन के बाद अलग-अलग मौकों पर पाक के कब्जे वाले कश्मीर को छोड़कर जम्मू-कश्मीर में आकर बसने वाले परिवारों को सरकार पैकेज देगी। इसमें उन लोगों को शामिल नहीं किया गया था जो गुलाम कश्मीर से आने के बाद पहले देश के अन्य भागों में रहे और बाद में जम्मू-कश्मीर में बसे।

नई दिल्ली में बुधवार को कैबिनेट के फैसलों के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर। प्रेट्र

कब कितने परिवार आए? : वर्ष 1947 में पाकिस्तान के कब्जे वाले हिस्से से 31,619 परिवार भारत आए थे। इनमें से 26,319 परिवार जम्मू-कश्मीर में बस गए थे, जबकि 5,300 परिवार कुछ समय देश के अन्य हिस्सों में रहने के बाद जम्मू-कश्मीर आए थे। वर्ष 1965 और 1971 में भी गुलाम कश्मीर से कुल 10,065 परिवार जम्मू-कश्मीर आकर बसे थे। इन सब विस्थापित परिवारों में से कुल 36,384 परिवारों को 2016 में सरकार की ओर से एकमुश्त पैकेज के लिए चुना गया था। वहीं, देश के अन्य हिस्सों में रहने के बाद जम्मू-कश्मीर आए 5,300 परिवार इससे वंचित रह गए थे।

पांच फीसद अतिरिक्त डीए : सरकार ने दिवाली से पहले केंद्रीय कर्मचारियों को पांच फीसद अतिरिक्त महंगाई भत्ता (डीए) तथा पेंशनभोगियों को महंगाई राहत (डीआर) देने का फैसला किया है। इससे उनको मिलने वाला कुल डीए/डीआर अब वेतन/पेंशन के 12 फीसद से बढ़कर 17 फीसद हो गया है। इस निर्णय से 50 लाख केंद्रीय कर्मचारी तथा 65 लाख पेंशनभोगी लाभान्वित होंगे। फैसला पहली जुलाई, 2019 से लागू माना जाएगा। इससे सरकारी खजाने पर सालाना करीब 16,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। यह वृद्धि सातवें वेतन आयोग द्वारा स्वीकृत फार्मूले के अनुसार की गई है। जावडेकर ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा डीए में की गई यह अब तक की सबसे बड़ी एकबारगी वृद्धि है। इससे पहले जनवरी में सरकार ने महंगाई भत्ते को नौ फीसद से बढ़ाकर 12 फीसद किया था। सरकार महंगाई भत्ते और महंगाई राहत का साल में दो बार पुनरीक्षण करती है। पहला पुनरीक्षण एक जनवरी, जबकि दूसरा एक जुलाई से लागू होता है।

'पीएम-किसान' की किस्त मिलने का रास्ता साफ

नई दिल्ली : सभी पंजीकृत किसानों को रबी सीजन से पहले पीएम-किसान योजना की किस्त की राशि दे दी जाएगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला लिया गया। इससे 1.25 करोड़ किसानों के बैंक खाते में 2000 रुपये की किस्त पहुंचने की राह आसान हो गई। चुनावी राज्य हरियाणा व महाराष्ट्र समेत सभी राज्यों में पीएम किसान योजना के तहत किस्त रुकने से किसानों की नाराजगी सरकार मोल लेना नहीं चाहती है। योजना का लाभ पाने के लिए किसानों को अपने नाम का पंजीकरण कराने के साथ उसे आधार नंबर से जोड़ना अनिवार्य कर दिया गया था। उसके बगैर किसानों को योजना का पैसा न देने का फैसला किया गया था, लेकिन अब कैबिनेट के फैसले में आधार लिंक के प्रावधान को 30 नवंबर तक बढ़ा दिया गया है। यानी पंजीकृत सभी किसानों को पहली, दूसरी या तीसरी, जो भी बकाया किस्त होगी, वह दी जाएगी। जावडेकर ने कहा, रबी सीजन से पहले किसानों को पैसे की सख्त जरूरत होती है, जिसके मद्देनजर सरकार ने यह फैसला लिया है। अब तक सात करोड़ किसानों ने पंजीकरण करा लिया है।

मोदी और चिनफिंग की भेंट में कश्मीर का पेच

जयप्रकाश रंजन, नई दिल्ली

▶ तमिलनाडु के मामल्लपुरम में 11-12 को दोनों नेताओं के बीच कई दौर की वार्ता

▶ अनौपचारिक भेंट में कारोबार और सीमा पर शांति बहाली जैसे गंभीर मुद्दे अहम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच दूसरी अनौपचारिक वार्ता को लेकर बना संशय तो खत्म हो गया है, लेकिन दोनों नेताओं की मुलाकात से ठीक पहले कश्मीर का पेंच फंसता दिखाई दे रहा है। भारत आने से पहले चिनफिंग की पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान से मुलाकात और उसमें कश्मीर पर चुभने वाला बयान, उस पर भारत की तल्ख प्रतिक्रिया से साबित हो रहा है कि माहौल पूरी तरह सामान्य नहीं है। वैसे मोदी और चिनफिंग इससे भी ज्यादा तनाव वाले माहौल (डोकलाम घटनाक्रम के बीच) में मुलाकात कर रिश्तों में भरोसा भरने का काम कर चुके हैं।

दोनों देशों के विदेश मंत्रालयों ने मोदी-चिनफिंग की बहुप्रतीक्षित मुलाकात से दो दिन पहले इसके बारे में आधिकारिक घोषणा की। भारतीय विदेश मंत्रालय और नई दिल्ली में चीन के राजदूत ने कुछ ही मिनटों के अंतराल पर भावी यात्रा का ब्योरा दिया। दोनों पक्षों ने इस बात से इन्कार किया है कि चीन के राष्ट्रपति के दौरे की विलंब से घोषणा के पीछे कोई खास वजह है। इस देरी के बावजूद दोनों पक्षों के बीच इस वार्ता को लेकर तैयारियां जबरदस्त तरीके से चल रही हैं। चीन के राष्ट्रपति भारत का दौरा समाप्त करने के बाद नेपाल जाएंगे। इस बात के संकेत दिए गए हैं कि दोनों नेताओं की तरफ से अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर शांति बहाली के लिए इस बार कुछ और उपायों की घोषणा की जा सकती है। पिछले वर्ष इन दोनों नेताओं के बीच हुई पहली अनौपचारिक वार्ता के बाद इस तरह के उपायों की पहली किस्त की घोषणा की गई थी जिसका सकारात्मक असर देखने को मिला है।

चिनफिंग अपने कई अहम अधिकारियों के साथ शुक्रवार (11 अक्टूबर) को दोपहर में चेन्नई के पास मामल्लपुरम पहुंचेंगे। वहां पहुंचने के कुछ ही देर बाद पीएम मोदी के साथ उनकी मुलाकात होगी। इस मुलाकात से ही अनौपचारिक वार्ता का दौर शुरू हो जाएगा जो अगले दिन दोपहर तक कई दौर में और कई घंटों तक चलेगी। उनके साथ पोलित ब्यूरो के कुछ बड़े अधिकारी, चीन के विदेश मंत्री वांग यी और उनके राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी होंगे। इस तरह से मामल्लपुरम में होने वाली दूसरी अनौपचारिक वार्ता वुहान (चीन) में हुई वार्ता से काफी अलग होगी। वैसे बताया गया है कि इस बार भी बिना एजेंडा के बातचीत होगी लेकिन हर अहम मुद्दों को लंबी अवधि के दृष्टिकोण से सुलझाने की कोशिश होगी।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फाइल फोटो। एपी

राष्ट्रपति चिनफिंग को मोदी देंगे जवाब

जम्मू एवं कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के भारत के फैसले को देखते हुए मोदी और चिनफिंग के बीच होने वाली बैठक ज्यादा अहम हो गई है। वामपंथी शासन वाला देश चीन जम्मू कश्मीर के लद्दाख वाले हिस्से को केंद्र शासित प्रदेश बनाने के फैसले पर सबसे ज्यादा ऐतराज जता रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा कि वैसे तो मामल्लपुरम में दोनों नेताओं की बातचीत में कश्मीर का मुद्दा भारत नहीं उठाएगा, लेकिन अगर राष्ट्रपति शी चिनफिंग इसका जिक्र करते हैं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से निश्चित तौर पर उन्हें इसके बारे में विस्तार बताया जाएगा।

बड़े मुद्दों पर स्थायी समाधान की कोशिश

कश्मीर और लद्दाख के पेच को छोड़ दिया जाए तो मोदी और चिनफिंग की कोशिश यही होगी कि द्विपक्षीय रिश्तों के बीच तनाव पैदा करने वाले जो बड़े मुद्दे है उनका स्थायी समाधान निकाला जाए। यही वजह है कि शीर्ष नेताओं के बीच होने वाली मुलाकात के साथ ही अलग से विदेश मंत्रियों और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की अलग-अलग बैठक होगी। सीमा पर तनाव को घटाना और द्विपक्षीय कारोबार को लेकर आने वाली दिक्कतों को दूर करना वरीयता में सबसे ऊपर है।

महाबलीपुरम : बेमिसाल शिल्प की नगरी पेज>>5

अब जियो से दूसरे नेटवर्क पर फ्री में नहीं होगी बात

▶ दूसरे मोबाइल नेटवर्क के लिए छह पैसा प्रति मिनट का शुल्क लेगी कंपनी

▶ एयरटेल ने कंपनी पर लगाया ट्राई पर दबाव बनाने का आरोप

नई दिल्ली, प्रेट्र : रिलायंस जियो ने वॉयस कॉल के लिए चार्ज लगाने की घोषणा कर दी है। कंपनी अपने नेटवर्क से अन्य नेटवर्क पर की गई कॉल के लिए छह पैसे प्रति मिनट के हिसाब से चार्ज करेगी। नई दरें सभी जियो यूजर के लिए बुधवार से लागू हो चुकी हैं। कॉल टर्मिनेशन चार्ज को लेकर बनी अनिश्चितताओं के चलते कंपनी ने यह कदम उठाया है। हालांकि कंपनी ने इसकी कीमत के बराबर फ्री डाटा देने की बात भी कही है।

जियो ने कहा है कि ये कॉल दरें तब तक लागू रहेंगी जब तक टर्मिनेशन चार्ज पूरी तरह से खत्म नहीं कर दिया जाता। हालांकि एक जियो नंबर से दूसरे जियो नंबर तथा किसी भी लैंडलाइन फोन पर की गई कॉल के लिए कोई कंपनी चार्ज नहीं लेगी। एयरटेल ने जियो के इस कदम की आलोचना करते हुए कहा है कि वह ट्राई को आइयूसी कम करने के लिए बाध्य करना चाहती है।

यह पहली बार होगा, जब जियो के यूजर्स को वॉयस कॉल के लिए कोई शुल्क चुकाना पड़ेगा। इससे पहले जियो सिर्फ डाटा के लिए चार्ज करता था। पूरे देश में किसी भी नेटवर्क पर इसके यूजर मुफ्त में वॉयस कॉल कर सकते थे।

आइयूसी पर फंसा पेच

ट्राई ने वर्ष 2017 में इंटरकनेक्ट यूसेज चार्ज (आइयूसी) को 14 पैसे प्रति मिनट से घटाकर छह पैसे कर दिया था। इस दौरान कहा गया था कि जनवरी, 2020 तक आइयूसी को पूरी तरह से खत्म कर दिया जाएगा। लेकिन अब ट्राई इसकी समय-सीमा बढ़ाने को लेकर विचार कर रहा है। इसके लिए सलाह मांगी गई है, जिसके बाद से आइयूसी को लेकर अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है।

रिंगिंग टाइम पर हो चुका विवाद

इससे पहले जियो और उसकी प्रमुख प्रतिस्पर्धी एयरटेल के बीच रिंगिंग टाइम को लेकर विवाद छिड़ा हुआ था। एयरटेल ने जियो पर रिंगिंग टाइम कम करने का आरोप लगाया था। इसके बाद 28 सितंबर को एयरटेल ने ट्राई को जानकारी दी थी कि उसने अपना रिंगिंग टाइम 45 सेकेंड से घटाकर 25 सेकेंड कर दिया है। ट्राई 14 अक्टूबर को इस मुद्दे पर सभी हितधारकों के साथ बैठक करेगा।

जियो का तर्क

दरअसल जियो के नेटवर्क पर कॉल फ्री है, जिसकी वजह से इसे अपने प्रतिस्पर्धी एयरटेल और वोडाफोन आइडिया को बीते तीन वर्षों के दौरान 13,500 करोड़ रुपये चुकाने पड़े हैं। अब जियो इसकी भरपाई के लिए अपने ग्राहकों पर चार्ज लगाने जा रही है। इसका कहना है कि जब तक ट्राई टर्मिनेशन चार्ज खत्म नहीं करती, ये दरें लागू रहेंगी।

ये हैं जियो के नए आइयूसी प्लान

▶ 10 रुपये में 124 आइयूसी मिनट के साथ मिलेगा एक जीबी डाटा

▶ 20 रुपये के पैक में 249 मिनट और दो जीबी डाटा

▶ 50 रुपये के पैक में 656 मिनट और पांच जीबी डाटा

▶ 100 रुपये के पैक में 1,362 मिनट और 10 जीबी डाटा

अभिनेत्री अपर्णा सेन समेत 49 के खिलाफ केस बंद करने का आदेश

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर

उन्मादी हिंसा को लेकर प्रधानमंत्री को पत्र लिखने में अभिनेत्री अर्पणा सेन समेत 49 फिल्मी कलाकारों व बुद्धिजीवियों के खिलाफ केस को एसएसपी ने जांच में असत्य पाया है। कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिलने के बाद पर्यवेक्षण रिपोर्ट जारी कर एसएसपी ने केस को बंद करने का निर्देश दिया है। एडीजी मुख्यालय जितेंद्र कुमार ने कहा कि आवेदक पर 182/211 के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय अधिवक्ता सुधीर कुमार ओझा द्वारा 27 जुलाई को बिहार के मुजफ्फरपुर में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) की कोर्ट में दर्ज परिवाद की सुनवाई के बाद सदर थानाध्यक्ष को केस दर्ज कर मामले की जांच के आदेश दिए गए थे। इस मामले में अभिनेत्री सेन के अलावा अडूर गोपाल कृष्णन, शुभा दुग्गल, सुमित्रा चटर्जी, रेवती, कोंकणा सेन, श्याम बेनेगल, मणिरत्नम व इतिहासकार रामचंद्र गुहा आदि को आरोपित किया गया था।

यह लगाया गया था आरोप : सुधीर कुमार ओझा ने कहा था कि 23 जुलाई को आरोपित 49 बुद्धिजीवियों ने देश में हो रही उन्मादी हिंसा को लेकर पीएम को पत्र लिखा था। टीवी चैनलों व अखबार में यह बात आई। आरोपितों का यह काम देश की छवि की खराब करने वाला वाला है। प्रधानमंत्री के काम करने की छवि को बदनाम करने की नीयत से यह पत्र लिखा गया है।

एसबीआइ ने लोन और जमा पर ब्याज की दरें घटाईं

मुंबई : देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआइ ने मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड बेस्ड लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) में 10 आधार अंकों की कटौती की है। अर्थात बैंक की सभी अवधि की ब्याज दरों में 0.10 फीसद की कटौती होगी। इससे होम, कार व पर्सनल लोन सस्ते होंगे। साथ ही बैंक ने सेविंग्स अकाउंट डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज की दर भी 0.25 फीसद तक घटा दी है। इससे बुजुर्गों व पेंशनभोगियों को घाटा हो सकता है। लोन रेट में कटौती की दरें 10 अक्टूबर व सेविंग्स पर ब्याज दरों में कटौती नवंबर की पहली तारीख से लागू होगा। (पेज-12)

राजनयिक मिशनों के जरिये भारत में नकली नोट भेज रहा पाक

लंदन : हर मोर्चे पर भारत से पटखनी खाने के बाद भी पाकिस्तान हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। भारत में नोटबंदी के तीन साल बाद उसने लश्कर और जैश जैसे आतंकी संगठनों की फंडिंग के लिए नकली भारतीय मुद्रा को फिर से भारत भेजना शुरू कर दिया है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस काम के लिए वह नेपाल, बांग्लादेश व अन्य देशों में मौजूद अपने राजनयिक चैनलों का दुरुपयोग कर रहा है। (पेज-13)

राहुल गांधी के अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद भी कांग्रेस में नहीं थम रहा है घमासान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

राहुल गांधी के अध्यक्ष पद छोड़ने के सदमे से जूझ रही कांग्रेस का अंदरूनी घमासान थमता नहीं दिख रहा। पार्टी के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने कहा है कि इस समय कांग्रेस का सबसे बड़ा संकट यह है कि हमारे नेता राहुल गांधी हमें छोड़कर चले गए और सोनिया गांधी भी अंतरिम अध्यक्ष के रूप में ही काम कर रही हैं। कांग्रेस को संकट से बाहर लाने के लिए मौजूदा हालात की तत्काल समीक्षा की जरूरत है। खुर्शीद ने हरियाणा व महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत की संभावनाओं पर खुद ही सवाल खड़े किए।

सलमान खुर्शीद ने कहा, 'हमारा सबसे बड़ा संकट यह है कि हमारे नेता राहुल गांधी इस्तीफा देकर हमें छोड़कर चले गए, जबकि राहुल पर अब भी पार्टी की निष्ठा है और जल्दबाजी में उन्होंने अध्यक्ष पद छोड़ दिया। पार्टी में हम सभी न केवल चाहते थे बल्कि चाहते हैं कि राहुल अध्यक्ष रहें। तमाम लोगों ने उनसे बार-बार अनुरोध भी किया। वह शायद पहले नेता हैं जिनमें पार्टी नेताओं को दो चुनावों की हार के बाद भी भरोसा था। मगर उनका अपना मत था कि वह अध्यक्ष नहीं रहेंगे। उनके जाने के बाद कांग्रेस में एक तरह का खालीपन है।'

खुर्शीद ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हार के बाद राहुल गांधी के इस्तीफे से कांग्रेस का संकट बढ़ा है। राहुल के पद छोड़ने के फैसले के कारण कांग्रेस हार के कारणों की अनिवार्य समीक्षा और आत्ममंथन भी नहीं कर पाई। उनका कहना था कि हमें इस पर भी चिंतन करना होगा कि आखिर कांग्रेस इस हालत में कैसे पहुंच गई कि हम न केवल अभी हो रहे विधानसभा चुनावों में, बल्कि अपना सियासी भविष्य तक तय नहीं कर पा रहे। साथ ही कांग्रेस का आधार भी कुछ राज्यों तक सिमट गया है।

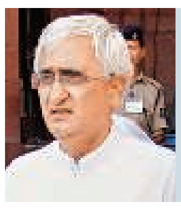

सलमान खुर्शीद बोले, राहुल के अचानक जाने से बढ़ा संकट, हालात की हो तत्काल समीक्षा

सलमान खुर्शीद ने जो कहा है उसका जवाब वही देंगे। पार्टी नेताओं को ऐसी बयानबाजी से बचना चाहिए और एकजुट होकर अपना पूरा दमखम हरियाणा व महाराष्ट्र चुनाव में भाजपा को हराने में लगाना चाहिए।
-पवन खेड़ा, कांग्रेस प्रवक्ता

सिंधिया बोले, कांग्रेस को आत्मचिंतन की जरूरत

ग्वालियर : पूर्व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी कहा है कि पार्टी वर्तमान में जिन हालात से गुजर रही है, उसमें आत्मचिंतन की जरूरत है। ताकि उस पर क्रियान्वयन कर स्थिति को सुधारा जा सके। उन्होंने कहा कि मैं किसी के वक्तव्य पर कभी कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं करता हूं, लेकिन ऐसा मेरा मानना है।

नसीहत के बाद विस चुनावों पर दिए बयान से पलटे पेज>>3

सम्मान

खोज के करीब पांच दशक बाद ब्रिटेन के वैज्ञानिक स्टेनली विटिंघम को मिला सम्मान, स्मार्टफोन से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तक हो रहा लिथियम आयन बैट्रियों का इस्तेमाल

लिथियम आयन बैट्री बनाने वाले वैज्ञानिकों को रसायन का नोबेल

स्टॉकहोम, एएफपी : उपलब्धियां अपने सम्मान का रास्ता बना ही लेती हैं। इस बार रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल जीतने वाले वैज्ञानिकों की कहानी यही प्रेरणा देती है। 2019 के रसायन नोबेल के लिए अमेरिका के जॉन गुडएनफ, ब्रिटेन के स्टेनली विटिंघम और जापान के अकीरा योशिनो को चुना गया है। तीनों को यह पुरस्कार लिथियम आयन बैट्रियों के निर्माण की दिशा में उनके योगदान के लिए दिया गया है। उन्हें यह सम्मान अपनी खोजों के 35 से 50 साल बाद मिला है।

लिथियम आयन बैट्रियों ने 1991 में पहली बार बाजार में कदम रखा था। तब से आज तक इन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स की दुनिया में बड़ा बदलाव किया है। आज इन शक्तिशाली, हल्की और रिचार्ज की जा सकने वाली बैट्रियों का इस्तेमाल मोबाइल फोन, लैपटॉप से लेकर इलेक्ट्रिक वाहनों तक में हो रहा है। पिछली सदी के आठवें दशक में विटिंघम ने इसकी नींव रखी थी। बाद में विटिंघम के बनाए रास्ते पर गुडएनफ ने काम आगे बढ़ाया। उनके प्रयोगों ने ज्यादा शक्तिशाली और टिकाऊ बैट्री की उम्मीद पैदा की। 1985 में योशिनो के शोध से वाणिज्यिक तौर पर टिकाऊ बैट्रियां बनाने का रास्ता खुला।

अमेरिका के जॉन गुडएनफ, जापान के अकीरा योशिनो और ब्रिटेन के स्टेनली विटिंघम। रायटर

सबसे उम्रदराज विजेता हैं गुडएनफ

इस साल नोबेल पुरस्कार के लिए चुने गए अमेरिकी रसायन विज्ञानी जॉन गुडएनफ की उम्र 97 साल है। वह नोबेल पाने वाले अब तक के सबसे उम्रदराज वैज्ञानिक हैं। ब्रिटेन के नागरिक स्टेनली विटिंघम की उम्र 77 साल और जापान के योशिनो की उम्र 71 साल है। पुरस्कार के तौर पर मिलने वाली 90 लाख स्वीडिश क्रोनर (तकरीबन 6.46 करोड़ रुपये) की राशि को तीनों वैज्ञानिकों में बराबर बांटा जाएगा। पिछले साल अमेरिकी वैज्ञानिकों फ्रांसेस अर्नाल्ड व जॉर्ज स्मिथ तथा ब्रिटेन की ग्रेगरी विंटर को एंजाइम के क्षेत्र में शोध के लिए रसायन का नोबेल मिला था। अर्नाल्ड रसायन के क्षेत्र में नोबेल पाने वाली पांचवीं महिला हैं।

आज साहित्य के नोबेल विजेताओं का होगा एलान

इस साल नोबेल विजेताओं के नाम के एलान की शुरुआत सोमवार को चिकित्सा क्षेत्र के विजेताओं से हुई थी। मंगलवार को भौतिकी के क्षेत्र में नोबेल विजेताओं का नाम सामने आया। इस कड़ी में गुरुवार को साहित्य के क्षेत्र में नोबेल जीतने वालों का नाम बताया जाएगा। पिछले साल विवाद के चलते स्थगति होने के कारण इस बार 2018 और 2019 दोनों वर्षों के लिए साहित्य का नोबेल दिया जाना है। शुक्रवार को शांति के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार की घोषणा होगी। अगले सोमवार को अर्थशास्त्र के लिए नोबेल पुरस्कार विजेता के एलान के साथ इस साल के विजेताओं की घोषणा का क्रम पूरा होगा। 10 दिसंबर को अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि पर स्टॉकहोम में चिकित्सा, भौतिकी, रसायन, साहित्य व अर्थशास्त्र का नोबेल और ओस्लो में शांति का नोबेल दिया जाएगा।

कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर में बीडीसी चुनाव के बहिष्कार का किया एलान

राज्य ब्यूरो, जम्मू

▶ मीर बोले-प्रशासन ने अटकाए रोड़े, मजबूरी में लिया फैसला

▶ कश्मीर के हालात, पार्टी नेताओं की नजरबंदी को बताया मुख्य वजह

जम्मू कश्मीर में 24 अक्टूबर को होने जा रहे ब्लॉक डेवलपमेंट काउंसिल (बीडीसी) के चुनाव के नामांकन पत्र भरने के अंतिम दिन बुधवार को कांग्रेस ने चुनाव बहिष्कार करने का एलान कर दिया। कांग्रेस ने प्रशासन पर रोड़े अटकाने का ठीकरा फोड़ा। पार्टी के प्रदेश प्रधान जीए मीर ने कश्मीर के हालात, पार्टी नेताओं की नजरबंदी, चुनावी तैयारियों का समय न मिलने और कश्मीर जाने की अनुमति न मिलने का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी मजबूरी में बीडीसी चुनाव का बहिष्कार कर रही है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीए मीर ने आरोप लगाया कि जम्मू कश्मीर में विपक्षी दलों के नेताओं को नजरबंद किया गया। कइयों पर पाबंदियां लगाई गई। ऐसे हालात में क्या बीडीसी के चुनाव संभव हैं, बावजूद इसके कांग्रेस ने भाग लेने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि पूर्व में नेशनल कांफ्रेंस -कांग्रेस ने ही पंचायतों को मजबूत करने के लिए भारतीय संविधान के 73वें संशोधन के प्रावधान लागू किए, लेकिन पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) और भाजपा की साझा सरकार ने पंचायतों को कमजोर करने के लिए इसमें संशोधन किया। बाद में कांग्रेस ने इस मुद्दे को जोर शोर से उठाया। पूर्व राज्यपाल एनएन वोहरा ने आदेश को वापस लिया। अभी तक जम्मू कश्मीर में पंचायतों के 12 हजार से अधिक सदस्यों को चुना नहीं गया है। अब भी बीडीसी चुनाव भारतीय संविधान के 73वें संशोधन के तहत नहीं करवाए जा रहे हैं।

हमारे नेताओं पर पाबंदियां, नहीं जाने दिया जा रहा कश्मीर पेज>>6

20 अक्टूबर तक बिना लेट फीस विद्यार्थी भर सकेंगे इग्नू में ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म। सभी पाठ्यक्रमों के लिए दिसंबर में परीक्षाएं होंगी।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 10 अक्टूबर 2019

जिम-फिटनेस सेंटरों को सीलिंग से राहत

स्वीकृति ▸ राजनिवास में हुई दिल्ली विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में प्रस्ताव को मिली मंजूरी

इसके लिए प्राधिकरण जल्द ही मास्टर प्लान-2021 में करेगा बदलाव

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली के जिम और फिटनेस सेंटरों पर लटक रही सीलिंग की तलवार हट गई है। उपराज्यपाल अनिल बैजल की अध्यक्षता में बुधवार को राजनिवास में हुई दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की बोर्ड बैठक में अब तक बने ऐसे सभी सेंटरों को वैध करार देने के प्रस्ताव को स्वीकृति दे दी गई है। इसके लिए, डीडीए जल्द ही मास्टर प्लान-2021 में बदलाव करेगा। इसका सीधा लाभ दिल्ली में बने हजारों जिम और फिटनेस सेंटरों को मिलेगा। हालांकि इस बदलाव को अधिसूचित करने के लिए अभी 45 दिन से अधिक का समय मिलेगा। इस दौरान इस बदलाव के लिए जनता की शिकायत और सुझावों को भी आमंत्रित किया जाएगा। इस संशोधन के बाद नए जिम, फिटनेस और वेलनेस सेंटर केवल बेसमेंट एवं भूतल पर ही चलाए जाएंगे।

डीडीए ने खत्म की अधिसूचना की तारीख : बोर्ड बैठक में डीडीए ने जिम और फिटनेस सेंटरों के लिए 12 अगस्त 2008 की तारीख को ही खत्म कर दिया है। अब नई तारीख वह मानी जाएगी, जिस दिन मास्टर प्लान में बदलाव को लेकर नई अधिसूचना जारी होगी। मालूम हो कि मॉनीटरिंग कमेटी के आदेश के बाद 12 अगस्त 2008 के बाद बने सभी जिम, फिटनेस सेंटर और वेलनेस सेंटर अवैध घोषित हो गए थे।

कमेटी ने इन सभी को सील करने का आदेश जारी कर दिया था, जिसके बाद दिल्ली में हजारों की जिम मालिक और लाखों की संख्या में जिम जाने वाले लोगों में हड़कंप मच गया था। सभी जिम रिहायशी या ऐसे इलाकों में बने थे, जिन्हें व्यावसायिक उपयोग के लिए अधिसूचित नहीं किया गया था।

नहीं बिक रहे एलआइजी फ्लैटों को जोड़कर बड़ा बनाकर बेचेगा डीडीए : आवासीय योजना-2019 में लौटाए गए एलआइजी फ्लैट निकालने के लिए डीडीए दो फ्लैटों को एकत्र कर बेचेगा। इन फ्लैटों की कीमत में कोई बदलाव नहीं होगा। इसमें कोई भी व्यक्ति आवेदन कर सकता है। डीडीए के इतिहास में जोड़े में फ्लैट की योजना पहली बार आएगी। जल्द ही डीडीए, पहले आओ-पहले पाओ ऑनलाइन योजना के माध्यम से 500 जोड़े की आवासीय योजना शुरू करेगा। इस योजना के तहत नरेला के जी-7/ जी-8 पॉकेट स्थित एक हजार फ्लैटों के जोड़े बनाए जाएंगे। इसमें एक फ्लैट का जगह 99 वर्ग मीटर और कीमत करीब 45 लाख रुपये रहेगी।

अब भूमि आवंटित करने के बजाय नीलामी करेगा डीडीए : व्यावसायिक श्रेणी के अतिरिक्त अब अन्य सभी श्रेणियों में भी डीडीए जमीन की नीलामी किया जाएगा। इसके लिए नजूल रूल 1981 में संशोधन किया जाएगा। मतलब, अब सामाजिक ढांचागत और अन्य सुविधाएं विकसित करने के लिए भी डीडीए जमीन का आवंटन नहीं, बल्कि नीलामी करेगा। इस नीलामी में कोई भी भाग ले सकेगा।

त्रिलोकपुरी में नया कांप्लेक्स : संजय लेक पार्क कांप्लेक्स या लेक व्यू कांप्लेक्स के प्लान को डीडीए ने मंजूरी दी है। त्रिलोकपुरी की संजय झील के पास बन रहे इस पार्क में रिहायशी और मिक्स यूज डेवलपमेंट होगा। यह टीओडी (ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट) के नियमों के तहत तैयार होगा। इसके लिए इस जमीन का भू उपयोग भी बदलकर व्यावसायिक से रिहायशी किया जाएगा। इस तरह की योजना पर डीडीए पहली बार काम कर रहा है।

डीडीए के खेल परिसरों और गोल्फ कोर्स में होगा अब कैशलेस प्रवेश

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : डीडीए के खेल परिसरों और गोल्फ कोर्स में अब कैशलेस प्रवेश होगा। इसके लिए डीडीए ने एचडीएफसी बैंक से करार कर लिया है। इन जगहों पर सदस्यों को ही प्रवेश मिलता है, लेकिन जो सदस्य नहीं हैं, वह शुल्क देकर इनमें प्रवेश कर सकते हैं। डीडीए उपाध्यक्ष तरुण कपूर और एचडीएफसी बैंक के अधिकारियों ने एमओयू पर साइन किए। इसके तहत अब एचडीएफसी बैंक इन सभी परिसरों में ऑनलाइन बुकिंग, ऑनलाइन भुगतान और कैशलेस लेनदेन की सुविधा उपलब्ध कराएगा। एचडीएफसी बैंक वेब पोर्टल और एप से बुकिंग और ऑनलाइन भुगतान कराएगा। खेल परिसरों में पीओएस मशीन भी उपलब्ध रहेंगी। इस बुकिंग सुविधा का लाभ गैर सदस्य भी उठा सकते हैं। यह एप गूगल प्ले स्टोर और आइओएस से डाउनलोड किया जा सकता है। शुरुआत में यह सुविधा पांच खेल परिसरों में दो माह के लिए उपलब्ध है। इनमें सिरीफोर्ट स्पोर्ट्स कांप्लेक्स, रोहिणी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स, द्वारका स्पोर्ट्स कांप्लेक्स, यमुना स्पोर्ट्स कांप्लेक्स और कुतुब गोल्फ कोर्स शामिल हैं। इसके बाद यह सुविधा सभी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स और गोल्फ कोर्स में उपलब्ध होगी।

प्रदूषण से निपटने को तैयार रहे दिल्ली सरकार : ईपीसीए

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण एवं संरक्षण प्राधिकरण (ईपीसीए) ने सर्दियों के मद्देनजर दिल्ली सरकार से प्रदूषण से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा है। ईपीसीए अध्यक्ष भूरेलाल ने बुधवार को दिल्ली के मुख्य सचिव विजय कुमार देव को इस बाबत एक पत्र भी लिखा है। इसमें उन्होंने सोमवार को ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेप) के मद्देनजर हुई बैठक के निर्णयों की जानकारी भी दी है। साथ ही दिल्ली के 13 ऐसे क्षेत्र बताए, जहां सबसे ज्यादा प्रदूषण होता है। इनके लिए जल्द एक्शन प्लान बनाने को कहा है। यह भी कहा गया है कि इस एक्शन प्लान पर अक्टूबर में ही काम शुरू करना होगा।

भूरेलाल ने कहा कि दिवाली के कुछ ही दिन बचे हैं। पराली भी जलेगी। ऐसे में प्रत्येक हॉट स्पॉट के लिए दो एक्शन प्लान बनाने की जरूरत होगी। एक को अभी लागू करना होगा और दूसरा पूरी सर्दी लागू रहेगा। यह भी कहा कि ज्यादातर कानून रात में तोड़े जाते हैं, इसलिए रात में गश्त की व्यवस्था बहुत जरूरी है। मालूम हो कि ईपीसीए, अध्यक्ष दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा भी कर रहे हैं। वहीं छह हॉट स्पॉट एनसीआर के भी हैं। इन पर एक्शन लेने के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को बोला गया है। इनमें दो इलाके फरीदाबाद और बाकी चार क्षेत्रों में उद्योग विहार, बहादुरगढ़, भिवाड़ी और साहिबाबाद शामिल हैं।

संयोग और संयम से इस बार प्रदूषण से हैप्पी रहा दशहरा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

इसे जन जागरूकता का असर कहें या सख्ती का, सामान्य पटाखा जलाने पर रोक कहें या मौसम का प्रभाव लेकिन इस बार दशहरे से अगली सुबह पिछले पांच सालों के दौरान सबसे कम प्रदूषित रही। न तो हवा में पटाखों के जलने से निकलने वाले रसायन या धातु की ही अधिक मात्रा मिली और न ही बहुत शोर शराबा हुआ। यही वजह रही कि दिल्ली वासियों को न मंगलवार रात सांस लेने में कोई परेशानी हुई और न बुधवार की सुबह। दिल्ली का एयर इंडेक्स भी 2015 के बाद इस साल सर्वाधिक कम दर्ज किया गया है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के रिकॉर्ड पर गौर करें तो इस साल दशहरे पर दिल्ली का दम नहीं घुटा। हालांकि इस बार भी कई जगह सामान्य आतिशबाजी का इस्तेमाल हुआ एवं पटाखे भी छोड़े गए। बहुत सी जगह तो रावण, मेघनाद और कुंभकरण के पुतलों में भी पुराने पटाखों का प्रयोग किया गया। लेकिन इनकी मात्रा पिछले दशहरे की तुलना में काफी कम रही। इसीलिए दशहरे के दिन वाली रात भी अपेक्षाकृत साफ रही और अगले दिन की सुबह भी। मालूम हो कि 2018 में तो दशहरे पर 2017 की दीवाली जितना प्रदूषण था।

सीपीसीबी के अनुसार इसके पीछे मौसम का असर तो रहा ही है, इस बार दशहरे का जल्दी आना भी एक बड़ी वजह है। इसके अतिरिक्त पटाखे भी कम चले हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्रतिबंध लगा होने के कारण बाजारों में पटाखे उपलब्ध न होने से लोग आतिशबाजी भी नहीं खरीद पाए। साथ ही इस बार पुतलों में कई जगहों पर ग्रीन पटाखे का इस्तेमाल हुआ है।

सीपीसीबी अधिकारियों के मुताबिक प्रदूषण बीत गया है। ऐसे में अब हमारी प्लानिंग स्वच्छ दिवाली के लिए है। उम्मीद है कि इस बार दिल्ली वासियों को दिवाली भी पिछले सालों की तुलना में कहीं साफ मिल पाए। इसके लिए हमारी 47 टीमों ने दिल्ली-एनसीआर भर में निरीक्षण शुरू कर दिया है।

हवा में पटाखों के जलने से निकलने वाले रसायन या धातु की अधिक मात्रा नहीं मिली

मंगलवार रात और न ही बुधवार सुबह सांस लेने में तकलीफ हुई

पिछले पांच सालों के दौरान दशहरे से अगले दिन का प्रदूषण

वर्ष	एयर इंडेक्स
2019	173
2018	326
2017	196
2016	223
2015	292

न्यूज गैलरी

नई लैंडफिल साइट पर हाई कोर्ट ने मांगा जवाब

नई दिल्ली : राजधानी में कूड़े के निपटान के लिए नई लैंडफिल साइट बनाने की मांग को लेकर हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई है। इस पर हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार व नगर निगमों से जवाब मांगा है। मुख्य न्यायमूर्ति डीएन पटेल व न्यायमूर्ति सी हरि शंकर की पीठ ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय, दिल्ली सरकार व तीनों नगर निगमों को नोटिस जारी कर जनहित याचिका पर जवाब मांगा है। इस याचिका में ओखला, गाजीपुर व भलस्वा की मौजूदा लैंडफिल साइट पर कूड़ा न डाले जाने की भी मांग की गई है। याचिका पर अगली सुनवाई नौ दिसंबर को होगी। याचिका में दावा किया गया है कि मौजूदा लैंडफिल साइटों पर उनकी क्षमता से अधिक कूड़ा डाला जा चुका है। इससे उनके आस-पास रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है। (जासं)

मानसिक रोगियों को नहीं मिल पाता घर के पास इलाज

नई दिल्ली : मानसिक बीमारियों से ग्रस्त ज्यादातर लोगों के इलाज की पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। कई जगह लोगों को इलाज के लिए घर से 50 किलोमीटर दूर तक जाना पड़ता है। विश्व मानसिक स्वास्थ्य फेडरेशन (डब्ल्यूएफएमएच) के सहयोग से नई दिल्ली स्थित कॉसमोस इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड बिहैवियरल साइंसेज (सीआइएमबीएस) की ओर से जारी सर्वे रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। सात राज्यों में 10 हजार से अधिक लोगों पर सर्वे किया गया। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस की पूर्व संध्या पर बुधवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि सर्वे में शामिल 43 फीसद लोगों ने बताया कि उनके परिवार में या फिर दोस्तों में मानसिक रोगी हैं। इनमें से 20 फीसद लोगों ने कहा कि उनके घर से 50 किलोमीटर के दायरे में कोई मानसिक चिकित्सा केंद्र या क्लीनिक नहीं है। देश में करीब 49 फीसद मरीजों को उनके घर के 20 किलोमीटर के दायरे में मानसिक स्वास्थ्य सुविधाएं मिल पाती हैं। 48 फीसद लोगों ने कहा कि वे जानते हैं कि उनके परिवार या दोस्तों में कोई व्यक्ति नशे की लत का शिकार है। (जासं)

राजधानी में सुबह के समय हल्की धुंध के आसार

नई दिल्ली : दिल्ली के बदलते मौसम में धूप का तीखापन तो कम हो ही रहा है, हल्की ठंड की शुरुआत भी होने लगी है। अब सुबह के समय हल्की धुंध होने का पूर्वानुमान है। आने वाले दिनों में तापमान में भी गिरावट के आसार हैं। बुधवार को दिन चढ़ने के साथ ही धूप भी तेज होती गई, लेकिन इसमें पहले जैसा तीखापन महसूस नहीं हुआ। दिल्ली का अधिकतम तापमान 33 .7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जो कि इस मौसम का सामान्य तापमान है। न्यूनतम तापमान 20 .3 डिग्री सेल्सियस रहा। (जासं)

पक्के आवास के लिए 270 झुग्गी बस्तियों का सर्वे पूरा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ **दिल्ली सरकार की ओर से जल्द जारी किया जाएगा सर्वेक्षण प्रमाण पत्र**

दिल्ली सरकार के निर्देश पर दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूएसआइबी) ने गरीबों को पक्का आवास मुहैया कराने के लिए सर्वे का काम तेज कर दिया है। अब तक 270 झुग्गी बस्तियों में रहने वाले सवा लाख परिवारों का सर्वे हो चुका है। उन्हें दिल्ली सरकार की ओर से जल्द सर्वेक्षण प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री आवास योजना (एमएमएवाइ) के तहत 675 झुग्गी बस्तियों में सर्वे का काम चल रहा है, जिससे यह पता चलेगा कि इनके लिए कितने आवास की आवश्यकता है। झुग्गी समूहों के पुनर्वास के लिए यह अनिवार्य प्रक्रिया है। इसके आधार पर ही पात्र लोगों का चयन होगा। दिल्ली के शहरी विकास मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि आप सरकार झुग्गी में रहने वाले प्रत्येक परिवार को सर्वेक्षण प्रमाण पत्र जारी करेगी। इसमें परिवार की तस्वीर के साथ स्थान व झुग्गी नंबर होगा। यह सर्वे आने वाले वर्षों में गरीबों के लिए घरों के निर्माण की मांग का आकलन करने में सरकार की मदद करेगा। एप आधारित इस डिजिटल सर्वे में परिवार के सदस्यों के चित्रों के साथ-साथ व्यक्तिगत पहचान प्रमाण पत्र देने होंगे। आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, बिजली बिल आदि की फोटोकॉपी के साथ झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले परिवारों के बारे में पूरी जानकारी मांगी गई है। इससे यह पता लगेगा कि परिवार कितने साल से झुग्गी-झोपड़ी में रह रहा है और घर में कितने लोग हैं। इससे आवंटन प्रक्रिया के दौरान अनुचित दावों को रोकने में मदद मिलेगी। इस कार्य के लिए एक स्वतंत्र एजेंसी की सेवा ली जा रही है। एप आधारित सर्वे के तहत डाटा ऑनलाइन एकत्र हो रहा है, जिसे अधिकारी ऑनलाइन सत्यापित कर सकते हैं। इससे सर्वे को त्रुटि मुक्त और फर्जीवाड़ा मुक्त बनाया जा रहा है।

यह है योजना : मुख्यमंत्री आवास योजना-2015 के तहत पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाले झुग्गी झोपड़ी में रहने वाले परिवारों को पक्के फ्लैट आवंटित किए जाएंगे। मौजूदा झुग्गी के पांच किलोमीटर के दायरे में पुनर्वास की योजना है। दिल्ली सरकार प्रमुख स्थानों पर 5500 नए फ्लैट बनाने की योजना पर काम कर रही है।

सीएम की यात्रा मंजूरी विवाद पर जावडेकर ने दी सफाई

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की डेनमार्क यात्रा को मंजूरी नहीं दिए जाने को दिए जा रहे सियासी रंग पर केंद्र सरकार ने बुधवार को सफाई दी है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने कहा कि यह महापौर स्तर की कांफ्रेंस है। इसमें बंगाल से तो मंत्री भाग लेने गए हैं।

मुख्यमंत्री केजरीवाल ने डेनमार्क में नौ से 12 अक्टूबर तक पर्यावरण को लेकर होने वाले कॉप (कांफ्रेंस)-40 में हिस्सा लेने की अनुमति मांगी थी। मंगलवार को विदेश मंत्रालय ने केजरीवाल की ओर से विदेश यात्रा की मांगी गई अनुमति खारिज कर दी। साथ ही कहा था कि इसे राजनीतिक रूप से नहीं देखा जाना चाहिए। इसके पीछे दूसरी कई अहम वजहें होती हैं।

इसी बीच बुधवार को कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देने के लिए पहुंचे केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर से इसे लेकर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने ज्यादा कुछ कहने के बजाय सिर्फ इतना ही कहा कि जिस कांफ्रेंस में वह जाना चाहते थे, वह महापौर स्तर की है। इसमें पश्चिम बंगाल से तो मंत्री जा रहे हैं। उनका सीधा इशारा यह था कि यह मुख्यमंत्री के स्तर की कांफ्रेंस नहीं थी।

विदेश मंत्रालय ने कहा, मुख्यमंत्री को भाग नहीं लेने की सलाह दी : विदेश मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि उसने दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल को डेनमार्क में मेयर कांफ्रेंस में पैनल चर्चा में भाग नहीं लेने की सलाह दी है। इसका कारण यह है कि दूसरे देशों के भागीदारों का स्तर उनके अनुरूप नहीं था। मीडिया के सवालों के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, 'विदेश मंत्रालय द्वारा राजनीतिक क्लीयरेंस पर यह सुविचारित फैसला है।

यह फैसला विभिन्न इनपुट पर आधारित है और कार्यक्रम के प्रारूप, अन्य देशों के भागीदारों के स्तर और आमंत्रण के प्रकार एवं अन्य को ध्यान में रखकर लिया गया है। इस मामले में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के मुख्यमंत्री का वक्ता के रूप में भाग लेना दूसरे देशों के भागीदारों के स्तर के अनुरूप नहीं था। दुनिया के बड़े और विपुल आबादी वाले शहर के साथ ही दिल्ली देश की राजधानी भी है। इसके मुख्यमंत्री को कार्यक्रम में भाग नहीं लेने की सलाह दी गई है।'

▸ **कहा-महापौर स्तर की कांफ्रेंस में बंगाल से तो मंत्री भाग लेने गए हैं**

मामले को जनता के बीच लेकर जाएगी आप : संजय सिंह

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

डेनमार्क के कोपेनहेगन में जलवायु पर सी-40 शिखर सम्मेलन में मुख्यमंत्री के शामिल होने की अनुमति नहीं देने वाला विदेश मंत्रालय का पत्र बुधवार को दिल्ली सरकार को मिल गया। पत्र में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, शहरी विकास मंत्री सत्येंद्र जैन व छह अन्य लोगों के नाम हैं। आप के राष्ट्रीय प्रवक्ता व राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि पार्टी इस मुद्दे को जनता के बीच लेकर जाएगी।

संजय सिंह ने दूसरे दिन भी इस मामले को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला। पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर का कहना है कि अनुमति इसलिए नहीं दी गई, क्योंकि शिखर सम्मेलन मेयर स्तरीय प्रतिभागियों के लिए था। संजय सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार यह बहाना बना रही है कि शिखर सम्मेलन मेयर का था और अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री हैं। इससे पहले दिल्ली की तत्कालीन मुख्यमंत्री शीला दीक्षित भी इसमें शामिल हुई थीं। पिछले कुछ वर्षों में दिल्ली सरकार के अथक प्रयास के कारण शहर के प्रदूषण में 25 फीसद की कमी आई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सी-40 सम्मेलन में इसी बात पर चर्चा करने जा रहे थे कि किस प्रकार दिल्ली ने ऑड-इवेन जैसे विभिन्न चरणों के माध्यम से प्रदूषण पर अंकुश लगाया। संजय सिंह ने कहा कि पार्टी अगले चुनाव के लिए प्रचार करते समय इस मुद्दे को दिल्ली की जनता तक ले जाएगी। पार्टी जनता को बताएगी कि केंद्र सरकार दिल्ली में हुए विकास कार्यों को दुनिया के सामने पेश करने की अनुमति नहीं देती है।

पत्रकार वार्ता को संबोधित करते आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह। जागरण

माता के भक्त जागे पर लापरवाह हुए अफसर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

यमुना को प्रदूषण से बचाने के लिए राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के आदेश पर माता के भक्त तो जागरूक हो गए, लेकिन दक्षिणी दिल्ली में निगम के अफसर ही लापरवाह हो गए। नतीजतन कर्मचारियों ने एक बार विसर्जित पूजन सामग्री को रिज एरिया और यमुना से कुछ ही दूरी पर फेंक दिया। इससे यह सामग्री देर-सबेर यमुना में पहुंचने का खतरा पैदा हो गया है। हालांकि पूर्वी दिल्ली के अधिकारियों ने इस क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया है। उन्होंने न सिर्फ पूजन सामग्री को कृत्रिम तालाबों में विसर्जित कराया, बल्कि दूसरे दिन गड्ढों में दबाकर पूजन सामग्री का उचित निस्तारण भी किया। वहीं पश्चिम दिल्ली में भी बुधवार तक तालाबों की सफाई नहीं हो सकी थी।

दक्षिणी दिल्ली में इस बार बड़े पैमाने पर कृत्रिम तालाबों में मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया था। लेकिन इन तालाबों से मां की प्रतिमाओं के अवशेष निकालकर जहां-तहां छोड़ दिए गए। कॉलोनियों में बनाए गए तालाबों के आसपास मूर्तियों के अवशेष बिखरे पड़े हैं, लेकिन निगम की ओर से इनका उचित निस्तारण नहीं किया गया है। नेहरू प्लेस के आस्था कुंज पार्क, ओखला के पार्क में मूर्तियों के अवशेष गड्ढों से निकालकर किनारे रख दिए गए हैं। वहीं, सीआर पार्क के जिन गड्ढों में मूर्तियों का विसर्जन किया गया था उन्हें बंद कर दिया गया है। जिन जगहों पर ज्यादा मूर्तियों का विसर्जन हुआ है वहां अधिक समस्या है। यमुना खादर में तो इन अवशेषों को तालाब से निकालकर रिज एरिया में खुले में डाल दिया गया। यहां मौजूद कर्मचारी ने बताया कि उन्हें कृत्रिम गड्ढों की सफाई करने की जिम्मेदारी दी गई है। इन अवशेषों को कहां डाला जाए, यह नहीं बताया गया है। इसलिए वे फिलहाल इन्हें आसपास ही डाल रहे हैं।

पूर्वी दिल्ली में हुई सफाई, गड्ढों में दबाई सामग्री : पूर्वी दिल्ली में निगम प्रशासन इस बार सतर्क दिखाई दिया। कृत्रिम तालाबों में मूर्तियों के विसर्जन को सुनिश्चित किया। वहीं दूसरे दिन इनकी सफाई कर गड्ढों में उचित निस्तारण भी किया गया। दरअसल, 12 सितंबर को गणेश विसर्जन के बाद तालाबों की सफाई व्यवस्था में खामियां देखने को मिली थीं। निगम की इस लापरवाही को जागरण ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसके बाद तालाबों की सफाई शुरू की गई थी। यही वजह रही कि इस बार दुर्गा पूजा के बाद प्रतिमाओं के विसर्जन पर जिला प्रशासन व नगर निगम के अधिकारियों अलर्ट दिखाई पड़े। पूर्वी जिले में बनाए गए पांच अस्थायी तालाबों में 729 मूर्तियां विसर्जित की गईं।

अस्थायी तालाबों की नहीं हुई है सफाई : पश्चिमी दिल्ली में एनजीटी के आदेश पर जिला प्रशासन ने प्रत्येक सब-डिवीजन में कृत्रिम तालाबों में प्रतिमाओं का विसर्जन सुनिश्चित किया गया था। लोगों ने पर्यावरण को प्राथमिकता देते हुए यमुना के बजाय आयोजन स्थल से नजदीक बने कृत्रिम तालाब में मां दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन किया। लेकिन निगम की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। विसर्जन के अगले दिन शाम तक भी निगम ने इन कृत्रिम तालाब व उसके आसपास के क्षेत्र की सफाई के लिए कोई मुस्तैदी नहीं दिखाई। इसके कारण तालाब पूजन सामग्री से पटे नजर आए। असल में मूर्तियां पर्यावरण अनुकूल होने के कारण पानी में घुल गईं, पर अन्य पूजन सामग्री को खाद बनाने के लिए प्रयोग करना था।

कालकाजी स्थित पार्क में बने कृत्रिम तालाब में मां दुर्गा की प्रतिमा विसर्जन के बाद बाहर निकालकर रखे गए प्रतिमाओं के अवशेष। जागरण

निजी अस्पतालों को लगाने होंगे फरिश्ते योजना के बोर्ड

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

फरिश्ते योजना के तहत अब निजी अस्पतालों को सड़क दुर्घटनाओं, एसिड अटैक और किसी भी तरह से जलने (थर्मल बर्न इंजरी) के पीड़ितों को कैशलेस उपचार प्रदान करना अनिवार्य हो गया है। इस योजना की जानकारी लोगों तक पहुंचाने के लिए दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने सभी निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम को तीन प्रमुख स्थानों पर स्थायी सूचना बोर्ड लगाने के निर्देश दिए हैं।

आदेश के तहत सभी निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम को मुख्य प्रवेश द्वार, आपातकालीन वार्ड के प्रवेश द्वार तथा रिसेप्शन के पास इस तरह के बोर्ड लगाने होंगे। सभी निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम को दो सप्ताह के भीतर यह व्यवस्था करनी होगी। निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम की ओर से सड़क दुर्घटना, एसिड अटैक और थर्मल बर्न इंजरी मामलों में इलाज से इंकार करना दंडनीय अपराध होगा। अगर ऐसी कोई घटना होती है तो दिल्ली सरकार अस्पताल का लाइसेंस निलंबित कर देगी।

सड़क दुर्घटना के किसी भी पात्र पीड़ित को कैशलेस उपचार प्रदान किया जाएगा बशर्ते पीड़ित को 72 घंटे के भीतर संबंधित निजी अस्पताल में लाया या भेजा या स्थानांतरित किया गया हो। यदि सड़क दुर्घटना के एक पात्र मरीज का निजी अस्पताल में नकद आधार पर या चिकित्सा बीमा के माध्यम से इलाज चल रहा है और उसके पास पैसे नहीं हैं या बीमा राशि समाप्त हो गई है तो ऐसे मरीज भी कैशलेस आधार पर आगे के उपचार के लिए पात्र होंगे। संबंधित अस्पताल की सबसे निचली अर्थव्यवस्था श्रेणी में आगे का उपचार किया जाएगा। हालांकि पूर्व भुगतान की प्रतिपूर्ति नहीं की जाएगी। एक बार जब पात्र रोगी को निजी अस्पताल में प्रारंभिक प्रवेश के बाद छुट्टी दे दी जाती है, तो सरकार आगे के उपचार का खर्च वहन नहीं करेगी। सरकार पीड़ित को दूसरे अस्पताल या नर्सिंग होम में कैट्स एंबुलेंस उपलब्ध नहीं होने पर एंबुलेंस से ले जाने पर दस किलोमीटर के दायरे में एक हजार रुपये देगी। उसके ऊपर सौ रुपये प्रति किलोमीटर दिया जाएगा।

सड़क दुर्घटना आदि के पीड़ितों के इलाज के लिए पैकेज रेट तय हैं। इसे दिल्ली की गवर्निंग बॉडी आरोग्य कोष द्वारा तैयार किया गया है। दिल्ली आरोग्य कोष का इस्तेमाल सड़क दुर्घटनाओं, एसिड अटैक और थर्मल बर्न इंजरी के पीड़ितों के इलाज के लिए किया जाएगा।

रेलवे यात्रियों का मददगार बनेगा 'सहयात्री'

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : ट्रेन में चोरी या छीना-झपटी की वारदात की एफआइआर अब रेल यात्री चलती ट्रेन से भी कर सकेंगे। इसके लिए आज सहयात्री नाम से एक एप लांच किया जाएगा। इसमें यात्री जीआरपी दिल्ली से संबंधित मामले दर्ज करा सकेंगे। साथ ही रेलवे से संबंधित अपना फीडबैक भी दे सकेंगे। वहीं, देशभर की जीआरपी पुलिस के लिए एक वेबसाइट भी शुरू की जा रही है जिसमें तमाम राज्य की जीआरपी पुलिस अपने-अपने राज्यों के मोस्ट वांटेड और अन्य अपराधियों का डाटा भी शेयर कर सकेंगी।

पुलिस आयुक्त अमूल्य पटनायक ने बताया कि 10 अक्टूबर को सहयात्री नाम का मोबाइल एप लांच किया जाएगा। इसके अलवा जल्द ही www.railwaysdelhipolice.gov.in वेबसाइट भी लांच की जाएगी। ये दोनों सुविधाएं केवल रेल यात्रियों के लिए होंगी। इन्हें दिल्ली जीआरपी ने तैयार किया है। वेबसाइट देश की जीआरपी के लिए बनाई गई है। इसमें अपराधियों का डाटा शेयर कर अपराध को नियंत्रित करने के साथ अपराधियों के बारे में जीआरपी को पूरी जानकारी भी मिल सकेगी। विशेष आयुक्त इंटेलीजेंस प्रवीर रंजन ने बताया कि इस एप से रेल यात्रियों को एफआइआर कराने के लिए पुलिस थाने जाने की जरूरत नहीं होगी। यात्री चलती ट्रेन से भी सहयात्री एप के जरिये एफआइआर दर्ज करा सकेंगे।

कवायद

फिरोजशाह तुगलक ने करीब साढ़े छह सौ साल पहले शिकारगार के रूप में बनाया था मालचा महल

मालचा महल को अपने कब्जे में लेगा एएसआइ

वी.के. शुक्ला, नई दिल्ली

फिरोजशाह तुगलक द्वारा करीब साढ़े छह सौ साल पहले शिकारगार के रूप में बनाए गए मालचा महल को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) अब अपने कब्जे में लेगा। केंद्र सरकार ने इसे 1985 में अवध के नवाब के वारिसों को रहने के लिए दे दिया था। इसमें रह रहे इस परिवार के अंतिम व्यक्ति की भी मौत हो चुकी है। करीब दो साल से यह महल खाली है। एएसआइ ने इसे कब्जे में लेने के लिए संस्कृति मंत्रालय के पास फाइल भेजी है।

इस महल को लेकर दिलचस्प कहानी : अवध के आखिरी नवाब वाजिद अली शाह को 1856 में अंग्रेजों ने सत्ता से बेदखल कर दिया था। उन्हें कोलकाता जेल में डाल दिया गया। वहां उन्होंने अपने जीवन के आखिरी 26 साल गुजारे। जब 1947 में देश को आजादी मिली, तब तक वाजिद अली शाह का खानदान इधर-उधर बिखर चुका था। बेगम विलायत महल 1970 के करीब लोगों के सामने आईं। उनका दावा था कि वह अवध के अंतिम नवाब वाजिद अली शाह की परपोती हैं। वह भारत सरकार से उन तमाम जायदाद के बदले मुआवजे की मांग कर रही थीं, जिसे भारत सरकार ने उनके दादा-परदादा से जब्त कर लिया था। जब विलायत महल की मांगों पर कोई सुनवाई नहीं हुई तो एक दिन अचानक उन्होंने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के वीआइपी लाउंज को अपना घर बना लिया। 10 साल तक उन्हें वहां से हटाने की नाकाम कोशिशें होती रहीं। आखिरकार सरकार ने उन्हें मालचा महल दे दिया। विलायत महल ने सरकार के इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया और बेटे प्रिंस अली रजा और बेटी सकीना महल के साथ मालचा महल में आ गईं। वह अपने साथ आठ कुत्तों को भी लेकर आई थीं। बस ये नाम का महल था, न तो इसमें बिजली थी, न पानी और न ही खिड़की-दरवाजे। जंगली जानवरों को रोकने के लिए इस महल में चारों ओर से लोहे की जालियां लगी थीं।

बेगम विलायत महल और प्रिंस अली रजा के जीते जी यहां किसी को कदम रखने की इजाजत नहीं थी। वे आम लोगों से मिलना पसंद नहीं करते थे। न तो कोई वहां आता था और न ही वे कहीं जाते थे। महल के बाहर मोटे अक्षरों में लिखा था कि अनधिकृत प्रवेश करने पर गोली मार दी जाएगी।

मालचा महल में आने के करीब 10 साल बाद 62 साल की उम्र में बेगम विलायत महल ने खुदकशी कर ली। कुछ साल पहले बेगम सकीना महल भी गुजर गईं। प्रिंस अली रजा कई साल से बेहद गरीबी में अकेले रहते थे। नवंबर 2017 में उनका भी देहांत हो गया। कहा जाता है कि भूख से उनकी मौत हो गई। मौत के बारे में भी करीब एक माह बाद पता चल सका। रजा की मौत के बाद महल का निरीक्षण करने गए एएसआइ की टीम के सदस्य रामसिंह बताते हैं कि वहां के हालात देखने से ऐसा लग रहा था कि वहां लंबे समय से भोजन नहीं बना।

इस महल तक पहुंचना कठिन है। जंगल में करीब डेढ़ किलोमीटर सड़क के बाद एक संकरा रास्ता ऊंचाई की ओर जाता है। इस पर करीब 30 मीटर आगे जाने पर एक खंडहर दिखाई देता है। अब यह खंडहर चमगादड़ों से भरा पड़ा है। टूटा-फूटा सामान यहां-वहां बिखरा पड़ा है। कुछ लोग इसे भुतहा महल कहते हैं।

वीरान पड़ा मालचा महल। जागरण

इतिहास : चाणक्यपुरी में सरदार पटेल मार्ग पर जंगल में करीब डेढ़ किलोमीटर अंदर यह स्मारक स्थित है। इसे मालचा महल या मालचा विसदरी कहा जाता है। इसे फिरोजशाह तुगलक ने (1351-88) बनवाया था। यह एक शिकारगाह है। इसमें तीन मुख्य कक्ष हैं। बीच वाला कक्ष बड़ा है। यह लगभग चौकोर है। तुगलक शिकार पर निकलने के समय इसका उपयोग करता था।

पहले माह में 14 लाख लोगों का आया शून्य बिजली बिल

वी.के. शुक्ला, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार द्वारा दो सौ यूनिट तक मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने की योजना के तहत पहले माह में 14 लाख लोगों को शून्य बिजली बिल मिला है। यह संख्या कुल बिजली उपभोक्ताओं की 28 फीसद है। आने वाले दिनों में इस संख्या के बढ़ने की पूरी संभावना है क्योंकि दिल्ली में मुख्यमंत्री किरायेदार बिजली मीटर योजना शुरू हो चुकी है। इससे किरायेदारों के अलग बिजली मीटर लगेंगे। इससे मकान मालिक भी इस योजना का लाभ उठा सकेंगे। वहीं एसी बंद होने से भी बिजली की खपत कम होगी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक अगस्त को दो सौ यूनिट तक बिजली बिल को मुफ्त किए जाने की घोषणा की थी। यह योजना उसी दिन से लागू हो गई थी। ऊर्जा विभाग ने योजना के लागू होने के बाद पहले माह में लाभ पाने वालों की रिपोर्ट मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सौंपी है। रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में कुल बिजली उपभोक्ता 52 लाख 27 हजार 857 हैं। इनमें से सितंबर में 14 लाख 64 हजार 270 उपभोक्ताओं का बिजली बिल शून्य आया है। अगर बिजली वितरण करने वाली तीनों कंपनियों का अलग अलग आंकलन करें तो बीएसइएस राजधानी पावर लिमिटेड के पास सबसे अधिक 22 लाख तीन हजार 536 उपभोक्ता हैं। इसमें से छह लाख 14 हजार 910 उपभोक्ताओं का बिजली बिल शून्य आया है। बीएसइएस यमुना पावर लिमिटेड के पास 13 लाख पांच हजार 137 उपभोक्ता हैं। इसमें से तीन लाख 78 हजार 993 उपभोक्ताओं का बिजली बिल शून्य आया है। इसी तरह टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड के पास 17 लाख 19 हजार 184 उपभोक्ता हैं। इसमें से चार लाख 70 हजार 367 उपभोक्ताओं का बिजली बिल शून्य आया है।

5.06 करोड़ लोग मोदी को फॉलो करते हैं माइक्रो ब्लॉगिंग साइट पर जबकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान को महज 1.05 करोड़ लोग। वैश्विक लोकप्रियता की बात करें तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 6.53 करोड़ लोग फॉलोअर्स के साथ पहले स्थान पर हैं।

द्विपक्षीय वार्ता ▸ रक्षा मंत्री राजनाथ ने फ्रांसीसी समकक्ष फ्लोरेंस पार्ली संग विभिन्न मुद्दों पर की चर्चा

भारत और फ्रांस में मजबूत हुए रक्षा संबंध आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई पर राजी

पेरिस, प्रेट्र : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को बताया कि उन्होंने अपने फ्रांसीसी समकक्ष फ्लोरेंस पार्ली के साथ उपयोगी बातचीत की है और इस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय रक्षा संबंधों के सभी आयामों की समीक्षा की। साथ ही आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सहयोग और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

राजनाथ सिंह और फ्लोरेंस पार्ली ने मंगलवार रात दूसरी मंत्री स्तरीय वार्षिक रक्षा वार्ता की। इस दौरान दोनों नेताओं ने आपसी हितों के सामयिक क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर विचार साझा किए। रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, 'दोनों पक्षों ने रक्षा संबंधी आधिकारिक और संचालन स्तरीय वार्ता और मजबूत बनाने के रास्तों पर विचार विमर्श किया। दोनों पक्षों ने वर्तमान नियमित द्विपक्षीय संयुक्त अभ्यासों (शक्ति, वरुण और गरुण) का विस्तार करने पर सहमति व्यक्त की।' दोनों नेताओं ने माना कि हिंद महासागर क्षेत्र में भारत और फ्रांस की साझेदारी क्षेत्र में साझा सामरिक और सुरक्षा हितों को संरक्षित रखने और बढ़ाने के लिए बेहद अहम है।

राफेल के इंजन निर्माता ने राजनाथ से कहा, टैक्स पर आतंकित मत कीजिए

पेरिस, प्रेट्र : राफेल विमान के इंजन की निर्माता कंपनी सैफरन एयरक्राफ्ट इंजंस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ओलिवियर एंड्रीज ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से कहा है कि भारत को आकर्षक कारोबारी माहौल उपलब्ध कराना चाहिए और अपने टैक्स व सीमा शुल्क नियमों से आतंकित नहीं करना चाहिए। साथ ही उन्होंने भारत में 15 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की घोषणा भी की।

राजनाथ सिंह ने बुधवार को ट्वीट कर बताया, 'फ्रांस की राजधानी पेरिस के निकट विल्लारोशे में स्थित सैफरन की इंजन निर्माण इकाई का दौरा किया। सैफरन को उसकी इंजन निर्माण क्षमता के लिए जाना जाता है। उन्होंने राफेल के लिए भी इंजन विकसित किया है। सैफरन निर्माण इकाई में काम कर रहे भारतीय मूल के कुछ युवा और प्रतिभावान इंजीनियरों से मिलकर खुशी हुई। उनका तकनीकी ज्ञान और कड़ी मेहनत प्रभावित करने वाली और प्रेरणा देने वाली है।'

▸ सैफरन एयरक्राफ्ट इंजंस ने किया भारत में 15 करोड़ डॉलर के निवेश का एलान

राजनाथ सिंह ने बुधवार को विल्लारोशे में राफेल की इंजन निर्माण इकाई का दौरा किया। उनके साथ सैफरन एयरक्राफ्ट इंजंस के सीईओ ओलिवियर एंड्रीज भी मौजूद थे। एएनआइ

इस मौके पर कंपनी ने रक्षा मंत्री को अपनी निर्माण इकाई पर एक प्रेजेंटेशन भी दिया। इसी में कंपनी के सीईओ ओलिवियर एंड्रीज ने प्रशिक्षण और रखरखाव के लिए भारत में निवेश की योजना का एलान किया। इसी दौरान ओलिवियर ने कहा, 'वैमानिकी में भारत तीसरा सबसे बड़ा बाजार बनने जा रहा है और हम अपने उपभोक्ताओं की सेवा के लिए भारत में रखरखाव और मरम्मत का मजबूत बेस बनाना चाहते हैं। लेकिन हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि भारतीय टैक्स और सीमा शुल्क प्रणाली हमें आतंकित न करे।' इस पर रक्षा मंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि भारत 'मेक इन इंडिया' के तहत निवेश के लिए उचित माहौल उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। राजनाथ सिंह ने कंपनी को अगले साल फरवरी में लखनऊ में आयोजित होने वाले डिफेंस एक्सपो के लिए आमंत्रित किया जिसे कंपनी ने स्वीकार कर लिया। बता दें कि सैफरन ने पहले ही भारत में 1.5 करोड़ डॉलर का निवेश किया हुआ है और वह हर साल 500 इंजीनियरों को प्रशिक्षण प्रदान करती है।

कांग्रेस ने राफेल पर शस्त्र पूजा को तमाशा बताया

▸ भाजपा पर लगाया रक्षा खरीद को राजनीतिक रंग देने का आरोप

नई दिल्ली, प्रेट्र : पहला राफेल लड़ाकू विमान प्राप्त करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की फ्रांस यात्रा और राफेल विमान पर उनके शस्त्र पूजन को कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को 'तमाशा' करार दिया और भाजपा पर रक्षा खरीद को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया। राजनाथ सिंह ने मंगलवार को फ्रांस में 36 राफेल विमानों के बेड़े के पहले विमान को प्राप्त किया था। उन्होंने नए विमान का पूजन किया और इस पर 'ओम' लिखा। उन्होंने दो सीट वाले विमान पर उड़ान भरने से पहले फूल और नारियल भी चढ़ाए थे।

इस मसले पर कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा, 'यह नाटकों की सरकार है। आप फ्रांस जाकर पूजा कर रहे हैं। क्या राफेल विमान भारत नहीं आने वाला था? आप दूसरे देश में जाकर यह सब तमाशा कर रहे हैं।' बाद में उन्होंने अपने बयान पर सफाई देते हुए कहा कहा, 'मैंने केवल इतना कहा कि राफेल और अन्य तकनीकी मामलों को वायुसेना और सेना को देखना है और इसमें नेता क्यों शामिल हो रहे हैं।' उन्होंने सवाल किया कि मोदी सरकार और भाजपा पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को नेता मानते हैं या नहीं। उन्होंने कहा, 'अगर ऐसा है तो उन्हें याद करना चाहिए कि वाजपेयी छह साल तक प्रधानमंत्री रहे, लेकिन क्या उन्होंने फ्रांस जाकर ऐसा कोई नाटक किया?' अल्वी ने सरकार पर बढ़ती बेरोजगार जैसी वास्तविक समस्याओं पर ध्यान नहीं देने का आरोप भी लगाया।

राफेल से पाक को हो चिंता, कांग्रेस क्यों चिंतित : शाहनवाज

भाजपा प्रवक्ता शाहनवाज ने कहा है कि कांग्रेस को वायुसेना के आधुनिकीकरण के साथ ही भारतीय परंपराओं से भी समस्या है। 'जो पार्टी क्वात्रोची की पूजा करती रही है उसके लिए शस्त्र पूजा स्वाभाविक तौर पर समस्या है।' उन्होंने कहा, मंगलवार को जब राफेल विमान सौंपा गया तो वायुसेना दिवस के साथ-साथ विजयदशमी भी थी। विजयदशमी पर शस्त्र पूजन एक परंपरा है। 'अगर भारत को राफेल जैसा आधुनिक विमान मिल रहा है तो पाक को चिंतित होना चाहिए, कांग्रेस इतनी चिंतित क्यों है?'

कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वह पूजा की बात नहीं कर रहे बल्कि इस बात पर सवाल खड़ा कर रहे हैं कि राफेल विमान की आपूर्ति और अन्य तकनीकी मामलों में नेता क्यों शामिल हो रहे हैं। खड़गे ने आगे कहा कि विमान को आने में 6-8 महीने लगेंगे, ऐसे में वहां यह करने की क्या जरूरत थी, जब वह आ जाता तब करते। खड़गे के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए असंतुष्ट कांग्रेस नेता संजय निरूपम ने कहा कि शस्त्र पूजा को 'तमाशा' नहीं कहा जा सकता। यह हमारे देश की हजारों साल पुरानी परंपरा है। उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि मल्लिकार्जुन खड़गे जी नास्तिक हैं। वह प्रार्थना, पूजा में विश्वास नहीं करते, लेकिन उनकी तरह कांग्रेस में सभी लोग नास्तिक नहीं हैं।' निरूपम ने कहा, 'पूरे देश में एक प्रतिशत लोग नास्तिक हैं, लेकिन बाकी सभी पूजा प्रार्थना में भरोसा रखते हैं और इसलिए नास्तिकों को अपने विचारों को पार्टी और समाज पर नहीं थोपना चाहिए।' उन्होंने साफ किया कि वह शस्त्र पूजा का समर्थन कर रहे हैं, न कि भाजपा का। उनके विचार से भारतीय परंपराएं और सांस्कृतिक विरासत किसी पार्टी या व्यक्ति से बहुत बड़े हैं। कांग्रेस नेता उदित राज ने ट्वीट किया, 'राफेल विमान फ्रांस का है। वायुसेना में शामिल करते हुए नीबू और नारियल से इसकी रक्षा की गई। दुनिया क्या सोचेगी? इस अंधविश्वास की वजह से ऐसे लड़ाकू विमान बाहर से लाने पड़ते हैं। जिस दिन यह अंधविश्वास समाप्त होगा, हम खुद जेट बनाने लगेंगे।' कांग्रेस प्रवक्ता संदीप दीक्षित ने कहा कि रक्षा मंत्री और भाजपा द्वारा आयोजन को राजनीतिक रूप प्रदान किए जाने से समस्या है। रस्मों को अदा किए जाने से कोई समस्या नहीं है।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि राफेल विमान की क्षमता का सवाल नहीं है, बल्कि संप्रग के मूल सौदे को निरस्त कर इन विमानों को खरीदने में भाजपा सरकार की ओर से की गई देरी का प्रश्न है। हमारे नेताओं ने राफेल विमान की आलोचना नहीं की है बल्कि इसे लाने में देरी पर सवाल किया है।

राष्ट्रपति भवन में 13 से फिर शुरू होगा चेंज ऑफ गार्ड समारोह

नई दिल्ली, प्रेट्र : राष्ट्रपति भवन में चेंज ऑफ गार्ड समारोह का आयोजन 13 अक्टूबर से हर रविवार को फिर शुरू किया जाएगा। खराब मौसम के कारण रविवार के आयोजन को स्थगित करना पड़ा था। यह एक सैन्य परंपरा है, जिसके तहत सप्ताहांत में राष्ट्रपति के सुरक्षा गार्डों के समूह की बदली होती है।

एक बयान के अनुसार, 13-30 अक्टूबर तक हर रविवार को इसका आयोजन शाम 4:30 से 5:30 बजे, एक नवंबर से 14 मार्च 2020 तक शाम 4:10 से 5:10 बजे तक किया जाएगा। 15 मार्च से 30 अप्रैल 2020 के बीच हर रविवार को इसका आयोजन शाम 5:10 से 6:10 बजे तक किया जाएगा। इसी प्रकार 12 अक्टूबर से 14 नवंबर के बीच समारोह का आयोजन हर शनिवार सुबह 7:40 से 8:40 बजे तक तथा 15 नवंबर से 14 मार्च 2020 तक सुबह 9:40 से 10:40 बजे तक किया जाएगा। चेंज ऑफ गार्ड समारोह में हिस्सा लेने के लिए संबंधित व्यक्ति को राष्ट्रपति भवन की वेबसाइट से ऑनलाइन आवेदन करना होगा। आवेदन स्वीकृत होने पर राष्ट्रपति भवन के गेट संख्या 2 व 37 से प्रवेश दिया जाएगा।

अस्थाना मामले की जांच को मिला और दो माह का समय

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▸ बांबे हाई कोर्ट ने सीबीआइ से कहा, इसके बाद नहीं दी जाएगी मोहलत

हाई कोर्ट ने सीबीआइ के तत्कालीन विशेष निदेशक राकेश अस्थाना पर लगे रिश्वत के आरोप की जांच पूरी करने के लिए दो माह की मोहलत दी है। कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) से कहा कि वह जांच पूरी करे क्योंकि अब इसके बाद और समय नहीं दिया जाएगा।

सीबीआइ की अर्जी का निपटारा करते हुए न्यायमूर्ति विभू भाखरू ने कहा कि जांच अनिश्चित समय के लिए नहीं टाली जा सकती है। अभी सीबीआइ को दो माह की मोहलत दी जाती है। वह मानकर चले कि इस समय में जांच पूरी करनी है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल विक्रमजीत बैनर्जी ने अदालत को बताया कि जांच से संबंधित कुछ तथ्य जुटाने के लिए अमेरिका और यूएई को पत्र लिखे गए हैं। अभी वहां से जवाब नहीं आया और इसी के चलते जांच में देरी हो रही है। उन्होंने हाई कोर्ट से कम से कम तीन माह की मोहलत मांगी थी।

सीबीआइ की तरफ से दायर इस अर्जी का आरोपित राकेश अस्थाना, तत्कालीन डीएसपी देवेंद्र कुमार और व्यापारी मनोज प्रसाद ने विरोध किया था। हाई कोर्ट ने इससे पहले भी सीबीआइ को जांच पूरी करने की मोहलत दी थी। 11 जनवरी को 10 सप्ताह और 31 मई को चार माह की मोहलत दी गई थी। सीबीआइ के तत्कालीन निदेशक राकेश अस्थाना और दो अन्य पर भ्रष्टाचार और साजिश रचने का केस दर्ज किया गया था। अस्थाना और अन्य पर धोखाधड़ी के एक मामले में आरोपित को राहत देने के बदले पैसा लेने का आरोप है।

राकेश अस्थाना फाइल फोटो

यौन उत्पीड़न मामले में आंतरिक जांच दूसरे राज्य को सौंपे जाने पर सुप्रीम कोर्ट करेगा विचार

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट इस सवाल पर विचार करने के लिए तैयार हो गया है कि क्या हाई कोर्ट आंतरिक शिकायत समिति के पास यौन उत्पीड़न के आरोपों की लंबित जांच और इस घटना के बारे में पुलिस में दर्ज प्राथमिकी किसी अन्य राज्य को स्थानांतरित कर सकते हैं। शीर्ष कोर्ट ने इस सवाल पर विचार के लिए तमिलनाडु सरकार और अन्य विभागों तथा इससे संबंधित दूसरे लोगों को नोटिस जारी किए हैं।

जस्टिस इंदु मल्होत्रा और जस्टिस आर. सुभाष रेड्डी की पीठ ने मद्रास हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ एक आइपीएस अधिकारी की याचिका पर सुनवाई के दौरान प्रतिवादियों (महिला पुलिस अधिकारी और अन्य) को नोटिस जारी किए। भारतीय पुलिस सेवा के इस अधिकारी ने कार्यस्थल पर महिलाओं का उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और समाधान) कानून, 2013 के तहत आंतरिक शिकायत समिति द्वारा की जा रही जांच और वरिष्ठ महिला पुलिस अधिकारी द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी की 'निष्पक्ष, स्वतंत्र और पक्षपात रहित' जांच के लिए तेलंगाना स्थानांतरित करने के मद्रास हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है।

▸ महिला पुलिस अधिकारी ने वरिष्ठ आइपीएस पर लगाया है आरोप

▸ मद्रास हाई कोर्ट ने तमिलनाडु से तेलंगाना स्थानांतरित किया है मामला

पीठ ने अपने आदेश में कहा, 'यौन उत्पीड़न की शिकायत की जांच की कार्यवाही और प्राथमिकी की जांच स्थानांतरित करने के हाई कोर्ट के अधिकार के मुद्दे पर (महिला पुलिस अधिकारी और अन्य को) नोटिस जारी किया जाता है। शीर्ष कोर्ट ने सारा मामला तेलंगाना स्थानांतरित करने के हाई कोर्ट के 28 अगस्त के आदेश पर रोक लगा दी है। पीठ इस मामले में अगले सप्ताह सुनवाई करेगी।

क्या है मामला

तमिलनाडु में पुलिस अधीक्षक के पद पर तैनात 44 वर्षीय महिला अधिकारी ने पिछले साल अगस्त में चेन्नई में तैनात वरिष्ठ आइपीएस अधिकारी के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत की थी। इस मामले में शिकायत की जांच के लिए आंतरिक शिकायत समिति गठित की गई थी। बाद में महिला अधिकारी ने आइपीएस अधिकारी के खिलाफ पुलिस में प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी। हाई कोर्ट की खंडपीठ ने आइपीएस अधिकारी की याचिका पर सुनवाई के बाद आंतरिक शिकायत समिति की जांच और प्राथमिकी तेलंगाना में स्थानांतरित कर दी थी। महिला अधिकारी ने एक हलफनामा दाखिल किया था जिसमें उसने शिकायत समिति की जांच की कार्यवाही और प्राथमिकी केरल या किसी पड़ोसी राज्य या नई दिल्ली स्थानांतरित करने पर सहमति व्यक्त की थी।

विनिवेश की आड़ में नवरत्न कंपनियां बेच रही सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली, प्रेट्र : सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल) में घोटाले का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने बुधवार को दावा किया कि भाजपा सरकार संसदीय निगरानी से बचते हुए रणनीतिक तरीके से विनिवेश की आड़ में नवरत्न कंपनियों को बेच रही है। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने भाजपा सरकार से पूछा कि सरकार किस प्रलोभन में लाभ कमाने वाली कंपनियों को 'चोरी-छिपे बेच रही' है या 'कमजोर कर रही है'। उन्होंने भाजपा तथा आरएसएस पर आर्थिक मंदी के वास्तविक मुद्दे से जनता का ध्यान हटाने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, 'बीपीसीएल की बिक्री साफ तौर पर घोटाला है। सरकार बीपीसीएल जैसी लाभ कमाने वाली कंपनी को 68 हजार करोड़ में बेचकर किसे फायदा पहुंचाना चाहती है? वहीं नुकसान में चल रही एस्सार और अधिक कीमत में बिकी है।' खेड़ा ने कहा, 'रणनीतिक विनिवेश एक तरीके से संसदीय निगरानी से दूर रहते हुए बीपीसीएल और अन्य ऐसे पीएसयू को बेचने का गुप्त तरीका है। आप अपने फैसलों में संसद की निगरानी क्यों नहीं रखना चाहते?

आइएनएक्स मीडिया मामले में कार्ति से नए सिरे से पूछताछ

नई दिल्ली, प्रेट्र: पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम के बेटे कार्ति आइएनएक्स मीडिया मामले में बुधवार को पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। ईडी ने नए सिरे से पूछताछ के लिए तमिलनाडु के शिवगंगा से कांग्रेस सांसद कार्ति को समन भेजा था।

इस मामले में कार्ति से पहले भी कई बार पूछताछ की जा चुकी है। उनका बयान मनी लांड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया। सीबीआइ ने इसी मामले में उनके पिता एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम को गिरफ्तार किया था। फिलहाल वह तिहाड़ जेल में बंद हैं। आइएनएक्स मीडिया मामले में ईडी ने गत वर्ष भारत, ब्रिटेन व स्पेन में कार्ति की 54 करोड़ की संपत्तियां जब्त की थीं। सूत्रों ने पहले आरोप लगाया था कि पी. चिदंबरम और कार्ति भारत के साथ-साथ विदेश में स्थित कई मुखौटा कंपनियों के मालिक हैं। चिदंबरम के कार्यकाल में ही आइएनएक्स मीडिया समूह को विदेशी निवेश प्रोत्साहन बोर्ड (एफआइपीबी) से मंजूरी दी गई थी। इसमें अनियमितता बरतने का भी आरोप है। ईडी के अनुसार, एजेंसी ने जांच के दौरान पाया कि पिता-पुत्र ने कथित तौर पर रिश्वत ली। दोनों ने दो दर्जन विदेशी खातों में पैसे जमा किए और उनसे मलेशिया, यूके व स्पेन आदि देशों में कई संपत्तियां खरीदीं।

इसी मामले में जेल में बंद हैं पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम

कार्ति ने ली चुटकी- दशहरा पर अधिकारियों को 'हैलो' बोलने आया था : कार्ति चिदंबरम दिल्ली स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कार्यालय में पेश हुए। इसे लेकर पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल पर उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह दशहरा पर जांचकर्ताओं को 'हैलो' बोलने आए थे।

कर्नाटक कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष से मनी लांड्रिंग मामले में सवाल–जवाब

नई दिल्ली, प्रेट्र : कर्नाटक स्टेट कोऑपरेटिव एपेक्स बैंक के प्रेसिडेंट केएन राजन्ना से बुधवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूछताछ की। राज्य के पूर्व मंत्री व कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार के मनी लांड्रिंग मामले में वह ईडी के समक्ष पेश हुए।

राजन्ना कर्नाटक के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व विधायक हैं। उनसे एक चीनी मिल को दिए गए करोड़ों रुपये के बैंक कर्ज के मामले में पूछताछ हुई। चीनी मिल से शिवकुमार भी जुड़े रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि मनी लांड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत राजन्ना का बयान दर्ज किया गया। साथ ही शिवकुमार से राजन्ना के संबंधों की भी जांच की जाएगी।

ईडी ने तीन सितंबर को शिवकुमार को गिरफ्तार किया था। फिलहाल वह एजेंसी की हिरासत में हैं। एजेंसी इस मामले में शिवकुमार की बेटी ऐश्वर्या और कांग्रेस विधायक लक्ष्मी हेब्बलकर समेत कई लोगों से पूछताछ कर चुकी है। ईडी ने शिवकुमार व दिल्ली स्थित कर्नाटक भवन के कर्मचारी हनुमंथैया के खिलाफ कर चोरी तथा हवाला कारोबार को लेकर आयकर विभाग द्वारा बेंगलुरु की एक अदालत में दाखिल आरोप पत्र के आधार पर पिछले साल सितंबर में मामला दर्ज किया था।

▸ चीनी मिल को दिए गए करोड़ों रुपये के बैंक कर्ज मामले में हुई पूछताछ

▸ शिवकुमार की बेटी ऐश्वर्या, विधायक लक्ष्मी हेब्बलकर समेत कई से हुई है पूछताछ

आइएमए मामले में सीबीआइ ने दाखिल किया पूरक आरोप पत्र

नई दिल्ली, प्रेट्र : आइएमए पोंजी घोटाले में सीबीआइ ने दो आरोपितों के खिलाफ बेंगलुरु की अदालत में पूरक आरोप पत्र दायर किया है। इस्लामिक तरीके से कम समय में अधिक रिटर्न का दावा करने वाली इस स्कीम में लाखों निवेशकों का करोड़ों रुपये डूब गए थे। प्रभावित लोगों में अधिकांश संख्या मुस्लिमों की थी। जांच एजेंसी के अनुसार सीबीआइ ने हाल ही में विशेष अदालत में मुहम्मद हनीफ और खलीमुल्लाह जमाल के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। इन पर लोगों को निवेश करने के लिए प्रभावित करने का आरोप है। फिलहाल हनीफ और जमाल पुलिस की हिरासत में हैं। सीबीआइ की तरफ से इस मामले में यह दूसरी चार्जशीट दाखिल की गई है। चार्जशीट में आरोप लगाया गया है कि शिवाजी नगर मदरसे में मौलवी हनीफ और कोलार जिले के एक गांव में उर्दू शिक्षक जमाल ने लोगों के बीच आइएमए स्कीम का प्रचार किया, इसके बदले में कंपनी ने उन्हें पैसे दिए।

विमान घोटाले में यास्मीन फिर ईडी की नौ दिन की रिमांड पर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▸ कॉरपोरेट लॉबिस्ट दीपक तलवार की करीबी हैं यास्मीन कपूर

विमान घोटाले में आरोपित कॉरपोरेट लॉबिस्ट दीपक तलवार की करीबी यास्मीन कपूर को राउज एवेन्यू की विशेष अदालत ने नौ दिन के लिए फिर से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के हवाले कर दिया है। छह दिन की रिमांड खत्म होने के बाद कपूर को बुधवार को अदालत में पेश किया गया था। ईडी ने अदालत को बताया कि दीपक तलवार के कई राज यास्मीन कपूर जानती हैं और उनसे इसी बारे में पूछताछ की जा रही है। भ्रष्टाचार के इस मामले में जांच बेहद अहम पड़ाव पर है, गहराई से पूछताछ के लिए रिमांड की अवधि बढ़ाई जाए। इस पर अदालत ने नौ दिन की रिमांड मंजूर कर दी। भ्रष्टाचार के मामले में पिछले दिनों सीबीआइ ने अदालत में तलवार के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। मामले में यास्मीन कपूर, माया बी पुरी एवं चार कंपनियों स्टोन ट्रैवल प्राइवेट लिमिटेड, सीडर ट्रैवल्स, दीपक तलवार एंड एसोसिएट्स व एशिया फील्ड लिमिटिड को नामजद किया गया है।

सोनिया ने सिद्दरमैया को बनाया कर्नाटक में विपक्ष का नेता

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री सिद्दरमैया को विधानसभा में विपक्ष का नेता नियुक्त कर दिया है। कर्नाटक के कई पार्टी नेताओं के ऐतराज के बावजूद हाईकमान ने मुख्यमंत्री येदियुरप्पा और भाजपा को चुनौती देने के लिए सिद्दरमैया पर ही फिर से दांव लगाने का फैसला किया। उधर, विधान परिषद में नेता विपक्ष की जिम्मेदारी एसआर पाटिल को सौंपी गई है।

सिद्दरमैया को कर्नाटक में नेता विपक्ष बनाने के साथ उनके नाम पर ऐतराज करने वाले नेताओं को साधने के लिए सोनिया गांधी ने पूर्व मुख्यमंत्री को कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारण इकाई पार्टी कार्य समिति की सदस्यता से मुक्त कर दिया है। कांग्रेस नेतृत्व ने येदियुरप्पा को मजबूत चुनौती देने के साथ कर्नाटक के दूसरे सबसे प्रभावशाली कुरूवा समुदाय को साधने की रणनीति के तहत यह कदम उठाया है।

सिद्दरमैया फाइल फोटो

नसीहत के बाद विस चुनावों पर दिए बयान से पलटे

प्रथम पृष्ठ से आगे

खुर्शीद के बयानों के बाद पार्टी ने उन्हें ऐसी बयानबाजी से बचने की नसीहत दी जिसके बाद वह हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव में पार्टी के नहीं जीत पाने के अपने पूर्व के बयान से पलट गए। साथ ही कहा कि राहुल के छोड़कर जाने की उनकी टिप्पणी की गलत तरीके से व्याख्या की गई। मगर पार्टी के हालात पर की गई टिप्पणी पर वह कायम रहे। मालूम हो कि खुर्शीद ने कहा, 'मौजूदा हालत में कांग्रेस हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव में जीत की उम्मीद नहीं कर सकती।' खुर्शीद ने कहा कि ऐसा नहीं है कि हमें विश्वास नहीं है कि हम लौटेंगे। अगर लौटने के लिए पूरी तैयारी हो जाए तो यह संभव है। मगर इसके लिए पार्टी को तुरंत कुछ जरूरी कदम उठाने होंगे।

सोनिया के स्थायी अध्यक्ष बनने की जताई उम्मीद : सोनिया गांधी के अंतरिम अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी की दुविधा में कमी आने का संकेत देने के बावजूद खुर्शीद ने कहा कि मौजूदा अस्थायी व्यवस्था से वह खुश नहीं हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि विधानसभा चुनावों के बाद सोनिया गांधी स्थायी तौर पर पार्टी अध्यक्ष बन जाएंगी।

कह के रहेंगे माधव जोशी

परिदृश्य

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मामले में उत्तराखंड, बिहार और मध्य प्रदेश समेत 14 राज्यों का प्रदर्शन बहुत खराब रहा है। वहीं असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश दादरा एवं नागर हवेली शीर्ष पांच में हैं

हरियाणा और पंजाब एनएचएम में बेहतर

नई दिल्ली, प्रेट्र : हरियाणा और पंजाब ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले देश के शीर्ष पांच राज्यों में जगह बनाई है। असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश दादरा और नागर हवेली भी शीर्ष पांच में शामिल हैं।

बिहार, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश उन 14 राज्यों में शामिल हैं जिनका प्रदर्शन सबसे खराब रहा है। खराब प्रदर्शन करने पर एनएचएम के तहत प्रदर्शन पर आधारित केंद्र से मिलने वाली धनराशि में इन राज्यों को नुकसान उठाना पड़ा है। साल 2018-19 के लिए जारी राज्यों की स्वास्थ्य प्रणाली से संबंधित रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। राज्यों के प्रदर्शन का जिन मानकों पर आकलन किया गया उनमें स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों का संचालन (एचडब्ल्यूसी), एनएचएम कार्यक्रम के तहत शामिल जिलों में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रावधान और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (शहरी और ग्रामीण दोनों) की ग्रेडिंग शामिल है।

राज्यों में स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रदर्शन पर नीति आयोग की रैंकिंग के मुताबिक वृद्धिशील सुधार प्रमुख शर्त है और इसे ही सबसे अधिक महत्व दिया जाता है। आठ सशक्त कार्रवाई समूह (ईएजी) राज्यों में शामिल चार राज्यों को प्रोत्साहन राशि मिली, एक राज्य को कोई प्रोत्साहन राशि नहीं मिली और दो राज्यों पर जुर्माना लगा। सभी तीन पहाड़ी राज्यों- जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड को शर्तें पूरी नहीं करने पर दंडित किया गया है।

पूर्वोत्तर के आठ में से चार राज्य पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं कर सके। असम, त्रिपुरा और मणिपुर ने प्रोत्साहन हासिल किया। अन्य 11 में से नौ ने प्रोत्साहन अर्जित किया, जबकि दो राज्यों पर जुर्माना लगा। रिपोर्ट में अपने संदेश में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा है कि किसी भी प्रणाली में उत्पादकता प्रोत्साहन, दक्षता वृद्धि और विकास को गति देने के लिए प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन आजमाया हुआ तरीका है। इसी तर्क के साथ भारत में एनएचएम के तहत शर्तों को लागू किया गया था। इसका उद्देश्य राज्यों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा करना और देश भर में बेहतर स्वास्थ्य परिणामों को प्रोत्साहित करना है। इस पहलू को ध्यान में रखते हुए, हमने प्रदर्शन से जुड़ी शर्तों के लिए एनएचएम फंड को 10 से बढ़ाकर 20 फीसद कर दिया है।

प्रतीकात्मक फोटो

20 राज्यों को प्रोत्साहन

रिपोर्ट के मुताबिक साल 2018–19 में 20 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश प्रोत्साहन अर्जित करने में सफल रहे। दो राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों ने तो प्रोत्साहन अर्जित किया और न ही उन पर जुर्माना ही लगा जबकि शेष राज्यों पर जुर्माना लगा।

20 राज्यों ने प्रगति की

नीति आयोग के मानकों के अनुसार 36 में से 20 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों ने प्रगति की है। जबकि, पिछले साल की तुलना में 16 राज्यों का प्रदर्शन खराब हुआ है।

लोकसभा अध्यक्ष ने कई समितियां गठित कीं

नई दिल्ली, प्रेट्र : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को निचले सदन के लिए आचार, महिला सशक्तीकरण और याचिका समिति सहित कई समितियां गठित कीं। लोकसभा सचिवालय ने कहा कि विनोद कुमार सोनकर को लोकसभा की आचार समिति, सुनील कुमार सिंह को विशेषाधिकार समिति और रवनीत सिंह को सदन की बैठकों से सदस्यों की अनुपस्थिति संबंधी समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

THE STUDY
इतिहास
द्वारा मणिकांत सिंह
आधुनिक भारत
से नया बैच प्रारंभ
OPEN LECTURE
11th OCTOBER
8:00 AM
210, VIRAT BHAWAN, MUKHERJEE NAGAR, DELHI-9
9999516388, 9999278866, 42870015

5 साल के हरियाणा विधानसभा के बीते सत्र में पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा व विधायक आनंद सिंह दांगी ने एक भी सवाल नहीं पूछा। किरण चौधरी ने सबसे ज्यादा 225 सवाल भेजे, लेकिन सूची में 31 ही शामिल हुए।

2014 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 4119 उम्मीदवार उतरे थे। इस बार 3239 अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। चुनाव के लिए कुल 5543 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किया था।

आज की शिवसेना : बदले-बदले नजर आते हैं सुर

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

पार्टी की रणनीति

दशहरे की परंपरागत रैली में शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे द्वारा गरीब मुस्लिमों के आरक्षण का समर्थन करना अकेला मुद्दा नहीं है, जिस पर लोगों को अचरज हो रहा है। ऐसे कई मुद्दे हैं, जिनकी कल्पना शिवसेना के स्थापनाकाल से लेकर अब से कुछ वर्ष पहले तक भी नहीं की जा सकती थी। हालांकि, सत्ता की मजबूरी में शिवसेना को अब वह सब कुछ करना पड़ रहा है।

यह बात ठीक है कि शिवसेना पहले भी गरीब मुस्लिमों के लिए आरक्षण की मांग का समर्थन कर चुकी है। उस समय भी सवाल उठा था कि क्या शिवसेना भी मुस्लिम तुष्टीकरण की नीति पर चल पड़ी है? अब चुनाव के समय फिर से मुस्लिमों के लिए आरक्षण की बात करना लोगों का ध्यान शिवसेना की इस नई नीति की ओर खींच रहा है। ऐसा नहीं है कि शिवसेना हमेशा मुस्लिमों से दूर ही रही है। अपनी मुस्लिम विरोधी छवि के बावजूद 1995 में बनी उसकी पहली सरकार में ही साबिर शेख को श्रम मंत्री बनाया गया था। शिवसेना संस्थापक बालासाहब ठाकरे के समय भी उनके कई भरोसेमंद शिवसैनिक एवं शाखा प्रमुख मुस्लिम थे। हालांकि, शिवसेना की छवि मुस्लिम तुष्टीकरण की बात करने वाली पार्टी की नहीं रही है।

बढ़ती गुजराती आबादी ने बदला रुख : गुजराती भाषा में 'केम छो वरली' के होर्डिंग्स पर तो कई मराठी भाषियों की भी प्रतिक्रिया देखने को मिली। कई मराठीभाषी यह कहते भी दिखाई दिए कि कहीं 100 गुजराती भाषी मतों के चक्कर में शिवसेना एक लाख मराठीभाषी वोट न गंवा बैठे। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि दक्षिण मुंबई में घटती मराठीभाषी आबादी और बढ़ती गुजरातीभाषी आबादी को ध्यान में रखते हुए ही शिवसेना अब 'केम छो' कहने को मजबूर हो रही है।

▸ गरीब मुस्लिमों के लिए आरक्षण की मांग का समर्थन

शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे। फाइल

गुजरातियों और दक्षिण भारतीयों के प्रति रुख में आई नरमी

कुछ दिनों पहले ही जब शिवसेना के युवा नेता एवं युवा सेना के अध्यक्ष आदित्य ठाकरे वरली से नामांकन भरने जा रहे थे, तो वरली क्षेत्र में बड़े-बड़े होर्डिंग्स पर 'केम छो वरली' लिखा दिखाई दे रहा था। यही नहीं, कहीं-कहीं तो इसी प्रकार का अभिवादन दक्षिण भारतीय समुदाय का भी होता दिखाई दिया। बता दें कि अपने स्थापना काल में शिवसेना इन दोनों समुदायों पर कहर बरपाने के लिए जानी जाती है। शुरुआत में शिवसेना की ख्याति ही दक्षिण भारतीयों के विरुद्ध 'बजाओ पुंगी, भगाओ लुंगी' के नारे के साथ हुई थी। उन दिनों शिवसेना मुंबई के सरकारी कार्यालयों में पढ़े-लिखे दक्षिण भारतीयों के नौकरी करने को लेकर यह प्रचारित कर रही थी कि इन दक्षिण भारतीयों के कारण मराठीभाषियों का रोजगार मारा जा रहा है, लेकिन आज की शिवसेना उन्हीं दक्षिण भारतीयों का अभिवादन करती नजर आ रही है।

हिंदीभाषी उम्मीदवार के रूप में प्रदीप शर्मा के नाम की चर्चा

ऐसी ही कुछ स्थिति हिंदी भाषी मतदाताओं के साथ भी इस बार नजर आ रही है। दिल्ली में अपनी बात हिंदी में ठीक से रखने के लिए शिवसेना संजय निरुपम जैसों को राज्यसभा तो भेजती रही है, लेकिन अब तक लोकसभा या विधानसभा में किसी को नहीं लड़वाया था। इस बार मूल रूप से मथुरा के रहने वाले एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा वसई से शिवसेना के उम्मीदवार हैं। हिंदीभाषी उम्मीदवार के रूप में प्रदीप शर्मा की चर्चा भाजपा के दो हिंदीभाषी उम्मीदवारों से कहीं ज्यादा हो रही है। प्रदीप शर्मा बाहुबली हितेंद्र ठाकुर के पुत्र क्षितिज ठाकुर को टक्कर दे रहे हैं।

विलय पर शिंदे को पवार का जवाब कहा-अपनी पार्टी के बारे में सोचें

जलगांव (महाराष्ट्र), एएनआइ : भविष्य में कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के विलय के सवाल पर शरद पवार ने सुशील कुमार शिंदे को तल्ख जवाब दिया है। विलय का सुझाव देने पर कांग्रेस नेता शिंदे की आलोचना करते हुए राकांपा प्रमुख पवार ने कहा कि शिंदे को अपनी पार्टी के बारे में सोचना चाहिए, राकांपा के बारे में क्या करना है उसको देखने के लिए वो हैं।

यहां प्रेस कांफ्रेंस में पवार ने कहा, 'राज्य में कांग्रेस और राकांपा गठबंधन में साथ काम कर रही हैं। सुशील कुमार शिंदे को कांग्रेस का विचार रखना चाहिए, राकांपा का नहीं। मैं राकांपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष हूं और मेरी पार्टी की स्थिति के बारे में मुझसे ज्यादा कोई दूसरा नहीं जानता।'

सोलापुर में मंगलवार को राकांपा प्रत्याशी के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए शिंदे ने कहा था, 'अंततः कांग्रेस और राकांपा, भले ही ये दोनों दल अलग-अलग हों, मैं आपको इस मंच से बताता हूं कि ये दल निकट भविष्य में करीब आएंगे और कांग्रेस का एकीकरण होगा।'

शिंदे ने आगे कहा था, 'कांग्रेस और राकांपा दोनों बराबर हैं। हम दोनों एक ही पेड़ के नीचे बड़े हुए हैं। इंदिरा गांधी और यशवंत राव चव्हाण के नेतृत्व में आगे बढ़े हैं।'

बता दें कि सोनिया गांधी के विदेशी मूल का मुद्दा उठाते हुए शरद पवार 1998-99 में कांग्रेस से अलग हो गए थे। बाद में उन्होंने तारिक अनवर, पीके संगमा के साथ मिलकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का गठन किया था। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और राकांपा गठबंधन बनाकर चुनाव लड़ रहे हैं। उनका सीधा मुकाबला सत्तारूढ़ भाजपा-शिवसेना गठबंधन से है।

▸ शिंदे ने कहा था, निकट भविष्य में कांग्रेस-राकांपा का विलय हो जाएगा

▸ पवार बोले, शिंदे को कांग्रेस का विचार रखना चाहिए, राकांपा का नहीं

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार। फाइल फोटो

चुनाव बाद रिटायर हो जाएंगे पवार : पाटिल

मुंबई, प्रेट्र : महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने बुधवार को कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद शरद पवार राजनीति और सामाजिक जीवन से स्थाई रूप से रिटायर हो जाएंगे। पाटिल ने कोल्हापुर जिले के राधानगरी तहसील में शिवसेना प्रत्याशी प्रकाश अबितकर पक्ष में रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही।

भाजपा से सुधांशु त्रिवेदी और सतीश चंद्र दुबे पहुंचे राज्यसभा

जेएनएन, नई दिल्ली : बिहार और उत्तर प्रदेश में एक-एक सीट के लिए हुए राज्यसभा उप चुनाव में भाजपा उम्मीदवार क्रमशः सतीश चंद्र दुबे और सुधांशु त्रिवेदी राज्यसभा पहुंच गए। सुधांशु ने भाजपा के दिग्गज नेता अरुण जेटली के निधन के बाद रिक्त हुई सीट के लिए नामांकन भरा था। वहीं, बिहार में राजद के राज्यसभा सदस्य राम जेठमलानी के निधन के बाद उप चुनाव हुआ था। नौ अक्टूबर को नाम वापसी की समय सीमा तय थी। इसके बाद दोनों को निर्वाचन अधिकारी ने निर्वाचित घोषित कर दिया और प्रमाण पत्र दे दिए।

कांग्रेस-इनेलो ने संवेदनशील बूथों पर मांगा अर्धसैनिक बल

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़ : कांग्रेस और इनेलो ने चुनाव आयोग से संवेदनशील बूथों पर अर्धसैनिक बलों को तैनात करने की मांग की है। साथ ही ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) के जरिये मतदान कराने के बजाय बैलेट पेपर से वोट डलवाने की सिफारिश की है।

हरियाणा में विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने चंडीगढ़ पहुंचे मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुनील अरोड़ा, निर्वाचन आयुक्त अशोक लवासा और सुशील चंद्रा के साथ हुई बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने कई मुद्दे उठाए। चुनाव आयोग की टीम दो दिन तक राजनीतिक दलों, स्टेट नोडल अधिकारियों और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ मैराथन बैठकें कर चुनाव प्रक्रिया पर फीडबैक लेगी।

राजनीतिक दलों की बैठक में कांग्रेस के प्रदेश कोषाध्यक्ष रोहित जैन, लीगल सेल के पदाधिकारी उदित मेंहदीरत्ता सहित अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि सभी कर्मचारियों को बैलेट पेपर मुहैया कराए जाएं, ताकि वोटिंग करते समय उन पर दबाव नहीं डाला जा सके। उन्होंने कहा कि रोहतक, उकलाना, गढ़ी-सांपला-किलोई, कालका, आदमपुर, पंचकूला, कैथल, नारायणगढ़ हलकों को अति संवेदनशील घोषित कर यहां अर्धसैनिक बलों की तैनाती की जाए। कांग्रेस नेताओं ने पार्टी के स्टार प्रचारकों की सूची को भी अभी तक मंजूरी नहीं देने का मुद्दा उठाया। इनेलो प्रतिनिधियों ने ईवीएम की मॉक टेस्टिंग का मुद्दा उठाते हुए कहा कि चुनाव अधिकारी सिर्फ एक बार ही मॉक टेस्टिंग करते हैं। अगर किसी दल के एजेंट द्वारा दो-तीन बार टेस्टिंग की मांग की जाती है तो उसे पूरा किया जाना चाहिए, ताकि किसी को भी ईवीएम पर किसी प्रकार की शंका न रहे।

2024 तक सभी घुसपैठिये देश से बाहर होंगे : शाह

एलान ▸ भाजपा अध्यक्ष ने हरियाणा में विजय संकल्प रैली से प्रदेश में प्रचार अभियान का किया शंखनाद

राफेल और अनुच्छेद-370 के साथ अन्य मुद्दों के जरिये कांग्रेस को घेरा

अनुराग अग्रवाल, कैथल

केंद्रीय गृह मंत्री व भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने बुधवार को हरियाणा में तीन रैलियां कर विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान का शंखनाद किया। कैथल में विजय संकल्प रैली के दौरान जहां राफेल और अनुच्छेद-370 पर कांग्रेस को घेरा, वहीं घुसपैठियों को लेकर बड़ा एलान किया। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले सभी घुसपैठियों को देश से बाहर किया जाएगा।

भाजपा अध्यक्ष ने बुधवार दोपहर बाद कैथल में तो शाम को भिवानी के बहल और रोहतक के महम में रैलियां कीं। वरिष्ठ कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला के क्षेत्र कैथल से अपने अभियान की शुरुआत करते हुए शाह ने प्रमुख मुद्दों पर कांग्रेस से जवाब मांगे। उन्होंने कहा, 'रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फ्रांस में राफेल विमान का शस्त्र पूजन किया। कांग्रेस को यह पसंद नहीं आया। क्या विजयादशमी पर शस्त्र पूजन नहीं किया जाता है? उन्हें (कांग्रेस) इस बात पर विचार करना चाहिए कि कब आलोचना करनी है और कब नहीं।' उन्होंने वायु सेना में राफेल को शामिल करके उसे ताकतवर बनने के लिए और देश की सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री को बधाई भी दी।

शाह ने कांग्रेस से राफेल के अलावा अनुच्छेद 370, 35ए, तत्काल तीन तलाक, एनआरसी और गुलाम कश्मीर जैसे तमाम मुद्दे पर सवाल पूछे। कहा, 'कांग्रेस बताए कि वह अनुच्छेद 370 हटाए जाने के विरोध में है या उसके पक्ष में? पांच अगस्त को प्रधानमंत्री ने अनुच्छेद 370 को उखाड़ कर फेंक दिया। 70 साल से देश के हर नागरिक के मन में एक कसक थी कि जम्मू-कश्मीर देश के साथ पूरा जुड़ा हुआ नहीं था। तीन-तीन पीढ़ियों तक शासन करने वालों में भी 370 हटाने की हिम्मत नहीं थी।'

पूर्व पीएम के विदेशी दौरों से की तुलना : गृह मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विदेश में बढ़ाई गई देश की साख का जिक्र करते हुए संकेत दिया कि पार्टी विदेश में बढ़ी प्रधानमंत्री मोदी की ब्रांड वेल्यू को भी इन चुनावों में प्रमुखता से उठाएगी। उन्होंने कहा, 'मोदी ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की तुलना में कम विदेशी दौरे किए हैं, लेकिन दोनों की यात्राओं का प्रभाव विपरीत है। मनमोहन की विदेश यात्राएं प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहीं।'

हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को कैथल में आयोजित विजय संकल्प रैली के दौरान गृह मंत्री अमित शाह का माला पहनाकर अभिनंदन करते भाजपा नेता। जागरण

इन सात बड़े मुद्दों पर रहा शाह का खास फोकस

1. अनुच्छेद -370
2. राफेल
3. बालाकोट एयर स्ट्राइक
4. मोदी की वैश्विक छवि
5. तीन तलाक
6. एक देश एक संविधान
7. एनआरसी

कांग्रेस और इनेलो से एकदम अलग है भाजपा : मनोहर लाल

बिजेंद्र बंसल, फरीदाबाद

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि नेक नीयत से किया भाजपा का काम विपक्षी दलों के 48 साल के शासनकाल पर भारी पड़ रहा है। 1966 से 2014 तक कांग्रेस और इनेलो ने ही प्रदेश में शासन किया, मगर उनके कार्यों को जनता ने ऐसे पसंद नहीं किया जैसे भाजपा सरकार के कामकाज को पसंद कर रही है। फरीदाबाद जिला के पृथला विधानसभा क्षेत्र के मोहना गांव की अनाज मंडी में पार्टी प्रत्याशी सोहन पाल छोकर के समर्थन में आयोजित चुनावी जनसभा में मुख्यमंत्री ने इनेलो और कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि इनेलो के नेता उस जिम्मेदारी को भी नहीं निभा पाए, जिससे बेरोजगार युवाओं के मन में शासन के प्रति विश्वास पैदा होता। युवाओं के साथ किए धोखे के कारण ही आज इस पार्टी के दो नेता जेल में हैं। तीसरे की बारी है क्योंकि वे भी कभी कहीं तो कभी कहीं अदालतों में हाजिरी लगा रहे हैं। मनोहर लाल ने कहा कि यही हाल कांग्रेस का है। कांग्रेस ने देश को भ्रष्टाचार दिया है। इस पार्टी के नेता दिल्ली में खड़े होकर टिकट करोड़ों में बेचने के आरोप लगाते हैं। इसका मतलब तो यही है कि कांग्रेस में टिकट बेची जाती हैं क्योंकि हमारी सरकार ने तो टिकट के नाम पर गोलमाल का प्रयास करने वाले चार लोगों को जेल भिजवाया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता कांग्रेस, इनेलो और भाजपा के बीच का अंतर जानती है। तभी तो उनकी सरकार के पांच साल के कार्यों पर पहले फरीदाबाद फिर गुरुग्राम नगर निगम में जीत दिलाकर मुहर लगाई।

फरीदाबाद में जनसभा को संबोधित करते हरियाणा के सीएम मनोहर लाल। जागरण

अशोक तंवर ने लगाया आरोप कांग्रेस में 14 टिकट बिके

जागरण संवाददाता, यमुनानगर

कांग्रेस में मचा घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। आरोप-प्रत्यारोप के दौर अब भी जारी हैं। हाल ही में अपनी ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं पर टिकट आवंटन में पांच करोड़ के लेन-देन का दावा करने वाले पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर ने एक बार फिर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को निशाने पर लिया है। बुधवार को हरियाणा के यमुनानगर पहुंचे तंवर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस में कुल 14 टिकट बेचे गए हैं। वह इसका रिकॉर्ड जुटा रहे हैं और जल्द ही सुबूतों के आधार पर पूरा मामला उजागर करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को बर्बाद करने वाले वही लोग हैं, जिनके पास जिम्मेदारी है।

तंवर ने कहा, 'मैं फ्री लांसर हूं। सभी दलों के प्रत्याशियों की लिस्ट देख रहा हूं। अच्छे उम्मीदवार को समर्थन करूंगा। वह किसी भी पार्टी का हो सकता है।' उनका गुट किसको समर्थन करेगा, इसका निर्णय भी तीन दिन में हो जाएगा। लघु सचिवालय के सामने चल रहे दलित समाज के धरने में तंवर पहुंचे थे। इसी दौरान जेजपी के साढौरा व रादौर के उम्मीदवार पहुंचे। इससे चर्चा शुरू हो गई है कि तंवर इस पार्टी के उम्मीदवारों को समर्थन दे सकते हैं। हालांकि, तंवर का इस पर कहना है कि ये सामाजिक धरना था, यहां कोई भी पहुंच सकता है। तंवर ने कहा कि टिकट आवंटन में हुई गड़बड़ी असहनीय है। नामांकन का आखिरी दिन था। हमारे पास नई पार्टी खड़ी करने का समय नहीं था। इसलिए अच्छे लोग विभिन्न दलों में से एकत्रित करेंगे। अभी वो बाबा का आशीर्वाद वाला काम कर रहे हैं। चुनाव होने के बाद नई रणनीति बनेगी। उन्होंने बिना नाम लिए हुड्डा पर भी कई गंभीर आरोप लगाए।

डॉ. अशोक तंवर फाइल

फरसा लेकर हरियाणा के चुनाव प्रचार में कूदे जयहिंद, आयोग की रहेगी नजर

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश अध्यक्ष नवीन जयहिंद फरसा लेकर चुनाव प्रचार में कूदे हैं। हरियाणा विधानसभा चुनाव में उतरे पार्टी के 48 प्रत्याशियों के लिए समर्थन जुटाने को जयहिंद जहां भी जाएंगे, फरसा उनके साथ होगा। प्रचार के नए ढंग को लेकर आप प्रदेशाध्यक्ष पर चुनाव आयोग की निगाहें रहेंगी।

चंडीगढ़ स्थित प्रेस क्लब में बुधवार को पत्रकारों से रूबरू नवीन जयहिंद ने कहा कि भाजपा ने पिछले पांच साल में घोषणा पत्र में किए गए एक भी वादे को पूरा नहीं किया। आज सत्तारूढ़ पार्टी घोषणा पत्र को छुपा रही है, क्योंकि उसके आधार पर कोई काम नहीं किया गया है। मौजूदा सरकार ने केवल प्रदेश की जनता को गुमराह करने का काम किया है।

जयहिंद ने दूसरे दलों से आए नेताओं को टिकट देने व मंत्रियों के टिकट काटने पर चुटकी लेते हुए कहा कि वे अब पांच साल तक टिक-टॉक पर गाना गाएं। इसके बाद उन्हें टिकट जरूर मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के पास 90 हलकों में उम्मीदवार तक नहीं थे, इसलिए दूसरे दलों से नेताओं को शामिल करके उन्हें चुनाव मैदान में उतारा है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी का घोषणा पत्र जल्द जारी होगा। इसमें बढ़ती बेरोजगारी, गिरती शिक्षा, खराब स्वास्थ्य सेवाएं, बिगड़ती कानून व्यवस्था और महिलाओं के प्रति बढ़ रहे अपराध को मुद्दा बनाया गया है। पार्टी नेता दिल्ली में कराए गए कामों के आधार पर हरियाणा में वोट मांग रहे हैं। आमजन को दिल्ली सरकार व हरियाणा में कराए गए विकास कार्यों का फर्क बताया जा रहा है।

भाजपा के मिशन-75 पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए जयहिंद ने कहा कि जिस तरह सत्तारूढ़ दल के नेता आमजन को धमकाते हैं, उससे साफ है कि भाजपा हवा में दावे कर रही है। प्रदेश में बिखरते हुए विपक्ष पर जयहिंद ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के टिकट भाजपा अध्यक्ष अमित शाह की सलाह के बाद बांटे गए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में 200 यूनिट तक बिजली और 20 हजार लीटर पानी जनता को मुफ्त में मिल रहा है। विश्व के सबसे बेहतरीन स्कूल दिल्ली में हैं। मोहल्ला क्लीनिक प्रोजेक्ट पर विदेशी रिसर्च करने पहुंच रहे हैं। शहीद के परिवार को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता व नौकरी दी जा रही है। यही सब व्यवस्था हरियाणा में भी लागू की जाएगी।

नवीन जयहिंद फाइल

▸ दिल्ली में कराए कामों को हरियाणा में भुनाने की कोशिश में आम आदमी पार्टी

▸ जल्द जारी होगा घोषणा पत्र, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून व्यवस्था और महिला अपराध पर फोकस

आजम के गढ़ पर भाजपा की निगाहें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : सपा सांसद आजम खां के गढ़ रामपुर पर भाजपा की निगाहें टिक गई हैं। उप्र में 2017 के विधानसभा और 2019 के लोकसभा चुनाव में मोदी लहर के बावजूद आजम से भाजपा को पराजय मिली थी। अब दोनों बार की हार को जीत में बदलने के लिए भाजपा पूरी ताकत से जुट गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और प्रदेश महामंत्री संगठन सुनील बंसल अलग-अलग दौरों में रामपुर में बूथों तक किलेबंदी कर चुके हैं। अब फिर से नेताओं के दौरे शुरू हो रहे हैं। स्वतंत्र देव सिंह गुरुवार को रामपुर जा रहे हैं। वह पार्टी उप चुनाव में उम्मीदवार के पक्ष में प्रचार-प्रसार करने के साथ ही पदाधिकारियों की बैठकों में शामिल होंगे। वह सेक्टर संयोजक, सेक्टर प्रभारी, सेक्टर प्रवासी, सभी मोर्चों के प्रमुखों, मोर्चा अध्यक्षों व मंडल की टीम में शामिल होंगे। इसके अलावा प्रदेश अध्यक्ष प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ एक होटल में अलग बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 18 अक्टूबर को रामपुर में जनसभा लगी है। योगी की जनसभा को भव्य रूप देने के लिए संगठन तैयारी कर रहा है। योगी इस सभा के जरिये उम्मीदवार का माहौल बनाएंगे।

बिहार में रावण वध से अधिक भाजपा नेताओं की गैर-हाजिरी की चर्चा

राज्य ब्यूरो, पटना

▸ उद्घाटन करने नहीं पहुंचे राज्यपाल, उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी भी रहे गैर-हाजिर

पटना के गांधी मैदान में मंगलवार को आयोजित रावण वध समारोह से भाजपा नेताओं की गैर-हाजिरी ने राजनीतिक चर्चा को नया विषय दे दिया है। यह पहला अवसर है, जब सरकार में शामिल रहने के बावजूद भाजपा के कोई नेता समारोह के मंच पर नजर नहीं आए। राज्यपाल दलगत राजनीति से अलग माने जाते हैं। उनकी गैर-मौजूदगी भी खल रही थी। राज्यपाल फागू चौहान को समारोह का उद्घाटन करना था, जबकि उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी खास मेहमान थे।

भाजपा अपनी अप्रत्याशित गैर-हाजिरी के बारे में कुछ नहीं कह रही है। पार्टी के एक नेता ने कहा कि गांधी मैदान का समारोह उत्सव के तौर पर मनाया जाता है, मगर वर्षा के कारण शहर के आम लोग जिस परेशानी को झेल रहे हैं, उसमें हम लोगों के लिए उत्सव मनाना कहीं से उचित नहीं है। लिहाजा, पार्टी ने खुद को समारोह से अलग कर लिया।

हालांकि, गांधी मैदान में इस साल भी पहले की तरह भीड़ जुटी थी और लोगों के उत्साह में कोई कमी भी नहीं देखी गई। यह संयोग था कि मंच पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की बगल वाली कुर्सी पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष बैठे थे। आमतौर पर ऐसे समारोहों में नीतीश के बगल की कुर्सी सुशील मोदी के लिए ही आरक्षित रहती है।

एनडीए गठबंधन चट्टान की तरह अटूट है। उपमुख्यमंत्री पटना से बाहर थे। मैं कई वर्षों से रावण वध कार्यक्रम में शामिल नहीं होता हूं। केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह इस साल दशहरा नहीं मनाएंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार परिवार के मुखिया के नाते दुख-सुख दोनों में शामिल होते हैं।
-रामकृपाल यादव, भाजपा सांसद

यह किसी राजनीतिक दल का कार्यक्रम नहीं था। इसे जदयू-भाजपा के बीच टकराव के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। हां, भाजपा के नेता अगर रहते तो अच्छा होता। राजधानी की जनता जलजमाव की समस्या से जूझ रही है। ऐसे मौके पर कुछ लोग जनता के सवालों से बचना चाहते हैं। संवाद के जरिए उनका हल निकालना उचित है। **-राजीव रंजन प्रसाद, प्रवक्ता, जदयू**

2021 में उम्मीदवार चुनने का आधार बनेगा 'दीदी के बोलो' अभियान

जागरण संवाददाता, कोलकाता : बंगाल में लोकसभा चुनाव में भाजपा के अच्छे प्रदर्शन के बाद खुद तृणमूल प्रमुख ममता बनर्जी पार्टी को 2021 विधानसभा चुनाव से पहले बेहतर करने में जुटी हुई हैं। इसे लेकर विभिन्न जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। नेताओं के कार्यों का लेखाजोखा लिया जा रहा है। ममता लगातार जिलों का दौरा कर रही हैं, प्रशासनिक बैठक के साथ नेताओं की बैठक कर रही हैं। इस बीच चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के दिमाग की उपज कहे जाने वाले 'दीदी के बोलो' अभियान के जरिये भी पार्टी लगातार जनसंपर्क बढ़ाने में जुटी हुई है। कहा जा रहा है कि 2021 में तृणमूल के लिए उम्मीदवार चुनने का आधार दीदी के बोलो अभियान बनेगा और पार्टी उन्हीं को टिकट देगी जिनका दीदी के बोलो अभियान के जरिये बेहतर ट्रेक रिकार्ड पाया गया है। पार्टी सूत्रों ने बताया कि अभियान का परिणाम 2021 के विस चुनावों के लिए उम्मीदवार के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, क्योंकि पार्टी केवल उन्हीं नेताओं व विधायकों को टिकट देगी जिनके प्रदर्शन से पार्टी सुप्रीमो प्रभावित होंगी।

'गैरों' ही नहीं 'अपनों' पर भी नजर

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

▸ उम्मीदवारों का खर्च जांच रही सामान्य टीमों पर स्थैटिक टीमों का पहरा

▸ हर सीट का करेंगी औचक निरीक्षण, गड़बड़ी मिली तो नपेंगे अधिकारी

हरियाणा में चुनाव आयोग अपने तराजू में गैर (राजनीतिक दल) और अपनों (चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारी) को एक ही नजर से तोल रहा है। जिसने भी गड़बड़ी की उस पर गाज गिरना तय है। चाहे वे राजनेता हों या चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारी एवं कर्मचारी। चुनाव आयोग की सब पर पैनी निगाह है। लाख चतुराई कर लें, बचकर निकलने के आसार कम ही हैं। चुनाव इंतजाम और ड्यूटी पर तैनात अमले की एक नहीं, बल्कि कई स्तर पर निगरानी हो रही है।

अब राजनीतिक दलों के चुनाव खर्च की पाई-पाई का हिसाब रखने वाली सामान्य टीमों को ही ले लीजिए। अगर उन्होंने किसी उम्मीदवार के कुल खर्च को कम कर दिखाने की कोशिश की तो वे पकड़ी जाएंगी, क्योंकि चुनाव आयोग के निर्देश पर राज्य निर्वाचन विभाग ने उन पर नजर रखने के लिए स्थैटिक टीमें गठित कर दी हैं। ये टीमें एक नहीं, बल्कि सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में कार्य करेंगी। किसी भी सीट से चुनाव लड़ रहे विभिन्न दलों के उम्मीदवारों के चुनावी खर्च का रजिस्टर ये कभी भी खंगाल सकेंगी।

निर्वाचन विभाग ने इसके साथ इन टीमों को काला धन, शराब एवं नशे की तस्करी की जांच करने वाले दस्ते पर निगरानी रखने की जिम्मेदारी भी दी है। ये जांच अभियान की समीक्षा कर रिपोर्ट मुख्य निर्वाचन अधिकारी और चुनाव आयोग को देंगी।

स्थैटिक टीमों के अलावा प्रत्याशियों के खर्च पर नजर रखने के लिए व्यय पर्यवेक्षक भी नियुक्त किए गए हैं। स्थैटिक टीमों के साथ ये भी मतदाताओं को उम्मीदवारों द्वारा पैसे बांटने के मामलों पर निगाह रखेंगे। स्थैटिक निगरानी टीम के साथ फ्लाइंग स्क्वाड, वीडियो सर्विलांस टीम और लेखा टीम भी काम करेगी।

टीम को 50 हजार रुपये से अधिक की बेनामी राशि और बिना अनुमति के प्रचार सामग्री ले जा रहे वाहनों को जब्त करने का भी अधिकार दिया गया है। किसी वाहन में दस लाख से अधिक की राशि मिलने पर तत्काल आयकर अधिकारी मौके पर पहुंचकर इसकी पड़ताल करेंगे।

क्या है स्थैटिक टीम

यह एक विशेष टीम है। इसमें चार सदस्य होते हैं, जिनमें मजिस्ट्रेट, एक पुलिस अधिकारी, एक लेखा अधिकारी और एक फोटोग्राफर शामिल है। यह टीम विशेष तौर पर अपने अधिकार क्षेत्र वाले विधानसभा हलके में राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों के खर्च रजिस्टर की औचक पड़ताल करेगी।

11 हजार करोड़ रुपये का अल्पकालीन कृषि ऋण माफ किया है छत्तीसगढ़ सरकार ने दिसंबर 2018 से अब तक। 19 लाख से अधिक किसानों को इसका लाभ मिला है।

चिनफिंग ने इमरान से कहा कश्मीर के हालात पर है नजर

फिर पलटा चीन ▸ दो दिन के बाद पाकिस्तान के सुर में सुर मिलाया

भारत की दो टूक, उसके आंतरिक मामलों से दूर रहें दूसरे देश

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

चीन दो दिन के भीतर ही कश्मीर पर एक बार फिर पलट गया है। चीन की यात्रा पर गए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान के साथ बुधवार को बैठक में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा कि कश्मीर पर तथ्य स्पष्ट हैं और उनका देश वहां के हालात पर करीबी नजर रख रहा है। भारत ने कश्मीर पर चीन और पाकिस्तान की इस जुगलबंदी पर सख्त प्रतिक्रिया जताई है। भारत ने स्पष्ट कहा है कि कश्मीर उसका आंतरिक मामला है और दूसरे देशों को उसके आंतरिक मामलों पर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

इमरान खान की यात्रा के बाद प्रेस के लिए जारी साझा बयान में कहा गया है कि चिनफिंग और इमरान खान की बैठक में कश्मीर के मुद्दे पर व्यापक चर्चा हुई। इमरान खान ने कश्मीर में बदले हालात के बारे में चिनफिंग को बताया। इस पर चिनफिंग ने कहा कि उनकी कश्मीर के हालात पर करीबी नजर है। उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि संबंधित पक्ष मसले को बातचीत के जरिए शांतिपूर्ण ढंग से सुलझा लेंगे। ध्यान देने की बात है कि चिनफिंग ने भारत और पाकिस्तान का नाम लेने के बदले 'संबंधित पार्टियां' का उल्लेख किया।

इमरान खान की यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जबकि कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने के बाद भारत-पाकिस्तान में तनाव बहुत बढ़ा हुआ है। बयान के मुताबिक चीन ने यह भी कहा कि कश्मीर विवाद इतिहास की देन है और इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों और द्विपक्षीय समझौतों के आधार पर शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जाना चाहिए। चीन ने हालात को जटिल बनाने वाली किसी भी एकतरफा कार्रवाई का विरोध किया है।

कश्मीर पर चीन के रुख में यह बदलाव ऐसे समय में आया है जबकि चिनफिंग शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक के लिए भारत आने वाले हैं। मंगलवार को चीन के विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कश्मीर को द्विपक्षीय मुद्दा बताया था और कहा था कि भारत और पाकिस्तान को शांतिपूर्ण तरीके से इसे सुलझाना चाहिए।

वहीं, चिनफिंग और इमरान के बीच कश्मीर पर चर्चा की खबर पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने कहा, 'पीएम इमरान खान के साथ चिनफिंग की बातचीत में कश्मीर पर हुई चर्चा के बारे में हमें सूचना मिली है। भारत का इस बारे में स्पष्ट मत है कि कश्मीर हमारा आतंरिक मामला है। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है जिसके बारे में चीन को भी बखूबी पता है। भारत के आंतरिक मामलों के बारे में दूसरे देशों को कोई टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।'

भारत-चीन के बीच होगा आतंकरोधी सैन्य अभ्यास

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : यूं तो पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के मुद्दे पर चीन का नजरिया अक्सर भारत को परेशान करता रहा है लेकिन अपने द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने की कवायद को आगे बढ़ाते हुए दिसंबर में भारत और चीन संयुक्त सैन्य अभ्यास 'हैंड इन हैंड' में भाग लेंगे। यह अभ्यास चीन के वुहान में प्रधानमंत्री मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की पहली अनौपचारिक शिखर वार्ता के बाद पुन: पटरी पर लौटे आपसी संबंधों का नतीजा है। डोकलाम में पैदा हुए गतिरोध के बाद दोनों देशों की सेनाओं के बीच परस्पर विश्वास बढ़ाने, सहयोग की समझ को विकसित करने और उसे मजबूत करने के लिहाज से हैंड इन हैंड संयुक्त सैन्य अभ्यास का सामरिक हलकों में बड़ा महत्व बताया जा रहा है। दोनों देशों की सेनाओं के बीच निकटता पूर्ण संबंध बनाना और उसे बढ़ावा देना इस युद्धाभ्यास का लक्ष्य है। गौरतलब है कि आए दिन भारत-चीन रिश्तों में होती उठापटक के बाद अब दोनों देशों के बीच हालात सुधर रहे हैं, दोनों पड़ोसी देश संबंधों की मधुरता को प्राथमिकता दे रहे हैं। बावजूद इसके दोनों देशों में कई बार खटास देखने को मिली है। चीन ने न्यूक्लियर सप्लायर्स ग्रुप (एनएसजी) में भारत के दाखिल होने का लगातार विरोध तो किया ही है। वहीं आतंकी संगठन जैश-ए-मुहम्मद के मसूद अजहर को संयुक्त राष्ट्र के जरिए आतंकवादी घोषित कराने की भारत की कोशिश को भी चीन ने वीटो किया था। भारत चीन की महात्वाकांक्षी वन बेल्ट वन रोड परियोजना का हिस्सा भी नहीं है। ऐसे में आतंक के मुद्दे पर दोनों देशों में रक्षा सहयोग पर मजबूती सैन्य कूटनीति के लिए यह बड़ा कदम है।

महाबलीपुरम : बेमिसाल शिल्प की नगरी

सातवीं शताब्दी में चीनी यात्री ह्वेनसांग ने पल्लवों की राजधानी कांचीपुरम का भ्रमण किया था। सैकड़ों साल बाद कल चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिखर वार्ता के लिए पल्लवों की शिल्प-नगरी रहे और यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल महाबलीपुरम (मामल्लपुरम) आ रहे हैं। इस मौके पर आज **डॉ. कायनात काजी** के साथ चलते हैं चेन्नई के पास स्थित इस शहर के सफर पर...

पंच पांडव रथ स्मारक

चेन्नई शहर से निकल जब ईस्ट कोस्ट एक्सप्रेस वे पकड़ते हैं तो फिजा में जैसे सुकून की खुशबू-सी घुलने लगती है। आपके साथ दक्षिण-पूर्वी तटरेखा जिसे कोरोमंडल तट कहते हैं, किसी साथी की तरह निरंतर चलती रहती है। इसका सही नाम चोलमंडलम था, लेकिन चूंकि यहां आने वाले पुर्तगाली इसका उच्चारण नहीं कर पाते थे, इसलिए इसे कोरोमंडल कहा जाने लगा। चोलमंडलम यानी वह स्थान, जिसे चोल शासकों ने बसाया। चेन्नई से मात्र 60 किलोमीटर की दूरी तय करने पर चेंगलपट्टू जिले में एक छोटा-सा कस्बा महाबलीपुरम या मामल्लपुरम पड़ता है, जिसका समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास है। यह बंगाल की खाड़ी के किनारे स्थित एक ऐसे स्थान के रूप में जानी जाती है, जहां मंदिरों के समूह स्थित हैं। इसी कारण इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है।

इसे महाबलीपुरम और मामल्लपुरम के अलावा कई अन्य नामों से भी जाना जाता है, जैसे-कादल, मल्लै, अर्थसेथु, मल्लावराम, मल्लाई और ममल्लई आदि। इस जगह का उल्लेख प्राचीन संगम साहित्य की किताब 'पथ्थुपाट्ट' में भी मिलता है। यहां के मंदिर अपनी नक्काशियों के लिए मशहूर हैं। यहां पत्थरों को तराश कर बनाई गई चट्टानें देखने योग्य हैं। इनमें से ज्यादातर एक ही पत्थर को काटकर बनाई गई हैं। इस खूबसूरत शहर को मंदिरों की नगरी के नाम से भी जाना जाता है। इसे पल्लव राजवंश के प्रतापी राजा महेंद्र वर्मन प्रथम (शासनकाल 600-630 ई.) ने 7वीं सदी में बसाया था। उनके उत्तराधिकारी नरसिंहवर्मन प्रथम (630-668 ई.) को एक 'महामल्ल' या 'मामल्ल' की उपाधि दी गई थी। उनके नाम पर इसे मामल्लपुरम नाम दिया गया था।

कलाप्रेमी शासक : महाबलीपुरम पल्लव काल में प्रमुख समुद्री बंदरगाह था। वैसे तो पल्लवों की राजधानी कांचीपुरम हुआ करती थी, लेकिन महाबलीपुरम को पल्लव अपनी दूसरी राजधानी की तरह महत्व देते थे। यहां उन्होंने पांचवीं से आठवीं सदी के बीच शासन किया था। उत्तरी तमिलनाडु से लेकर दक्षिणी आंध्र प्रदेश तक पल्लव साम्राज्य का विस्तार था। अत्यंत वैभवशाली होने के नाते पल्लव साम्राज्य के विदेश से भी व्यापारिक संबंध थे। यहां से प्राप्त चीन और यूरोपीय देशों के तीसरी और चौथी सदी के सिक्कों से प्रमाणित होता है कि महाबलीपुरम उस समय एक बड़ा व्यापारिक केंद्र था। प्राप्त शिलालेखों के अनुसार, महाबलीपुरम के स्मारकों को पल्लव राजा महेंद्र वर्मन ने बनवाया, जिसे बाद में उनके पुत्र नरसिंह वर्मन ने और परिष्कृत किया। इस वंश में और भी कई कलाप्रेमी शासक हुए।

चीन से प्राचीन कनेक्शन : आज चीन के राष्ट्रपति हमारे प्रधानमंत्री के साथ अनौपचारिक शिखर वार्ता के लिए यहां आ रहे हैं, तो इसमें हैरत नहीं होनी चाहिए, क्योंकि इसका चुनाव संभवतः इसीलिए किया गया है, क्योंकि प्राचीन काल में भी इस शहर का चीन के साथ रिश्ता था। जी हां, यह रिश्ता रक्षा और व्यापार से जुड़ा था, जिसकी गवाही देते हैं यहां पर मिलने वाले चीनी सिक्के, शिलालेख और प्राचीन लिपियां। चीन ने पल्लव वंश के राजाओं के साथ कई संधियां की थीं। 7वीं शताब्दी में चीनी यात्री ह्वेनसांग भारत आया था। वह पल्लव वंश के शासनकाल में कांचीपुरम पहुंचा था। उस वक्त चीन और तमिलनाडु दोनों के प्रतिनिधिमंडल एक-दूसरे के यहां आया-जाया करते थे।

महाबलीपुरम के स्मारक : यहां के सबसे अच्छे स्मारकों के समूह को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया है। इन्हें देखकर ऐसा लगता है, जैसे इसे किसी जादू से बनाया गया हो। विशाल शिलाओं को तराश कर उनमें जान डाली गई हो। इन स्मारकों के हर पन्ने पर एक कहानी लिखी है, जिसका संबंध महाभारत और तमिल संगम साहित्य से है। इन स्मारकों को मुख्य रूप से चार श्रेणियों में बांटा गया है- रथ, मंडप, गुफा मंदिर, संरचनात्मक मंदिर और विशाल चट्टानें।

शोर मंदिर : यहां एक भव्य मंदिर है, जिसे 'शोर मंदिर' यानी समुद्र तट का मंदिर भी कहा जाता है। इसका निर्माण राजा नरसिंह वर्मन ने करवाया था। वास्तुशिल्प कला के इस अद्भुत नमूने में खूबसूरत बहुभुज गुंबद के साथ मंदिर में भगवान विष्णु और शिव की मूर्तियां सजी हैं। यह इतना मजबूत कि यहां आई सुनामी की ऊंची लहरों और तूफानी हवाएं भी इसका कुछ नहीं बिगाड़ सकीं।

पंच पांडव रथ स्मारक : आपने भारत में कहीं भी ऐसे मंदिर नहीं देखे होंगे, जिन्हें चट्टानों को खोदकर उकेरा गया हो। ये मोनोलिथिक यानी एक ही पत्थर या चट्टान को तराशकर बनाई गई संरचनाएं हैं। ये रथ के आकार के मंदिर हैं। इन्हें महाभारत के नायकों के नाम पर पंच पांडव रथ भी कहा जाता है। इन पांच रथों को धर्मराज रथ, भीम रथ, अर्जुन रथ, द्रौपदी रथ, नकुल और सहदेव रथ के नाम से जाना जाता है। इनका निर्माण बौद्ध विहार शैली तथा चैत्यों के अनुसार किया गया है। अपरिष्कृत तीन मंजिल वाले धर्मराज रथ का आकार सबसे बड़ा है। पांच रथों में से चार एक पंक्ति में खड़े हैं। द्रौपदी के नाम से भी एक छोटा रथ मौजूद है। इसके अलावा, भगवान विष्णु, मुरुगन, शिव आदि देवताओं की कई मूर्तियां शामिल हैं। रथों की दीवारों पर कृष्ण और बाहरी हिस्सों में नंदी, हाथी आदि की मूर्तियां हैं।

वंडर बॉल : यहां एक गेंद के आकार की विशाल चट्टान एक पहाड़ी पर कुछ इस तरह टिकी हुई है, जैसे अभी लुढ़क जाएगी। यह चट्टान गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत को फेल करती जान पड़ती है। यह आज भी वैज्ञानिकों के लिए एक पहेली बनी हुई है। 45 डिग्री पर झुकी इस विशाल शिला को लोग 'वंडर बॉल' भी कहते हैं। इसे भगवान कृष्ण के लिए बड़े शिलाखंड से लटकी मक्खन की बूंद माना जाता है।

ये भी हैं आकर्षण का केंद्र

अर्जुन तपस

यहां 43 फीट लंबी और 96 फीट ऊंची एक विशाल चट्टान को तराश कर असंख्य चित्रों के माध्यम से अर्जुन की तपस्या का चित्रांकन किया गया है। इसे अर्जुन से संबंधित दुनिया में सबसे अनोखा स्थापत्य माना जाता है।

वराह गुफा मंदिर

मां लक्ष्मी, दुर्गा और विष्णु के वराह अवतार को समर्पित यह गुफा भी पल्लव राजवंश शासकों के मूर्तिकला प्रेम को बखूबी दर्शाती है। बाहर से साधारण दिखने वाली इस गुफा के भीतर की दीवारें खूबसूरत मूर्तिकला से सुसज्जित हैं। इस गुफा के खंभे भगवान नरसिंह के मजबूत बाजुओं पर टिके हैं।

पल्लवकालीन अनूठा मंदिर टाइगर गुफा

टाइगर गुफा शहर के बाहरी इलाके में सालुवनकुप्पम नामक एक छोटे से गांव में स्थित है। इस गुफा मंदिर का निर्माण 8वीं शताब्दी में पल्लव राजाओं द्वारा कराया गया था। गुफा के प्रवेशद्वार के आसपास चट्टानों के बाहर खुदी हुई बाघ के सिर के आकार की 11 मूर्तियां हैं, इसीलिए इसका नाम बाघ गुफा पड़ा।

पहाड़ी गुफा

यहां पहाड़ों को काटकर बनाई गई अनेक गुफाएं भी हैं, जो बाहर से छोटी, पर अंदर से विशाल हैं। भीतरी दीवारों पर आध्यात्मिक घटनाओं को कलात्मक तरीके से दर्शाया गया है। इनमें मुख्य हैं-महिषासुरमर्दिनी गुफा, वराह गुफाएं, कृष्णा मंडपम आदि। इन सभी गुफाओं में पौराणिक घटनाओं को कहानियों के रूप में दर्शाया गया है।

डिसेंट ऑफ द गंगा

गंगा के स्वर्ग से धरती पर आने की पौराणिक कथा-भगीरथ प्रयत्न को शिल्पियों ने यहां पत्थरों पर उकेरा है। ये किसी रेखाचित्र की तरह कलाकृतियों का एक ऐसा नमूना हैं, जिन्हें देखने से जी नहीं भरता।

उन्नाव कांड : एपल के पास नहीं है सेंगर के फोन का जीपीएस डाटा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

उन्नाव कांड में दुष्कर्म पीड़िता के पिता की हत्या के मामले में बुधवार को अदालत में सुनवाई हुई। इस दौरान एपल इंडिया ने शपथपत्र दायर कर बताया कि आरोपित विधायक कुलदीप सेंगर के आइ-फोन का जीपीएस डाटा उसके पास नहीं है। जीपीएस डाटा उपभोक्ता के फोन में की गई सेटिंग पर निर्भर करता है। फोन का डाटा आइ क्लाउड में सहेजने की व्यवस्था है, लेकिन जीपीएस डाटा के साथ ऐसा नहीं है। 24 घंटे में यह खत्म हो जाता है। वहीं फोन गुम होने की स्थिति में उसकी तुरंत रिपोर्ट करने पर अंतिम लोकेशन को सहेजा जाता है।

अदालत ने एपल कंपनी से आरोपित कुलदीप के आइ-फोन के जीपीएस डाटा की जानकारी मांगी थी। अदालत ने एप्पल से पूछा था कि जब पीड़िता के पिता को जब बेरहमी से पीटा गया था, तो सेंगर के आइ-फोन की लोकेशन क्या थी, अदालत के पूछने पर अब एपल इंडिया की तरफ से यह जानकारी दी गई है। वहीं बुधवार को मृतक की मां से जिरह पूरी हो गई। पीड़िता की बड़ी बहन का बयान भी अदालत में दर्ज होने के बाद उससे जिरह शुरू हो गई थी।पीड़िता के पिता को अवैध हथियार रखने के फर्जी मामले में फंसाकर गिरफ्तार कर लिया गया था और इसके बाद हिरासत में बेरहमी से पिटाई के कारण उनकी मौत हो गई थी।

झारखंड में गीतांजलि एक्सप्रेस नक्सलियों के निशाने पर, अलर्ट जारी

जासं, जमशेदपुर : झारखंड में गीतांजलि एक्सप्रेस नक्सलियों के निशाने पर है। खुफिया को इसकी भनक लगी है। इसके बाद एहतियातन रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), जीआरपी (सरकारी रेल पुलिस) और जिला पुलिस ने रेलवे ट्रैक की सुरक्षा संभाल ली है। आरपीएफ और जीआरपी के जवानों ने गीतांजलि एक्सप्रेस समेत अन्य ट्रेनों में गश्त तेज कर दी है। महालीमुरुम-राजखरसांवा सेक्शन से ट्रेन धीमी रफ्तार से गुजर रही है। ट्रेन के आगे-आगे इंजन व मालगाड़ी को दौड़ाया जा रहा है। साथ ही लोको व सहायक पायलट को अलर्ट किया गया है। उक्त क्षेत्र में गैंगमैन लगातार रेल ट्रैक पर गश्त कर रहे हैं।

आजम खां और उनके बेटे की अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज

जासं, रामपुर : पड़ोसी की जमीन हड़पने और जानलेवा हमला करने के आरोप में फंसे सपा सांसद आजम खां को सेशन कोर्ट से एक और झटका लगा है। कोर्ट ने इस मामले में आरोपित आजम और उनके बेटे विधायक अब्दुल्ला की अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज कर दी हैं। इससे पहले मुहल्ला घोसियान यतीमखाना बस्ती में मकान तोड़ने, मारपीट, जानवर चोरी आदि के आठ मामलों में भी सांसद की अग्रिम जमानत याचिकाएं खारिज हो चुकी हैं।

आरिफ रजा सांसद आजम के पड़ोसी हैं। उन्होंने गंज कोतवाली में सांसद, उनके बेटे अब्दुल्ला खां, भाई शरीफ खां आदि के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि सांसद और उनके परिवार के लोग उनकी जगह पर कब्जा करना चाहते हैं। इसके लिए उन पर जानलेवा हमला कराया गया। इस मुकदमे में गिरफ्तारी से बचने के लिए सांसद और उनके विधायक पुत्र ने जिला जज के न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। अभियोजन ने अग्रिम जमानत याचिका पर आपत्ति जताई, जबकि बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि दोनों को राजनीतिक रंजिश के आधार पर फंसाया गया है। उन्होंने किसी पर जानलेवा हमला नहीं किया है।

मुठभेड़ में हार्ट अटैक नहीं, गोली लगने से हुई थी जवान की मौत

- मंगलवार को दंतेवाड़ा में हुई थी नक्सलियों से मुठभेड़
- एसपी ने बताया कि शव का एक्स-रे कराने के बाद इसका पर्दाफाश हुआ

नईदुनिया, दंतेवाड़ा

छत्तीशगढ़ में मंगलवार को दंतेवाड़ा जिले के कटेकल्याण इलाके में मुठभेड़ के दौरान जवान की मौत हार्ट अटैक से नहीं बल्कि गोली लगने से हुई है। दंतेवाड़ा एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने स्वीकार किया है कि जल्दबाजी में जवान की मौत हार्ट अटैक से होना बता दिया गया था।

बता दें कि कटेकल्याण के पिटेडब्बा में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड के जवान कैलाश नेताम मौके पर ही शहीद हो गए थे। पुलिस ने मंगलवार देर शाम तक उनकी मौत का कारण हार्ट अटैक बताया था। एसपी ने बताया कि शव का एक्स-रे कराने के बाद इसका पर्दाफाश हुआ है। जवान के कमर के नीचे वाले हिस्से में गोली लगी थी।

एक ही वाहन में लाया गया जवान और नक्सली का शव : शहीद जवान का मंगलवार को पोस्टमार्टम नहीं किया जा सका था। बुधवार को 24 घंटे बीतने के बाद पोस्टमार्टम किया गया। जवान की शहादत के बाद पुलिस की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। बताया जा रहा है कि शहीद जवान के शव के लिए अलग से एंबुलेंस या गाड़ी की व्यवस्था नहीं की गई थी। नक्सली के शव के साथ एक ही वाहन में जवान का शव लाया गया। हालांकि एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव का कहना है कि एक ही गाड़ी होने की वजह से दोनों का शव साथ लाना पड़ा। एसपी ने कहा कि निश्चित रूप से शहीद जवान हमारा अपना है लेकिन मारे गए नक्सली का भी हम सम्मान करते हैं।

शहीद को बिटिया ने दी मुखाग्नि

दंतेवाड़ा मुठभेड़ में शहीद जवान कैलाश नेताम को बुधवार को उनके गृहग्राम छिंदभर्री में अंतिम दर्शन को जनसैलाब उमड़ पड़ा। गांव के बहादुर बेटे के दर्शन को हर कोई आतुर था। बड़ी बेटी वंदना ने पिता को मुखाग्नि दी।

मध्य प्रदेश के मंदसौर में आरएसएस नेता की गोली मारकर हत्या

नईदुनिया, मंदसौर : मध्यप्रदेश के मंदसौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पूर्व विभाग शारीरिक प्रमुख और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के विभाग सहमंत्री युवराज सिंह चौहान (41) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बुधवार सुबह करीब 11 बजे चौहान गीता भवन अंडरब्रिज के पास होटल पर पानी पी रहे थे, तभी बाइक सवार तीन बदमाशों ने पीछे से सिर में एक गोली मारी। नीचे गिरते ही बाइक से उतरकर अन्य बदमाश ने उनके सीने पर भी गोली दागी। घटना के बाद बदमाश फरार हो गए।

चौहान मंदसौर में एसआरएम केबल नेटवर्क का संचालन करते थे। हत्या की एक वजह केबल वार भी बताई जा रही है। इंदौर में व्यवसायी संदीप तेल हत्याकांड में युवराज का नाम आया था। वारदात के अस्पताल और उसके आसपास के क्षेत्र में पुलिस सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है। तीनों शूटरों की पहचान पुलिस ने कर ली है, लेकिन अभी उनके नाम उजागर नहीं किए हैं। कुछ संदिग्धों से भी पूछताछ जारी है।

आइजी राकेश गुप्ता और डीआइजी गौरव राजपूत ने बुधवार शाम घटनास्थल का निरीक्षण किया। आइजी गुप्ता ने कहा कि मामला केबल वार का लग रहा है। संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

जांच में शामिल किए गए पुष्पेंद्र के परिजनों के आरोप : एडीजी

- कहा, परिजन किसी अन्य एजेंसी से जांच की मांग करते हैं तो विचार किया जाएगा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

झांसी में पुलिस मुठभेड़ में पुष्पेंद्र यादव की मौत को लेकर गरमाती सियासत के बीच आखिरकार बुधवार को डीजीपी मुख्यालय हरकत में आया। एडीजी (कानून-व्यवस्था) पीवी रामाशास्त्री ने दावा किया कि झांसी पुलिस प्रकरण में दर्ज दो मुकदमों की निष्पक्ष जांच कर रही है। डीजीपी मुख्यालय स्तर से भी दोनों मुकदमों में की जा रही जांच की मानीटरिंग हो रही है। लखनऊ में एडीजी ने कहा कि पुष्पेंद्र यादव के परिजन यदि किसी अन्य एजेंसी से घटना की जांच कराने संबंधी मांग करते हैं तो उसके अनुरूप आगे की कार्रवाई की जाएगी। एडीजी ने बताया कि पांच अक्टूबर की रात झांसी में लूट समेत अन्य धाराओं में तथा पुलिस व पुष्पेंद्र यादव के बीच मुठभेड़ की घटना में दो अलग-अलग मुकदमे दर्ज हैं। एडीजी का कहना है कि पीड़ित पक्ष की ओर से दी गई तहरीर में जो आरोप लगाए गए हैं, उन्हें पुलिस रिकार्ड में लेकर विवेचना में शामिल कर लिया गया है।

एडीजी ने बताया कि 2014-15 में पुष्पेंद्र के खिलाफ मारपीट व गुंडा एक्ट समेत पांच मुकदमे दर्ज हैं। दावा किया कि पुलिस सुप्रीम कोर्ट व राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की गाइड लाइन के अनुरूप ही पूरे प्रकरण की जांच व कार्रवाई कर रही है।

अखिलेश बोले-पुलिस ने पुष्पेंद्र की हत्या की : बुधवार को समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पुष्पेंद्र के घर जाकर इस प्रकरण को और तूल दे दिया। उन्होंने पुष्पेंद्र के गांव करगुवां खुर्द में परिजनों को सांत्वना देने के साथ ही पुलिस की कार्रवाई पर कई सवाल खड़े किए और पूरे प्रकरण की जांच हाई कोर्ट के जज से कराने की माँग की। अखिलेश ने कहा कि यह मुठभेड़ नहीं, पुलिस द्वारा की गई हत्या है। परिजन भी पुलिस की कहानी से सन्तुष्ट नहीं हैं। अभी तक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट भी नहीं मिली। उन्होंने मांग की कि जिसने भी ऐसा किया है, उसके विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए।

धरने पर बैठे तेजबहादुर यादव समेत 39 गिरफ्तार : वहीं, झांसी में बीएसएफ से बर्खास्त तेजबहादुर सिंह यादव समेत 39 लोगों को मंगलवार देर गिरफ्तार कर लिया गया। यह सभी पुष्पेंद्र यादव एनकाउंटर मामले में एसएचओ पर कार्यवाही करने की मांग को लेकर मोंठ तहसील में धरना दे रहे थे।

ट्विटर ने माना, अनजाने में विज्ञापन के लिए इस्तेमाल हुआ यूजर्स का डाटा

नई दिल्ली, एजेंसियां : माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म ट्विटर ने स्वीकार किया है कि यूजर्स द्वारा सुरक्षा के मकसद से उपलब्ध कराए गए ईमेल एड्रेस और फोन नंबरों जैसे डाटा को अनजाने में विज्ञापन के लिए इस्तेमाल किया गया है। इसके लिए कंपनी ने यूजर्स से माफी मांगी है। ट्विटर ने कहा, 'हमें हाल ही में पता चला कि अकाउंट सुरक्षा के उद्देश्य से उपलब्ध कराए गए कुछ ईमेल एड्रेसेज और फोन नंबरों का संभवतः अनजाने में विज्ञापन के लिए इस्तेमाल किया गया है। अब यह नहीं हो रहा है और हम हालात के बारे में आपको ज्यादा स्पष्ट करना चाहते हैं।' ट्विटर ने अपने बयान में कहा कि वे निश्चित तौर पर नहीं बता सकते कि इससे कितने लोग प्रभावित हुए हैं। कंपनी ने आगे कहा कि कोई भी निजी डाटा किसी साझीदार या किसी अन्य तीसरे पक्ष के साथ बाहरी तौर पर साझा नहीं किया गया है। ट्विटर ने कहा, 'हमें खेद है कि ऐसा हुआ है। हम यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहे हैं कि हम ऐसी गलती दोबारा न करें।'

डाटा उल्लंघन मामले में याहू देगा मुआवजा: 2012 से 2016 के बीच याहू ईमेल अकाउंट रखने वाले अमेरिकियों और इजरायल के लोगों को डाटा उल्लंघन के मामले में 358 डॉलर तक का मुआवजा मिल सकता है।

आयोजन

दिल्ली के बिड़ला मंदिर में चतुर्वेद स्वाहाकार महायज्ञ का शुभारंभ

छह दिवसीय आयोजन में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह होंगे शामिल

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

वेदों के बारे में भ्रांतियों को दूर करने और इन्हें जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बिड़ला मंदिर में ऐतिहासिक चतुर्वेद महायज्ञ का शुभारंभ हो गया है। इस छह दिवसीय आयोजन में चारों वेद के मंत्रों के सस्वर जाप के साथ हवन सामग्री की आहुति दी जाएगी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत, सर कार्यवाह भैया जी जोशी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला समेत कई मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री इसमें शामिल होंगे।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप), झंडेवालान मंदिर व अशोक सिंघल फाउंडेशन द्वारा कराया जा रहा यह महायज्ञ 14 अक्टूबर तक चलेगा। मंदिर परिसर में वैदिक काल आधारित यज्ञ स्थल का निर्माण किया गया है। इसमें वास्तु शास्त्र के आधार पर पांच कुंडलियों का निर्माण किया गया है। बुधवार शाम को इसका शुभारंभ शोभायात्रा से हुई। रथ पर चारों वेद को रखते हुए रामकृष्ण आश्रम से बिड़ला मंदिर तक तकरीबन डेढ़ किमी की यात्रा निकाली गई। यात्रा में काफी संख्या में साधु-संतों के साथ ही महिलाओं ने भी हिस्सा लिया। महायज्ञ की आधिकारिक शुरुआत गुरुवार सुबह 9 बजे से होगी, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला यजमान होंगे।

नई दिल्ली के बिड़ला मंदिर में बुधवार को चतुर्वेद स्वाहाकार महायज्ञ के शुभारंभ पर आरएसएस के सह-कार्यवाह कृष्ण गोपाल। साथ में हैं विश्व हिंदू परिषद के दिल्ली प्रांत के कार्यकारी अध्यक्ष वागीश ईसर। जागरण

वेद मंत्रों के जाप के लिए दक्षिण भारत से 50 से अधिक वेदाचार्य आए हुए हैं। इनमें वेद के छात्र भी शामिल है। इनका नेतृत्व जगदगुरु रामानुजाचार्य चिन्न जीयर स्वामी कर रहे हैं। उन्होंने शोभायात्रा के समापन अवसर पर दिल्लीवालों से इस महायज्ञ में बड़ी संख्या में शामिल होने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन वैदिक परंपरा से आम जन को परिचित कराने की है। साथ ही भ्रांतियां दूर करने की है।

इस आयोजन में विज्ञान के आलोक में वेदों को परिभाषित किया जाएगा। लोगों को अपनी संस्कृति, वेद, पुराण, परंपराओं की जिज्ञासाओं को शांत किया जाएगा। शुभारंभ के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल व विहिप दिल्ली के कार्याध्यक्ष वागीश ईसर समेत देशभर से जुटे 500 से अधिक साधु-संत मौजूद रहे। खास बात कि पांच दिन में चारों वेद के 22,455 मंत्रों का जाप करते हुए आहुति दी जाएगी। वेदों के बारे में जानकारी बढ़ाने के लिए यज्ञ स्थल पर चारों वेदों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है।

आरएसआरटीसी कर्मचारी के आश्रित को अनुकंपा नियुक्ति का अधिकार नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। राजस्थान राज्य सड़क परिवहन निगम (आरएसआरटीसी) से जुड़े मामले में शीर्ष अदालत ने कहा कि निगम अपने उस कर्मचारी के आश्रित को अनुकंपा नियुक्ति देने के लिए बाध्य नहीं है, जिसकी मौत ऐसे हादसे में हो जाती है, जिससे किसी न किसी रूप में निगम का वाहन जुड़ा हो। कोर्ट का कहना है कि ऐसी स्थिति में आश्रित पहले से ही मोटर वाहन अधिनियम के तहत मुआवजे का हकदार है, ऐसे में उसे दोहरा लाभ नहीं दिया जा सकता। बता दें कि नियमों के मुताबिक राजस्थान राज्य सड़क परिवहन निगम ऐसे कर्मचारी के आश्रित को अनुकंपा नियुक्ति देने के लिए बाध्य है, जिसकी मौत ऐसे सड़क हादसे में होती है।

दरअसल, दानिश खान नामक एक व्यक्ति के पिता आरएसआरटीसी के कर्मचारी थे। निगम के वाहन में यात्रा के दौरान हादसे में उनकी मौत हो गई। इस पर दानिश ने निगम से अनुकंपा नियुक्ति देने का आग्रह किया। निगम द्वारा अनुरोध अस्वीकार करने पर दानिश ने राजस्थान हाई कोर्ट में अपील की। हाई कोर्ट ने निगम के पूर्ववर्ती नियम को रद करते हुए इसे समानता के अधिकार का उल्लंघन बताया। इस आदेश को निगम ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी।

न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव और हेमंत गुप्ता की पीठ ने आरएसआरटीसीकी अपील को स्वीकार करते हुए कहा कि निगम ने आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति को दो वर्गों में विभाजित किया है। निगम के वाहन में यात्रा करते समय हादसे में जान गंवाने वाले कर्मचारी के आश्रितों को नौकरी नहीं देने का कारण निगम को अतिरिक्त बोझ से बचाना है।

800 लोग अब कर सकेंगे उज्जैन के महाकाल मंदिर में भस्मारती। अब तक इसकी ऑनलाइन बुकिंग के लिए सीटों की संख्या 500 थी। सीटों की संख्या बढ़ाने से मंदिर समिति को होगी 80 हजार रुपये प्रतिदिन की आमदनी।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 10 अक्टूबर 2019

कश्मीर में खुल गए सभी शिक्षण संस्थान

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

कश्मीर में सुधरते हालात के बीच प्रशासन ने बुधवार को सभी कॉलेज और विश्वविद्यालय खोल दिए हैं। हालांकि कॉलेजों में छात्रों की संख्या बहुत कम थी। इस बीच दुकानदारों ने अलगाववादियों और आतंकियों के बंद के फरमान को ठेंगा दिखाते हुए सुबह-शाम अपनी दुकानें खोली। संवेदनशील इलाकों में प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए थे। इसके अलावा सरकारी कार्यालयों व बैंकों में सामान्य दिनों की तरह कामकाज हुआ।

लाल चौक स्थित श्रीनगर के सबसे बड़े गवर्नमेंट वूमेन कॉलेज में करीब 35 छात्राएं ही आईं। वहीं, इनके साथ भी इनके अभिभावक आए थे। यह छात्राएं कुछ समय तक कॉलेज में रहने के बाद अपने घरों में लौट गईं। बाबाडेंब इलाके में स्थित गांधी मेमोरियल कॉलेज में करीब 12 छात्र ही आए, जो अपने अध्यापकों से मुलाकात कर लौट गए। अमर सिंह कॉलेज में भी यही स्थिति थी। हालांकि सभी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में अध्यापक व अन्य स्टाफ कर्मियों की उपस्थिति लगभग सामान्य रही।

कश्मीर में सुधरते हालात के बीच प्रशासन ने बुधवार को वादी में सभी कॉलेज और विश्वविद्यालय खोल दिए। हालांकि पहले दिन छात्र-छात्राओं की संख्या काफी कम रही। जागरण

पत्थरबाजी नहीं होती, लेकिन आतंकियों का डर बरकरार : कॉलेज के बाहर खड़े शौकत सलीम ने कहा कि बेशक यहां जुलूस और पत्थरबाजी की घटनाएं नहीं हो रही हैं। लेकिन अलगाववादियों और जिहादियों के डर से दिनभर दुकानें बंद रहती हैं। कई जगह जिहादियों ने बंद का फरमान न मानने पर दुकानदारों को पीटा है। ऐसे माहौल में अपने बच्चों को कॉलेज भेजने से सभी डरते हैं। मैं खुद अपनी बेटी के साथ यहां आया हूं।

जल्द सामान्य होंगी शैक्षिक गतिविधियां : मंडलायुक्त : मंडलायुक्त कश्मीर बसीर अहमद खान ने बताया कि बुधवार को वादी में सभी शिक्षण संस्थान खुले हैं। बेशक छात्रों की संख्या कम रही है, लेकिन अध्यापक और अन्य स्टाफ कर्मियों की उपस्थिति लगभग सामान्य रही है। जल्द ही शैक्षिक गतिविधियां सामान्य रूप से बहाल हो जाएंगी।

अगस्त के दूसरे पखवाड़े में खुले थे प्राथमिक स्कूल : प्रशासन ने वादी में पहले प्राथमिक स्कूलों को अगस्त के दूसरे पखवाड़े में खोला था। अगस्त के अंतिम सप्ताह में मिडिल स्कूल भी खोल दिए गए थे। बीते दिनों हायर सेकेंडरी स्कूल भी खोल दिए गए थे। सिर्फ कॉलेज और विश्वविद्यालयों में अकादमिक गतिविधियां बहाल नहीं हुई थी, जिन्हें आज बहाल करने के लिए इन संस्थानों को भी खोल दिया गया।

शिक्षक और इंजीनियर देने वाले परिवार पर बदनुमा दाग बन गया उमर

राघवेंद्र शुक्ल, संभल

अमेरिकी और अफगानी सेना के संयुक्त हमले में मारा गया दुर्दांत आतंकी और भारतीय उपमहाद्वीप में तालिबान का प्रमुख आसिम उमर हाफिज की तालीम लेकर मौलाना बनना चाहता था। उत्तर प्रदेश के संभल जिले का रहने वाले उमर के बचपन का नाम शना-उल-हक था। उसका एक भाई दिल्ली में इंजीनियर है तो दूसरा संभल में ही शिक्षक है। इतना ही नहीं उसके बाबा अंग्रेजों के जमाने में मुंसिफ मजिस्ट्रेट रह चुके हैं, लेकिन उमर ने ऐसी राह चुनी कि सभी का सिर शर्म से झुक गया। 1975 में जन्मा उमर शुरू से ही दीनी तालीम को अपनी जिंदगी का हिस्सा मानता था। 1986 में कक्षा आठ में पढ़ने के दौरान ही उसने स्कूल के पास वाली एक मस्जिद में दीनी तालीम भी हासिल करना शुरू कर दिया। इसके बाद वह हाफिज की पढ़ाई (जिसे कुरान कंठस्थ हो) के लिए दूसरे जिले में चला गया। सूत्रों की मानें तो शना ने आते ही पिता से सऊदी अरब जाकर शिक्षा ग्रहण करने की बात कही। इसके लिए 90 हजार रुपये मांगे। बेटी के निकाह की जिम्मेदारी पूरी करने की जरूरतों के चलते पिता ने पैसे देने से मना कर दिया था। घर की स्थिति और शना की पैसे मांगने की जिद को देखते हुए उसी दौरान चाचा ने उसे थप्पड़ भी मारा था। इस पर शना घर छोड़कर चला गया और फिर कभी नहीं लौटा।

1996 में आतंकी होने का पता चला : 1996 में दिल्ली की खुफिया एजेंसी ने संभल में शना के घर दस्तक दी थी। बताया था कि उनका बेटा शना पाकिस्तान में आतंकी बन चुका है और उसने अपना नाम उमर रख लिया है। इस पर पिता ने यही कहा था कि हमारा उस बेटे से अब कोई रिश्ता नहीं है।

सभी ने साधी चुप्पी : शहर के एक सरकारी इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य बताते हैं कि उन्हें ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि शना उनके स्कूल में पढ़ा है। यह बात 33 साल पुरानी है। रिकार्ड खंगालने पर ही कुछ पता चल सकेगा। वहीं मुहल्ले के लोग भी शना से आतंकी बने उमर के बारे में कुछ भी बताने को तैयार नहीं हैं।

भाई की आर्थिक स्थिति बदहाल : आसिम उमर के बड़े भाई के परिवार की आर्थिक स्थिति बदहाल है। इतने पैसे भी नहीं हैं कि वह अखबार खरीद सकें और देश-दुनिया के बारे में जान सकें। उमर के बड़े भाई 13 किलोमीटर दूरी एक निजी स्कूल में पढ़ाते हैं। वहां तक पैदल जाते और आते हैं। जो मानदेय मिलता है उससे परिवार का खर्च चलता है।

देवबंद ने कहा, उमर का दारुल उलूम से कोई वास्ता नहीं

यह बात भी सामने आई थी कि आसिम ने कथित रूप से 1991 में विश्वविख्यात इस्लामी शिक्षण संस्था दारुल उलूम देवबंद से स्नातक किया था। इस खबर पर दारुल उलूम प्रशासन ने मंगलवार से लेकर बुधवार तक अपना रिकॉर्ड खंगाला। शिक्षा विभाग के अलावा अन्य विभागों के रिकॉर्ड भी चेक किए गए। दारुल उलूम के मोहतमिम मुफ्ती अबुल कासिम नौमानी ने कहा कि इस तरह का कोई तालिब इल्म संस्था के रिकॉर्ड के मुताबिक दारुल उलूम में उस दौरान शिक्षा ग्रहण नहीं कर रहा था। दारुल उलूम को इस तरह से बदनाम किया जाना निंदनीय है।

प्रदूषण रोकना है तो साइकिल संस्कृति को बढ़ावा दें : कोर्ट

दयानंद शर्मा, चंडीगढ़ : चंडीगढ़ के साइकिल प्रेमियों के लिए अच्छी खबर है। अब साइकिल चलाने वालों के लिए सुगम व सुरक्षित रास्ता उपलब्ध होगा। साइकिल ट्रैक पर कोई अन्य वाहन न तो चल सकेगा और न ही पार्क हो सकेगा। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने बढ़ते प्रदूषण व वाहनों पर लगाम लगाने और साइकिल संस्कृति को बढ़ावा देने के चंडीगढ़ प्रशासन को आदेश दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि लोगों को आसानी से साइकिल मिले व उसको चलाने के लिए सुगम रास्ते उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए तभी लोग साइकिल के प्रति जागरूक होंगे।

हाई कोर्ट ने चंडीगढ़ प्रशासन को पब्लिक बाईसाइकिल सिस्टम (पीबीएस) को जल्द लागू किए जाने के भी आदेश जारी किए हैं। ताकि जिसे जरूरत हो उसे साइकिल मिल सके। ज्यादा से ज्यादा डॉक स्टेशन भी बनाए जाएं। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में देरी करना अपने स्वास्थ्य के साथ खेलना है। पीबीएस से ट्रैफिक की समस्या कम होगी तो प्रदूषण पर लगाम लगेगी। प्रदूषण कम होगा तो नागरिक स्वस्थ रहेंगे। हाई कोर्ट ने चंडीगढ़ प्रशासन को आदेश दिए कि छह महीने के भीतर सभी साइकिल ट्रैक की मरम्मत हो। साइकिल के रास्ते इस तरह बनाए जाएं कि लोग आराम से इन्हें चला सकें। साइकिल चालक को जोर नहीं लगाना पड़े। हाई कोर्ट ने चंडीगढ़ पुलिस को भी सख्त निर्देश दिए हैं कि साइकिल का रास्ता केवल साइकिल के लिए ही होना चाहिए न कि अन्य वाहनों व पार्किंग के लिए।

आतंकियों के खिलाफ खोजो और मारो अभियान शुरू

सफलता ▶ अवंतीपारो में मंगलवार को लश्कर के दो आतंकी मारे गए

सेना, पुलिस व सीआरपीएफ के जवान आतंकियों के ठिकानों पर दे रहे दबिश

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

सुरक्षाबलों ने वादी में महत्वपूर्ण सैन्य व अन्य सरकारी प्रतिष्ठानों पर हमलों और ब्लॉक डेवलपमेंट काउंसिल (बीडीसी) चुनाव में खलल डालने के लिए सरहद पार से घुसे आतंकियों को मार गिराने के लिए खोजो और मारो अभियान छेड़ा है। इस अभियान के तहत सेना, पुलिस और सीआरपीएफ के संयुक्त कार्यदल आतंकियों के संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रहे हैं। पुलवामा के अवंतीपारो में गत मंगलवार को लश्कर के दो आतंकी भी इसी अभियान के तहत मारे गए हैं।

सूत्रों के अनुसार, पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित राज्यों में विभाजित किए जाने से हताश आतंकी संगठन और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ ने कश्मीर में अफरा-तफरी फैलाने की एक नई साजिश तैयार की है। इस साजिश के तहत लश्कर, हिज्ब और जैश के आतंकियों को अलग-अलग जगहों पर विध्वंसकारी गतिविधियों का जिम्मा दिया गया है। इसके अलावा महत्वपूर्ण सैन्य व अन्य सरकारी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने व सनसनीखेज हमलों को अंजाम देने लिए आत्मघाती आतंकियों का भी एक दस्ता किसी तरह एलओसी पार कर घाटी में दाखिल होने हो चुका है। राज्य पुलिस महानिदेशक दिलबाग सिंह ने भी गत दिनों इस तथ्य की पुष्टि करते हुए कहा था कि कुछ आतंकी घुसपैठ करने में कामयाब रहे हैं और पिछले दिनों जो मुठभेड़ें हुई हैं, वह इस तथ्य की पुष्टि करती हैं।

बैठक में बनाई गई आतंकियों के खिलाफ रणनीति : सूत्रों ने बताया कि आतंकियों द्वारा रची जा रही साजिश के अलर्ट के आधार पर चार दिन पहले वादी में सभी सुरक्षा एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों की एक बैठक भी हुई। इसमें वादी के बदलते राजनीतिक व सुरक्षा परिदृश्य में आतंकियों के खिलाफ नए सिरे से अभियान चलाने की रणनीति बनाई गई है। उन्होंने बताया कि इस बैठक में वादी में आतंकियों के प्रभाव वाले इलाकों को अलग-अलग वर्गों में बांटकर उनमें सुनियोजित तरीके से खोजो और मारो अभियान चलाने का फैसला लिया गया है। इस अभियान के तहत ग्राउंड इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस को बढ़ाते हुए सेना, पुलिस व सीआरपीएफ के संयुक्त कार्यदल लगातार संभावित आतंकी ठिकानों पर दबिश दे रहे हैं।

दो दस्ते कर चुके हैं घुसपैठ

सूत्रों की माने तो जैश-ए-मुहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के आत्मघाती आतंकियों के दो अलग-अलग दस्ते वादी के भीतरी इलाकों में दाखिल हुए हैं। इनमें से एक दस्ता गुरेज सेक्टर के रास्ते आया है, जो इस समय कंगन-श्रीनगर-त्राल रेंज में कहीं छिपा बैठा है। इसके अलावा एक अन्य दस्ता कथित तौर पर गुलमर्ग सब सेक्टर के रास्ते बड़गाम और पुलवामा से होते हुए त्राल या फिर शोपियां में कहीं पहुंचा है। इन आतंकियों में से कुछ को ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के बाहरी क्षेत्रों में भी देखा गया है। उन्होंने बताया कि आतंकियों की घुसपैठ और उनके मंसूबों को देखते हुए ही वादी में सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ाया गया है।

पूर्व आइएएस अधिकारी पर दर्ज केस में क्लोजर रिपोर्ट लौटाई

जेएनएफ, जम्मू : भ्रष्टाचार निरोधक विशेष न्यायालय कश्मीर ने एंटी क्रप्शन ब्यूरो की ओर से पूर्व आइएएस अधिकारी नसीमा लंकर के खिलाफ दर्ज भ्रष्टाचार के केस में क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार करने से इन्कार किया। कोर्ट के अनुसार रिपोर्ट में कई खामियां हैं जिन पर जांच किए जाने की जरूरत है। भ्रष्टाचार देश का सबसे बड़ा दुश्मन है। भ्रष्टाचार का यह मामला अगर किसी उच्चाधिकारी के खिलाफ हो तो यह और भी गंभीर हो जाता है, फिर चाहे अधिकारी कितने भी ऊंचे स्थान पर तैनात क्यों न हो? ब्यूरो की ओर से कहा गया कि सरकार ने आरोपित के खिलाफ आगे की कार्रवाई करने की मंजूरी देने से इन्कार कर दिया है, लिहाजा क्लोजर रिपोर्ट पेश की गई है।

कोर्ट ने क्लोजर रिपोर्ट पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार की दो परिभाषाएं नहीं हो सकती। छोटे कर्मचारी व उच्च अधिकारी के लिए कानून अलग नहीं हो सकता। कोर्ट ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का भी निर्देश है कि मंजूरी देने वाले अधिकारी बिना कारण बताए कार्रवाई की मंजूरी देने से इन्कार नहीं कर सकते। कानून ने अधिकारियों को मंजूरी देने या न देने का अधिकार अवश्य दिया है लेकिन मंजूरी न देने के पीछे कोई ठोस कारण होने चाहिए। ब्यूरो केस के मुताबिक आरोपित नसीमा लंकर व निसार अहमद ने वार्षिक अमरनाथ यात्रा के दौरान तैनात रहने वाले कर्मचारियों के विंड शीटर, जूते व ट्राॅर्च गैर पंजीकृत डीलरों से महंगे दामों पर खरीद कर सरकारी खजाने को 6.11 लाख का नुकसान पहुंचाया।

पंजाब में केजीएफ के आतंकियों को करने थे 26/11 जैसे हमले

नवीन राजपूत, अमृतसर

▶ स्लीपर सेल और बारूद की खेप तलाशने में पुलिस विफल

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) के आतंकियों से इस बार मुंबई में कराए जा चुके 26/11 जैसे आतंकी हमले पंजाब में कराने की फिराक में थी। नौ आतंकियों की धरपकड़ और हथियारों की बड़ी खेप बरामद करने के बावजूद पुलिस स्लीपर सेल तलाशने में नाकाम रही है। आतंकी रंजीत सिंह नीटा के इशारे पर भेजी गई बारूद की खेप भी सुरक्षा एजेंसियां बरामद नहीं कर पाई हैं।

आतंकियों ने पुलिस हिरासत में स्वीकार किया है कि आइएसआइ 26 नवंबर, 2009 में मुंबई में कराए गए बम धमाकों की तरफ पंजाब में भी धमाके करवाना चाहती है। लंबा पुलिस रिमांड समाप्त होने के बाद बुधवार शाम स्टेट स्पेशल आपरेशन सेल की टीम ने केजेडएफ के नौ आतंकियों को मिनाक्षी महाजन की अदालत में पेश किया। कोर्ट ने उनको अमृतसर जेल भेज दिया है। साथ ही आदेश सुनाया है कि उक्त आरोपितों को 11 अक्टूबर को मोहाली स्थित एनआइए की अदालत में पेश किया जाए। वहीं, एनआइए ने आरोपितों के प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार करने के लिए कोर्ट में अर्जी दायर की है। इस पर अभी सुनवाई होनी बाकी है। इसके बाद एनआइए सभी आतंकियों को दिल्ली ले जाकर पूछताछ करेगी। पता लगाया जाएगा कि आरोपितों ने किन स्लीपर सेल के इशारे पर हथियार मंगवाए थे और इन्हें कहां डिलीवर करना था।

पंजाब में पहुंच चुकी है बारूद की खेप! : उधर, पुलिस अधिकारी बता रहे हैं कि आइएसआइ की तरफ से भेजी गई बारूद की खेप भी पंजाब में किसी जगह पर पहुंच चुकी है, लेकिन पिछले 18 दिन से लगातार पूछताछ के बाद भी आरोपित किसी स्लीपर सेल की स्पष्ट पहचान नहीं बता पाए हैं।

बलवंत के घर से भी मिली पिस्तौल : पुलिस की खुफिया शाखा ने 22 सितंबर को होशियारपुर निवासी आतंकी बलवंत सिंह उर्फ बाबा उर्फ निहंग, हरभजन सिंह, बलबीर सिंह, गुरदेव सिंह, अमृतसर के खापड़खेड़ी गांव निवासी आकाशदीप सिंह उर्फ आकाश, जेल में बंद मान सिंह को गिरफ्तार किया था। आरोपितों के कब्जे से एके टाइप की पांच राइफलें, भारी संख्या में गोलियां, मैगजीन, पिस्तौल और दस लाख की जाली करंसी बरामद की थी। गत दिवस खुफिया शाखा ने आतंकी बलवंत सिंह के घर से भी एक पिस्तौल भी बरामद की है।

ड्रोन की सूचना पर छह घंटे चला सर्च ऑपरेशन, कुछ नहीं मिला : जासं, फिरोजपुर : हुसैनीवाला के सरहदी गांव हजारा सिंह और टेंडी वाला में ग्रामीणों ने मंगलवार रात साढ़े दस बजे फिर ड्रोन देखने का दावा किया। बीएसएफ, सेना, सीआरपीएफ व पंजाब पुलिस के जवानों ने सुबह आठ बजे से लेकर दोपहर तक करीब छह घंटे सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन कुछ नहीं मिला।

शेहला रशीद ने चुनावी सियासत से नाता तोड़ने का किया एलान

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय की छात्र संघ की पूर्व नेता शेहला रशीद ने सक्रिय और चुनावी सियासत से नाता तोड़ने का एलान किया। उन्होंने कहा कि वह उस सियासी प्रक्रिया का कभी हिस्सा नहीं बन सकती जो कश्मीरियों की प्रताड़ना को वैधता प्रदान करती हो।

जेकेपीएम से जोड़ा था नाता : ग्रीष्मकालीन राजधानी के हब्बाकदल की शेहला इसी साल रियासत की सियासत में सक्रिय हुई थी। उन्होंने पूर्व नौकरशाह डॉ. शाह फैसल द्वारा स्थापित संगठन जम्मू कश्मीर पीपुल्स मूवमेंट से नाता जोड़ा। यह संगठन विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रहा था कि केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 को हटा जम्मू कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश बना दिया।

शेहला ने चुनावी सियासत से नाता तोड़ने के अपने फैसला अपने फेसबुक पेज पर पोस्ट किया है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर के संदर्भ में लिया फैसला दशकों तक लोगों को मुख्यधारा से दूर रखेगा। मुख्यधारा की सियासत में रहने का मतलब अपने लोगों के मौलिक अधिकारों और हितों के साथ समझौता करना है। वह ऐसी मुख्यधारा का हिस्सा नहीं रह सकती। इसलिए मैं स्पष्ट कर रही हूं कि मैं कश्मीर में चुनावी सियासत में हिस्सा लेने वाली मुख्यधारा की सियासत से खुद को पूरी तरह अलग करती हूं। मेरे लोगों को मौलिक अधिकारों और सुविधाओं से वंचित कर उन्हें तंग किया जा रहा है। राज्य में ब्लॉक विकास परिषदों के गठन के लिए जारी चुनाव पंचायतों व लोगों को सशक्त बनाने के लिए नहीं बल्कि दुनिया को बताने के लिए किया जा रहा है कि कश्मीर में सबकुछ सामान्य है। शेहला ने कहा कि कश्मीर के राजनीतिक नेताओं को जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के मुद्दे पर लड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

शेहला रशीद। फाइल फोटो

हमारे नेताओं पर पाबंदियां, नहीं जाने दिया जा रहा कश्मीर

▶ प्रथम पृष्ठ से आगे

मीर ने कहा कि कांग्रेस कभी चुनाव से नहीं भागी। कश्मीर में मोबाइल इंटरनेट बंद है। हमने कार्यकर्ताओं तक पहुंचने के काफी प्रयास किए, लेकिन समय के कारण नहीं पहुंच पाए। कश्मीर में हमारे नेताओं पर पाबंदियां हैं। हमें कश्मीर नहीं जाने दिया जा रहा। हमने अपने नेताओं को बिना रोक टोक के राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने के मामले को चुनाव आयोग के समक्ष भी उठाया था, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। हम मन से चुनाव में भाग लेना चाहते थे, लेकिन राज्य प्रशासन इसमें रोड़े अटका रहा है। यही कारण है कि मजबूर होकर कांग्रेस ने चुनावों का बहिष्कार किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव एक पार्टी को फायदा पहुंचाने के लिए करवाया जा रहा है। मीर ने कहा कि हमने चुनाव में भाग लेने या अब बहिष्कार करने का फैसला स्वयं लिया है। हमने किसी विपक्षी दल से कोई सलाह मशवरा नहीं किया है।

बीडीसी चुनाव का खुमार, 310 ब्लॉक में 1382 उम्मीदवार हैं मैदान में

राज्य ब्यूरो, जम्मू

▶ अंतिम दिन जम्मू संभाग में रहा नामांकन पत्र भरने का शोर

▶ कश्मीर संभाग में 515 और जम्मू संभाग में 751 उम्मीदवार

जम्मू-कश्मीर में पहली बार होने रहे ब्लॉक डेवलपमेंट काउंसिल (बीडीसी) चुनाव के लिए ग्रामीण जोश में हैं। बुधवार को बीडीसी चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने का अंतिम दिन था। कश्मीर केंद्रित पीडीपी, नेशनल कांफ्रेंस के बाद अब कांग्रेस के चुनाव से दूर रहने की घोषणा के बावजूद 1382 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। जम्मू-कश्मीर के 22 जिलों के 310 ब्लॉकों में 310 की चेयरपर्सन चुने जाने हैं। कश्मीर संभाग के 137 ब्लॉक में से 131 ब्लॉक में चुनाव के लिए 515 ऐसे उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं, जिन्होंने आतंकियों की धमकियों और सियासी दलों के बहिष्कार की घोषणाओं को ठेंगा दिखाया है। सबसे ज्यादा 131 उम्मीदवार कुपवाड़ा में उतरे हैं, जबकि श्रीनगर में सबसे कम आठ उम्मीदवार चुनाव लड़ने आगे आए हैं। वहीं, जम्मू संभाग के 10 जिलों के 148 ब्लॉक में 751 उम्मीदवार सामने आए हैं। लद्दाख के 31 ब्लॉक में 116 उम्मीदवार मैदान में हैं। जम्मू जिले के 20 ब्लॉकों से 105 ने अपने ताल ठोकी है। इनमें भाजपा के 20, कांग्रेस के पांच, पैंथर्स पार्टी का एक और 79 निर्दलीय हैं।

> बीडीसी चुनाव को कामयाब बनाने के लिए सारी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 11 अक्टूबर को नाम वापस लेने के अंतिम दिन स्पष्ट हो जाएगा कि जम्मू कश्मीर व लद्दाख के 310 ब्लॉक के अध्यक्ष बनने के लिए कुल कितने उम्मीदवार मैदान में रहते हैं।
> –शैलेंद्र कुमार, मुख्य निर्वाचन अधिकारी

चुनाव मैदान में सिर्फ भाजपा और पैंथर्स : चुनाव मैदान में उतरी दो राजनीतिक पार्टियों में भाजपा व पैंथर्स पार्टी मुख्य हैं। नेशनल कांफ्रेंस, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी व कांग्रेस ने कश्मीर में नेताओं, कार्यकर्ताओं की नजरबंदी का हवाला देते हुए चुनाव न लड़ने की घोषणा की है। कांग्रेस ने चुनाव बहिष्कार की घोषणा करने के बाद नामांकन पत्र दाखिल कर चुके अपने उम्मीदवारों को नाम वापस लेने की हिदायत दी है।

नामांकन दाखिल करने के लिए रही भीड़: बुधवार को प्रदेश के सभी ब्लाक मुख्यालयों में नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया जोरशोर से चली। जम्मू संभाग के दस जिलों के साथ कश्मीर व लद्दाख के विभिन्न ब्लाकों में भी बुधवार को नामांकन पत्र दाखिल करने की सरगर्मियां जोरों पर रही। जम्मू संभाग में प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र रैना, भाजपा सांसद जुगल, पूर्व उपमुख्यमंत्री डा निर्मल सिंह, पूर्व मंत्री सुखनंदन चौधरी समेत कई वरिष्ठ नेता विभिन्न जिलों में नामांकन पत्र दाखिल करने वाले पार्टी उम्मीदवारों के साथ पहुंचे।

आज होगी नामांकन पत्रों की जांच : जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में बीडीसी चुनाव के लिए 24 अक्टूबर को मतदान होगा। नामांकन पत्रों की जांच 10 अक्टूबर यानी आज वीरवार को होगी। वहीं उम्मीदवार अपने नाम 11 अक्टूबर को वापस ले सकते है। ऐसे में दो दिन बाद स्थिति स्पष्ट हो जाएगी कि 310 ब्लाकों में बीडीसी के चेयरपर्सन बनने के लिए कितने उम्मीदवार मैदान में हैं।

बीडीसी चुनाव स्थगित करवाने को हस्तक्षेप करें राष्ट्रपति : भीम

राज्य ब्यूरो, जम्मू : पैंथर्स पार्टी के मुख्य संरक्षक प्रो भीम सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की प्रक्रिया के चलते यह समय ब्लॉक डेवलपमेंट काउंसिल (बीडीसी) चुनाव के लिए उचित नहीं है। ऐसे में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से उन्होंने हस्तक्षेप कर 24 अक्टूबर को तय इस चुनाव को स्थगित कराने की मांग की है।

बुधवार को पार्टी की आपात बैठक के बाद प्रो. भीम सिंह ने कहा कि कश्मीर के साथ जम्मू संभाग के कई जिलों में इस समय संचार की सुविधा नहीं है। राजनीतिक दल ने इस स्थानों में नेताओं, कार्यकर्ताओं से भी संपर्क नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में यह स्पष्ट है कि जम्मू कश्मीर में चुनाव करवाने के लिए राजनीतिक हालात नही हैं। भीम सिंह ने यह मुद्दा उस समय उठाया है जब नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी के बाद कांग्रेस ने भी बीडीसी चुनाव के बहिष्कार की घोषणा कर दी है। सिंह ने कहा कि बुधवार को नामांकन पत्र भरने का अंतिम दिन था व कई दल अपने नेताओं से संपर्क तक नहीं कर पाए। ऐसे हालात में चुनाव आप्रसंगिक होंगे।

नागरिकों के दृष्टिकोण के अनुकूल काम करे पुलिस बल : मोदी

सलाह

प्रधानमंत्री ने प्रोबेशनरी आइपीएस अधिकारियों को अथक रूप से काम करने के लिए प्रोत्साहित किया

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि पुलिस बलों को नागरिकों के दृष्टिकोण को समझना चाहिए और बल को नागरिकों के अनुकूल एवं स्वीकार्य बनाने के लिए काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने बुधवार को 2018 बैच के भारतीय पुलिस सेवा के प्रोबेशनरी अधिकारियों से मुलाकात की और कहा कि पुलिस बल को नागरिकों के दृष्टिकोण को समझना चाहिए। प्रधानमंत्री ने 2018 बैच के 126 भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के प्रोबेशनरी अधिकारियों से मुलाकात के दौरान युवा अधिकारियों को राष्ट्र की बेहतरी के लिए समर्पण के साथ-साथ अथक रूप से काम करने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, मोदी ने अधिकारियों से अपने दिन-प्रतिदिन के काम में सेवा भाव और समर्पण को शामिल करने के लिए कहा। उन्होंने पुलिस बल को आम नागरिकों से जोड़ने के महत्व पर जोर दिया और कहा, 'प्रत्येक अधिकारी को पुलिस बल के बारे में नागरिकों के दृष्टिकोण को समझना चाहिए और पुलिस बल को नागरिकों के अनुकूल और स्वीकार्य बनाने के लिए काम करना चाहिए।' प्रधानमंत्री ने कहा कि अपराध की रोकथाम के बारे में पुलिस की भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने आधुनिक पुलिस बल के सृजन में प्रौद्योगिकी के महत्व पर प्रकाश डाला। मोदी ने आकांक्षी जिलों को सामाजिक परिवर्तन के उपकरण के रूप में परिवर्तित करने के लिए पुलिस की भूमिका के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने 2018 बैच में बड़ी संख्या में महिला परिवीक्षकों के शामिल होने की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि पुलिस बल में महिलाओं की अधिक संख्या से पुलिस व्यवस्था में सकारात्मक प्रभाव पड़ने के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में भी काफी सहयोग मिलेगा। अधिकारियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से अपने ऊपर विश्वास करने के लिए कहा।

वायुसेना के मार्शल अर्जन सिंह पर स्मारक डाक टिकट जारी किया : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीय वायुसेना के 87वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में बुधवार को इसके 'एट होम' कार्यक्रम में शमिल हुए और वायुसेना के मार्शल दिवंगत अर्जन सिंह के सम्मान में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। मोदी ने नवोन्मेष आधारित 'सेल्फ रिलायंस' प्रदर्शनी भी देखी। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया, 'इस साल हम भारतीय वायुसेना के अर्जन सिंह डीएफसी (प्रतिष्ठित फ्लाइंग क्रॉस) का जन्म शताब्दी वर्ष मना रहे हैं। हमारे राष्ट्र के लिए उनकी अनुकरणीय सेवा के सम्मान में एक डाक टिकट जारी किया गया। आने वाले वर्षों में उनका साहस हमारे राष्ट्र के लोगों को प्रेरित करता रहे।'

प्रधानमंत्री के नए विमान बी 777 को उड़ाएंगे वायुसेना के पायलट

▶ एयर इंडिया के पास होगा रखरखाव का जिम्मा

नई दिल्ली, प्रेट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के अन्य शीर्ष गणमान्य व्यक्तियों की यात्रा के लिए अगले साल जुलाई से इस्तेमाल होने वाले विशेष रूप से निर्मित दो बी 777 विमानों का संचालन एयर इंडिया नहीं बल्कि वायुसेना के पायलट करेंगे।

एक अधिकारी ने कहा कि विमानों के रखरखाव का काम एयर इंडिया की सहयोगी कंपनी एयर इंडिया इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड (एआइईएसएल) के जिम्मे होगा। फिलहाल राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एयर इंडिया के विमान बी747 का इस्तेमाल करते हैं। इन विमानों को एयर इंडिया के पायलट उड़ाते हैं और इनके रखरखाव की जिम्मेदारी एआईईएसएल के जिम्मे है। जब यह बी747 विमान गणमान्य व्यक्तियों के लिए उड़ान नहीं भरते तो एयर इंडिया इनका इस्तेमाल वाणिज्यिक संचालन के लिए करती है। एयर इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, दो नये बी777 विमान अगले साल जुलाई में बोइंग के अमेरिकी संयंत्र से भारत लाए जाएंगे। इन पर 'एयर इंडिया वन' लिखा होगा। सिर्फ वायुसेना के पायलट ही प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के लिए इन दो नये विमानों को उड़ाएंगे। अधिकारी ने बताया कि बी777 विमानों के लिए वायुसेना के चार से छह पायलटों को एयर इंडिया द्वारा प्रशिक्षित किया गया है। वायुसेना के कुछ अन्य पायलटों को भी जल्द प्रशिक्षित किया जाएगा। नए विमानों का उपयोग केवल गणमान्य व्यक्तियों की यात्रा के लिए किया जाएगा।

ममता का हिजाब पहनना ठीक तो नुसरत की पूजा में क्या है बुराई

जागरण संवाददाता, कोलकाता

▶ नुसरत के खिलाफ फतवे पर आग बबूला हुईं बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन

▶ ममता के हिजाब पहनने से क्यों खुश होते हैं मुस्लिम धर्मगुरु

अभिनेत्री से सांसद बनीं सांसद नुसरत जहां के खिलाफ मौलवियों के फतवे पर आग बबूला हुई बांग्लादेश की विवादित लेखिका तसलीमा नसरीन ने ट्वीट कर कई सवाल दागे हैं। उन्होंने कहा कि अगर राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हिजाब पहनती हैं तो जायज है, लेकिन नुसरत अपने पति निखिल के साथ पूजा-अर्चना करें तो यह गलत है। मैं जानना चाहती हूं इसमें क्या बुराई है?

मुस्लिम कट्टरपंथियों के निशाने पर रहने वाली तसलीमा ने कहा कि जब एक गैर मुस्लिम ममता बनर्जी हिजाब पहनती हैं तो मौलाना खुश होते हैं लेकिन जब एक मुस्लिम नुसरत जहां पूजा में शामिल होती हैं तो उन्हें दिक्कत होती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के हिजाब पहन अल्लाह की इबादत से खुश मुस्लिम धर्मगुरु इसे उनका धर्मनिरपेक्ष कदम करार देते हैं। लेकिन जब एक गैर हिंदू नुसरत जहां एक हिंदू की तरह पूजा में हिस्सा लेती हैं और नृत्य करती हैं तो इससे मौलाना नाराज हो जाते हैं और इसे गैर इस्लामिक बता देते हैं।

नुसरत को बदल लेना चाहिए धर्म : अष्टमी और नवमी पर सांसद नुसरत जहां अपने पति निखिल जैन के साथ महानगर के एक पूजा मंडप में ढाक बजाते और नृत्य करती नजर आई थीं। इस पर दारुल उलूम देवबंद के मौलाना ने कहा कि नुसरत जहां को अपना धर्म बदल लेना चाहिए। मौलवी ने कहा कि नुसरत ने ऐसा पहली बार नहीं किया है। वह पहले भी ऐसे कार्यक्रमों में दिखती रही हैं। इस्लाम का जो हुक्म है उसके मुताबिक अल्लाह के अलावा किसी और की इबादत हराम है। उन्हें अपना नाम और धर्म बदल लेना चाहिए। वह पहले ही गैर-मुसलमान से शादी कर चुकी हैं। इस्लाम को ऐसे लोगों की बिल्कुल भी जरूरत नहीं है।

1214 बांग्लादेशी घुसपैठियों को इस साल गिरफ्तार किया जा चुका है साउथ बंगाल फ्रंटियर के जवानों द्वारा जब वे बंगाल से लगी सीमा पार करने की कोशिश कर रहे थे।

न्यूज गैलरी

आज बंद होंगे हेमकुंड साहिब व लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट

चमोली : चमोली जिले में समुद्रतल से 15,225 फीट की ऊंचाई पर स्थित हिमालय के पांचवें धाम हेमकुंड साहिब और लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट गुरुवार को शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। हेमकुंड साहिब के कपाट दोपहर दो बजे तो लोकपाल लक्ष्मण मंदिर के कपाट दोपहर 12 बजे बंद होंगे। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर दी गई हैं। गुरुद्वारा के कपाट बंद किए जाने से पूर्व सुबह हुकुमनामा का पाठ होगा। इसके बाद सबद-कीर्तन और अरदास होगी। फिर दोपहर 12:30 बजे अंतिम अरदास के उपरांत पंज प्यारों की अगुआई में गुरुग्रंथ साहिब को दरबार साहिब से बाहर लाया जाएगा। कपाटबंदी के मौके पर सरदार जनक सिंह और सरदार कुलवंत सिंह के जत्थों के साथ तीन हजार से अधिक श्रद्धालु मौजूद रहेंगे। श्री हेमकुंड साहिब में इस बार रिकॉर्ड 2.80 लाख श्रद्धालुओं मत्था टेका। वर्ष 2013 की आपदा के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु हेमकुंड साहिब पहुंचे। (संसू)

वारंटी को थाने से छुड़ाने में भाजपा विधायक को सजा

धनबाद : झारखंड के धनबाद में एक वारंटी को पुलिस हिरासत से छुड़ाने के मामले में अदालत ने भाजपा विधायक ढुलू महतो को 18 महीने की सजा सुनाई है। साथ ही अन्य चार को 18-18 माह की कैद दी गई है। सभी पर 9-9 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया गया। इस मामले में छह वर्षों तक चली लंबी कानूनी खींचतान के बाद अंतत: बुधवार को अदालत ने अपना फैसला सुना दिया। फैसला सुनते ही विधायक समेत अन्य के चेहरों पर मायूसी छा गई। कानून के जानकार की मानें तो जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के मुताबिक किसी सांसद या विधायक को दो वर्ष तक की सजा हो जाती है तो अगले छह वर्ष तक के लिए वह चुनाव लड़ने के अयोग्य हो जाते हैं। महतो को इस मामले में डेढ़ वर्ष की सजा हुई है। इससे उनकी विधायकी बच गई। (जासं)

सीमा पर नौ बांग्लादेशी घुसपैठिए गिरफ्तार

कोलकाता : सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साउथ बंगाल फ्रंटियर के जवानों ने अवैध रूप से अंतरराष्ट्रीय सीमा कर भारत में प्रवेश करने की कोशिश करने के आरोप में उत्तर 24 परगना जिले के विभिन्न स्थानों से नौ घुसपैठियों का गिरफ्तार किया है। बीएसएफ की ओर से बताया गया कि बशीरहाट थाना अंतर्गत बीओपी घोझाडांगा इलाके से बीएसएफ जवानों ने चार बांग्लादेशी व एक भारतीय मूल के नागरिक को गिरफ्तार किया। वहीं, स्वरूपनगर थाना अंतर्गत बीओपी तराली से एक बांग्लादेशरी को पकड़ा गया। इसके अलावा रानीनगर थाना अंतर्गत बीओपी राजागनर से भारतीय मूल के तीन नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। (जासं)

एक माह देरी से शुरू हुई मानसून की वापसी

चिंताजनक ▶ मानसून सत्र में इस साल 2100 से ज्यादा लोगों की गई जान, 46 लापता

22 राज्यों में 25 लाख से ज्यादा लोग हुए इस बार बाढ़ से प्रभावित

नई दिल्ली, प्रेट्र : दक्षिणी पश्चिम मानसून ने चार महीने बरसात के बाद बुधवार से अपनी वापसी शुरू कर दी। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। इस साल वर्षा और बाढ़ के कारण 2100 से ज्यादा लोगों की जान गई और 46 लोगों के लापता होने की जानकारी मिली। चार महीने तक चले मानसून सत्र में 1994 से सबसे ज्यादा बारिश दर्ज की गई।

भारतीय मौसम विभाग ने एक बयान में कहा है, 'उत्तर पश्चिम भारत में प्रति चक्रवात स्थिति बनने और नमी वाली स्थिति में लगातार कमी के बाद मानसून पंजाब, हरियाणा और उत्तरी राजस्थान से बुधवार को विदा हो गया। वैसे मानसून की विदाई की सामान्य तारीख एक सितंबर थी।' अगले दो-तीन दिन में भारत के अन्य हिस्सों से भी मानसून की विदाई की स्थिति बन गई है। उत्तर पश्चिमी हिस्से और मध्य भारत से दो-तीन दिनों में मानसून की वापसी शुरू हो जाएगी।

मौसम विभाग ने कहा है कि सबसे विलंब में मानसून की दर्ज विदाई 1961 में एक अक्टूबर को हुई थी। वहीं इसके बाद 2007 में 30 सितंबर को विलंब से मानसून की विदाई हुई थी।

इस साल मानसून सत्र के दौरान बारिश और बाढ़ से 22 राज्यों में 25 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए। यह जानकारी बुधवार को गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने दी। सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में 399 लोगों की जान गई। बंगाल में 227, मध्य प्रदेश में 182, बिहार में 166, केरल में 181, गुजरात में 169 कर्नाटक में 106 और असम में 97 मौतें हुईं। देश के 357 जिले बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित हुए। गृह मंत्रालय के अनुसार, 738 लोग घायल हुए और 20,000 पशुओं की जान गई। 1.09 लाख घर पूरी तरह, 2.05 लाख आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए और 14.14 लाख हेक्टेयर में फसल तबाह हो गई।

मुसीबत की बारिश : कोलकाता में बुधवार को भारी बारिश से सामान्य जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित रहा। एक सड़क पर जलभराव के बीच यह बच्चा दुर्गा पंडाल के लिए बने बैरिकेड पर बैठा बारिश के रुकने का इंतजार करता रहा। एएनआइ

बैंक धोखाधड़ी मामले में ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी के खिलाफ एफआइआर दर्ज

- ▶ एलएटीपीएल के सीएमडी मानेक डावर व सीईओ बुर्जिन डावर के खिलाफ भी मामला दर्ज
- ▶ स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ की गई करीब 70 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी

नई दिल्ली, प्रेट्र : स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के साथ करीब 70 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के मामले में सीबीआइ ने मुंबई स्थित ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी 'लाइववेल एयर टीम प्राइवेट लिमिटेड' (एलएटीपीएल) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उन्होंने कर्ज लेने के लिए बैंक में जाली दस्तावेज दाखिल किए थे और बाद में कर्ज नहीं चुकाया।

अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि एफआइआर में कंपनी के अलावा उसके सीएमडी मानेक डावर और सीईओ बुर्जिन डावर को भी नामित किया गया है। सीबीआइ का आरोप है कि कंपनी और उसके निदेशकों ने 2015 से 2017 के बीच एसबीआइ के साथ धोखाधड़ी और जालसाजी करने के लिए आपराधिक साजिश रची थी। जांच एजेंसी की वेबसाइट पर दावा किया गया है कि कंपनी का भारत के अलावा ब्रिटेन, यूएई, मलेशिया और सिंगापुर में भी नेटवर्क है। 2010 में दिल्ली एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर एयरबस ए380 की ग्राउंड हैंडलिंग करने वाली यह पहली कंपनी थी।

सीबीआइ का आरोप है कि बैंक से कर्ज लेने के लिए कंपनी के निदेशकों ने जाली दस्तावेज और फाइनेंशियल स्टेटमेंट्स पर एक ऑडिटर के फर्जी हस्ताक्षर बनाए थे। इन्हीं के आधार पर उन्होंने एसबीआइ से 61 करोड़ रुपये का कर्ज लिया था। बाद में एसबीआइ ने कंपनी का स्टॉक ऑडिट करने के लिए एक ऑडिटर को नियुक्त किया था जिसने कई अनियमितताएं और धोखाधड़ी के मामले पकड़े।

कंपनी ने 'संजय झा एंड एसोसिएट्स' को अपना ऑडिटर दर्शाया था और कर्ज लेने के लिए 2015-16 के फाइनेंशियल स्टेटमेंट्स का इस्तेमाल किया था। लेकिन जनवरी, 2017 में उक्त ऑडिटर ने बैंक को सूचित किया कि वे एलएटीपीएल के ऑडिटर नहीं हैं और न ही उन्होंने फाइनेंशियल स्टेटमेंट्स पर हस्ताक्षर किए थे। इन फाइनेंशियल स्टेटमेंट्स का इस्तेमाल कर्ज के रिन्यूअल और मंजूर रकम से अधिक राशि हासिल करने के लिए किया गया था।

अखाड़ा परिषद ने की बिग बॉस को बंद करने की मांग

जागरण संवाददाता, हरिद्वार

- ▶ कुंभ और अन्य मसलों को लेकर अखाड़ा परिषद की बैठक आज
- ▶ मीडिया पर तोड़ मरोड़कर बयान पेश करने का लगाया आरोप

अखाड़ा परिषद की गुरुवार को होने वाली बैठक में कुंभ समेत विभिन्न मसलों पर चर्चा होगी। चिन्मयानंद प्रकरण को परिषद पहले ही एजेंडे में शामिल न करने का एलान कर चुकी है। वहीं, अखाड़ा परिषद ने एक चैनल में प्रसारित रियलिटी शो बिग बॉस को भारतीय संस्कृति-परंपरा के खिलाफ बताते हुए इसका प्रसारण तत्काल बंद करने की मांग की है। श्रीमहंत नरेंद्र गिरि ने कहा कि शो में भारतीय संस्कृति को नष्ट करने जैसी गतिविधियां दिखाई पड़ रही हैं। शो के माध्यम से कलाकार लगातार लड़ाई-झगड़ा दिखाकर अन्य परिवारों में भी मतभेद जैसी स्थितियों को पैदा कर रहे हैं।

चिन्मयानंद मामले पर नहीं होगी चर्चा

बुधवार को पत्रकारों से अनौपचारिक बात में अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र गिरि ने फिर से स्पष्ट किया कि अखाड़ा परिषद की बैठक में दुष्कर्म मामले में गिरफ्तार चिन्मयानंद के मुद्दे पर चर्चा नहीं की जाएगी। बैठक में कुंभ मेले की तैयारियों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। अखाड़ा परिषद संतों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी। परिषद अध्यक्ष ने स्वामी चिन्मयानंद के मुद्दे पर किसी भी सवाल का जवाब देने से इनकार कर दिया। कहा कि उनके और परिषद के महामंत्री श्रीमहंत हरि गिरि के मध्य इसको लेकर किसी भी किस्म का मतभेद या दो राय नहीं है। उन्होंने कहा कि मीडिया ने उनके बयान को तोड़ मरोड़कर पेश किया है। इस बीच, परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री हरि गिरि ने कहा कि 13 अखाड़ों के संत एकजुटता से संतों के हितों में अपना योगदान दे रहे हैं।

चिन्मयानंद व छात्रा की आवाज के नमूने लिए गए

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : शाहजहांपुर कांड में लखनऊ स्थित विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) में स्वामी चिन्मयानंद व विधि छात्रा समेत पांच आरोपितों की आवाजों के नमूने कैद हो गए हैं। एफएसएल के विशेषज्ञ आवाजों के नमूनों तथा वायरल वीडियो की आवाजों का परीक्षण कर अपनी रिपोर्ट विशेष जांच दल (एसआइटी) को सौंपेंगे।

एसआइटी पूर्व केंद्रीय मंत्री और मुमुक्ष आश्रम के अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद को विधि छात्रा से दुष्कर्म के गंभीर आरोप में गिरफ्तार कर चुकी है। स्वामी चिन्मयानंद से पांच करोड़ की रंगदारी मांगने के मामले में विधि छात्रा व उसके दोस्त समेत चार आरोपितों को भी एसआइटी ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है। पूरे प्रकरण में कई वीडियो वायरल हुए थे। इन वीडियो में स्वामी चिन्मयानंद व विधि छात्रा के बीच संवाद के अलावा अलावा तीन युवकों की आवाजें भी हैं।

बताया गया कि आरोपित वायरल वीडियो में अपनी आवाजों को लेकर सवाल उठा चुके हैं। यही कारण है कि एसआइटी आवाजों के पुख्ता वैज्ञानिक साक्ष्य जुटा रही है, ताकि कोर्ट में उन्हें चुनौती न दी जा सके।

बिहार में अब तक मिले डेंगू के 1184 मरीज

राज्य ब्यूरो, पटना

बिहार में बाढ़ और जलजमाव में कमी के बाद अब डेंगू और चिकनगुनिया जैसी बीमारी बड़ी परेशानी बनकर सामने आई हैं। राज्य में अब तक डेंगू के 1184 और चिकनगुनिया के 99 मरीज मिले हैं। पटना में ही चिकनगुनिया से 76 पीड़ित हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुख्यसचिव दीपक कुमार और स्वास्थ्य के प्रधान सचिव को निर्देश दिए हैं कि डेंगू से बचाव के लिए सभी प्रकार के सुरक्षात्मक उपाय किए जाएं।

बुधवार को स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव संजय कुमार व राज्य स्वास्थ्य समिति के कार्यपालक निदेशक मनोज कुमार ने बताया कि राज्य में डेंगू और चिकनगुनिया को देखते हुए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मलेरिया और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डायरिया के अलावा आरएमआरआइ पटना और स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार जांच और बचाव अभियान चला रही हैं। डेंगू के 30 से 40 प्रतिशत लार्वा घरों के अंदर हैं। पटना में जिन स्थानों से जलजमाव कम हो गया है वहां टेमीफ्लॉश के साथ ही ब्लीचिंग और चूने का छिड़काव कराया जा रहा है।

बाढ़ के बाद संक्रमण की चपेट में आने वाले लोगों से पटना मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में मिलते केंद्रीय मंत्री और पटना के सांसद रविशंकर। पीआइबी

बाढ़ पीड़ितों के लिए अमिताभ बच्चन ने दिए 51 लाख

राज्य ब्यूरो, पटना : अमिताभ बच्चन ने बिहार के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए बिहार सरकार को 51 लाख रुपये दिए हैं। बुधवार को अमिताभ बच्चन के प्रतिनिधि विजय नाथ मिश्र ने बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी से मिल कर उन्हें बच्चन द्वारा बिहार के बाढ़ पीड़ितों के सहयोग के लिए जारी 51 लाख रुपये का चेक सौंपा। चेक के साथ संलग्न पत्र के नीचे बच्चन ने अपना हस्ताक्षर कर लिखा है कि-' हमने सीएम रीलीफ फंड, बिहार में योगदान का प्रचार अपने टीवी शो 'केबीसी' में भी किया है। इस सहयोग के लिए मोदी ने बिहारवासियों की ओर से बच्चन का आभार जताया है।

22 साल से अलग रह रहे दंपती का विवाह कोर्ट ने खत्म किया

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने 22 साल से एक दूसरे से अलग रह रहे दंपती के वैवाहिक संबंधों को खत्म कर दिया। कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 में प्रदत्त विशेष अधिकार का इस्तेमाल करते हुए कहा कि यह ऐसा मामला है जिसमें वैवाहित रिश्ते जुड़ नहीं सकते हैं।

जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस एमआर शाह की पीठ ने कहा कि इस वैवाहिक रिश्ते को बनाए रखने और संबंधित पक्षों में फिर से मेल मिलाप के सारे प्रयास विफल हो गए हैं। पीठ ने कहा कि ऐसा लगता है कि अब इस दंपती के बीच रिश्ते जुड़ने की कोई संभावना नहीं है क्योंकि वे पिछले 22 साल से अलग-अलग रह रहे हैं और अब उनके लिए एक साथ रहना संभव नहीं होगा। पीठ ने अपने फैसले में कहा, 'इसलिए, हमारी राय है कि प्रतिवादी पत्नी को भरण पोषण के लिए एक मुश्त राशि के भुगतान के माध्यम से उसके हितों की रक्षा करते हुए इस विवाह को विच्छेद करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 में प्रदत्त अधिकार के इस्तेमाल का सर्वथा उचित मामला है।'

पीठ ने कहा कि इसके बावजूद आर्थिक रूप से पत्नी के हितों की रक्षा करनी होगी ताकि उसे दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़े। कोर्ट ने पति को निर्देश दिया कि वह अलग रह रही पत्नी को आठ सप्ताह के भीतर बैंक ड्राफ्ट के माध्यम से 20 लाख रुपये का भुगतान करे।

सुप्रीम कोर्ट। फाइल फोटो

इस दंपती का नौ मई, 1993 को विवाह हुआ था और अगस्त 1995 में उन्हें एक संतान हुई। हालांकि, आगे चलकर पति और पत्नी में मतभेद होने लगे और पति के अनुसार, उसके साथ क्रूरता बरती जाने लगी। करीब दो साल बाद 1997 में पत्नी ने अपने पति का घर छोड़ दिया और वह अपने माता पिता के घर में रहने लगी। इसके बाद पति ने 1999 में हैदराबाद की कुटुंब कोर्ट में क्रूरता के आधार पर विवाह विच्छेद की याचिका दायर की थी। कुटुंब कोर्ट ने 2003 में इसे खारिज करते हुए कहा कि पति क्रूरता के आरोप साबित करने में विफल रहा है। इसके बाद, पति ने इस आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी लेकिन वहां 2012 में उसकी अपील खारिज हो गई। इसके बाद पति ने शीर्ष कोर्ट में याचिका दायर की थी।

108 महिलाओं ने एक साथ बजाई वीणा

तमिलनाडु के मदुरै में स्थित मीनाक्षी अम्मन मंदिर बुधवार को वीणा की झंकार से गूंज उठा। मंदिर में जब अलग-अलग आयु वर्ग की 108 महिलाओं ने वीणा की तान छेड़ी तो मधुर संगीत ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। संगीत और भगवान की पूजा के लिए पिछले करीब 20 साल से यह आयोजन किया जा रहा है। इसमें बड़ी संख्या में देश-विदेश के संगीत के उपासक व पर्यटक शामिल होते हैं। एएनआइ

वधावन और वरयाम की पुलिस हिरासत 14 अक्टूबर तक बढ़ी

- ▶ पुलिस ने कहा, पीएमसी घोटाला मामले में गिरफ्तार आरोपितों से और पूछताछ की है जरूरत
- ▶ ईओडब्ल्यू ने पिछले सप्ताह इस मामले में दर्ज किया था मामला

मुंबई, प्रेट्र : मुंबई की एक कोर्ट ने पंजाब एवं महाराष्ट्र कोआपरेटिव (पीएमसी) बैंक के पूर्व चेयरमैन वरयाम सिंह और एचडीआइएल के दो निदेशकों की पुलिस हिरासत 14 अक्टूबर तक बढ़ा दी। इन सभी को 4355 करोड़ रुपये के बैंक घोटाला मामले में गिरफ्तार किया गया है।

हाउसिंग डेवलपमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एचडीआइएल) के चेयरमैन एवं प्रबंधनिदेशक राकेश वधावन और उनके बेटे सारंग को पिछले गुरुवार को गिरफ्तार किया गया था। पीएमसी बैंक के पूर्व चेयरमैन वरयाम सिंह को शनिवार को गिरफ्तार किया गया। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने तीनों को गिरफ्तार किया है।

ईओडब्ल्यू ने बुधवार को तीनों को अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट एसजी शेख की कोर्ट में पेश किया। तीनों की हिरासत अवधि बुधवार को समाप्त हो रही थी। पुलिस ने कोर्ट से कहा कि उन्हें आरोपितों से घोटाले के बारे में और पूछताछ करनी है। कोर्ट ने इसके बाद उनकी हिरासत 14 अक्टूबर तक के लिए बढ़ा दी।

ईओडब्ल्यू ने पिछले सप्ताह पिता-पुत्र वधावन और पीएमसी बैंक के अधिकारियों के खिलाफ बैंक को 4355.43 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया था। जांच के दौरान ईओडब्ल्यू ने एचडीआइएल की 3500 करोड़ की संपत्ति जब्त कर ली। तीनों के अलावा पुलिस ने पीएमसी बैंक के पूर्व प्रबंधनिदेशक जॉय थामस को भी गिरफ्तार किया है। वह अभी 17 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में हैं।

कोर्ट के बाहर बैंक के खाता धारकों ने किया प्रदर्शन

इस बीच बैंक के कई खाता धारकों ने कोर्ट के बाहर बैंक अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने एचडीआइएल के निदेशकों राकेश वधावन और सारंग वधावन को जेल भेजने की मांग की। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि निकासी की सीमा 25000 रुपये कुछ भी नहीं है। उनके बेटे सीए की पढ़ाई कर रहे हैं और शुल्क भरने के लिए उन्हें लाखों रुपये की जरूरत है। ऐसे लोगों को विजय माल्या की तरह देश से भागने का मौका नहीं दिया जाना चाहिए।

अजब-गजब

विभागीय काम में तल्लीन थे, तभी कार्यालय में घुस आया, घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब हो रहा वायरल

कोतवाल के बालों में अंगुलियां घुमाता रहा बंदर

जागरण संवाददाता, पीलीभीत

वैसे तो पुलिस से बड़े-बड़े अपराधी खौफ खाते हैं, लेकिन कभी-कभी पुलिसवाले भी अजब-गजब स्थिति में फंस जाते हैं। कुछ ऐसा ही नजारा शहर कोतवाली में देखने को मिला। जब शहर कोतवाल के सिर पर अचानक एक बंदर आकर बैठ गया। करीब पांच मिनट तक वह उनके बालों में अंगुलियां घुमाकर जूं खोजता रहा। शहर कोतवाल घबरा गए, लेकिन हिम्मत बांधकर बैठे रहे। पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

यह वाकया सोमवार दोपहर तब हुआ, जब सदर कोतवाली कार्यालय में प्रभारी निरीक्षक श्रीकांत द्विवेदी विभागीय कामकाज में तल्लीन थे। अचानक एक बंदर कार्यालय में दाखिल हुआ और छलांग लगाकर शहर कोतवाल के सिर पर बैठ गया। इससे शहर कोतवाल समेत वहां मौजूद सिपाही तथा अन्य लोग भी घबरा गए। दो सिपाही बंदर को हटाने के मकसद से आगे बढ़े, लेकिन शहर कोतवाल ने उनको रोक दिया। करीब पांच मिनट तक बंदर उनके सिर पर बैठा बालों में अंगुलियां घुमाकर जूं खोजता रहा। फिर खुद ही हट गया और कार्यालय के बाहर निकल गया।

शहर कोतवाल के सिर पर बंदर बैठने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो चर्चा का विषय बन गया है। लोग इस पर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं।

> सोमवार को कोतवाली में बैठकर कामकाज निपटा रहा था, तभी एक बंदर सिर पर बैठ गया। डर लगा कि कहीं काट न ले, लेकिन धैर्य के साथ चुपचाप बैठा रहा। जिस कारण बंदर खुद ही हट गया।
>
> **-श्रीकांत द्विवेदी, शहर कोतवाल**

पीलीभीत के सदर कोतवाली में प्रभारी निरीक्षक श्रीकांत द्विवेदी के सिर पर बैठा बंदर। सौ. सोशल मीडिया

अब मछुआरों को मोबाइल रेंज में नहीं होने पर भी भेजा जा सकेगा संदेश

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

दो साल पहले समुद्री चक्रवात ओखी के समय देश में जिसकी कमी शिद्दत से महसूस की गई थी, उसे हासिल कर लिया गया है। अब समुद्र में मोबाइल रेंज से बाहर जाने पर भी मछुआरों को अलर्ट भेजा जा सकेगा। इसके लिए मछुआरों को अपने पास स्मार्ट फोन रखना होगा। दावा है कि इस प्रणाली को विकसित करने वाला भारत पहला देश बन गया है। देश में समुद्री चक्रवात ओखी 2017 में आया था। जिसमें मोबाइल रेंज से बाहर होने के चलते बड़ी संख्या में मछुआरों को समय पर चक्रवात की सूचना नहीं मिल पाई थी। जिससे जानमाल का काफी नुकसान हुआ था।

केंद्रीय विज्ञान एवं तकनीकी मंत्री डॉ. हर्षवर्धन ने बुधवार को जेमिनी नाम की इस तकनीक को लांच किया। भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना केंद्र और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के सहयोग से तैयार की गई इस खास प्रणाली की मदद से उपग्रह को संदेश भेजे जाते हैं। यह उपग्रह गगन प्रणाली के हैं। जिसमें जीसेट-8, जीसेट-10 और जीसेट-15 शामिल है। इन उपग्रहों के जरिये वह ऐसे संदेश ब्लूटूथ के माध्यम से मोबाइल पर भेजता है। हालांकि इसके लिए मोबाइल में जीपीएस होना जरूरी है। यह सूचना हिंदी, अंग्रेजी के साथ नौ क्षेत्रीय भाषाओं में भी प्राप्त होगी।

मत्स्य विभाग से डिवाइस देने को कहा गया

भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र के महानिदेशक सतीश के शिनाय ने बताया कि समुद्र में मछली पकड़ने वाले मछुआरे अक्सर समुद्र में 10 से 12 किमी दूर तक चले जाते हैं। ऐसे में वह मोबाइल रेंज से दूर हो जाते है। जिसके चलते उनके पास सामान्य रूप से भेजे जाने वाले मोबाइल अलर्ट संदेश नहीं पहुंच पाते हैं। मत्स्य विभाग से संपर्क कर सभी मछुआरों को जल्द ही डिवाइस प्रदान करने के लिए कहा है। ताकि वह इस सुविधा का लाभ ले सके।

कई देशों ने दिखाई रुचि

भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र से जुड़े वैज्ञानिकों के मुताबिक अपनी तरह की अनूठी तकनीक विकसित करने के साथ ही दुनिया के तमाम देशों से इसकी मांग शुरू हो गई है। फिलहाल जापान, आस्ट्रेलिया सहित यूरोप के कुछ देशों ने संपर्क किया है। मेक इन इंडिया के तहत इस डिवाइस का उत्पादन किया जाएगा। इसके तहत बेंगलुरु की एक निजी फर्म ने इसका डिजाइन तैयार की है।

Download UPSC IAS Material: iasrank.com

दैनिक जागरण
सफलता एक प्रतिशत भाग्य और 99 प्रतिशत परिश्रम का परिणाम है

कांग्रेस का आत्ममंथन

इन दिनों देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस में क्या हो रहा है और वह किधर जा रही है, यह शायद कोई भी और यहां तक कि कांग्रेसी नेता भी नहीं जानते। इस पर हैरान ही हुआ जा सकता है कि हरियाणा और महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों की घोषणा होने के चंद दिन बाद राहुल गांधी विदेश यात्रा पर चले गए। पता नहीं राहुल इन राज्यों में चुनाव प्रचार करने जाएंगे या नहीं, लेकिन ऐन मौके पर उनके विदेश जाने से आम कार्यकर्ताओं के बीच तो यही संदेश गया कि वह इन चुनावों को महत्व नहीं दे रहे हैं। भले ही सोनिया गांधी अंतरिम अध्यक्ष के तौर पर फैसले करने में लगी हुई हों, लेकिन ऐसा बिल्कुल भी नहीं लगता कि वह अपने नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने और उन्हें दिशा दिखाने की जरूरत समझ रही हैं। वास्तव में इसी कारण पार्टी के नेता एक ही मसले पर अलग-अलग बयान देने में लगे हुए हैं। वे एक-दूसरे की सार्वजनिक तौर पर आलोचना भी करने में लगे हुए हैं। इससे भी खराब बात यह है कि वे राष्ट्रीय महत्व के मसलों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय सतही मसलों पर जुमलेबाजी करने में लगे हुए हैं।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद के इस बयान से शायद ही कोई असहमत हो कि कठिन दौर से गुजर रही पार्टी अपना भविष्य तय नहीं कर सकती। यदि उन्हें हरियाणा और महाराष्ट्र में पार्टी के जीतने की संभावना नहीं दिख रही है तो यह सच की स्वीकारोक्ति ही है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि पार्टी अभी तक हार के कारणों पर गौर नहीं कर सकी है। यह अजीब है कि लोकसभा चुनाव नतीजे आने के चार माह बाद भी कांग्रेस ने यह जानने की कोशिश नहीं की कि उसे एक और करारी हार का सामना क्यों करना पड़ा? यह तो वह काम है जो प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए था। सलमान खुर्शीद के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पार्टी के एक अन्य वरिष्ठ नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि इसमें कोई दोराय नहीं कि पार्टी को आत्ममंथन करने की जरूरत है। इस तरह की बातें अन्य अनेक नेताओं की ओर से भी की जा चुकी हैं। कोई नहीं जानता कि इस जरूरत की पूर्ति क्यों नहीं हो रही है? आखिर यह क्यों न माना जाए कि कांग्रेस जानबूझकर आत्ममंथन से बच रही है? सच जो भी हो, लोकसभा चुनावों में 11 करोड़ से अधिक वोट पाने और चार प्रमुख राज्यों में शासन करने वाली कांग्रेस अपनी दयनीय दशा से उबरने की कोशिश न करके केवल अपना ही नहीं, भारतीय लोकतंत्र का भी अहित करने में लगी हुई है।

विसर्जन पर हो विचार

हमारे देश में दुर्गा पूजा, काली पूजा, सरस्वती पूजा, विश्वकर्मा पूजा से लेकर कई और पूजाएं होती हैं जिसमें प्रतिमा की पूजा की जाती है और संपन्न होने के बाद उसे विभिन्न नदियों में विसर्जित किया जाता है। खासकर बंगाल में तो पतित पावनी गंगा (हुगली) नदी में भारी संख्या में प्रतिमाओं का हर वर्ष विसर्जन होता है। जिससे गंगा में प्रदूषण की मात्रा और बढ़ जाती है। ऐसे में अब दुर्गा प्रतिमा हो या फिर काली प्रतिमा इन सबके गंगा में विसर्जन को लेकर लोगों को विचार करने की जरूरत है। हालांकि कुछ दिन पहले ही केंद्र सरकार ने बंगाल, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत 11 राज्यों को 15 सूत्रीय दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें सबसे अहम है कि गंगा नदी और इसकी सहायक नदियों में प्रतिमा विसर्जन पर रोक लगाना। इस पर रोक के लिए अब 50 हजार रुपये का जुर्माना का भी प्रावधान किया गया है। परंतु देखा जा रहा है कि मंगलवार से जब दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन शुरू हुआ तो हजारों की संख्या में प्रतिमाओं को गंगा नदी में विसर्जित किया गया। मां दुर्गा को विसर्जित करने में लोग यह भूल गए कि वे एक और मां यानी गंगा को प्रदूषित कर रहे हैं। प्रतिमा को रंगने को जिन रंगों का इस्तेमाल किया जाता है, उसमें शीशा और अन्य रासायनिक पदार्थों का इस्तेमाल होता है और वह सब प्रतिमा से साथ गंगा के जल में मिल कर उसे प्रदूषित कर देते हैं। हालांकि पिछले कुछ वर्षों से स्थानीय निकायों की ओर से विसर्जन के साथ ही प्रतिमाओं को बाहर निकालने की व्यवस्था की गई है, लेकिन गंगा में प्रदूषण नहीं रुक रहा है। इसकी वजह है कि मिट्टी से बनी प्रतिमाएं पानी में डूबने के साथ ही तुरंत घुलने लगती हैं और रंग जल में मिल जाता है। गंगा की सफाई से जुड़ी संस्थाओं ने गंगा को प्रदूषित होने से बचाने को लेकर महानगर समेत राज्यभर में पूजा आयोजकों से इस विषय पर विस्तार से चर्चा की, ताकि गंगा को प्रदूषण से बचाया जा सके। परंतु देखा जा रहा है कि केंद्र सरकार की सख्ती और राज्य के स्थानीय निकायों की तत्परता के बावजूद स्थिति नहीं बदल रही है। हालांकि कुछ ऐसे पूजा आयोजक हैं जिन्होंने इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार किया। परंतु अधिकांश ने नहीं। इस पर सिर्फ सरकारी कार्रवाई या निर्देश से कुछ नहीं होगा। इसके लिए आवश्यक है कि हर व्यक्ति को गंगा को प्रदूषण मुक्त करने के लिए आगे आना होगा।

मां दुर्गा को विसर्जित करने में लोग यह भूल गए कि वे एक और मां यानी गंगा को प्रदूषित कर रहे हैं

चीन को जरूरी संदेश देने का समय

विवेक काटजू

भारत व्यापार एवं निवेश सहित तमाम क्षेत्रों में चीन के साथ सहयोग करना चाहता है, लेकिन यह एकतरफा नहीं हो सकता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दूसरी अनौपचारिक वार्ता के लिए चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग भारत आ रहे हैं। दोनों नेता 11-12 अक्टूबर को तमिलनाडु के मामल्लापुरम में मिलेंगे। दोनों के बीच ऐसी पहली वार्ता गत वर्ष अप्रैल में चीन के वुहान में हुई थी। इन बैठकों का मकसद यही है कि दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर बहुत सहज माहौल में स्पष्टता के साथ विचारों का आदान-प्रदान हो। यह उम्मीद जताई गई कि इससे मैत्री भाव बढ़ेगा और द्विपक्षीय रिश्तों की राह सुगम होगी। नेताओं के बीच मित्रता भाव रिश्ते बेहतर बनाने में मददगार होता है, लेकिन इसकी एक सीमा है, क्योंकि देशों की नीतियां हमेशा राष्ट्रीय हितों एवं राष्ट्रीय आकांक्षाओं से निर्धारित होती हैं। यह बात भारत-चीन संबंधों पर भी लागू होती है। महज 40 वर्षों से भी कम अवधि में चीन एक वैश्विक शक्ति बन गया है। वह दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। सैन्य मोर्चे पर बड़ी ताकत बनने के बाद वह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी तेजी से तरक्की कर रहा है। उसकी महत्वाकांक्षाएं बढ़ती जा रही हैं और वह आक्रामक रूप से अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। पूर्वी, दक्षिण-पूर्वी और दक्षिण एशिया में उसका दखल खास तौर पर बढ़ा है। चीन अपना वर्चस्व भारत सहित तमाम महत्वपूर्ण एशियाई देशों की कीमत पर बढ़ा रहा है।

वर्ष 1988 में राजीव गांधी के चीन दौरे के बाद से सभी भारतीय सरकारों ने चीन के साथ कई क्षेत्रों में मेलजोल बढ़ाने की हरसंभव कोशिश की। हालांकि दोनों देशों के बीच कुछ मुद्दों पर टकराव को देखते हुए इनमें एहतियात भी बरती गई। यह रणनीति एकदम सही रही, लेकिन इससे भारत-चीन के मतभेद दूर नहीं हुए। चीन ने भारतीय हितों को लेकर अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखाई। चीन के रवैये से यही जाहिर होता रहा कि वह भारतीय हितों की अनदेखी करता है। हाल में जम्मू-कश्मीर में मोदी सरकार के संवैधानिक कदम पर उसकी प्रतिक्रिया से फिर इसकी पुष्टि हुई। भारत द्वारा यह समझाने के बावजूद चीन ने विरोध दर्ज कराया कि अनुच्छेद 370 हटाने से पाक के साथ नियंत्रण रेखा या चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। चीन ने जम्मू-कश्मीर में बदले घटनाक्रम को लेकर दुनिया भर में भारत के खिलाफ जहर उगलने वाले पाकिस्तान से ही सहानुभूति जताई। पाकिस्तान की मनुहार पर चीन इस मसले को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अनौपचारिक बैठक में भी ले गया जहां उसने भारत विरोधी रुख अपनाया। बैठक के बाद बयान जारी करने की उसकी मंशा पर अन्य सदस्यों ने पानी फेर दिया। इसके बाद चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में जम्मू-कश्मीर का उल्लेख करते हुए कहा कि यह मसला संयुक्त राष्ट्र घोषणापत्र, सुरक्षा परिषद प्रस्तावों और द्विपक्षीय समझौतों के अनुरूप सुलझाया जाना चाहिए। चीन का रवैया पाकिस्तान के लिए मददगार रहा, क्योंकि सुरक्षा परिषद में जम्मू-कश्मीर के मसले पर चर्चा कब की इतिहास के पन्नों में दफन हो चुकी थी। हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि चीन और पाकिस्तान की साठगांठ 1962 से चली आ रही है। इसी दुरभिसंधि के दम पर पाकिस्तान भारत को लगातार आंखें दिखाता रहा। उसके तेवर अब और ज्यादा तीखे हो रहे हैं। चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे के चलते उसे नया संबल मिला है। भारत ने इसका उचित ही विरोध किया है कि यह भारतीय संप्रभुता का उल्लंघन करने वाली परियोजना है। चीन ने कभी भी पाकिस्तान पर आतंकवाद को खत्म करने के लिए दबाव नहीं डाला। जैशे मुहम्मद के सरगना मसूद अजहर को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित कराने की मुहिम को उसने तभी समर्थन दिया जब अमेरिका ने उसे सुरक्षा परिषद में बेनकाब करने की धमकी दी।

अवधेश राजपूत

चीनी राष्ट्रपति के भारत दौरे से ठीक पहले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान और सेना प्रमुख जनरल कमर बाजवा ने चीन का दौरा किया। यह दौरा इसी मंशा से किया गया कि भारत-चीन संबंधों में सुधार चीन-पाकिस्तान संबंधों की कीमत पर नहीं हो। यह भी महत्वपूर्ण है कि इमरान खान ने कश्मीर के संदर्भ में दक्षिण एशिया में शांति एवं सुरक्षा पर चर्चा का प्रस्ताव रखा। भारत इसकी अनदेखी नहीं कर सकता। उसे चीन को बताना होगा कि अपने हितों की रक्षा के लिए जो जरूरी कदम होंगे, उन्हें उठाने से वह हिचकेगा नहीं। अरुणाचल में हिम विजय सैन्य अभ्यास से यही संदेश गया।

पाकिस्तान के साथ-साथ चीन ने सभी दक्षिण एशियाई देशों में अपनी सक्रियता बढ़ाई है। इसके लिए वह अपने विशाल वित्तीय संसाधनों का इस्तेमाल कर रहा है। भारत की सुरक्षा के लिए इनके गहरे निहितार्थ हैं। भारत आर्थिक मोर्चे पर चीन की बराबरी तो नहीं कर सकता, लेकिन वह अपने पड़ोसियों के समक्ष यह पेशकश तो कर ही सकता है कि वे भी भारत की तरक्की के साथ प्रगति करें। इसके लिए आदर्श परस्पर भाव विकसित करना होगा। इस जुड़ाव से पड़ोसी देश भी चीन के साथ करार करते हुए भारत के सुरक्षा हितों को लेकर सचेत रहेंगे। मोदी सरकार यह रणनीति अपना तो रही है, पर अब इसे एक औपचारिक सिद्धांत के रूप में तब्दील करना होगा।

चीन हिंद महासागर के साथ ही हिंद प्रशांत क्षेत्र में भी सक्रियता बढ़ा रहा है। यहां अपनी मौजूदगी बढ़ाने के लिए भारत को सतर्क रणनीति अपनानी होगी। उसे अन्य देशों के साथ मिलकर मजबूत नेटवर्क बनाने होंगे। ये नेटवर्क इस क्षेत्र में सामरिक कड़ियों को सशक्त बनाएंगे। इसमें संदेह नहीं कि मामल्लापुरम में दोनों नेताओं के बीच व्यापार एवं निवेश पर गहन चर्चा होगी। चीन को अपनी अर्थव्यवस्था में भारत के लिए दवा जैसे उन क्षेत्रों में दरवाजे खोलने की प्रतिबद्धता दिखानी होगी जिनमें भारत मजबूत है। वह तरीका विशुद्ध औपनिवेशिक है जिसमें चीनी फैक्ट्रियां भारतीय कच्चे माल का उपभोग करती हैं और भारत चीनी उत्पादों का आयात करता है। यह सिलसिला कायम नहीं रखा जा सकता। भारत को 5-जी जैसी शक्तिशाली संवेदनशील तकनीक में चीनी कंपनियों को प्रवेश देने से पहले सावधानी से पड़ताल करनी चाहिए।

चीन को तीन जरूरी संदेश अवश्य समझने चाहिए। एक यह कि भारत उसके साथ संघर्ष नहीं चाहता, लेकिन अपने हितों की रक्षा से पीछे नहीं हटेगा। डोकलाम गतिरोध इसका सटीक उदाहरण है। दूसरा यह कि भारत व्यापार एवं निवेश सहित तमाम क्षेत्रों में चीन के साथ सहयोग करना चाहता है, लेकिन यह एकतरफा नहीं हो सकता और चीन को भारत की चिंताओं पर गौर करना होगा। तीसरा यह कि भारत उसके साथ सीमाओं का शांतिपूर्ण समाधान चाहता है और इस मामले में वह ज्यादा अड़ियल रुख न अपनाए। इसमें संदेह नहीं कि शी चिनफिंग के साथ वार्ता के दौरान ऐसे तमाम बिंदुओं पर मोदी मंथन जरूर करेंगे।

(लेखक विदेश मंत्रालय में सचिव रहे हैं)

response@jagran.com

शिक्षित समाज की पोल खोलता सर्वेक्षण

एनके सिंह

यह शुभ संकेत नहीं कि संपन्न और शिक्षित लोग भी बच्चों के पोषण को लेकर सजग नहीं दिख रहे हैं

देश में पहली बार किए गए राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण ने शिशुओं और किशोरों के पोषण को लेकर जो रिपोर्ट जारी की है उस पर नीति-नियंताओं के साथ आम जनता को भी ध्यान देना चाहिए, क्योंकि यह कई ऐसे तथ्य प्रकट करते हुए बताती है कि संपन्न और शिक्षित लोग भी बच्चों के पोषण को लेकर सजग नहीं। यह रिपोर्ट एक सर्वेक्षण का हिस्सा है। अपनी किस्म का यह पहला सर्वेक्षण केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 2016-18 काल खंड में किया गया। व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण का सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि देश में जन्में दो साल से कम के शिशुओं में मात्र 6.4 प्रतिशत सौभाग्यशाली हैं जिन्हें न्यूनतम स्वीकार्य पोषक आहार मिलता है। इससे भी चौंकाने वाला तथ्य यह है कि इस पैमाने पर जो राज्य सबसे निचले पायदान पर हैं वे आर्थिक, शैक्षिक और विकास के पैमानों पर दशकों से काफी ऊपर हैं। इस कारण समाजशास्त्रियों और सामाजिक-आर्थिक विश्लेषकों के समक्ष यह प्रश्न खड़ा हुआ है कि क्या आर्थिक संपन्नता के कारण अभिभावक बच्चों की उचित परवरिश को नजरअंदाज करने लगे हैं?

इस अवधारणा की पुष्टि इस बात से भी होती है कि जिन राज्यों में शिशु पोषण की स्थिति काफी बेहतर है उनमें से अधिकांश अविकसित कहे जाने वाले राज्य जैसे ओडिशा, छत्तीसगढ़ , झारखंड और असम हैं। केवल केरल एक अपवाद है, जबकि दशकों से पिछड़ेपन का दंश झेलने वाल राज्यों में पैदा होने वाले शिशुओं के पोषण की स्थिति राष्ट्रीय औसत से काफी बेहतर पाई गई। ये आंकड़े इसलिए गंभीर परिणाम की और इंगित करते हैं, क्योंकि अगर संपन्न राज्यों में शिशुओं की परवरिश ठीक नहीं है तो यह बच्चों के प्रति सोच, बाजारू ताकतों का खान-पान पर कुप्रभाव और अभिभावकों की संपन्नता-जनित व्यस्तता और उसकी वजह से लालन-पालन का काम सेवकों, आयाओं के भरोसे छोड़ने की मजबूरी की तस्वीर पेश करता है।

इसकी भयावहता तब और बढ़ जाती है जब यह सामना आता है कि आंध्र प्रदेश में मात्र 1.3 प्रतिशत शिशु पोषक तत्वों वाला भोजन पाते हैं, जबकि महाराष्ट्र में सिर्फ 2.2, गुजरात, तेलंगाना और कर्नाटक में मात्र 3.8 और तमिलनाडु में 4.2 प्रतिशत। इस पैमाने पर सबसे बेहतर राज्य सिक्किम है जहां 35.2 प्रतिशत शिशु समुचित पोषक तत्वों वाला भोजन पाते हैं, दूसरे नंबर पर केरल (32.6) प्रतिशत है। अर्थिक रूप से संपन्न वर्ग का हर आठवां बच्चा स्थूल शरीर का पाया गया, जबकि देश के हर दसवें बच्चे में मधुमेह-पूर्व के लक्षण मिले। इसका मतलब है कि उनमें मधुमेह होने की प्रबल आशंका है। गरीबों में प्रत्येक सौ में से एक बच्चे में मोटापा पाया गया। रिपोर्ट के अनुसार आज भी देश का हर तीसरा बच्चा नाटा (स्टंटेड) है यानी उम्र से कम लंबाई वाला। इसी तरह लगभग हर तीसरा बच्चा उम्र के अनुसार कम वजन का है, जबकि हर छठवां बच्चा दुबले शरीर का यानी लंबाई के हिसाब से कम वजन का होता है।

संयुक्त राष्ट्र संगठन यूनिसेफ और विश्व स्वास्थ्य संगठन की परिभाषा के अनुसार उपरोक्त तीनों लक्षणों का मूल कारण बच्चों को समुचित और संतुलित आहार न देना है। इसकी वजह से बच्चों की बौद्धिक क्षमता कम हो जाती है। विशेषज्ञों की राय में किसी देश के नागरिकों की बौद्धिक-शारीरिक क्षमता कम होने के कारण वहां के सकल घरेलू उत्पाद में गिरावट आती है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी होने के बावजूद ओलंपिक खेलों में खराब प्रदर्शन से भी इसे समझा जा सकता है। अपने देश में स्कूल जाने की आयु से पूर्व के हर पांच बच्चों में दो, स्कूल जाने वाले हर चार बच्चों में एक और तरुणवय वाले 28 प्रतिशत बच्चों में खून की कमी पाई गई। इन संगठनों के मानदंडों के तहत समुचित और संतुलित पोषण के लिए सात खाद्य पदार्थ रखे गए हैं। इनमें से क्षेत्र विशेष की पसंद के साथ किन्हीं चार को देकर शिशुओं का अच्छा पालन-पोषण कर सकते हैं। इनमें आलू, दाल, अंडा, मांसाहार, फलों का रस, स्थानीय सब्जियां और दूध से बने पदार्थ हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि संपन्न और शिक्षित वर्ग शायद विज्ञापनों से भ्रमित होकर इन सहज खाद्य पदार्थों की जगह जंक फूड जैसे चिप्स, नूडल्स, बर्गर देकर अपने अहंकार को संतुष्ट कर लेता है, बगैर यह सोचे कि वह बच्चों का भविष्य बिगाड़ रहा है। तरुणवय में यानी 13-18 तक की आयु में खून की कमी और बढ़ जाती है, क्योंकि बच्चे जंक फूड की ओर आकर्षित हो रहे हैं। कामकाजी अभिभावकों को भी यह आसान लगता है, क्योंकि खाना-बनाने में व्यय होने वाले समय की बचत हो जाती है। स्वास्थ्य मानदंडों के अनुसार मां का दूध पीने वाले शिशुओं को कम से कम तीन बार अन्य पौष्टिक पदार्थ खिलाना चाहिए जबकि ऊपर का दूध पीने वाले शिशुओं को पांच बार। शायद कामकाजी अभिभावकों के लिए यह सब संभव नहीं होता।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य मिशन की ओर से 2015 में जारी पोषण संबंधी रिपोर्ट के बाद यह पहला राष्ट्रीय स्तर का अध्ययन है। अब तक की रिपोर्टों से अलग इस अध्ययन की खास बात यह है कि शरीर की बौद्धिक और भौतिक क्षमता के लिए माइक्रो पोषक तत्वों के स्तर का आकलन इतने बड़े पैमाने पर (1.10 लाख बच्चों पर) पहली बार हुआ है। सरकार चाहती है कि 2022 तक कुपोषण से बच्चों को पूरी तरह छुटकारा दिलाया जाए, लेकिन मौजूदा रफ्तार से यह संभव नहीं लगता। समस्या यह है कि अगर कामकाजी अभिभावक बच्चों को बाजार के प्रभाव में चिप्स, नूडल्स, अन्य फास्ट फूड देंगे या फिर उन्हें घरेलू सेविकाओं के भरोसे छोड़ देंगे तो सरकार चाहकर भी कुछ नहीं कर पाएगी। शायद यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी मन की बात कार्यक्रम में कई बार देश के अभिभावकों को समुचित और संतुलित आहार देने की वकालत कर चुके हैं। उचित यह होगा कि गरीब तबके के साथ संपन्न तबका भी पोषण के महत्व को समझे। यह तभी हो सकता है कि जब जंक फूड के हानिकारक प्रभावों के बारे में जानकारी से लैस हुआ जाएगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

जीवन के सर्वोत्तम पल

जन्म के पल मनुष्य के जीवन के सर्वश्रेष्ठ पल होते हैं। सभी को उत्सुकता से उसके आने की प्रतीक्षा होती है। उसके जन्म लेने पर सभी को हर्ष होता है। उसके जन्म से पूर्व ही उसके भविष्य को लेकर कई सुनहरे सपने देख लिए जाते हैं। वह जैसे-जैसे बड़ा होता है, जीवन की कठोर वास्तविकता जुड़ती जाती हैं। आशाएं घटती जाती हैं। आशावादिता सुख का सबसे बड़ा स्रोत है। जब जीवन में आशा बलवती होती है तो मनुष्य का मन स्वयं भी प्रफुल्लित रहता है। उसकी कार्य क्षमता बढ़ जाती है। आशाओं से रहित मनुष्य भी कार्य करता है, किंतु उनमें प्रफुल्लता और रुचि का अभाव होता है। कार्य एक विवशता और कर्तव्य बन जाता है। ऐसे कार्यों से भले ही धन अर्जित कर लिया जाए, पद-प्रतिष्ठा प्राप्त हो जाए, किंतु उल्लास नहीं उत्पन्न होता। आशाओं का संबंध अंतर्मन से है। आशाएं जब पूरी होती हैं, मन को संतुष्ट, संतृप्त करती हैं, जबकि धन, पद, शक्ति का अर्जन कामनाओं को उत्प्रेरित करता है और संवेग बढ़ाता है। मन को संतृप्त करने वाली आशाएं वास्तव में हैं क्या? मन तब प्रफुल्ल होता है जब वह स्थिर हो जाए, संतुष्ट हो जाए। ऐसा संचयन से नहीं अर्पण से होता है। लेना एक सांसारिक मनुष्य का चरित्र है, जबकि देना ईश्वरीय तत्व है। केवल ईश्वर ही है जो दे रहा है, युगों-युगों से दे रहा है। लेने, पाने की आशा, आशा नहीं कामना है। देना, कर्म नहीं आत्म संतुष्टि की आशा है।

जब मनुष्य आत्म संतुष्टि की आशा के साथ जीता है तो दया, क्षमा, उदारता, परोपकार, संयम और सहजता जैसे गुण स्वयं ही विकसित होने लगते हैं। किस कार्य से मनुष्य को आत्मतुष्टि मिल रही है यह उसे स्वयं ही समझना और तय करना होता है। वह जीवन में जो भी कार्य करे, इस विश्वास से करे कि यह उसे आत्मिक संतृप्ति प्रदान करने वाला है। जब यह भावना कार्य और जीवन का मुख्य उद्देश्य बन जाती है तो जीवन बदल जाता है। मनुष्य का हर भला कार्य उसे नया जन्म देने वाला सिद्ध होता है। वह अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा के साथ ही सुख का स्रोत भी बन जाता है।

डॉ. सत्येंद्र पाल सिंह

नासूर बनता मानसिक तनाव

सौरभ जैन

सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने वालों से लेकर बेरोजगार लोग तक तनाव की चपेट में आ रहे हैं

'यह जन्म हुआ किस अर्थ अहो समझो जिसमें यह व्यर्थ न हो, कुछ तो उपयुक्त करो तन को नर हो, न निराश करो मन को' मैथिलीशरण गुप्त की ये पंक्तियां विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर प्रासंगिक हो जाती हैं और ऐसे समय में जब इसकी थीम आत्महत्या को रोकने पर हो तब इन शब्दों के अर्थ और व्यापक हो उठते हैं। वर्तमान जीवनशैली कुछ इस प्रकार हो गई है कि मानसिक तनाव एक आम बात हो गई है। सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य करने वालों से लेकर बेरोजगार लोग तक इसकी चपेट में आ रहे हैं। दुनिया भर में अवसाद से प्रभावित लोगों की संख्या करीब 32.2 करोड़ आंकी गई है, इस आंकड़े का 50 फीसद लोग सिर्फ भारत और चीन से हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया भर में अवसाद से ग्रसित लोगों की अनुमानित संख्या में वर्ष 2005 से 2015 के बीच 18.4 फीसद की बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2015 में 7.88 लाख लोगों ने आत्महत्या की और इससे कई गुना ज्यादा लोगों ने आत्महत्या का प्रयास किया। डब्ल्यूएचओ के इन आंकड़ों की मानें तो देश में कुल 6-7 फीसद लोगों को किसी ना किसी तरह की दिमागी समस्या है, जबकि 1-2 फीसद रोगियों को गंभीर समस्या है। अकेले भारत में 5 करोड़ से ज्यादा लोग अवसाद के शिकार हैं।

ऑनलाइन जर्नल लैंसेट पब्लिक हेल्थ की बीते वर्ष जारी रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2016 में सर्वाधिक आत्महत्याएं भारत में हुई थीं। विश्वभर में 8,17,000 लोगों ने खुदकुशी की, जबकि भारत में यह संख्या 2,30,314 थी। इस रिपोर्ट के अनुसार हमारे देश में महिला और पुरुष दोनों में आत्महत्या से होने वाली मृत्यु की दर बढ़ रही है। आत्महत्या करने वाली प्रत्येक तीन महिलाओं में एक भारत से थी। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार देशभर में साल 2014 से 2016 के बीच 26,476 छात्रों ने आत्महत्या की। इनमें 7,462 छात्रों ने आत्महत्या विभिन्न परीक्षा में फेल होने के डर से की। किसानों की आत्महत्या की अगर बात करें तो वर्ष 2016 में देश भर में 17 किसानों ने हर रोज खुदकुशी की, यानी कुल 6,351 किसानों ने खुद की जान ली।

यदि किसी व्यक्ति में मानसिक रोग के लक्षणों की पहचान करने की बात की जाए तो प्रारंभिक रूप में उदासी, भ्रमित सोच, एकाग्रता में कमी, अत्यधिक डर या चिंता, अत्यधिक अपराधबोध की भावना, आत्महत्या की भावना, याददाश्त में कमी जैसे लक्षण मानसिक रोग होने की पुष्टि करते हैं। यह वर्तमान में आम हो चला है, क्योंकि कार्य का दबाव, परिवार का दबाव, जिम्मेदारियों का दबाव इत्यादि वह स्थितियां हैं जिनमें व्यक्ति खुद को तनाव रहित रख पाने में असमर्थ होते जा रहा है।

हमारी आबादी बढ़ते हुए सवा सौ करोड़ के आंकड़े को पार कर चुकी है, लेकिन इतनी आबादी पर सिर्फ सात लाख चिकित्सक ही हैं। मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में तो यह स्थिति और भी विकट है, क्योंकि देश में केवल पांच हजार मनोचिकित्सक हैं और दो हजार से कम क्लिनिकल मनोवैज्ञानिक हैं। आशा है कि इस स्थिति में जल्द सुधार होगा।

(लेखक देवी अहिल्या विवि में अध्येता हैं)

संबंधों के होते हैं कई आयाम

खुद लड़नी होगी अपनी लड़ाई शीर्षक से लिखे अपने लेख में ब्रह्मा चेलानी ने कहा है कि पाकिस्तानी आतंकवाद से निपटने में अमेरिका सहित कोई भी मित्र देश उतना मददगार नहीं होगा। यह भारत की लड़ाई है जो उसे खुद ही जीतनी होगी। इस लेख के संदर्भ में मैं कहना चाहता हूं कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में राष्ट्रों की आत्महित-चेतना ही स्थायी विचार होता है, शत्रु-मैत्री संबंध उसी के द्वारा संचालित होते हैं। पाकिस्तान और चीन से निपटने में भारत अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जितना उपयोग कर सकता है, उतना कर रहा है। उसी प्रकार अमेरिका चीन-पाक के संदर्भ में भारत का प्रयोग करता है। सबसे बड़ी राहत जो ट्रंप के कारण हमें मिली है, वह चीन को लेकर है। पाक आतंक से भारत स्वयं निपट सकता है, यह वस्तु-स्थिति है, किंतु चीन का डंक दबाने में ट्रंप की नीतियां भारत के हितों के लिए बेहद मुफीद रहीं, इस तथ्य की ओर लेखक का ध्यान गया प्रतीत नहीं होता। दोस्ती का मतलब यह नहीं हो सकता कि ट्रंप हर बात पर मोदी की हां में हां मिलाएं। आखिर भारत भी कब ऐसा करता है? रूस के साथ एस-400 सौदा अमेरिकी विरोध के बावजूद हमने परवान चढ़ाया। चीन के साथ हमारे ताल्लुक हमारे अपने हितों द्वारा निर्देशित हैं, यद्यपि अमेरिकी झटकों के कारण चीन अब हमें अधिक महत्व देने लगा है। यूं तो भारत ने जो सैन्य शक्ति हासिल कर ली है, उसकी वजह से विश्व की बड़ी ताकतें भी हमारा सम्मान करने के लिए बाध्य हो रही हैं, पाक की तो हैसियत ही क्या।

अजय मित्तल, मेरठ

मेलबाक्स

देसी गाय का गोबर

रामसरण वर्मा का लेख, कृषि संकट के कारण समझें किसान, पढ़ा। वह लिखते हैं कि गोबर की खाद से 20 प्रतिशत तक उत्पादन बढ़ सकता है। यहां उनके कथन में संशोधन करना चाहूंगा। कायदे में किसी भी पशु का नहीं, बल्कि यह गोबर देसी गाय का ही होना चाहिए। पद्मश्री कृषि वैज्ञानिक सुभाष पालेकर ने प्रयोगों के द्वारा सिद्ध कर दिखा दिया है कि केवल एक देसी गाय 30 एकड़ तक भूमि के लिए पर्याप्त खाद दे सकती है। उनके प्रयोग जहां-जहां दोहराए गए, एक से एक उत्साहवर्धक परिणाम प्राप्त हुए हैं। उप्र में लखनऊ के निकट मलीहाबाद आम का मशहूर इलाका है। यहां कृषकों ने आम्र वृक्षों के बीच हल्दी बोई। इसके लिए एनडी-2 बीज लिया। देसी गाय का गोबर डाला और फसल जबरदस्त हुई। आम से भी ज्यादा कमाई हल्दी से हो गई। इसके अलावा मशरूम तथा विदेशी सब्जियों में ब्रोकली, लिटस और पाकचोई बोकर भी देसी गोबर के कारण अत्यधिक मुनाफा हुआ है। किसी भी पशु का गोबर कुछ समय के लिए अच्छे परिणाम दिखा सकता है, किंतु लंबे समय के लिए देसी गाय का ही गोबर चाहिए। बिहार के नालंदा, उप्र के शामली और कानपूर देहात तथा हरियाणा में देसी गाय ने किसानों की तकदीर बदल दी है। विदेशी नस्ल की गायों की अपेक्षा इनका गोबर उठाने में भी सुविधाजनक होता है। इसमें दुर्गंध भी नहीं होती है। इन गायों का दूध भी मीठा होता है। लेख में सभी पहलुओं को शामिल करना चाहिए। जिससे किसानों को सही जानकारी मिल सके।

mittalmrtw@gmail.com

मधुमक्खी से सीखें

दैनिक जागरण के 6 अक्टूबर के अंक में संपादकीय, विकास और पर्यावरण, दोनों के बीच संतुलन कायम करने पर जोर देता है। यह सत्य है कि हमारे लिए विकास भी उतना ही जरूरी है, जितना पर्यावरण। लेकिन जब विकास के लिए पर्यावरण की हानि होती है तो दर्द होता है, लेकिन यही दर्द तब भी होता है जब विकास नहीं होता है। चाहे केंद्र की सरकार हो या राज्य की सरकारें उन सबको प्रकृति के जीव मधुमक्खी से सबक लेना होगा। मधुमक्खी को शहद का निर्माण करने में प्रकृति प्रदत फूलों, पेड़, पौधों और पत्तियों की भी जरूरत होती है। वह फूलों, पत्तियों से शहद निर्माण के आवश्यक तत्व रस लेती है और शहद बनाती है। इस प्रक्रिया में मधुमक्खी पर्यावरण को कतई नुकसान नहीं पहुंचाती है। संपादकीय में भी यही इशारा किया गया है। मधुमक्खी की तरह संतुलन कायम कर हम विकास करने के साथ, पर्यावरण को भी बचा सकते हैं। पर्यावरण को बचाना इसलिए सबसे जरूरी है, क्योंकि मानव जीवन का अस्तित्व इसी पर निर्भर है।

hemahariupadhyay@gmail.com

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन. संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई शुल्क अतिरिक्त।

100 स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एसईजेड) स्थापित करेगा बांग्लादेश वर्ष 2030 तक। इसके लिए चीनी कंपनियां अपनी गिद्ध दृष्टि लगाई हुई हैं और कुछ सफल होने के करीब भी हैं।

डॉ. रहीस सिंह
अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार

भारत-बांग्लादेश

आपसी रिश्तों में एक नया मोड़

बांग्लादेशी प्रधानमंत्री की हालिया भारत यात्रा से दोनों देशों के बीच सुरक्षा, व्यापार समेत कई क्षेत्रों में सात समझौते हुए। इसके साथ ही बांग्लादेश से एलपीजी गैस आयात समेत तीन परियोजनाओं की शुरुआत भी हुई, जिनका इस्तेमाल पूर्वोत्तर भारत में किया जाएगा। इसका सामान्य अर्थ तो यही निकलता है कि भारत और बांग्लादेश के संबंध सहजता और सौम्यता की परिधियों को छूकर फॉरवर्ड ट्रैक पर चल चुके हैं। हालांकि हमें कुछ और पहलुओं को भी देखना होगा

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों का शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व आपसी संबंधों की सुदृढ़ ऐतिहासिकता को नई जीवतंता प्रदान करने की दिशा में आगे बढ़ता दिखा। दोनों देशों के बीच सुरक्षा, व्यापार समेत कई क्षेत्रों में सात समझौते हुए। इसके साथ ही बांग्लादेश से एलपीजी गैस आयात समेत तीन परियोजनाओं की शुरुआत भी हुई, जिनका इस्तेमाल पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में किया जाएगा। इसका सामान्य अर्थ तो यही निकलता है कि भारत और बांग्लादेश के संबंध सहजता, सौम्यता की परिधियों को छूकर फॉरवर्ड ट्रैक पर चल चुके हैं, लेकिन क्या कुछ और भी पहलू हैं, जो इन सामान्य आकलनों में शामिल नहीं हो पा रहे हैं?

ध्यान रहे कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री अपनी पिछली यात्रा के दौरान ज्यादा उत्साहित दिखी थीं और उन्होंने अपनी भारत यात्रा को 'मील का पत्थर' बताया था, लेकिन इस बार ऐसा कोई वक्तव्य सुनने में नहीं आया। इसलिए कुछ प्रश्न सामने तैरे अवश्य। मसलन क्या बांग्लादेश के भीतर भारत को लेकर कुछ असहमतियां हैं, खासकर तीस्ता नदी जल बंटवारे को लेकर? या फिर चीन की बांग्लादेश में बढ़ती सक्रियता इसके लिए उत्तरदायी है? क्या बांग्लादेश इस निष्कर्ष की ओर बढ़ रहा है कि उसकी निर्भरता अब भारत पर पहले जैसी नहीं रही या वजहें कुछ और हैं? विश्लेषण एवं अनुमान का एक आयाम यह हो सकता है कि सब कुछ अच्छा है, इसलिए संबंधों में औपचारिकता की जरूरत नहीं रह गई। काफी हद तक यह सच भी है, क्योंकि भारत ने बांग्लादेश के साथ पिछले पांच वर्षों में लंबे समय से चले आ रहे कई मुद्दों को सुलझा लिया है। ध्यान रहे कि भारत ने बांग्लादेश के साथ मिलकर पावर प्लांट, सोलर प्लांट, पावर ट्रांसमिशन लाइंस, बंदरगाहों को विकसित करने, नई रेल लाइनें निर्मित करने, विशेष आर्थिक जोन का विकास करने जैसी आधारभूत संरचना से जुड़ी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में खासी सफलता अर्जित की है। भारत ने बांग्लादेश के साथ लैंड बाउंड्री एग्रीमेंट (भूमि सीमा करार-एलबीए) कर दशकों की समस्याओं का समाधान निकाला है। समुद्री सीमा समझौते के जरिये मैरिटाइम स्ट्रेटेजी को मजबूत किया है। लिहाजा स्वाभाविक रूप से यह कहा जा सकता है कि भारत और बांग्लादेश के संबंध अब उच्च स्तर पर पहुंच चुके हैं।

जहां तक तीस्ता जल बंटवारे की बात है तो यह मुद्दा द्विपक्षीय सहमतियों तक तो पहुंच चुका है, लेकिन आंतरिक राजनीतिक कारण इसमें बाधक बने हुए हैं। हालांकि एक चिंताजनक बात यह भी है कि भारत ने बंगाल की खाड़ी में सहयोग के लिए जो रोडमैप बनाया था, वह अभी कार्यरूप नहीं ले पाया है। ध्यान रहे कि प्रधानमंत्री मोदी सार्क की जगह ट्रांस-रीजनल सहयोग अर्थात बीबीआइएन (बांग्लादेश-भूटान-भारत-नेपाल) और बिम्सटेक (बहुक्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी वाले देशों की पहल) को बढ़ावा देना चाहते हैं। अगर ये देश सड़क एवं रेल कनेक्टिविटी स्थापित करेंगे तो पूर्वोत्तर भारत में एक नई गतिकी देखने को मिल सकती है। वैसे हम यह भी ना भूलें कि बांग्लादेश और भारत के मध्य अभी भी कुछ मसलों को लेकर गतिरोध बना हुआ है।

सामान्यतः बांग्लादेश के भारत से संबंध तब बेहद अच्छे रहे हैं, जब वहां शेख हसीना वाजेद या उनकी पार्टी की सरकार रही। अभी भी दोनों देशों के आपसी संबंधों में किसी तरह की गिरावट नहीं दिख रही, लेकिन आज की जरूरत है कि हम अपनी विदेश नीति का निर्धारण निरपेक्ष होकर नहीं, बल्कि सापेक्षिक रूप से करें। ऐसा करते समय हमें चीन को सामने रखना होगा। ध्यान रहे कि चीन बांग्लादेश के साथ ऐसी साझेदारी विकसित कर रहा है, जो उसे आर्थिक ही नहीं, सामरिक लाभ भी पहुंचा सके। हाल के कुछ वर्षों में दक्षिण एशियाई देशों के लिए चीन ने जिस नीति का विकास किया है, उसकी मुख्य दो विशेषताएं हैं। पहली, दक्षिण एशियाई देशों में चीनी निवेश में तेज वृद्धि। दूसरी, भारत के पड़ोसी देशों को डेट फाइनेंस (ऋण वित्त) देकर उनकी बुनियादी परियोजनाओं में हिस्सेदारी प्राप्त करना। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश और चीन के मध्य संबंधों में वर्ष 2016 से बड़ा परिवर्तन आया, जब वे पारंपरिक साझेदारी से रणनीतिक साझेदारी में बदल गए। इसका परिणाम यह हुआ कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआइ) के हिस्से के रूप में बीजिंग और ढाका ने 21.5 बिलियन डॉलर की डील कर ली, जो पावर और बेसिक इंफ्रा क्षेत्र को कवर करेगी, लेकिन ब्रिटिश स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक पर यकीन करें तो अब इस प्रोजेक्ट की लागत 38 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुकी है। यही नहीं, बांग्लादेश के एफडीआइ में सबसे बड़ा हिस्सा भी चीन का है। वर्ष 2018 में बांग्लादेश ने रिकॉर्ड एफडीआइ हासिल किया, जो 3.6 बिलियन डॉलर रहा, लेकिन इसमें एक बिलियन डॉलर अकेले चीन की हिस्सेदारी है। पद्मा ब्रिज को चीनी कंपनी बना रही है और चीन का एक्जिम बैंक उसे रेल लिंक के निर्माण के लिए 3 बिलियन दे रहा है। अब बीजिंग ढाका पर बांग्लादेश-चीन-भारत-म्यांमार (बीसीआइएम) इकोनॉमिक कॉरिडोर को गति देने के लिए दबाव बना रहा है, जो अभी तक रफ्तार पकड़ने में असफल रहा था। बांग्लादेश द्वारा एक महत्वाकांक्षी योजना की घोषणा की गई है, जिसके अनुसार वह वर्ष 2030 तक 100 स्पेशल इकोनॉमिक जोन (एसईजेड) स्थापित करेगा। इसके लिए चीनी कंपनियां अपनी गिद्ध दृष्टि लगाई हुई हैं और कुछ सफल होने के करीब भी हैं। यही नहीं, चीन बांग्लादेश के पायरा डी और चटगांव में भी यही सुविधाएं हासिल करने की ओर बढ़ रहा है जो उसे पाकिस्तान के ग्वादर और श्रीलंका के हंबनटोटा में प्राप्त हो चुकी हैं। हालांकि वर्ष 2016 में बांग्लादेश ने अपने दक्षिण पूर्वी बंदरगाह सोनदिया संबंधी चीनी प्रोजेक्ट के प्रस्ताव को निरस्त कर दिया था, क्योंकि इसे लेकर भारत ने चिंता प्रकट की थी। उल्लेखनीय है कि यह प्रोजेक्ट चीन को भारत के अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के बहुत नजदीक पहुंचा देता, लेकिन पायरा डी पर बांग्लादेश भटकता हुआ दिख रहा है। कुछ समय पहले ही बांग्लादेश और चीन के बीच रक्षा सहयोग समझौता हुआ था, जिसके तहत चीन द्वारा बांग्लादेश को दो सबमरीन बेची गई थीं और इसके बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना का एक बयान आया था जिसमें उन्होंने कहा था कि अब हमारे मुल्क पर कोई भी पड़ोसी देश हमला नहीं कर सकता।

बहरहाल भारत ने भूमि सीमा समझौते, परमाणु ऊर्जा समझौता, बेहतर कनेक्टिविटी एवं सिक्योरिटी के क्षेत्र में 'नेबर्स फर्स्ट नीति' को बखूबी निभाया है और अभी तक बांग्लादेश भारत के साथ खड़ा है, लेकिन मौजूदा परिदृश्य में उभर रहीं कुछ विशिष्ट स्थितियों और उनमें निहित संकेतों एवं संदेशों को भी हमें समझना होगा।

विवाद सुलझने की बढ़ी उम्मीद

अरविंद जयतिलक

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की भारत यात्रा दोनों देशों के कारोबारी और रणनीतिक लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। दोनों देशों ने सात अहम समझौतों पर मुहर लगाते हुए संकेत भी दे दिया है कि वे बदलते वैश्विक परिदृश्य में कंधा जोड़ने को तैयार हैं। कारोबारी और रणनीतिक क्षेत्र का विस्तार करते हुए जहां भारत ने अपना विशाल बाजार बांग्लादेश के लिए खोलकर उसे आर्थिक लाभ पहुंचाने का भरोसा दिया है वहीं बांग्लादेश भी भारत की रणनीतिक चिंताओं से खुद को जोड़ते हुए हरसंभव मदद का भरोसा दिया है। दोनों देशों ने साझा चिंताओं के संदर्भ में आतंकवाद और घुसपैठ से निपटने के अपने पुराने संकल्प पर कायम रहते हुए एनआरसी, रोहिंग्या समस्या और तीस्ता जल बंटवारे जैसे ज्वलंत मसले पर गंभीरता से विमर्श किया और सहमति से हल निकालने की प्रतिबद्धता जताई। एनआरसी के मसले पर भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह प्रक्रिया कानून सम्मत और अदालत के निर्देश के तहत हो रही है।

आर्थिक और कारोबारी रिश्ते को नई ऊंचाई देने के लिए दोनों देशों ने तीन द्विपक्षीय परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिसके तहत अब बांग्लादेश भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के लिए एलपीजी की आपूर्ति करेगा तथा साथ ही अपनी फेनी नदी के जल से त्रिपुरा को संतृप्त करेगा। दोनों देशों ने सार्क के बजाय बिम्सटेक को मजबूती देने की रणनीतिक प्रतिबद्धता जताकर दक्षिण एशिया में पाकिस्तान की भूमिका सीमित करने का इरादा जता दिया है। भारत ने ढाका को तटीय निगरानी तंत्र मुहैया कराने के समझौते को आयाम देकर बंगाल की खाड़ी से लेकर अपने समूचे पूर्वी तट की निगरानी का रोडमैप तैयार किया है, जिसके तहत चीन पर भी नजर रखी जा सकेगी।

अप्रैल 2017 में भी बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भारत की यात्रा की थी तब भी दोनों देशों ने कई अहम समझौते किए थे। तब दोनों देशों ने परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग के लिए सहयोग के अलावा डिफेंस कोऑपरेशन फ्रेमवर्क, स्टेटेजिक एंड ऑपरेशनल स्टडीज, साइबर सिक्योरिटी, इंफॉरमेशन टेक्नोलॉजी, आउटर स्पेस समेत कुल 22 समझौता कर आपसी सहयोग की नींव मजबूत की। इसके अलावा दोनों देशों ने कोलकाता से खुलना के बीच बस एवं रेल सेवा को जनता को समर्पित कर रिश्ते को मजबूती दी। इस पहल से दोनों देशों के बीच आवाजाही तेज हुई है और सांस्कृतिक-भाषाई संबंद्धता को मजबूती मिली है।

ध्यान देना होगा कि दक्षिण एशिया क्षेत्र में बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक सहयोगी देश है। बांग्लादेश में भारतीय निवेश व्यापक स्तर पर होता है। भारत की कई कंपनियां बांग्लादेश में काम कर रही हैं। जनवरी 2005 में भारत-म्यांमार और बांग्लादेश के बीच यांगून में एक त्रिपक्षीय बैठक हुई थी जिसमें बांग्लादेश से होकर पाइपलाइन द्वारा तटीय गैस को भारत ले जाने पर विचार विमर्श हुआ था जिसे अब अमलीजामा पहना दिया गया है। भारत-बांग्लादेश संबंध इस बात का जीवंत उदाहरण है कि भारत अपने पड़ोसियों को हरसंभव मदद करना चाहता है। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच व्यापारिक और कारोबारी गतिविधियां बढ़ी हैं। अच्छे संबंधों के कारण दोनों देशों के बीच आर्थिक कारोबार में वृद्धि हुई है। बांग्लादेश को भारत से होने वाले निर्यात में भी लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आज बांग्लादेश भारत की सबसे गतिशील मंडियों में से एक मंडी बन चुका है। भारत ने बांग्लादेश के हित के लिए कई वस्तुओं के आयात पर टैरिफ रियायतें दी हैं। दोनों देशों के बीच शीतयुद्धोत्तर युग में एशिया-प्रशांत क्षेत्र में पनपते सहयोगों का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। अब दोनों देशों को चाहिए कि वे इस सकारात्मक माहौल का लाभ उठाकर द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं विश्वशांति के वृहत दायरे में अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए जल्द ही सभी विवादित मुद्दों को सुलझा लें।

खरी-खरी

तिकड़म के घोड़े, सरपट दौड़े

रमेशचंद्र शर्मा

वे काबिल थे। कम से कम उतने काबिल तो थे ही कि काबिलों में उनकी गिनती हो सके। काबिल होने के बावजूद वे कभी सिर्फ काबिलियत के भरोसे नहीं रहे। वजह, वे जानते थे कि जो लोग सिर्फ काबिलियत के भरोसे रहते हैं, उनकी कश्ती किनारे पर आकर भी डूब जाती है। ऐसे लोगों के लिए ही कहा गया है-'फूटे भाग फकीर के, भरी चिलम ढुल जाए'। काबिलियत के ओवरकांफिडेंस में रहने वालों का तो भाग्य भी साथ नहीं देता। वह भी बेरुखी पर उतर आता है। लिहाजा उन्होंने तिकड़म को ही मंजिल पर पहुंचने का जरिया बना लिया। वे जानते थे कि लियाकत की सब्जी में जब तक तिकड़म का तड़का नहीं लगेगा, वह लजीज नहीं बनेगी। खाने वाले अपनी अंगुलियां नहीं चाटेंगे। उन्होंने तिकड़म की शान में कसीदे पढ़ने शुरू कर दिए-'तुम्हीं हो माता, पिता तुम्हीं हो, तुम्हीं हो बंधु, सखा तुम्हीं हो' की तर्ज पर।

बड़ी ही संजीदगी से उन्होंने तिकड़म के मुख्तलिफ स्वरूपों की स्टडी की। इस हद तक कि आज वे तिकड़म स्पेशलिस्ट हो गए। वे चाहें तो आज ही तिकड़म पर डॉक्टरेट कर डालें। मगर लोग इस बाबत जब उन्हें मशविरा देते हैं तो वे हंस कर टाल जाते हैं। वे अपने निजी तजुर्बों से इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि जब तिकड़म के घोड़ों की लगाम अपने हाथ में है तो फिर फिक्र किस बात की।

तिकड़म के घोड़ों को वे सरपट दौड़ाना जानते हैं। उन्हें इस बात का इल्म है कि कब तिकड़म के घोड़ों की रास ढीली छोड़नी है, कब लगाम खींचनी है, कब चाबुक फटकारना है, कब घोड़ों को डांटना है, कब पुचकारना है और कब दाना-पानी देना है। यही वजह है कि उनके जरा से इशारे पर तिकड़म के घोड़े उनकी मनचाही दिशा में घूम जाते हैं। सरपट दौड़ते हैं। थम जाते हैं। बाज वक्त पर करतब भी दिखाने लग जाते हैं। तिकड़म के घोड़े उनके इशारे पर स्तुतिगान की राह पर, चापलूसी की राह पर, रिश्तेदारी की राह पर, खुदगर्जी की राह पर, मौकापरस्ती की राह पर, एहसान-फरामोशी की राह पर, निंदा और लगाई-भिड़ाई की राह पर सरपट दौड़ते हैं। तिकड़म की राह पर दौड़ते हुए घोड़े शामें रंगीन करने तक की फरमाबरदारी को भी अंजाम दे डालते हैं।

वे आज जहां भी हैं, तिकड़म की वजह से ही हैं। अगर वे इसकी अहमियत नहीं समझते और कोरी योग्यता के मुगालते में रहते तो 'जहां पड़े, वहीं सड़े' कहावत को चरितार्थ कर रहे होते।

ट्वीट-ट्वीट

दिल्ली में इस बार दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन यमुना में नहीं हुआ। वाकई दिल्ली ने हम सबके लिए नजीर पेश की है। हमारी नदियां, हमारा पर्यावरण और हमारा देश सर्वोपरि है और इसे बचाने का काम हम सबको मिलकर करना होगा।
समीर अब्बास@TheSamirAbbas

नींबू और नारियल को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का मजाक उड़ाने वाले न तो भारत को समझते हैं और न ही इसकी भावनाओं एवं संस्कृति को। ट्विटर ही भारत नहीं है। मैंने भी अपने घर के प्रवेश द्वार पर नींबू-मिर्च टांग रखे हैं और जब भी हम कार खरीदते हैं तो यह परंपरा निभाते हैं।
साध्वी खोसला@sadhavi

खानपान को लेकर मैं स्वतंत्रता की कद्र करता हूं, लेकिन तय मानिए कि शाकाहार पृथ्वी की सेहत के लिए ज्यादा अच्छा है। गोमांस खाना 160 किलोमीटर गाड़ी चलाने के बराबर प्रदूषित करने जैसा है। पूरे विमानन क्षेत्र की तुलना में मवेशी कहीं ज्यादा ग्रीनहाउस उत्सर्जन करते हैं।
उदय कोटक@udaykotak

आलोक मिश्रा
राज्य संपादक
नईदुनिया, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ डायरी

गांधी पर भारी गोडसे, राम-राम का फेर

नवरात्र...दशहरा...और गांधी जयंती के इस पीरियड में छत्तीसगढ़ में इस बार वैचारिक बयार खूब बही। विचार प्रवाह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। इस लोकतांत्रिक देश में सभी को अपने विचार प्रकट करने का अधिकार है। इधर सभी ने इस अधिकार का खूब फायदा उठाया और दनादन विचार प्रकट कर डाले। कांग्रेस के जब अपने विचार प्रकट हुए तो झट से भाजपाई विचार सामने आ गए। भाजपाई रुके तो फिर कांग्रेसी शुरू। विचारों के इस युद्ध के विषय बने कभी गांधी तो कभी राम। जब-जब गांधी पर बात उठी तो गोडसे का तड़का लग गया और जब राम नाम सामने आया तो अपने-अपने की ढपली बजने लग गई। बीच में सावरकर पर भी लगातार शब्द छिड़के गए। विचारों की यह लड़ाई सदन से सड़क तक जारी रही, नए कपड़े पहने गए और विशेष सदन लगाया गया। कुल मिलाकर विचार प्रवाह के लिहाज से यह पखवाड़ा कुछ हद तक सार्थक रहा। अब विचार कितने सार्थक रहे या निष्कर्ष क्या रहा, यह दूजी बात है।

इस बार गांधी जी की 150वीं जयंती थी। देश भर की तरह छत्तीसगढ़ में भी मेरे गांधी-मेरे गांधी का शोर उठा। भाजपा और कांग्रेस दोनों ने पदयात्रा करने की ठानी। कांग्रेसी सरकार ने बाकायदा दो दिन का विशेष सत्र आहूत किया, सभी सदस्यों को कोसा के नए वस्त्रों में आने का न्योता दिया गया। सभी आए, लेकिन भीतर से भरे हुए, क्योंकि एक दिन पहले ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपाइयों को नसीहत दी कि भाजपा अपनी पदयात्रा में गोडसे मुर्दाबाद के नारे लगाए तभी गांधी समर्थक कहलाएंगे। सदन में यही मुद्दा बन गया और इस पर खूब हल्ला मचा। भाजपा भूपेश की बात मानने को तैयार नहीं। उसका तर्क कि गांधी अहिंसावादी थे, मुर्दाबाद के समर्थक कभी नहीं रहे इसलिए गोडसे मुर्दाबाद कहने का तो सवाल ही नहीं। कांग्रेस इस पर घेरती रही और भाजपा अपने साथ गोडसे का भी बचाव करती रही। दोपहर तक मामला सदन से निकल कर सड़क तक जा पहुंचा। समर्थक भिड़ गए, पोस्टर फाड़े गए और पहुंच गए थाने। पहले दिन वैचारिक बहस जहां इस पर समाप्त हुई तो दूसरे दिन इसमें सावरकर भी जुड़ गए। भूपेश ने सावरकर को गांधी जी की हत्या का षड्यंत्रकारी बता आग में घी डाल शुरुआत कर दी। बस, भाजपाई गरमा गए। टिप्पणी विलोपित करने की मांग की। नहीं मानने पर सदन बहिर्गमन कर दिया और जा बैठे बापू की प्रतिमा तले। इस तरह गांधी जी पर आयोजित विशेष सत्र गोडसे मुर्दाबाद से शुरू हुआ और सावरकर पर हंगामे के साथ खत्म, लेकिन ऐसे में अपनी समस्याओं से जूझ रहे पूर्व मुख्यमत्री अजीत जोगी के पुत्र अमित जोगी भला कैसे चूकते। वे 1970 में विनायक दामोदर सावरकर पर तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा जारी डाक टिकट निकाल लाए और कांग्रेसियों को ही निशाने पर ले लिया कि क्या इसे बापू के हत्यारे के सम्मान में जारी किया गया था।

बैकफुट पर आई कांग्रेस इसे भाजपा की बी टीम का कांउटर फायर कहकर निकल गई। आजकल कांग्रेस की पदयात्रा चल रही है।

यह नहीं कि केवल गांधी ही चर्चा का विषय रहे। गांधी थमे तो राम आ गए। इस समय कांग्रेस की सत्ता है तो सभी रामलीलाओं एवं रावण दहन में कांग्रेसी ही छाए हैं। भाजपा ने रामलीला के बहाने कांग्रेस पर वोट बैंक बनाने की कोशिश का आरोप लगाया। बस फिर क्या था, जवाब में संसदीय कार्य मंत्री रविंद्र चौबे सामने आए और कांग्रेस एवं भाजपा के राम की व्याख्या कर डाली। दोनों को अलग-अलग बता डाला। चौबे बोले कि उनके और हमारे राम में अंतर है। भाजपा के राम का मतलब चंदा बटोरने के लिए राम की तस्वीर, धंधा करने के लिए राम की तस्वीर। राम शिला पूजन के बहाने वोट बटोरने की कोशिश। मॉब लिचिंग के बहाने चोट करने की तस्वीर। हमारे और उनके राम में बहुत फर्क है। राम हमारी संस्कृति में बसे हैं इसलिए रामलीला का अयोजन हम कर रहे हैं। इस पर नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने पलटवार किया। कहा कि हम एक राम को जानते हैं, कांग्रेस के कई राम होंगे। यह विवाद दशहरा आने तक चलता रहा। हालांकि ऐसा नहीं है कि यही होता रहा। इसी बीच कांग्रेस ने दंतेवाड़ा विधानसभा उपचुनाव में भाजपा की सीट झटकी और सरकार ने गांधी जयंती पर कुछ लोकलुभावन घोषणाएं भी कीं। हरेली, तीजा की भांति मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अब 'गोवर्धन पूजा' को गौठान दिवस के रूप में मनाने का भी एलान कर दिया है।

आरक्षण पर झटका : आरक्षण की राजनीति में भूपेश सरकार को झटका लगा है। सरकार ने जातिगत आरक्षण को सीधी भर्ती के साथ ही पदोन्नति में भी लागू कर दिया। अभी तक प्रदेश में आरक्षण दायरा 58 फीसद था, जो न्यायालय में विचाराधीन था। कांग्रेस सरकार ने एससी के आरक्षण में एक फीसद की बढ़ोतरी कर 13 फीसद कर दिया और ओबीसी के आरक्षण में 14 फीसद बढ़ोतरी कर इसे 27 फीसद कर दिया। इससे कुल आरक्षण 72 फीसद पहुंच गया। राजनीतिक दल तो कुछ बोल नहीं पाए, लेकिन लोग भला कहां मानने वाले। खिलाफ में पहुंच गए हाईकोर्ट और कोर्ट ने लगा दिया स्टे। अब सरकार बचाव की मुद्रा में है। हालांकि राजनीतिक गलियारे में चर्चा है कि सरकार को भी मालूम था कि कोर्ट अड़ंगा लगा देगी। इससे उसके विरोधी भी शांत हो जाएंगे और जिसे लाभ मिलना था वह सरकार की नीयत पर शक भी नहीं करेगा। यानी चित भी अपनी पट भी अपनी।

जागरण जनमत

कल का परिणाम

क्या स्विस खातों की जानकारी मिलने से काले धन के खिलाफ मुहिम तेज होगी?

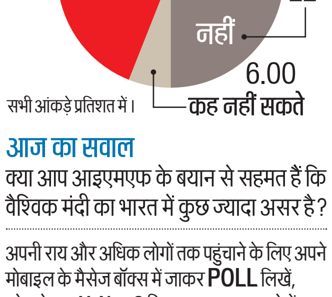

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या आप आइएमएफ के बयान से सहमत हैं कि वैश्विक मंदी का भारत में कुछ ज्यादा असर है?

अपनी राय और अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए अपने मोबाइल के मैसेज बॉक्स में जाकर **POLL** लिखें, स्पेस देकर **Y, N** या **C** लिखकर 57272 पर भेजें
Y -हां, **N**-नहीं, **C**-कह नहीं सकते

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

पछताए का होय जब नेता माने हार,
खुद भागा-भागा फिरे दे मम्मी को भार।
दे मम्मी को भार स्वयं का पिंड छुड़ाए,
छोड़ युद्ध मैदान सैर को उड़-उड़ जाए।
कांग्रेस का दर्द आजकल कहा न जाए,
क्या होगा खुर्शीद मियां लेकिन पछताए!!
- ओमप्रकाश तिवारी

मुद्दा

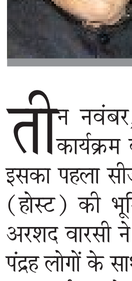

पीयूष द्विवेदी
कला एवं संस्कृति मामलों के जानकार

बिग बॉस की लोकप्रियता के निहितार्थ

हमारे मनोरंजन का स्वाद दिन-प्रतिदिन फूहड़ होता जा रहा है। दुर्भाग्यवश यह स्थिति शहरी और शिक्षित कहे जाने वाले तबके में अधिक है

तीन नवंबर, 2006 को बिग बॉस कार्यक्रम की शुरुआत हुई थी। वह इसका पहला सीजन था, जिसमें संचालक (होस्ट) की भूमिका बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी ने निभाई थी। घर के भीतर पंद्रह लोगों के साथ लगभग तीन महीने चले इस कार्यक्रम ने ऐसी लोकप्रियता पाई कि इसके एक बाद एक सीजन आने शुरू हो गए। कार्यक्रम की बढ़ती लोकप्रियता के कारण सिनेमा जगत के बड़े नामों ने शो के संचालन (होस्टिंग) में दिलचस्पी लेनी शुरू कर दी। शिल्पा शेट्टी, संजय दत्त, सलमान खान और यहां तक कि अमिताभ बच्चन भी खुद को इससे दूर नहीं रख सके। अमिताभ बच्चन इसके तीसरे सीजन में संचालक की भूमिका में नजर आए। हालांकि ये शो उन्हें अपने लिए उपयुक्त नहीं लगा या कुछ और कारण रहा कि अगले सीजन में वे इससे अलग हो गए और फिर संचालन का दारोमदार सलमान खान पर आ गया। पांचवें सीजन में सलमान के साथ संजय दत्त भी इससे जुड़े, लेकिन यह प्रयोग इसी एक सीजन तक चला और छठे सीजन से सलमान ही इसका संचालन कर रहे हैं। सलमान खान के संचालन में इसकी टीआरपी अधिक बेहतर रहने के कारण उन्होंने सबसे ज्यादा इसके नौ सीजन होस्ट किए हैं। अभी इसका तेरहवां सीजन टीवी पर प्रसारित हो रहा है, जिसके संचालक सलमान ही हैं। हालांकि इस बार अभिनेत्री अमीषा पटेल भी 'घर की मालकिन' के रूप में कार्यक्रम से जुड़ी हैं।

बिग बॉस में क्या होता है यह बताने की जरूरत नहीं है। सब जानते हैं कि विविध क्षेत्रों, ज्यादातर टीवी-सिनेमा से संबंधित लोगों को एक निश्चित समयसीमा के लिए एक घर में बंद कर उनके व्यवहार को कैमरों के जरिये देखा जाता है, जिसका व्यवहार सबसे बेहतर रहता है वह विजेता बनता है। उसे एक बड़ी धनराशि प्राप्त होती है। मगर यहां जानने वाली महत्वपूर्ण बात यह है कि इस शो की टीआरपी का असल कारण है-इसमें घुसे सेलेब्रिटियों के आपसी झगड़ों, विवादों, सनसनीखेज खुलासों और तरह-तरह की अंतरंग चीजों का अश्लील प्रदर्शन और फिर उस पर बेमतलब का हल्ला एवं गाली-गलौज। इन चीजों के मद्देनजर इस कार्यक्रम में प्रायः तमाम विवादित पृष्ठभूमि या विवादित रवैये वाले लोगों को ही लिया जाता है। बीते एक सीजन में इसमें विवादित स्वामी ओम को लिया गया था, जिसने बिग बॉस के घर में जाकर जो चाल-चलन और व्यवहार दिखाया, वह अभद्रता की सारी सीमाएं तोड़ने वाला था। अनूप जलोटा और जसलीन का प्रकरण भी इसी बिग बॉस में घटित हुआ जिसे लेकर जलोटा साहब सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल हुए और उनके चरित्र पर खूब आक्षेप लगे, पर कार्यक्रम खत्म होने के बाद ऐसी भी खबरें आईं कि वह सबकुछ एक नाटक था।

वर्तमान में चल रहा कार्यक्रम का यह तेरहवां सीजन भी चिर-परिचित अंदाज में अपनी शुरुआत के साथ ही विवादों में आ गया है। अश्लीलता के साथ-साथ धार्मिक भावनाओं को उकसाने की बात कहते हुए कार्यक्रम पर सवाल उठाए जा रहे। पिछले दिनों ट्विटर पर 'जेहाद फैलाता बिग बॉस' ट्रेंड करता रहा। जाहिर है, विवाद पैदा कर टीआरपी पाने की अपनी रणनीति में यह कार्यक्रम एकबार फिर कामयाब होता नजर आ रहा है। विचित्र बात यह है कि टीवी मीडिया की भी इस कार्यक्रम में भारी दिलचस्पी होती है।

बिग बॉस की लोकप्रियता को लेकर भी कई सवाल उठते हैं। सोचिए जरा कि थक-हारकर कुछ पल टीवी के सामने बैठ दिमाग हल्का करने के लिए कुछ अच्छा देखने के बजाय बिग बॉस के घर में दूसरों के झगड़े देखने में लोगों की दिलचस्पी लेना किस प्रवृत्ति का सूचक है? दरअसल यह दिखाता है कि हममें दूसरों के जीवन में झांकने और दूसरों के यहां होने वाले कलह-क्लेश का आनंद लेने की बुरी लत इतनी बढ़ चुकी है कि अब बाकायदा इसका खाते-पीते लोग टीवी पर आनंद लेने लगे हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो हमारे मनोरंजन का स्वाद दिन-प्रतिदिन फूहड़ होता जा रहा है। दुर्भाग्यवश यह स्थिति शहरी और शिक्षित कहे जाने वाले तबके में अधिक है।

मगर इन सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि यह कार्यक्रम टीवी पर आता है, जिसे बच्चे भी देखते हैं, ऐसे में उनकी मानसिकता पर इसका क्या प्रभाव पड़ता होगा? क्या सीखेंगे वे सेलेब्रिटियों के झगड़ों, कामुक क्रियाकलापों और गाली-गलौज से? कितनी विचित्र बात है न कि एक तरफ अभिभावक बच्चों को गाली-गलौज और झगड़ों आदि से बचने की नसीहतें देते हैं और दूसरी तरफ खुद टीवी पर यही सब मजा ले-लेकर देखते हैं तो उनके प्रति बच्चों में क्या राय बनेगी? बिग बॉस तो एक उदाहरण है, ऐसे और भी तमाम शो हैं जो अलग-अलग चैनलों पर प्रसारित होते हैं जिनमें कुछ के नाम पर कुछ और दिखाकर टीआरपी बटोरी जाती है, मगर उनका परिवारों और बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ता होगा इस पर कभी विचार नहीं किया जाता। क्राइम पेट्रोल, सावधान इंडिया जैसे शो की रूपरेखा अलग है, मगर कहा जाता है कि अपराध के प्रति जागरूकता फैलाने के नाम पर वे भी सामाजिक विकृति पैदा करने का ही काम कर रहे हैं।

इन कार्यक्रमों में रहस्य, रोमांच और सेक्स को मिलाकर एक ऐसा कॉकटेल तैयार करके घरों में पहुंचाया जा रहा जिससे अपराध के प्रति जागरूकता आए न आए, मगर लोगों को अपराध करने के दस तरीके जरूर आ जाएंगे। हालांकि इन कार्यक्रमों की सफलता इसका प्रमाण है कि ये लोगों को भा रहे हैं और लोग इसे देखना बंद करे देंगे, इसकी उम्मीद कम ही है। ऐसे में सरकार ही ऐसे कार्यक्रमों में दिखाई जा रही सामग्री का गंभीरतापूर्वक संज्ञान ले और इनके प्रसारण को लेकर कुछ नियम निर्धारित करे।

3,64,643 श्रद्धालुओं ने मां वैष्णो देवी के दर्शन किए इस बार शारदीय नवरात्र में। बीते छह वर्ष में नवरात्र में श्रद्धालुओं की यह सबसे अधिक संख्या है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 10 अक्टूबर 2019

5जी क्रांति के स्वागत को तैयार है दमदार स्वदेशी एंटीना

शशिभूषण, धनबाद

जागरण विशेष

- आइआइटी आइएसएम, धनबाद ने विकसित किया अत्याधुनिक 5जी एंटीना
- कई परीक्षणों के बाद ईजाद की तकनीक, हैकरों के भी उड़ेंगे होश
- एंटीना की फ्रीक्वेंसी बेहतर, बैट्री लाइफ पांच गुना अधिक, जबकि आकार और वजन 4जी एंटीना के बराबर

आइआइटी आइएसएम, धनबाद ने अत्याधुनिक 5जी एंटीना तैयार किया है, जो प्रोजेक्ट की पूर्णता के बाद फरवरी तक सरकार को सौंप दिया जाएगा। एंटीना की फ्रीक्वेंसी शानदार है और बैट्री लाइफ पांच गुना अधिक, जबकि आकार और वजन 4जी एंटीना के बराबर ही है।

मोबाइल और इंटरनेट की पांचवीं जेनरेशन यानी 5जी की शुरुआत का भारत को बेसब्री से इंतजार है। केंद्र सरकार के विज्ञान एवं अभियंत्रण अनुसंधान बोर्ड ने झारखंड के धनबाद स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) भारतीय खनि विद्यापीठ (आइएसएम) को 5जी नेटवर्क सेवा के लिए स्वदेशी एंटीना तैयार करने का प्रोजेक्ट सौंपा था। संस्थान के विशेषज्ञों के अनुसार, अत्याधुनिक एंटीना तैयार कर लिया गया है। इसके सिग्नल प्रोसेसिंग का काम पूरा हो गया है। फरवरी तक इसे सरकार को सौंप दिया जाएगा।

आइआइटी आइएसएम, धनबाद के इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग के वैज्ञानिकों की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद यह एंटीना बनाया है। इस प्रोजेक्ट का नाम डिजाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ मल्टी बैंड सर्कुलरली पोलराइज्ड कॉम्पैक्ट मेटा-मैटेरियल एंटीना फॉर मोबाइल एप्लीकेशन रखा गया है। आइएसएम के इंजीनियरों के मुताबिक, 5जी नेटवर्क का एंटीना विशेष प्रकार के तांबा और एफआर-4 एपॉक्सी मैटेरियल से बनाया गया है। एंटीना बनाने वाली टीम के सदस्य प्रो. राघवेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि इसे बनाने के लिए आइएसएम को 51.26 लाख रुपये का फंड केंद्र सरकार ने दिया। टीम में प्रो. रवि कुमार गंगवार और प्रो. हिमांशु भूषण मिश्रा समेत अन्य इंजीनियर शामिल हैं।

प्रो. राघवेंद्र चौधरी ने बताया कि अब तक अमूमन 2जी, 3जी, 4जी का मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध है। इनमें 1.6, 1.8, 2.1 और 2.4 गीगाहट्र्ज तक के बैंडविथ का उपयोग होता है। हमने 5जी के लिए 6 गीगाहट्र्ज के बैंडविथ का उपयोग किया है। एंटीना को हैक करना भी हैकर्स के लिए कतई आसान नहीं होगा। इसकी बैट्री लाइफ पांच गुना अधिक है। वहीं, आकार और वजन 4जी की तरह ही है।

4जी की तुलना में 5जी इंटरनेट सेवा 20 गुना तक ज्यादा स्पीड देने में सक्षम होगी। इससे डाटा डाउनलोड और अपलोड होने में काफी कम वक्त लगेगा। वहीं, कंटेंट, वीडियो और अन्य सेवाओं की बेहतर क्वालिटी के कारण लोगों के जीवन में क्रांतिकारी बदलाव आएंगे।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/jagran-special

पंजाबियों के पसीने से लहलहा रहा अमेरिका का कैलिफोर्निया

अखरोट और बादाम के बागानों के मालिक बन बढ़ा रहे भारत की शान, तीन पीढ़ियों से कर रहे मेवों का उत्पादन

विजय गुप्ता, सैक्रामेंटो वैली (कैलिफोर्निया)

कैलिफोर्निया स्थित सैक्रामेंटो वैली में पंजाबी मूल के बागवान सरब जौहल बेटी किरण के साथ अखरोट की तैयार फसल दिखाते हुए। जागरण

कैलिफोर्निया के टरलॉक में पंजाब के परविंदर समरा बेटे गुरताज और सरताज के साथ अपने बाग में। जागरण

बादाम और अखरोट के बागानों से लहलहाते कैलिफोर्निया की खुशहाली की दास्तां पंजाबियों के पसीने से लिखी जा रही है। जोखिम उठाने और मेहनत से कुछ भी हासिल करने का जज्बा ही है कि पंजाबी मूल के कई लोग यहां न सिर्फ कृषि कर अच्छी जिंदगी जी रहे हैं, बल्कि बड़े-बड़े बागानों के मालिक बन दूसरों को रोजगार भी दे रहे हैं। पश्चिमी अमेरिका के इस कैलिफोर्निया प्रांत की पहचान आइटी के अलावा यहां की कृषि से भी है। इसमें पंजाबियों का सबसे ज्यादा योगदान है। अमेरिकियों को भी उन पर मान है, क्योंकि कैलिफोर्निया ने आज बागवानी के क्षेत्र में दुनिया में इस मुल्क का झंडा बुलंद किया है।

पंजाब से गए, अब तीसरी पीढ़ी बागवानी में : अमेरिका के 90 फीसद अखरोट का उत्पादन करने वाली इस वैली में पंजाबी कई दशक से बागवानी कर रहे हैं। 1966 में जालंधर के जंडियाला गांव से सैक्रामेंटो वैली में आए सरब जौहल आज अपने 1200 एकड़ के अखरोट के बाग के साथ-साथ प्रोसेसिंग यूनिट भी चला रहे हैं। 1963 में उनके पिता यहां आए थे और आज तीसरी पीढ़ी बागवानी में है। उनकी बेटी किरण अपनी ही नहीं बल्कि सैक्रामेंटो वालनट ग्रोवर्स की मार्केटिंग का जिम्मा संभाले है, जबकि दामाद कैमरन ऑपरेशन का काम देखते हैं। सरब जौहल बताते हैं कि यहां करीब 20 फीसद अखरोट बागान के मालिक पंजाबी हैं, जबकि पीच यानी आड़ू के तो 75 फीसद बागान पंजाबियों के हैं और वे ही उन्हें चला रहे हैं। इसी तरह पंजाब के वडाला माही के समरा परिवार की भी तीसरी पीढ़ी टरलॉक में अखरोट के अलावा पिस्ता और बादाम की बागवानी कर रही है। 1975 में परविंदर समरा के पिता यहां आए थे। आज परविंदर के पास करीब 300 एकड़ के बाग हैं। उनके दोनों बेटे गुरताज और सुखराज समरा भी बागवानी में उनका हाथ बंटा रहे हैं। भविष्य में ये अपना प्रोसेसिंग पैकेजिंग यूनिट लगाने की योजना बना रहे हैं। सरब जौहल और परविंदर की तरह कई अन्य पंजाबी यहां सफलता की कहानी लिख रहे हैं।

पंजाबियों का अहम योगदान : पामेला ग्रेविएट

कैलिफोर्निया वालनट कमीशन की सीनियर मार्केटिंग डायरेक्टर पामेला ग्रेविएट कहती हैं, 'पंजाब के बागवान बहुत मेहनती हैं। यहां के प्रत्येक अखरोट उत्पादक को कमीशन से जुड़ना जरूरी है। कुल 4800 के आसपास बागवान कमीशन से जुड़े हैं। इनमें कितने पंजाबी हैं इसका सही आंकड़ा तो नहीं है, लेकिन इतना जरूर है कि उनका बहुत बड़ा योगदान है।'

दिल पंजाब में, पर रहना यहीं चाहते हैं : सरब जौहल और परविंदर कहते हैं कि उन्होंने यहां मेहनत से बहुत कुछ हासिल किया है। अब तो यहीं रहना है। अनेक रिश्तेदार भी यहीं हैं। अगली पीढ़ी तो अमेरिकी ही हो गई है। फिर भी पंजाब जाने का बहुत मन करता है। परविंदर अपनी मां से मिलने वडाला जाते रहते हैं। सरब जौहल का कहना है कि कई पंजाबियों की तरह उनकी भी गुरु नानक जी के 550वें प्रकाश पर्व पर भारत आने की इच्छा है और वह जरूर आएंगे। पंजाबी बागवानों की यह धारणा बन चुकी है कि पंजाब की अपेक्षा वे यहां कम मेहनत करके ज्यादा पैसे कमा सकते हैं और अच्छी जिंदगी जी सकते हैं। वह कहते हैं, 'यहां काम और व्यापार करने के हालात उन्हें भारत से कहीं अच्छे लगते हैं।'

प्लास्टिक के विकल्प बता रहा स्टार्टअप यूनीको

तलाशी राह ▸ एक साल में 40 से अधिक ऐसे उत्पाद तैयार किए जो ले सकते हैं सिंगल यूज प्लास्टिक की जगह

भुट्टे के छिलके, बुरादा, थर्माकोल को री-साइकिल कर बनाते हैं ईकोफ्रेंडली उत्पाद

मनु त्यागी, नई दिल्ली

स्टार्टअप यूनीको के संस्थापक अंकित (बाएं) और अतुल त्रिपाठी। जागरण

प्लास्टिक से पीछा छुड़ाने की मुहिम तेजी से रंग ला रही है। रोजमर्रा के इस्तेमाल में काम आ सकने वाले वैकल्पिक उत्पाद बना रहे स्टार्टअप यूनीको की सफलता इसका प्रमाण है। 50 हजार की लागत से शुरू हुआ यह स्टार्टअप महज एक साल में 35 लाख रुपये के टर्नओवर तक पहुंच गया है। वर्तमान में प्लास्टिक वैश्विक स्तर पर एक बड़ी समस्या बना हुआ है, जिससे बचने के लिए दुनियाभर के कई देश कदम उठा रहे हैं। ऐसे में यह स्टार्टअप भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

पर्यावरण संरक्षण

उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर में इस स्टार्टअप को स्थापित करने वाले युवा उद्यमी अंकित और अतुल त्रिपाठी कहते हैं कि जागरूकता की लौ हमारे उद्धार के लिए ही जलाई जा रही है, लेकिन हम पहल नहीं करते। यदि बेहतर कल की परिकल्पना करनी है और धरती पर जीवन की चिंता करनी है तो प्लास्टिक से पीछा छुड़ाना ही होगा। हाथ में पन्नी नहीं, थैला थामना होगा। 21 वर्षीय अंकित कहते हैं, नियमित प्रयोग में इस्तेमाल होनी वाली वन टाइम प्लास्टिक को बाय-बाय कहना ही होगा। ऐसा नहीं है कि हमारे पास विकल्प उपलब्ध नहीं हैं, बस प्रयास करने की आवश्यकता है। इस स्टार्टअप के जरिये बीते एक साल में 40 से अधिक ऐसे उत्पादन तैयार किए जा चुके हैं, जो सिंगल यूज प्लास्टिक के स्थान पर प्रयोग किए जा सकते हैं।

अंकित कहते हैं, 'मैंने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई करते समय ही तय कर लिया था कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ही काम करना है। घर में हालांकि सभी को लग रहा था कि ये किस दिशा मे जा रहा है, लेकिन आज एक साल बाद जब मेरे छोटे-छोटे प्रयास उनके सामने हैं तो अब सब खुश हैं।' प्लास्टिक के इस्तेमाल को रोकने के लिए दी गई वैकल्पिक सुवधाओं के बारे में अंकित बताते हैं, 'मैं भुट्टे के छिलके, लकड़ी का बुरादा, थर्माकोल आदि चीजें जगह-जगह से इकट्ठा कर इनके इस्तेमाल से रोजमर्रा के काम आ सकने वाले गैर प्लास्टिक उत्पाद तैयार कराता हूं। सिर्फ दिल्ली-एनसीआर की बात करूं तो हम हर उस जगह पहुंच रहे हैं, जहां हमारी जरूरत है। यहां एक दिन में सैकड़ों कांफ्रेंस होती हैं, जहां अमूमन सभी जगह डायरी-पेन और फोल्डर जैसी चीजें दी जाती हैं। ये सभी चीजें प्लास्टिक की बनी होती हैं, लेकिन हमने अखबार के कागज से पेन बनाया और उसमें भी पौधे के बीज रखकर दिए। इसी तरह प्लास्टिक फ्री फोल्डर और डायरी भी हम मुहैया करा रहे हैं।'

आप भी जुड़ें

अपने आस-पास के ऐसे ही किसी अभिनव, प्रेरक व सार्थक प्रयास की जानकारी आप भी हमें दे सकते हैं, जो व्यक्ति, देश व समाज को नवप्रेरणा से भर सकती हो। संक्षिप्त विवरण response.story@jagran.com पर भेजें।

नामी संस्थानों में हो रहा प्रयोग

स्टार्टअप यूनीको द्वारा तैयार किए गए उत्पादों का देश के नामी संस्थानों में प्रयोग हो रहा है। अंकित बताते हैं, 'अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) जैसी जगहों पर भी हमारे इन उत्पादों की उपलब्धता है। इसके अलावा विजिटिंग कार्ड, आइकार्ड जैसे अनेक उत्पाद हम तैयार कर रहे हैं। हम अब तक ऐसे 40 से अधिक उत्पाद तैयार कर चुके हैं, जो लोगों को पसंद भी आ रहे हैं। ये उत्पाद बाजार में और ऑनलाइन भी उपलब्ध हैं। हमारे ये उत्पाद बाजार में बिकने वाले हानिकारक उत्पादों की तुलना में बहुत महंगे भी नहीं है।' खास बात यह कि यूनीको ने अपने वर्कशॉप में वंचित परिवारों की महिलाओं को रोजगार भी मुहैया कराया है। आज दिल्ली विश्वविद्यालय सहित कई बड़े संस्थानों के छात्र यूनीको में इंटर्नशिप कर रहे हैं। अंकित कहते हैं, 'मुझे ज्यादा खुशी इस बात की है कि मैं पर्यावरण का छोटा सा प्रहरी बनने के लिए कुछ तो कर पा रहा हूं।'

सरोकार की अन्य खबरें पढ़ें
www.jagran.com/topics/positive-news

छत्तीसगढ़ के इस कैफे में प्लास्टिक लाइए और भरपेट भोजन करके जाइए

नईदुनिया, अंबिकापुर

छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में बुधवार को गार्बेज कैफे का शुभारंभ राज्य के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव ने फीता काटकर किया। अंतरराज्यीय बस स्टैंड में आरंभ कैफे बड़े शहरों में संचालित होने वाले कैफे से एकदम अलग और अनूठा है। यहां आधा किलो प्लास्टिक लाने पर नाश्ता और एक किलो प्लास्टिक लाने पर भरपेट भोजन मिलेगा।

कैफे केवल कचरा लाने वाले लोगों के लिए नहीं, बल्कि शहर के हर वर्ग के लिए है। यहां लजीज व्यंजनों का आनंद लिया जा सकता है। स्वच्छता के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले अंबिकापुर में संभवतः यह अपने जैसा देश का पहला कैफे है। इसके जरिये बड़े शहरों और महानगरों को संदेश देने का प्रयास किया है कि स्वच्छता के क्षेत्र में जनमानस को जोड़कर बेहतर काम किया जा सकता है।

मेयर की सोच धरातल पर उतरी : पेशे से चिकित्सक व शहर के मेयर डॉ. अजय तिर्की की अनूठी सोच व कल्पना से खुले कैफे का नामकरण 'मोर द वेस्ट, बेटर द टेस्ट' रखा गया है। उनका मानना है कि कैफे के संचालन से स्वच्छता अभियान में लोगों की सहभागिता बढ़ेगी। कैफे आरंभ के पहले ही भारत सरकार के अलावा साफ-सफाई के लिए चर्चित विश्व के अनेक देशों ने ट्वीट कर तारीफ की।

सकारात्मक सोच का परिणाम : मंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा कि स्वच्छता के क्षेत्र में अंबिकापुर ने बेहतर मुकाम हासिल किया है। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण की व्यवस्था लागू कर लोगों की सोच में बदलाव आया है। देश का पहला गार्बेज कैफे भी शहर से शुरू हुआ है। इससे शहर को न सिर्फ अलग पहचान मिलेगी, बल्कि यहां आने वाले हर व्यक्ति को स्वच्छता की सीख मिलेगी।

> गार्बेज कैफे संचालन के पीछे उद्देश्य यह है कि लोगों तक स्वच्छता का संदेश जाए। कैफे में स्वच्छता से संबंधित स्लोगन लिखे गए हैं। व्यंजनों का आनंद लेते हुए इन स्लोगनों को पढ़कर लोग स्वच्छता को लेकर ज्यादा जागरूक होंगे।
> – डॉ. अजय तिर्की, मेयर, अंबिकापुर

दिल्ली हाट में मिलेंगे 250 उत्तराखंडी उत्पाद

राज्य ब्यूरो, देहरादून : दिल्ली में उत्तराखंडी उत्पाद न सिर्फ महक बिखेरेंगे, बल्कि यहां से देश-दुनिया में भी फैलेंगे। उत्तराखंड में चल रही जायका परियोजना के तहत आजीविका से जुड़े 1200 स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों की बिक्री दिल्ली हाट में करने का निर्णय लिया गया है। इस कड़ी में दिल्ली हाट में आउटलेट खोलने के लिए राज्य ने दिल्ली सरकार से आवेदन किया है। उम्मीद जताई जा रही कि जल्द ही अनुमति मिल जाएगी और फिर इस आउटलेट में राज्य के करीब 250 उत्पादों की बिक्री प्रारंभ कर दी जाएगी। जाहिर है कि इससे स्वयं सहायता समूहों को अपने उत्पादों के और बेहतर दाम मिलेंगे। उत्तराखंड के जैविक कृषि उत्पादों की दिल्ली समेत अन्य राज्यों में अच्छी खासी मांग है, लेकिन मार्केटिंग के अभाव में ये लोगों तक नहीं पहुंच पा रहे। इसे देखते हुए राज्य में उत्पादित मंडुवा, झंगोरा, राजमा, उड़द, गहथ, कुलथ, चौलाई, भट्ट, सोयाबीन जैसे पौष्टिकता से लबरेज अनाजों के अलावा इनसे बने उत्पाद, हस्तशिल्प के उत्पादों की बिक्री अब दिल्ली हाट में करने पर जोर दिया जा रहा है। इस कड़ी में जापान की जापान इंटरनेशनल को-ऑपरेशन एजेंसी (जायका) के सहयोग से चल रही जायका परियोजना के तहत दिल्ली हाट में आउटलेट खोलने के लिए कसरत शुरू की गई है।

शिक्षा से वंचित हैं अधिकांश भारतीय माताएं

नवीनतम व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण (सीएनएनएस) के मुताबिक, अधिकांश भारतीय माताएं शिक्षा की पहुंच से बहुत दूर हैं। सर्वेक्षण में पाया गया कि बिना शिक्षा वाली माताओं का फीसद तीन आयु समूहों में अधिक था। 0-4, 5-9 और 10-19 वर्ष की आयु के बच्चों की माताओं का फीसद क्रमशः 31, 42 और 53 फीसद रहा।

12वीं या उससे अधिक की पढ़ाई

सर्वेक्षण के अनुसार, केवल प्री-स्कूल में पढ़ने वाले 20 फीसद बच्चों की माताओं ने, प्राथमिक स्कूल में पढ़ने वाले 12 फीसद बच्चों की माताओं ने और 7 फीसद किशोरों की माताओं ने 12वीं तक या उससे अधिक पढ़ाई की है।

राज्यवार स्थिति

करेल में 0-4 वर्ष की आयु के 60 फीसद बच्चों की माताओं ने 12वीं तक या उससे अधिक पढ़ाई की है। वहीं तमिलनाडु में यह आंकड़ा 51 फीसद रहा। जबकि 16 राज्यों में प्री स्कूल में पढ़ने वाले 20 फीसद से कम बच्चों की माताओं ने 12वीं से अधिक पढ़ाई की है।

ऐसे हुआ सर्वे

ग्रमीण और शहरी क्षेत्र में किए गए सीएनएनएस में तीन जनसंख्या समूह शामिल थे – प्री स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे (0-4 वर्ष आयु), प्राथमिक स्कूल के बच्चे (5-9 वर्ष आयु) और किशोर (10-19 वर्ष आयु)। सैंपल के रूप में 0-4 वर्ष आयु के 38,060 बच्चों, 5-9 वर्ष आयु के 38,355 बच्चों और 10-19 वर्ष आयु के 35,830 किशोरों को शामिल किया गया। सर्वेक्षण में सैंपलों की जनसांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक विशेषताओं का वर्णन किया गया है, जिसमें उम्र, लिंग, निवास स्थान, माता की स्कूली शिक्षा, जाति, धर्म, घरेलू धन की स्थिति शामिल हैं। यह जानकारी देश के विविध भौगोलिक क्षेत्रों और आबादी में बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य और पोषण को प्रभावित करने वाले कारकों को समझने के लिए उपयोगी है।

बच्चों की स्थिति

सर्वेक्षण के मुताबिक, 5-9 वर्ष की आयु के बच्चों में से 91 फीसद, 10-14 वर्ष की आयु के किशोरों में से 52 फीसद और 15-19 वर्ष की आयु के किशोरों में से 48 फीसद स्कूल जा रहे हैं।

नेशनल हैंडबैग डे आज

दो साल में योगी सहजानंद ने 1.20 लाख मीटर कपड़े से चार लाख थैले बनवाकर नि:शुल्क वितरित करवाए, महिलाएं थैले बनाकर बन रहीं समृद्ध और स्वावलंबी

स्वावलंबन की डोर के साथ चला रहे पर्यावरण बचाने की मुहिम

पवन सिरोवा, हिसार

हरियाणा के हिसार में मय्यड़ गांव स्थित बने केंद्र में थैलों की सिलाई करती महिलाएं।

जागरण

योगी सहजानंद फाइल

सामाजिक सरोकार की शानदार नजीर और महिला सशक्तीकरण के साथ पर्यावरण संरक्षण की पहल। यह हो रहा है हरियाणा के हिसार जिले के गांव मय्यड़ के सिद्ध महामृत्युंजय संस्थान में। संस्थान से जुड़कर 1200 से अधिक महिलाएं कपड़े के थैले बनाकर आजीविका कमा रही हैं, साथ ही पॉलीथिन मुक्त राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका अदा कर पर्यावरण संरक्षण में मिसाल भी कायम कर रही हैं। पिछले करीब 20 साल से संस्थान इस कार्य में जुटा है, जबकि बीते दो वर्षों में इसे एक मुहिम की तरह तेज किया है। योगी सहजानंद की देखरेख में चल रही इस मुहिम में महिलाओं ने बीते दो साल में 1.20 लाख मीटर कपड़े के चार लाख थैले बनवाकर पूरे देश में नि:शुल्क वितरित किए हैं, ताकि देश में पॉलीथिन के कैरी बैग का प्रचलन खत्म हो और कपड़े का थैला हमारी शान बन सके।

पहले महिलाओं को दिया प्रशिक्षण : घर की दहलीज में अपनी आर्थिक स्थिति को कोसने वाली महिलाओं को योगी सहजानंद नाथ ने सिद्ध महामृत्युंजय अंतरराष्ट्रीय योग एवं ज्योतिष अनुसंधान केंद्र के रूप में ऐसा मंच प्रदान किया, जिसने महिलाओं को आमदनी का जरिया दे दिया। शुरुआत में संस्थान के आसपास की महिलाओं को इससे जोड़ा गया और उन्हें थैला सिलना सिखाया। जब उन्हें काम आ गया तो संस्थान ने उन्हें थैले सिलने का कार्य सौंपा। एक महिला एक दिन में 30 से 40 थैले सिलने लगी, जिससे आर्थिक लाभ होने लगा। संस्थान ने गरीब, दिव्यांग और विधवा महिलाओं को भी जोड़ा और उन्हें रोजगार देकर स्वावलंबी बनाया, जिससे इन्हें आज अपने आप पर गर्व है।

महिलाएं बोलीं-फटी जींस फैशन बन सकता है तो कपड़े का थैला क्यों नहीं : यहां काम कर रहीं रीना, सरोज, ऊषा, संतोष, राजरानी, तनीषा, गीता, कविता, सुमन और प्रीति सूरी ने कहा कि देश में फटी जींस फैशन बन सकता है तो हमारे प्रयास से कपड़े का थैला क्यों नहीं प्रचलन में आ सकता। योगी सहजानंद कहते हैं, 'मेरा सपना है कि इस संस्थान के माध्यम से देश को पॉलीथिन मुक्त करने के लिए बड़ा अभियान चलाया जाए। उसी कड़ी में हम काम कर रहे हैं। वर्तमान में यह थैला देश के कई राज्यों के मुख्यमंत्री, मंत्री, नेता और गवर्नर की भी शान बन चुका है।

मेरा थैला मेरी शान अभियान की ऐसे हुई शुरुआत

हिसार बस स्टैंड से करीब 15 किलोमीटर दूर गांव मय्यड़ में योगी सहजानंद नाथ ने वर्ष 2000 में सिद्ध महामृत्युंजय अंतरराष्ट्रीय योग एवं ज्योतिष अनुसंधान केंद्र स्थापित किया। उन्होंने डब्ल्यूएचओ की पॉलीथिन के दुष्प्रभाव व बढ़ते कैंसर की एक रिपोर्ट पढ़कर जीवन में पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रयास करने का बीड़ा उठाया। इसके तहत उन्होंने दो साल पहले इसी केंद्र से पर्यावरण बचाव में मिशन ग्रीन प्रोजेक्ट की शुरुआत की।

भीलवाड़ा की 375 फैक्ट्रियों के कपड़े से बना रहे थैला : भीलवाड़ा की 375 फैक्ट्रियों का कपड़ा, जिससे इंटरनेशनल ब्रांड के कोट-पेंट तैयार होते हैं, उससे ये थैले तैयार किए जा रही हैं।

नि:शुल्क वितरण के लिए ऐसे जुटाते हैं राशि : एक सवाल लाजिमी है कि नि:शुल्क थैलों के लिए धन कहां से आता है। दरअसल, इन थैलों पर जो कंपनी या पार्टी अपना विज्ञापन करवाना चाहती है, उसका नाम उस पर छाप दिया जाता है और उन्हीं से थैले की राशि निकल आती है। प्रिंटिंग खर्च बचे इसके लिए ग्रामीणों को ही प्रिंटिंग सिखाई गई इससे उन्हें आजीविका भी मिल रही है।

दैनिक जागरण
सबरंग
साहित्य के...
नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, 10 अक्टूबर, 2019
सुझाव व प्रतिक्रिया के लिए लिखें : sabrang@nda.jagran.com
https://www.facebook.com/jagransabrang/

हवा बदल रही है

कह कर रहूंगा

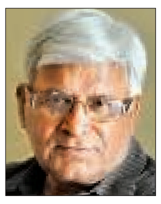

प्रेम जनमेजय
वरिष्ठ व्यंग्यकार

इस समय दिल्ली में हवा सामान्य है, इसलिए प्रदूषण भी सामान्य है। आमजन दूर की नहीं सोच पाता इसलिए सामान्य हालात में सामान्य ही रहता है, पर सम्मानीय जन ऐसे नहीं होते हैं। वे महलों में रहते हैं और दूर की सोचते हैं। वे दूर की कौड़ियों के संग चौसर भी खेलते हैं।

चौसर की बिसात बिछने वाली है। प्रदूषण में चुनाव और चुनाव में प्रदूषण का खेल चालू होने वाला है। आमजन दांवपर लगने वाला है। प्रजातंत्र का चीर हरण होने वाला है।

डुगडुगी पिट रही है।

सावधान! सावधान! दिल्ली की हवा बदलने वाली है। हवा की दशा पूर्व की बजाय पश्चिमी हो गई है इसलिए पूर्वीजन सावधान रहें। प्रदूषण नियंत्रण प्राधिकरण ने समीक्षा बैठक की सूचना दे दी है। सूचना मिलते ही प्रदूषण ने आने की तैयारी कर ली है। जैसी पिछले वर्ष बैठकें हुई थीं इस वर्ष भी होंगी। पहले से अधिक कड़े फैसले लिए जाएंगे। अपने हित के लिए एयर इंडेक्स को घटाने-बढ़ाने वाले सटोरिये मैंदान में आएंगे। सभी एजेंसियां अपने -अपने हथियार लेकर प्रदूषण से लड़ने मैदान में आएंगी। लकड़ी के तीर-तलवार से सिपाही लैस होने लगे हैं। आभासित युद्ध लड़ा जाने वाला है। स्कूलों में छुट्टियां घोषित होने वाली हैं और कर्मचारियों की रद्द होने वाली है।

सावधान! सावधान! चुनाव आयोग जल्द चुनाव की घोषणा करने वाला है। हवा बदलने वाली है। आरोप-प्रत्यारोप का प्रदूषण बढ़ने वाला है। साफ हवा के लिए घोषणाओं के मास्क बंटने लगे हैं। सभी राजनैतिक दल अपने-अपने हथियार लेकर विधानसभा चुनाव के मैदान में उतरने वाले हैं। वे तीन थे और फिलहाल खाली हाथ बैठे थे। चुनाव के बाद किसके हाथ भरेंगे कि पहेली को सुलझाने के लिए, खाली हाथ बैठे थे। एक बड़ा प्रजातांत्रिक सवाल हवा में उछलाने के लिए, खाली हाथ बैठे थे। प्रदूषण को तबीयत से उछालने की तैयारी में वे खाली हाथ बैठे थे।

पहला पूर्व दिशा की ओर मुंहकर राग पूर्वी गा रहा था। उसके चेहरे पर मुख्यमंत्री पद की मंदी छाई थी। मैंने पूछा-पार्टी ने, कौन बनेगा मुख्यमंत्री की पहेली अब तक हल नहीं की?' वे बोले-होई है वही जो राम रचि राखा।'

-अयोध्या वाले राम या आपकी पार्टी वाले?

- जाकि रही भावना जैसी...

- सुना है कि अनेक की भावना मुख्यमंत्री बनने की है। पार्टी में मुख्यमंत्री पद का द्वंद्व चल रहा है, द्वंद्व-युद्ध के भी समाचार हैं।

-कोई द्वंद्व नहीं है। हम अनुशासित दल हैं। हाईकमांड जल्द फैसला करेगा।

- पर आप वाले तो बाजी मार गए। मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित कर दिया? आप पिछड़ गए'।

- हम पिछड़े नहीं हैं, उनका हाईकमांड अगड़ा है। खुद को खुद के लिए घोषित किया है। जिससे उसका द्वंद्व था, उन्हें पार्टी से निकाल दिया।' वे तीसरे, सो रहे थे। चुनाव से पहले वही गहरी नींद सोता है जिसे या तो अपनी जीत का पूरा भरोसा हो अथवा हार का। मैंने उनींदी कुंभकर्णी पार्टी से पूछा- आपका क्या कहना है?'

वे हड़बडाए और बोले- किस विषय में?'

-यही मुख्यमंत्री का चेहरा.. आपका हाई कमांड कब घोषणा करेगा?' - हमें तो यही पता ही नहीं कि हमारा हाई कमांड है कौन?' - इसलिए आजकल शांत बैठे हैं?'- जो पार्टी और नेता शांत बैठ जाए वो मुर्दा हो जाता है। हमारे यहां घमासान जारी है। आप हाईकमांड और हाई कमांड की धार देखिए और हमें पार्टी को अपने हाथ दिखाने जाने दीजिये।'

वे पार्टी को 'हाथ' दिखाने गए और मैं 'आपके' हथकंडे देखने चल दिया। मैंने कहा, 'आपकी तैयारी तो जोरों- शोरों से चल रही है।''

- हमारे मुख्यमंत्री जोर और शोर दोनों में माहिर हैं।'

-'आप' दूसरों के फटे में भी टांग घुसेड़ने में भी माहिर हैं। कोई दल अपने मुख्यमंत्री का चेहरा बताए या न बताए, उसका अंदरूनी मामला है... मुझे 'आपका' यह चुनावी मुद्दा समझ नही आया।'- आपको हमारा कोई और मुद्दा समझ आया? क्या आपको समझ आया कि पिछले चुनाव में खांसियाने वाले हमारे मुख्यमंत्री की खांसी क्यों रुक गई? क्या आपको समझ आया कि हमारे मुख्यमंत्री ने मफलर पहनना क्यों बंद कर दिया? क्या आपको समझ आया कि बिजली के खंभों पर चढ़ने वालों के पास खैरात बांटने का पैसा कहां से आया?'

- नहीं समझ आया, महागुरु!'' - हम सकारात्मक राजनीति करने लगे हैं। सत्ताधारी सकारात्मक राजनीति ही करता है। वह यह है...वो है.. यह लो...वो लो आदि के मंत्र का जाप करता है। विरोधीदल ये नहीं है... वो नहीं है का रोना रोता है। हम रोने वालों में नहीं रुलाने वालों में हैं...'

- वो कैसे?' - चुनाव में जीतने दो, सब 'कैसे' का पता चला जायेगा।' जानता हूं कि आजकल सवाल पूछने वालों की ऐसी-तैसी ही होती है, अतः...।

मोहब्बत जब कलम से हो जाती है तो जज्बात उम्र का पड़ाव नहीं देखते न ही हालात देखते हैं। तभी से रा यात्री आज भी 87 बरस की उम्र में लेखन के 'शेरा' ही हैं। हाल ही में इनकी दो किताबें भी आई हैं। लिखने में थोड़ी दिक्कत होती है, पर उनके बेटे आलोक यात्री उनकी मदद करते हैं। दिल्ली के साहित्यकारों के साथ साठ साल का लंबा समय बिताया। गाजियाबाद की धरा पर कैसा समृद्ध रहा साहित्य और गोष्ठियों में कैसे मेलभाव होता था...इन्हीं सब पर साहित्यकार से रा यात्री से मनोज त्यागी ने विस्तार से बातचीत की। प्रस्तुत हैं प्रमुख अंश :

अब कहां प्रेम चंद और निराला पैदा होंगे

बातचीत

● आपने गाजियाबाद शहर को किस तरह जिया, बचपन की यादें..?

साठ वर्ष पहले गाजियाबाद एक छोटा सा तहसीली कस्बा हुआ करता था। जिसमें पचास हजार लोग रहते थे। धीरे-धीरे गुरुग्राम और फरीदाबाद की तरह गाजियाबाद औद्योगिक विकास के पथ पर चलना शुरू हो गया और महानगर बन गया। गाजियाबाद का विकास तो हुआ पर विदेशी ताकतों का पंजा कसना शुरू हो गया। अनेक तरह के धंधेबाज जिसमें राजनीति से लेकर हर तरह के दलालों का केंद्र भी गाजियाबाद बन गया। पता ही नहीं चला कब सुरसा की तरह फैल गया। 50 हजार की जगह 30 से 40 लाख की आबादी हो गई। अब आगे भी कहां तक फैलाव होगा कोई ठिकाना ही नहीं है।

● इस शहर की धरा साहित्यिक दृष्टि से कितनी धनी रही?

मेरठ जिले का हिस्सा रहने तक गाजियाबाद साहित्य की दृष्टि से बेहद समृद्ध था। भारत भूषण, बशीर बदर, हरिओम पंवार, रघुवीर शरण मित्र जैसे नामचीन रचनाकार मेरठ में रहे। जिनसे स्थानीय साहित्यकार सीधे जुड़े रहते थे। गाजियाबाद जिला बनने तक आसपास के कस्बों और शहरों के साहित्यकार आपसी संपर्क के स्तर पर निरंतर सक्रिय रहे। हापुड़ के अशोक अग्रवाल, सुदर्शन नारंग, नफीस आफरीदी, इंदु कौशिक, धर्मपाल अकेला, अवधेश श्रीवास्तव, रामानंद दोशी, क्षेमचंद सुमन ने साहित्य जगत में लंबे समय तक हापुड़ का प्रतिनिधित्व किया। पिलखुवा के भक्त रामशरण दास, रामनाथ सुमन, शिवकुमार गोयल और शिव कुमार मिश्रा के योगदान को कौन भूल सकता है।

● ...और आज के परिवेश में क्या कहेंगे?

मैं कुछ नाम और लेना चाहूंगा जिन्होंने इस शहर में साहित्य को न सिर्फ समृद्ध बनाए रखा बल्कि आपसी भाईचारे को भी कायम रखा। सीमित संसाधनों के बावजूद महानगर में लोक परिषद, इंगित, अदबी संगम, संकेत, चौधरी गीता मंच जैसी संस्थाएं गोष्ठी, सम्मेलनों के बूते साहित्यिक माहौल बरकरार रखती थीं। इनके कार्यक्रमों में देश भर के दिग्गज साहित्यकार सहज रूप से आते थे। इंडियन पिपुल्स थिएटर एसोसिएशन (इप्टा) और पीडब्ल्यूए राइटर्स एसोसिएशन (पिपुल्स) ने भी साहित्यिक दृष्टि से महानगर को लंबे समय तक समृद्ध बनाए रखा। उस दौर में नई पीढ़ी के आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं रहती थीं। आज इस शहर का वृहद विस्तार हो गया है। पचास हजार की आबादी 30 लाख के आसपास पहुंच गई है। शहर में इंदिरापुरम, वसुंधरा, राजेंद्र नगर, वैशाली, राजनगर एक्सटेंशन जैसे कई गाजियाबाद समा गए हैं। साहित्यकारों की संख्या की दृष्टि से यह शहर आज, कल से भी अधिक समृद्ध हो गया है। कई नामचीन साहित्यकार इस शहर में रहते हैं। लेकिन हमारे और उनके बीच कोई संपर्क नहीं है। अमर भारती साहित्य संस्कृति संस्थान और मीडिया 360 लिट्रेरी फाउंडेशन पिछले करीब ढाई साल से अपने मासिक आयोजनों के जरिए महानगर और आसपास के साहित्यकारों को साझा मंच प्रदान कर रहे हैं। जो एक अच्छा संकेत है।

ये मिले हैं सम्मान

- उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ द्वारा कथा संग्रह, धरातल (1979), सिलसिला (1980) अकर्मक क्रिया (1983) अभयदान (1997), लौटना एक वाकिफ उम्र का (संस्मरण, 1998, नामित पुरस्कार), पुरस्कृत। इसके अतिरिक्त साहित्य भूषण (2006) तथा महात्मा गांधी साहित्य सम्मान (2011)
- महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विवि वर्धा में आवासीय लेखक रह चुके हैं।

● इस शहर की विकास यात्रा में बहुत सारे उतार चढ़ाव परिवर्तन देखे उसके बारे में विस्तार से बताइये..?

शहर हर तरह की चीजों का हब बन गया। राजनीति हो, साहित्य हो या फिर उद्योग सभी बिक्री के लिए बाजार की तलाश में लगे रहते हैं। जब शहर छोटा था उस समय कठपुतली, भालू, बंदरों को नचाने वाले, सपेरे, नट यही मनोरंजन का साधन होते थे। धीरे-धीरे यह सब समाप्त होता गया। बाद में मनोरंजन बाजार के माध्यम से आगे बढ़ा। सिनेमा, टीवी अन्य माध्यम तेजी से बढ़े और लोककला समाप्त होती गई। अपने हाथ में मोबाइल दिखाते हुए कहते हैं आज मेरे सात साल के पोते के हाथ में भी मोबाइल है। वह बताते हैं कि आज मुझे किसी साहित्यकार के बारे में कुछ जानकारी चाहिए होती है, तो मेरी पोती थोड़ी ही देर में मोबाइल से देखकर सब बता देती है। आज इस सुविधा को मध्यमवर्ग भी अफोर्ड कर रहा है। बाजार नई-नई तकनीक लाता है और छा जाता हैअपना पुराना मोबाइल दिखाते हुए से रा यात्री कहते हैं कि आज भी मेरे पास 10 साल पुराना मोबाइल है। आज लोगों को जरूरत नहीं, इच्छाएं ज्यादा हैं। इसीलिए लोकरंजन खत्म हो रहा है। बाजार और दलाल हावी हैं। आज साहित्यकार के अंदर सादगी नहीं है। सभी बाजार ढूंढने में लगे हैं। एक समय था कि रविंद्र नाथ टैगोर ही विदेश गए थे। यहां तक कि मुंशी प्रेमचंद भी विदेश नहीं जा पाए थे। आज तमाम साहित्यकार विदेश में जाकर गोष्ठी करते हैं। गाजियाबाद भले ही महानगर हो लेकिन दिल्ली नहीं है। आज के साहित्यकार गाजियाबाद की बस्ती में रहते हैं, लेकिन यह नहीं बताते कि वह गाजियाबाद में रहते हैं। डरते हैं कि कहीं उनकी पहचान लुप्त ना हो जाए। वह अपने को दिल्ली का बताकर बाजार में स्थापित होना चाहते हैं। हृदेश शाहजहांपुर ही लिखते थे, लेकिन आज बात कुछ ओर है।

● यहां कुछ साहित्यिक अड्डे रहे हों, जहां साहित्य का सृजन हुआ हो?

जहां तक साहित्यकारों के अड्डे की बात है तो उसमें चौधरी गोष्ठी कक्ष, जयप्रकाश गर्ग, कुमार नाथ सरस, विभूति नारायण राय, अतुल गर्ग जैसे अड्डे चर्चित रहे हैं। विभूति नारायण ने वर्तमान साहित्य, राष्ट्रीय स्तर की पत्रिका को खड़ा किया। इसी तरह अतुल गर्ग ने भी रे माधव, नाम से पत्रिका निकाली। अतुल गर्ग को व्यवसायिक ज्ञान न होने के कारण उसे बंद करना पड़ा। गाजियाबाद में हिंदी भवन बनाया गया, पर व्यवसायिक दलालों के कब्जे में हो जाने से साहित्य को आगे ना बढ़ाकर अपने को आगे बढ़ाया।

● आपके समकालीन साहित्यकार मित्र, उनसे जुड़ी कुछ रोचक यादें?

वैसे तो हिंदी के सभी बड़े साहित्यकारों से जुड़ाव रहा। इसी को लेकर मेरे 15 संस्मरण भी प्रकाशित हए हैं। इसमें उपेंद्र नाथ अश्क, यशपाल, अमृतलाल नागर, भगवती चरण वर्मा, विष्णु प्रभाकर, नागार्जुन, भीष्म साहनी, धर्मवीर भारती, राजेंद्र यादव, कमलेश्वर के नाम उसमें शामिल हैं। जब मैं पहली बार उपेंद्र नाथ अश्क से मिला। साहित्य को लेकर बातें हो रहीं थी। मैने बताया कि मै कहानी लिखता हूं। उन्होंने मेरा नाम पूछा। मैने बताया कि मै सेवा राम यात्री हूं। इतना बड़ा नाम। किसने रखा उसका नाम क्या है। मैंने बताया कि पंडित झंडू ने मेरा नाम रखा था। इस पर उन्होंने कहा था कि तो कभी कवि न बन पाओगे और न ही लेखक। तुम सिर्फ आलोचक बन सकते हो। अपने नाम को छोटा करो। बैंक में मै अपने हस्ताक्षर एसआर यात्री के नाम से करता था। मैने इसे हिंदी में लिखा, तो सेरा यात्री लिख दिया। बाद में जितनी कहानी प्रकाशित हुईं वह सब से रा यात्री के नाम से ही छपीं। मेरा पहला कहानी संग्रह अश्क जी ने ही दस वर्ष बाद छापा। मैने अश्क जी के ऊपर एक किताब उनके जन्म शताब्दी जीवन और सर्जन लिखी। जिसे सूचना विभाग ने छापा।

● आप कविनगर में रहते हैं,? इस नगर के आगे कवि लगाने का क्या मतलब है?

गाजियाबाद में कवि नगर बसाने का उद्देश्य ही साहित्यकारों को सम्मान देना था। कविनगर का जब गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने मैप बनाया था, तो उसमें मीर, तुलसी, कबीर, सूर, टैगोर के नाम से मार्गों के नाम दिए थे। बाद में जब कविनगर बसा, तो इन साहित्यकारों के नाम कहीं नहीं दिखाई दिए। केवल कबीर पार्क बनाया गया वह भी काफी प्रयास के बाद। तत्कालीन डीएम संतोष यादव ने गाजियाबाद महोत्सव की शुरुआत की। जब तक वह रहे हर वर्ष गाजियाबाद महोत्सव का आयोजन होता। उनके जाते ही गाजियाबाद महोत्सव का आयोजन समाप्त हो गया। वह जब दोबारा जीडीए के उपाध्यक्ष बनकर आए तो दोबारा से गाजियाबाद महोत्सव मनाया जाने लगा। गाजियाबाद में साहित्य से जुड़ी करीब 50 संस्थाएं हैं, पर कोई भी साहित्यिक संवर्धन का काम नहीं कर रही है। अमर भारती साहित्यिक संस्कृति संस्थान ने प्रतिवर्ष 5 साहित्यकार विभूतियों का सम्मान शुरू किया। आज भी यह सम्मान दिया जाता है। जो अच्छा प्रयास है।

● दिल्ली की साहित्यिक गोष्ठियों में भी जाते रहे, वहां के माहौल से कैसी ऊर्जा मिलती थी?

अधिकांश गोष्ठियां दिल्ली में ही होती थीं। सभी बड़े साहित्यकार भीष्म साहनी, कमलेश्वर, राजेंद्र यादव, विष्णु प्रभाकर, निर्मल वर्मा, जैनेंद्र कुमार, मोहन राकेश, मनोहर श्याम जोशी, अवध नारायण मुद्गल एक साथ गोष्ठी में शामिल होते थे। एक कहानी पढ़ता था बाकी सब उस पर मशविरा करते थे। सबसे बड़ी ऊर्जा यही मिलता थी कि उसमें साहित्य की सभी विधाओं के लिए जिज्ञासा पैदा होने के साथ तमीज भी पैदा होती थी। कहानी का भाव पक्ष, शैली, परिवेश सभी का ज्ञान होता था।

● आज के युवा लेखक वरिष्ठ साहित्यकारों को कितना पढ़ते हैं, कैसा लेखन कर रहे हैं..?

ये सब बाजार युग की पैदाइश हैं। उसको इसकी शिनाख्त ही नहीं है कि देश को कहां ले जाना है। साधारण आदमी की कितनी दुर्गति है, किस तरह से पूरा देश विडंबनाओं के डिब्बे में फंसा है। आज के युवा लेखक सिर्फ अपने को स्थापित करना चाहते हैं। भले ही इन्हें इसके लिए किसी हद तक जाना पड़े। स्वयं को विज्ञापित करते हैं। साहित्य इनके लिए बैसाखी है, सरोकार नहीं। जिस तरह से शादी विवाह के कार्यक्रम में लिफाफे दिए जाते हैं। इन्हें भी वही चाहिए। आज पैसा दृष्टिकोण बन गया है। हमने छोटे अखबारों में लिखा। इसके लिए डाक टिकट भी अपने पास से लगाकर भेजते थे। सभी को बीबीसी चाहिए। इस अवस्था में समझ लिजिएगा कि साहित्य कहां जा रहा है।

● आज का साहित्य और साहित्यकार समाज को किस तरह दिशा दे रहे हैं?

आज साहित्य के नाम पर मनोरंजन दे रहे हैं। अश्लील साहित्य परोसा जा रहा है। जैसी हमारी शिल्प की हस्तियां हैं। आज कम से कम 20 से 25 खिलाड़ी, सिने तारिकाएं हैं। जो सत्ता के हाथों की कठपुतली बने हैं। अब प्रेम चंद और निराला पैदा नहीं होंगे।

● हाल में आपकी कौन-कौन सी पुस्तकें आ रहीं है, विषय क्या है..?

प्यासी नदी और गुमनामी के अंधेरे में, दो पुस्तकें आ रहीं हैं। प्यासी नदी एक महिला की कहानी है। जिस तरह से वह संपूर्ण पुरुष से मिलना चाहती है। उसे कोई संपूर्ण पुरुष नहीं मिल पाता है। कोई भी पुरुष संपूर्ण नहीं है। हर एक में कोई न कोई कमी है। प्रकृति ने भी हमें अधूरा पैदा किया है। ये प्रकृति की वैरायटी है। शंकराचार्य और विवेकानंद दो बड़े नाम हैं। ये भी संपूर्ण नहीं हैं। एक को सेक्स के बारे में जानकारी नहीं है तो दूसरे को पैसे का ज्ञान नहीं है। पैसा कमाया कैसे जाता है। संपूर्ण पुरुष पाने की जिज्ञासा में आखिर महिला प्यासी नदी की तरह रह जाती है।

● युवा साहित्यकारों को कोई संदेश देना चाहेंगे?

कोई सुनने वाला नहीं है। नजर उठा ही नहीं पाता है। आजकल के साहित्यकारो को हमारी जरूरत ही कहां है। एक अंधी शताब्दी है, धृतराष्ट्र की स्थिति बनी है। हाथ पकड़ने वालों की आंख पर पट्टी बंधी है। गांधी के बाद कोई नहीं आया है।

...जब किराए के मकान में धर्म बदलकर रहना पड़ा था

दिल्ली मेरी यादें

कथाकार अब्दुल बिस्मिल्लाह पांच साल पहले जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्याल से सेवानिवृत्त हुए। इनके सबसे चर्चित उपन्यास 'झीनी झीनी बीनी चदरिया' का उर्दू तथा अंग्रेजी अनुवाद हुआ। अनेक कहानियां मराठी, पंजाबी, मलयालम, तेलुगू, बांग्ला, उर्दू, जापानी, स्पैनिश, रूसी तथा अंग्रेजी में अनूदित हो चुकी हैं। लेखन के लिए सोवियत लैंड नेहरु पुरस्कार, दिल्ली हिंदी अकादमी, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान और मप्र साहित्य परिषद के देव पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं।

बात 1984 की है। बनारस में एक स्कूल में नौकरी करने के बाद दिल्ली आने का मन था। कहीं से पता चला जामिया में आवेदन प्रक्रिया चल रही है। तभी मैंने अपने मित्र को फार्म मंगाने के लिए पत्र लिखा तो जवाब में लंबा चौड़ा पत्र आया जिसका लब्बोलुआब था कि छोटे से शहर से निकल इस महानगर में कैसे आओगे कैसे रहोगे। सबसे बड़ी बात वहां बनारस में तो कुछ ही लेखक हैं। यहां 600 लेखकों की भीड़ में कहीं गुम हो जाओगे। बहरहाल अपने मित्र के पत्र से मैं घबराया नहीं तय किया। नौकरी दिल्ली में ही करनी है। आवेदन किया, साक्षात्कार के बाद नियुक्ति भी मिली। जामिया में दिए साक्षात्कार का प्रसंग भी याद आता है जिसमें वाइस चांसलर और नामवर सिंह सहित एक और एक्सपर्ट मलिक मुहम्मद बैठे थे। अब जहां नामवर जी हों भला कोई और क्या सवाल करेगा। उन्होंने मेरी रचनाओं के इर्दगिर्द ही सवाल किए तो मुझे लगा कि ये चलता कर देने के लिए ऐसा कर रहे हैं। बहरहाल नामवर जी ने खूब सवाल किए, अंत में मलिक मुहम्मद जी ने एक सवाल रामधारी सिंह दिनकर की किताब के चारों अध्यायों के नाम पूछ लीए। मैं जवाब देता उससे पहले नामवर जी मलिक जी पर बिगड़ गए ये क्या आप इतिहास के सवाल पूछ रहे हैं। साहित्य का छात्र है इतिहास का नहीं। अंतत एक माह बाद मुझे नियुक्ति का पत्र मिल गया।

अब स्वाभाविक है बाहर से आने वाले को दिल्ली में रहने का ठिकाना तलाशना बड़ी चुनौती होगी तो कुछ दिन बनारस में रहते हुए अपने पढ़ाए छात्र के यहां जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय में काटे। यहां से मैं मुनीरका जाता था और 507 नंबर की बस पकड़कर जामिया पहुंच जाता था। एक साल बाद मुनीरका के डीडीए फ्लैट में एक किराए का कमरा मिल गया। इसके पीछे भी दिलचस्प कहानी है। मुझे 200 रुपये में कमरा तो मिल गया लेकिन मेरे सामने दो शर्तें रखी गई थीं। एक मकान मालिक को यह नहीं बताना है कि आप शिक्षक हैं और दूसरी शर्त सुनकर आपको भी हैरानी होगी, कि आपको अपना धर्म भी छिपाना है। आप वहां हिंदू बनकर रहेंगे, मुसलमान नहीं। मैं यह सुनकर चौंका। मैं तो सोचता था दिल्ली जैसा समृद्ध शहर मनुष्यता से पहचाना जाता होगा लेकिन यहां भी जाति-धर्म की बेड़ियां थीं। अब मरता क्या न करता मेरी जरूरत थी मैंने दोनों शर्तें स्वीकार कर लीं। सब आराम से चल रहा था। उनके परिवार में घुलमिल भी गया। मैं खाना खाने जेएनयू ही जाया करता था। 31 अक्टूबर 1984 को इंदिरा गांधी की हत्या हुई थी उसके बाद सिख दंगा भड़क गया था। मुझे सुबह में ऐसी कोई जानकारी नहीं थी मैं हर रोज की तरह जामिया के लिए मुनीरका स्टैंड से बस पकड़ने के लिए निकला। लेकिन वहां नजारा ही कुछ और था सब कुछ जलकर राख हो चुका था। चारों तरफ सन्नाटा था। बस आना तो बहुत दूर की बात है। मैं कुछ देर बाद घर लौट आया। मैं जिस परिवार के साथ किराए पर रह रहा था वह पंजाबी-हिंदू परिवार था। घर पहुंचते ही मकान मालकिन ने फिक्र करने के अंदाज में डांटा और कहा ऐसे माहौल में कहां निकल गए थे आपको पता नहीं है बाहर क्या हो रहा है। फिर उन्होंने मेरा जेएनयू में खाना खाने जाना भी बंद करा दिया कहा कि यह भी तो परिवार है यहीं खाया करें। अब आपको अपने मुसलमान होने की पोल खुलने की बात बताता हूं। हमारे बगल में एक फ्लैट खाली था जहां शिया मुस्लिम परिवार आकर रहने लगा। कुछ दिन बाद मुहर्रम पड़ा। उन दिनों वो मुस्लिम परिवार अपनी रीति के हिसाब से शोक मनाने लगे। जिसमें जोर-जोर से रोने की आवाज भी आती थी। एक दिन मकान मालकिन अपने पति से बोलीं कि एक बार देखो जरा कि बगल वाले परिवार में कोई दिक्कत है क्या? तभी मैं बोल पड़ा नहीं, ऐसा कुछ नहीं है और विस्तार से उन्हें मुहर्रम के बारे में बता दिया। अब वो हैरान, मुझसे पूछा गया कि तुम्हे इस बारे में इतनी जानकारी कैसे है? तभी मैंने जवाब दे दिया मैं भी मुसलमान हूं। वे बोले लेकिन तुम्हारा नाम तो अतुल है यही तुमने बताया था, मैंने कहा नहीं मैंने तो अब्दुल बताया था। मैं सोच ही रहा था कि अब तो ये ठिकाना भी गया और सामान पैक करने लगा तभी उन लोगों ने मुझसे कहा कि आप कहीं नहीं जाएंगे, यहीं रहेंगे। अब मैं सोचने लगा कि चलो अब दूसरा सच भी बताया जाए तो एक दिन कॉलेज से मिठाई का डिब्बा लेकर आया और कहा कि मेरी जामिया में नौकरी लग गई है। उन्हें बहुत खुशी हुई। मैं जेएनयू भी नामवर जी से मिलने जाता रहता था। एक दिन उन्होंने मुझसे कहा कि मुझे अलकनंदा वाले फ्लैट का पजेशन मिल गया है। तुम भी वहां रह लो। दरअसल उसमें एक सर्वेंट क्वार्टर भी था जिसके साथ अलग से बाथरूम भी था। मैं भी खुशी-खुशी तैयार हो गया और 400 रुपये में वहां रहने लगा। नामवर जी ने मुझसे पैसे मांगे नहीं थे लेकिन मैंने हमेशा किराया दिया। लंबा समय यहीं बीता। मैं दिल्ली आते ही सबसे पहले कॉफी हाउस भी गया था बहुत सुना हुआ था लेकिन जब पहुंचा तो देखा सिर्फ विष्णु प्रभाकर बैठे हुए थे, बाकी कभी-कभार कोई साहित्यकार आ जाया करते थे। तब वो पुराने वाला दौर खत्म हो चुका था।

एक और प्रसंग का जिक्र जरूर करना चाहूंगा। बात 1985 की है। जब बनारस में था तो हरिवंश राय बच्चन जी से मेरा पत्र व्यवहार होता रहता था। दिल्ली आया तो एक साल बाद उनका पत्र मिला। वे गुलमोहर पार्क में रहा करते थे। उन्होंने मिलने के लिए बुलाया। मैं गया लेकिन गार्ड ने फार्म भरवाया और अंदर से लौटकर आकर कहा कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है वे मिल नहीं पाएंगे। मैं अपनी एक किताब उनको भेंट करने के लिए ले गया था उस पर उनके नाम एक संदेश लिखकर वहां छोड़कर लौट आया। कुछ दिन बाद उनका संदेश आया अब तुम बगैर समय लिए कभी भी आना। एक दिन फिर गया तो तब गार्ड मेरा नाम सुनते ही बड़ी इज्जत के साथ उनसे मिलाने लेकर गए।

उन दिनों बसों का इंतजार बहुत लंबा होता था और अधिकतम किराया 40 पैसे होता था। लेकिन 10 पैसे के लिए भी गजब का झगड़ा होता था। कंडक्टर को टिकट के लिए 50 पैसे दिए जाते थे अब वो 10 पैसे लौटाने में खुले पैसे न होने की बात कहकर आनाकानी करता था। दिल्ली पहले बहुत मिलनसार शहर था खूब साहित्यिक गोष्ठी होती थीं। लेकिन अब साहित्य को पता नहीं किस दिशा में ले जा रहे हैं। अब मैं सरिता विहार के पास शाहीन बाग में रहता हूं। अब आयोजनों में ही साहित्यकारों से मुलाकात होती है। बाकी किसी के घर आना-जाना नहीं होता। मैंने दिल्ली से जुड़े अपन संस्मरणों पर कई कहानियां भी लिखीं जिसमें दुल्हन और नायिका बड़े अच्छे प्रसंग पर आधारित हैं।

-मनु त्यागी से बातचीत पर आधारित

बंद गली के आखिरी मकान का जलवा

साहित्यिक धरोहर

मशहूर लेखक धर्मवीर भारती के एक कहानी संग्रह का नाम है 'बंद गली का आखिरी मकान'। धर्मवीर के इस कहानी संग्रह की काफी चर्चा हुई थी। पुस्तक में दिल्ली के दरियागंज इलाके की जिस एक बंद गली के आखिरी मकान की चर्चा हुई थी, वह मकान था साहित्यिक पत्रिका हंस का कार्यालय। 1990 के बाद के कई वर्षों तक यह मकान दिल्ली की साहित्यिक गतिविधियों का केंद्र बन गया था। अंसारी रोड के इस मकान में हंस के संपादक और अपने जमाने के मशहूर कथाकार राजेंद्र यादव बैठते थे। यहीं से वे हंस पत्रिका का संपादन किया करते थे। दोपहर बाद जैसे ही वह दफ्तर पहुंचते लेखकों का जमावड़ा शुरू हो जाता था। उस जमाने में तो यहां तक कहा जाता था कि जो लेखक दिल्ली आता था, एक बार वह दरियागंज की इस गली में अवश्य आता था। संपादक के कमरे में काम कम अड्डेबाजी ज्यादा होती थी। काम तो पीछे वाले कमरे में सहायक संपादक और बगल वाले कमरे में हंस के सहयोगी स्टाफ करते थे।

देशभर के साहित्यकारों की होती थी चर्चा: यादव जी के कमरे में अनौपचारिक गोष्ठियां हुआ करती थीं। देशभर के साहित्यकारों की चर्चा होती थी, कौन क्या लिख रहा है, कौन क्या कर रहा है, कहां क्या सेटिंग हो रही है आदि आदि। इसी बीच कई रचनाकार अपनी रचनाएं लेकर यादव जी के कमरे में आते जाते रहते थे। राजेंद्र यादव उनसे रचनाएं लेते, उनका हाल चाल पूछते और अगर रचनाकार दिल्ली के बाहर का होता तो उसके शहर के बारे में जानकारी हासिल करते।

दलित विमर्श की शुरुआत: उन दिनों हिंदी साहित्य में ये चर्चा आम थी कि सभी साहित्यिक साजिशें बंद गली के उसी मकान में रची जाती थीं। ऐसा नहीं था कि वहां सिर्फ साजिशें ही रची जाती थीं, ये राजेंद्र यादव का एक स्टाइल भी था कि वो इन चर्चाओं से कई रचनात्मक चीजें निकाल लिया करते थे। राजेंद्र यादव ने जब दलित और स्त्री विमर्श की शुरुआत की थी तो उसके पीछे भी हंस कार्यालय में होने वाली अनौपचारिक चर्चाओं का बड़ा हाथ था। उन्हीं चर्चाओं में एक दिन मराठी में दलित साहित्य पर चर्चा हो रही थी तो उसी चर्चा में ये बात निकली कि हिंदी में दलित लेखन की स्थिति क्या है। विमर्श के माहिर राजेंद्र यादव ने फौरन उसमें संभावना भांप ली और तत्काल दलित विमर्श की शुरुआत कर दी।

मकान में अब वो उष्मा नहीं रही: हंस के कार्यालय में स्थापित से लेकर नवोदित लेखिकाओं का भी खूब आना जाना होता था। यादव जी अपनी आदत के मुताबिक सबसे हंसी मजाक किया करते थे। लेखिकाओं की एक टोली के साथ चर्चा से ही स्त्री विमर्श का स्वर प्रसफुटित हुआ था। हिंदी के दो प्रमुख विमर्श दलित और स्त्री विमर्श की शुरुआत इसी मकान से हुई थी। राजेंद्र यादव के निधन के बाद ये मकान तो है, औपचारिक गोष्ठियां भी होती हैं, लेकिन अब वो वैचारिक या रचनात्मक उष्मा नहीं दिखाई देती है। धीरे-धीरे दरियागंज की गली का ये मकान सृजनात्मक रूप से सूना होने लगा है।

-अनंत विजय

कला और 'ललित' हो जाएगी यहां

फुर्सत का ज्ञान

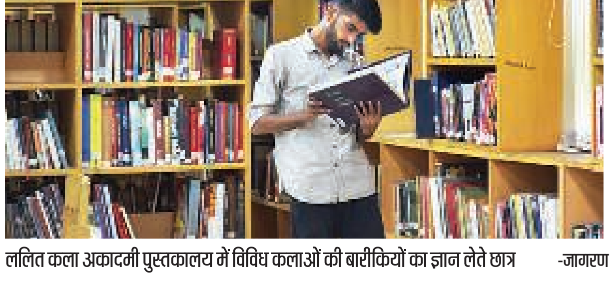

ललित कला अकादमी पुस्तकालय में विविध कलाओं की बारीकियों का ज्ञान लेते छात्र -जागरण

पेंटिंग, स्कल्पचर, फोटोग्राफी समेत कला के विविध पहलुओं को अपने भीतर समेटे ललित कला अकादमी की पुस्तकालय सिर्फ छात्र ही नहीं, शोधकार्ताओं के लिए भी काफी महत्वपूर्ण है। यहां आपको एक से बढ़कर एक कला पर आधारित किताबें और राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाएं मिल जाएंगी, जिन्हें पढ़कर आप अपनी कला को और निखार सकते हैं। उसकी बारीकियों को समझ सकते हैं। यही वजह है कि यहां दिल्ली-एनसीआर ही नहीं, भारत के विभिन्न राज्यों से छात्र, शोधकर्ता व अध्यापक समेत काफी संख्या में कलाकार भी आते हैं।

8700 से अधिक किताबें उपलब्ध: सन् 1954 में ललित कला अकादमी के अस्तित्व में आने के साथ ही पुस्तकालय की भी शुरुआत हुई। फिर 1962 में इसे वर्तमान जगह पर स्थानांतरित कर दिया गया। उस समय 140 प्रिंट मैटेरियल थे। जिनमें किताबें और आर्ट पर आधारित पत्रिकाएं थीं। लेकिन वक्त के साथ पुस्तकालय में किताबों की संख्या बढ़ती गई। विविध विषयों पर किताबों की मौजूदगी ही इसे खास बनाती है। वर्तमान में यहां 8700 से अधिक किताबें उपलब्ध हैं। यहां पेंटिंग, स्कलपचर, ड्राइविंग, फोटोग्राफी, ग्राफिक आर्ट, आर्किटेक्चर समेत अन्य विषयों पर आधारित साहित्य है। विजुअल आर्ट, फिनाले इवेंट के अलावा ललित कला अकादमी की स्थापना के बाद से अब तक आयोजित होने वाले इवेंट्स की जानकारी भी उपलब्ध है। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय पंडित जवाहर लाल नेहरु, इंदिरा गांधी की ललित कला अकादमी के कार्यक्रम में शरीक होने की तस्वीरें भी उपलब्ध है।

अंतरराष्ट्रीय दार्शनिक को पढ़ने आते हैं शिक्षक व छात्र: पदाधिकारियों की मानें तो यहां कई ऐसी भी किताबें हैं, जिनका भारत में बहुत कम एडीशन आया था। शोधकर्ताओं की मानें तो कई ऐसे दार्शनिक हैं, जिनकी किताबें सिर्फ यहीं पढ़ने को मिलती हैं। मसलन, विश्वविद्यालयों में इमैनुअल कांट और फ्रॉयड ही आखिरी दार्शनिक हैं, जिनके बारे में छात्रों को पढ़ाया जाता है। लेकिन यहां पर छात्र डेरिडा को पढ़ते हैं। यशोदा डालमिया को पढ़ते हैं। तात्पर्य यह है कि यहां भारतीय और अंतरराष्ट्रीय दार्शनिकों की किताबें भी उपलब्ध हैं। लिंग भेद पर इयूरिड बटला की पुस्तकें हैं तो डायस्फोरा, डिकस्ट्रक्शन समेत अंतरराष्ट्रीय स्तर की जर्नल भी उपलब्ध है। दिल्ली विश्व विद्यालय के अध्यापक तो यहां छात्रों के साथ आते हैं।

कला में उपयोग होने वाले शब्दों का मिलेगा ज्ञान: किताबों की बात करें तो यहां मार्डन आर्ट पर चुनिंदा किताबें उपलब्ध हैं। इसके अलावा आर्ट डिक्शनरी भी पुस्तकालय को खास बनाती है। आर्ट ऑफ वर्ल्ड सीरिज में उत्तरी अमेरिका, इंडो-चाइना, द आर्ट ऑफ आइसलैंड ग्रुप, वर्मा, कोरिया, तिब्बत आदि देशों पर आधारित किताबें हैं, जबकि डिक्शनरी ऑफ आर्ट सीरिज में 31 खंड में किताबें मौजूद हैं। इसके अलावा मित्र मेघ एवं नाग मुद्राएं, भारतीय संस्कृति पुरातत्व एवं इतिहास, कला विनोद, भारतीय कला दृष्टि, पहाड़ी मिनिएचर पेंटिंग जैसी समृद्ध किताबें उपलब्ध हैं।

अध्ययन के लिए पंजीयन आवश्यक: पुस्तकालय का उपयोग विभिन्नि कॉलेजों, विश्वविद्यालयों के छात्र कर सकते हैं। इसके लिए बस उन्हें पंजीयन कराने की आवश्यकता है।

खुलने का समय

सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 9.30 से शाम 6 बजे तक कभी भी यहां आ सकते हैं।

ऐसे पहुंचे

रविंद्र भवन स्थित ललित कला अकादमी पुस्तकालय मंडी हाउस मेट्रो स्टेशन से चंद कदमों की दूरी पर स्थित है।

संजीव कुमार मिश्र

इंडिया आइएनएक्स का टर्नओवर 500 अरब डॉलर के पार

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश के अग्रणी शेयर बाजार बीएसई के इंडिया इंटरनेशनल एक्सचेंज (इंडिया आइएनएक्स) का कुल ट्रेडिंग टर्नओवर 500 अरब डॉलर (करीब 35 लाख करोड़ रुपये) को पार कर गया है। इंडिया आइएनएक्स देश का पहला इंटरनेशनल एक्सचेंज है। यह गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक (गिफ्ट) सिटी के इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विस सेंटर (आइएफएससी) में स्थित है। पूरे आइएफएससी गिफ्ट सिटी में इंडिया आइएनएक्स नंबर वन एक्सचेंज है।

ट्रेड वार का ग्लोबल इकोनॉमी पर साफ असर दिख रहा है। भारत समेत ब्रिक्स देशों को इसका सबसे ज्यादा नुकसान झेलना पड़ सकता है।
— क्रिस्टलिना जॉर्जीवा
एमडी, आइएमएफ

सेंसेक्स	38,177.95	▲ 645.97
निफ्टी	11,313.30	▲ 186.90
सोना प्रति दस ग्राम	₹ 39,325	▲ ₹315
चांदी प्रति किलोग्राम	₹ 47,330	▲ ₹1,010
डॉलर	₹ 71.07	▲ ₹0.05
क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल	$ 58.83	

बदलाव ▸ जो लोन रेपो रेट से लिंक्ड नहीं हैं, उन पर ब्याज दर में 0 .10 फीसद की हुई कटौती

एसबीआइ ने सेविंग्स डिपॉजिट और खुदरा लोन पर ब्याज दरें घटाईं

आरबीआइ द्वारा रेपो रेट में कटौती का फायदा ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए बैंक ने घटाया ब्याज

मुंबई, प्रेट्र : देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआइ ने मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड बेस्ड लेंडिंग रेट यानी एमसीएलआर में 10 आधार अंकों की कटौती की है। इसका मतलब है कि बैंक की सभी अवधि की ब्याज दरों में 0.10 परसेंट की कटौती होगी। इससे होम, कार और पर्सनल लोन सस्ते होंगे। हालांकि यह कटौती रेपो रेट से लिंक ब्याज दरों पर लागू नहीं होगी। इसके साथ ही बैंक ने सेविंग्स अकाउंट डिपॉजिट पर मिलने वाले ब्याज की दर भी 0.25 फीसद तक घटा दी है। इससे पूरी तरह से सेविंग्स अकाउंट पर निर्भर रहने वाले बुजुर्गों और पेंशनभोगियों को घाटा हो सकता है। लोन रेट में कटौती की दरें गुरुवार (10 अक्टूबर) से लागू हो गई हैं। वहीं, सेविंग्स पर ब्याज दरों में कटौती का प्रावधान नवंबर की पहली तारीख से लागू होगा।

इस वर्ष छठी बार ब्याज दरों में कटौती कर चुका है बैंक। फाइल फोटो

बैंक ने कहा है कि त्योहारी सीजन को ध्यान में रखते हुए सभी सेग्मेंट के ग्राहकों को लाभ पहुंचाने के लिए एमसीएलआर में 10 आधार अंकों की कटौती का फैसला लिया गया है।

बैंक ने चालू वित्त वर्ष में छठी बार एमसीएलआर में कटौती की है, जो नवीनतम बदलाव के बाद 8.05 परसेंट रह गई है। बैंक ने यह कदम आरबीआइ द्वारा रेपो रेट में 25 आधार अंकों की कटौती के बाद उठाया है। हालांकि एसबीआइ ने रेपो रेट आधारित ब्याज दरों में कटौती की घोषणा अभी नहीं की है। इससे पहले आरबीआइ सभी बैंकों को उनकी ब्याज दरें रेपो रेट से लिंक करने का निर्देश दे चुका है। इसके जरिये केंद्रीय बैंक यह सुनिश्चित करना चाहता है कि घटे हुए रेपो रेट का लाभ ग्राहकों तक पहुंच सके।

एक लाख रुपये तक जमा पर एसबीआइ की ब्याज दरें घटीं

नई दिल्ली : एसबीआइ ने सेविंग्स डिपॉजिट पर ब्जाज दर घटाने का फैसला किया है। बैंक ने बुधवार को बताया कि एक लाख रुपये तक जमा पर 25 आधार अंकों की कटौती की गई है। पहले सेविंग्स अकाउंट में एक लाख रुपये तक रकम पर 3 .50 परसेंट की दर से ब्याज मिलता था, जो अब घटकर 3 .5 परसेंट की दर से मिलेगा। नई दरें पहली नवंबर से लागू होंगी। साथ ही बैंक ने रिटेल डिपॉजिट पर 0 .10 परसेंट और बल्क डिपॉजिट पर 0 .30 परसेंट की कटौती की है। एक वर्ष से दो वर्ष के बीच की अवधि के लिए जमा राशि पर ब्याज दरें गुरुवार से प्रभावी हो गई हैं। बैंक ने कहा है कि ये कदम सिस्टम में तरलता बढ़ाने के लिए उठाए गए हैं।

अब हाईवे किनारे की जमीन लीज पर देकर पूंजी जुटाएगा एनएचएआइ

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ शहरों के नजदीक हाईवे किनारे की जमीन दी जाएगी लीज पर

▸ रोड प्रोजेक्ट के टोल ठेके से पैसे जुटाने की योजना नाकाफी साबित हुई

फाइल फोटो

नई परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त धन की आवश्यकता को देखते हुए एनएचएआइ नए तरीके तलाश रहा है। इस कड़ी में टीओटी योजना के जरिये तैयार सड़क परियोजनाओं के टोल ठेके देने का उसका कदम नाकाफी साबित हुआ है। लिहाजा, अब वह राजमार्गों के किनारे की जमीन को लीज पर देकर भी पैसा जुटाएगा। इस प्रस्ताव को हाल ही में एनएचएआइ बोर्ड ने मंजूरी दी है।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) अपनी हाईवे परियोजनाओं के किनारे की जमीन को निजी कंपनियों को लीज पर देकर धनराशि जुटाएगा। नई सड़क परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण की बढ़ी लागत के कारण इसकी जरूरत महसूस की गई है। महानगरों और शहरों के नजदीक हाईवे के किनारे की जमीन इस योजना के लिए अधिक उपयुक्त पाई गई हैं। इन्हें हाईवे इनफ्लुएंस जोन का नाम दिया गया है। एनएचएआइ का आकलन है कि इन राजमार्गों के किनारे दोनों ओर 500-500 मीटर के भूखंडों को लीज पर उठाया जा सकता है।

अधिकारियों के मुताबिक, इस योजना को इसी वर्ष लागू करने के लिए संबंधित राज्य सरकारों को भरोसे में लेने का प्रयास किया जा रहा है। भारतमाला परियोजना के संदर्भ में इस योजना को उपयुक्त समझा जा रहा है, क्योंकि इसमें राज्यों की भी भागीदारी है। पिछले दिनों सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भी इस तरह की योजना लाए जाने के बारे में संकेत दिए थे।

एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा था कि एनएचएआइ ने धन जुटाने के लिए कुछ नए विकल्प तलाशे हैं। इनमें एक विकल्प नए एक्सप्रेस हाईवे के किनारे की जमीन को निजी कंपनियों को लीज पर देना है, ताकि वे वहां रोड साइड सुविधाएं विकसित कर सकें। इस योजना के तहत पहले 60-60 एकड़ के बड़े लैंड पार्सल उठाने का मन बनाया गया था, लेकिन कंपनियों की राय के बाद अब इन्हें छोटा कर 10-12 एकड़ में तब्दील करने का निर्णय लिया गया है। इनमें एक एकड़ जमीन पेट्रोल पंपों के लिए होगी। इसके लिए टेंडर जारी किए जाएंगे। अगले दो-तीन वर्षों में हाईवे सुविधाओं के तहत सात-आठ सौ पेट्रोल पंप स्थापित होने की उम्मीद है।

प्याज-टमाटर के बाद आलू महंगा होने का खतरा

नया आलू बाजार में पहुंचने में देरी होना तय है, जिससे दाम बढ़ने की आशंका है। फाइल फोटो

सुरेंद्र प्रसाद सिंह, नई दिल्ली

महंगाई

▸ मानसून के देर से लौटने का असर आलू की बोआई पर दिख रहा

▸ अगैती आलू के बाजार में जल्दी उतरने पर संदेह

सामान्य से अधिक बारिश और मानसून के देर से लौटने से आलू किसानों के साथ उपभोक्ताओं की मुश्किलें भी बढ़ सकती हैं। प्याज और टमाटर की मंहगाई से हलकान उपभोक्ताओं के सामने आलू महंगा होने का खतरा है। बारिश की वजह से आलू की बोआई में लगभग एक महीने की देरी हो चुकी है। इससे बाजार में नया आलू के पहुंचने में देरी होना तय है। इसके चलते उत्पादक बाजारों में ही पुराने आलू में महंगाई का रुख बनने लगा है।

उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल आलू के बड़े उत्पादकों में शामिल हैं। लेकिन इस बार देश के सभी राज्यों में आलू की बोआई देर से हो रही है। सितंबर के पहले सप्ताह में बोआई कर दिए जाने वाले अगैती आलू की बोआई अक्टूबर के आखिरी से नवंबर के पहले सप्ताह में होने का अनुमान है। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद और आसपास का इलाका आलू की खेती वाला सबसे बड़ा क्षेत्र है। यहां आलू के बड़े किसान व व्यापारी कौशल कुमार कटियार का कहना है कि इस बार बारिश के चलते बोआई नहीं हो पाई है।

कच्चा आलू (अगैती) मात्र 60 दिनों में खोदाई लायक हो जाता है। बाजार की जरूरतों को देखकर किसान इससे अच्छा पैसा कमा लेता है। लेकिन इस बार बोआई ही देर से हो रही है, जिसे भांपकर जिंस बाजार के खिलाड़ी सक्रिय हो गए हैं। बाजार में आलू का मूल्य 100 से 150 रुपये प्रति पैकेज (50 किग्रा) बढ़ाकर बोला जा रहा है। उत्पादक मंडियों में आलू 300 से 450 रुपये प्रति पैकेट बिक रहा है, जो दिल्ली पहुंचकर 25 रुपये प्रति किलोग्राम हो गया है। केंद्रीय उपभोक्ता मंत्रालय के मूल्य निगरानी सेल की साइट पर आलू समेत अन्य जिंसों के रोजाना के भाव दर्ज हैं।

आलू विशेषज्ञ व कारोबार पर नजर रखने वाले सुशील कटियार का कहना है कि इस बार आलू 15 दिसंबर से पहले नहीं आ पाएगा। हालांकि पंजाब से थोड़ा-बहुत नया आलू 15 नवंबर तक बाजार में आ सकता है, लेकिन इस बार वहां भी अगैती आलू का रकबा बहुत कम है। उनका कहना है कि कोल्ड स्टोर में फिलहाल पिछले साल के कुल उत्पादन का 35 फीसद फीसद आलू है। इसमें से 20 फीसद से अधिक आलू बोआई के लिए बीज के रूप में चला जाएगा। जबकि अगले 60 से 70 दिनों के लिए आलू की जरूरत को पूरा करने में थोड़ी मुश्किल आ सकती है। पुराने आलू के साथ बाजार में उतरने वाले नए आलू का भाव चढ़ सकता है। कृषि मंत्रालय के हॉर्टिकल्चर फसलों के तीसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक वर्ष 2018-19 के दौरान आलू की कुल पैदावार 5.30 करोड़ टन थी। कोल्ड स्टोर से निकासी आंकड़ों के मुताबिक मई में साढ़े छह, जून में 9.5, जुलाई में 13.5 और अगस्त में 16 फीसद आलू की निकासी हुई है। जबकि अक्टूबर में अब तक 15 फीसद आलू कोल्ड स्टोर से निकला जा चुका है। इस बचे आलू के स्टॉक से बोआई के लिए बहुत ज्यादा आलू की खपत होती है।

इंडियाबुल्स और लक्ष्मी विलास बैंक को नहीं मिली विलय मंजूरी

नई दिल्ली, प्रेट्र : आरबीआइ ने इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस और लक्ष्मी विलास बैंक के विलय योजना को अनुमति देने से इन्कार कर दिया है। लक्ष्मी विलास बैंक ने शेयर बाजारों को बताया कि उसकी योजना को केंद्रीय बैंक की हरी झंडी नहीं मिल पाई है। बैंक इसी वर्ष सात मई से विलय के लिए आरबीआइ की मंजूरी का इंतजार कर रहा था। पिछले महीने लक्ष्मी निवास बैंक को बैड लोन्स के चलते प्रांप्ट करेक्टिव एक्शन (पीसीए) के अन्तर्गत लाया गया था। जांच के दौरान आरबीआइ ने पाया था कि बैंक की सुरक्षा के लिए जरूरी पूंजी उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा बैंक को पिछले दो वर्षों से इसके असेट पर निगेटिव रिटर्न मिल रहा था। पिछले महीने इस विलय को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआइ) की तरफ से मंजूरी दे दी गई थी। गौरतलब है कि लक्ष्मी विलास बैंक के विलय की योजना सफल बनाने के लिए ही इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस ने कई संपत्तियों और कारोबार से किनारा करने का फैसला किया था। लेकिन आरबीआइ ने विलय का ना कह दिया।

भारत पर वैश्विक सुस्ती का स्पष्ट असर : आइएमएफ

वैश्विक आर्थिक विकास दर दशक के निचले स्तर पर आने की आशंका

वाशिंगटन, प्रेट्र : वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती का सबसे स्पष्ट असर भारत जैसे उभरते बाजारों वाली बड़ी अर्थव्यवस्थाओं पर नजर आ रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) की नई प्रमुख क्रिस्टलिना जॉर्जीवा ने कहा कि इन दिनों पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था सुस्ती के दौर से गुजर रही है। जॉर्जीवा के मुताबिक इस बात की पूरी आशंका है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था की विकास दर दशक के सबसे निचले स्तर पर आ जाए। आइएमएफ की एमडी के मुताबिक भारत जैसे देशों पर इसका असर साफ नजर आ रहा है। वित्त वर्ष 2019-20 की पहली तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर पांच फीसद रह गई। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए विकास की दर का अनुमान 6.9 से घटाकर 6.1 फीसद कर दिया है। घटती वृद्धि दर पर लगाम लगाने के लिए सरकार और आरबीआइ की तरफ से तमाम कोशिशें की जा रही हैं।

आइएमएफ ने वित्त वर्ष 2019-20 के लिए भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास दर के अनुमान में 0.30 फीसद की कटौती की है। आइएमएफ ने विकास दर का अनुमान अब सात फीसद कर दिया है। जानकारों के मुताबिक घरेलू मांग में आई कमी की वजह से ऐसा किया गया है।

आइएमएफ पिछले कई महीनों से ग्लोबल इकोनॉमी में सुस्ती का अंदेशा जता रहा है। प्रतीकात्मक

ट्रेड वार का दिख रहा प्रभाव : जॉर्जीवा ने कहा कि दो साल पहले तक वैश्विक अर्थव्यवस्था सकारात्मक दिशा में बढ़ रही थी। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) संबंधी आंकड़ों के पैमाने पर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था का 75 फीसद हिस्सा तेजी से विकास कर रहा था, लेकिन इस पर ट्रेड वार का नकारात्मक असर हुआ है। उन्होंने कहा कि इस विवाद की वजह से ग्लोबल ट्रेड की विकास दर थम सी गई है। उन्होंने ट्रेड वार में शामिल देशों से बातचीत करके मसले का हल निकालने की अपील की, क्योंकि इसका असर पूरी दुनिया पर हो रहा है। इससे कोई अछूता नहीं है।

यह भी कहा

- ट्रेड वार से पैदा हुई सुस्ती का असर 90 प्रतिशत देशों पर दिखने की आशंका है।
- मौजूदा वैश्विक मंदी का असर एक के बाद दूसरे और फिर तीसरे देश पर पड़ेगा, यानी इसका दायरा बढ़ता ही जाएगा

भारत सरकार ने उठाए ये कदम

- विदेशी निवेशकों को राहत देते हुए सुपर रिच टैक्स रेट घटाया गया।
- उद्योग जगत को कॉरपोरेट टैक्स के मामले में बड़ी राहत दी गई है।
- एमएसएमई सेक्टर को राहत देते हुए जीएसटी रिफंड के नियम आसान किए गए।
- स्टार्टअप में तेजी लाने के लिए प्रक्रिया आसान बनाई गई, टैक्स में राहत दी गई।

भारत के बैंकिंग सेक्टर में दिख रहा सुधार

रिजर्व बैंक नीतिगत ब्याज दरों में लगातार कटौती कर रहा है। इस साल अब तक रेपो रेट में 1.35 प्रतिशत कटौती की गई है। बैंकों के विलय के अलावा उनकी नकदी की समस्या दूर करने के लिए सरकार 70 हजार करोड़ रुपये का ताजा पूंजी निवेश करेगी। इसकी मदद से ये बैंक पांच लाख करोड़ रुपये तक का लोन बांट पाने में सक्षम होंगे। लोन की दरें रेपो रेट से लिंक करके सस्ता लोन बांटा जा रहा है।

डब्ल्यूईएफ के ग्लोबल कंपिटीटिवनेस इंडेक्स में भारत 10 पायदान फिसला

▸ कई अन्य इकोनॉमी के बेहतर प्रदर्शन से फिसला भारत

▸ अमेरिका को पछाड़ सिंगापुर बना मोस्ट कंपिटीटिव इकोनॉमी

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत इस वर्ष ग्लोबल कंपिटीटिवनेस इंडेक्स में 10 पायदान नीचे चला गया है। भारत के नीचे खिसकने की वजह कुछ दूसरी इकोनॉमी के बेहतर प्रदर्शन को बताया जा रहा है। उधर सिंगापुर ने अमेरिका को पीछे छोड़ वर्ल्ड मोस्ट कंपिटीटिव इकोनॉमी का दर्जा हासिल कर लिया है। यह इंडेक्स जेनेवा आधारित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्लयूईएफ) तैयार करता है। इस बार इंडेक्स में ब्रिक्स देशों की रैंकिंग बेहद खराब रही है। भारत को इस इंडेक्स में 58वीं रैंक मिली है, जबकि ब्रिक्स देशों में ब्राजील 71वीं रैंक के साथ सबसे नीचे रहा है। बुधवार को डब्ल्यूईएफ ने इंडेक्स की घोषणा करते हुए कहा कि भारत ने मैक्रो-इकोनॉमिक्स स्टेबिलिटी और मार्केट साइज के मामले में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन इसके फाइनेंशियल सेक्टर का प्रदर्शन खराब रहा है। इससे भारत का बैंकिंग सेक्टर कमजोर हुआ है। हालांकि इस रैंकिंग के सर्वे के बाद भारत सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए कई उपाय किए हैं।

एक अन्य सूची में एक पायदान चढ़ा था

दुनिया के सर्वाधिक प्रतिस्पर्धी देशों की सूची में इसी वर्ष मई में भारत एक पायदान चढ़कर 43वें पर पहुंच गया था। तेज आर्थिक विकास, श्रमिकों की बड़ी संख्या और विशाल बाजार के बल पर भारत की रैंकिंग में सुधार हुआ है। आइएमडी वर्ल्ड कंपिटीटिवनेस रैंकिंग-2019 में सिंगापुर तीसरे स्थान से उछलकर पहले पर पहुंच गया था, जबकि अमेरिका पहले स्थान से गिरकर तीसरे पर चला गया। हांगकांग एसएआर अपनी नरम टैक्स, कारोबारी नीति और कारोबार के लिए फंड की उपलब्धता के बल पर दूसरे स्थान पर कायम रहा था। आइएमडी की 2017 की रैंकिंग में भारत को 45वां स्थान मिला था, लेकिन 2016 की रैंकिंग में देश को 41वां स्थान मिला था। सर्वेक्षण रिपोर्ट के मुताबिक भारत के सामने उच्च विकास दर को कायम रखने के साथ कई और चुनौतियां भी हैं।

डीएचएफएल के शेयरों में हुई लोअर सर्किट तक गिरावट

▸ सीडीएसएल की कार्रवाई के बाद कंपनी के शेयर तेजी से गिरे

नई दिल्ली, प्रेट्र : बुधवार को डीएचएफएल के शेयर लगभग 10 परसेंट फिसलकर लोअर सर्किट तक आ गए। यह 52 सप्ताह का निचला स्तर है। इससे पहले सीडीएसएल ने वित्तीय ब्योरा नहीं देने के चलते कंपनी के प्रमोटर्स की शेयर होल्डिंग फ्रीज कर दी थी। बीएसइ के सेंसेक्स में कंपनी के शेयरों ने 9.86 परसेंट का गोता लगाया और 26.05 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से बिके। वहीं एनएसइ के निफ्टी में इसके शेयर 9.84 परसेंट लुढ़क गए। यहां इनकी कीमत 26.10 रुपये प्रति शेयर दर्ज की गई।

जेबीएम ऑटो के शेयरों में 20 परसेंट का उछाल

नई दिल्ली, प्रेट्र : बुधवार को ऑटो निर्माता कंपनी जेबीएम ऑटो के शेयरों में लगभग 20 परसेंट का उछाल दर्ज किया गया। कंपनी के शेयरों में यह अप्रत्याशित उछाल उस खबर के बाद आया जिसमें कंपनी को 300 नई बसों का ऑर्डर मिलने की बात कही गई थी। दिन के कारोबार में बीएसई के सेंसेक्स में कपनी के शेयर 19.73 परसेंट के उछाल के साथ 224.55 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए। वहीं एनएसई के निफ्टी में कंपनी के शेयरों में 19.98 परसेंट की बढ़ोतरी हुई। इस दौरान ये 225.15 रुपये प्रति शेयर की कीमत पर बंद हुए।

इंडियाबुल्स के शेयर अपर लिमिट तक पहुंचे

नई दिल्ली, प्रेट्र : शेयर बायबैक योजना की खबर के बाद बुधवार को इंडियाबुल्स वेंचर और इंडियाबुल्स रियल एस्टेट के शेयरों में बड़ा उछाल देखा गया। इस दौरान दोनों प्रमुख स्टॉक एक्सचेंजों में इनके शेयर अपर सर्किट लिमिट तक पहुंच गए। बीएसई के सेंसेक्स में दिन के कारोबार में इंडियाबुल्स वेंचर के शेयर अपनी अपर लिमिट 109 .85 रुपये तक पहुंच गए। इस दौरान ये 9 .21 परसेंट की उछाल के साथ 109 .10 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए। इसी तरह एनएसई के निफ्टी में भी कंपनी के शेयर 110 .10 रुपये के अपर सर्किट तक पहुंच गए। इस दौरान ये 9 .99 परसेंट उछाल के साथ 110 .10 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए। वहीं इंडियाबुल्स रियल एस्टेट के शेयर भी दोनों स्टॉक एक्सचेंज में अपर सर्किट तक पहुंचकर बंद हुए।

बुलंदी

645 .97 अंक उछलकर फिर 38 हजार के पार पहुंच गया सेंसेक्स, इंडसइंड बैंक समेत कई प्राइवेट बैंकों के शेयर चमके

बैंक स्टॉक्स में बहार से शेयर बाजार रहे गुलजार

मुंबई, प्रेट्र : पिछले कई सत्रों में लगातार गिरावट के बाद बुधवार को प्रमुख भारतीय शेयर बाजार बड़े उछाल के साथ बंद हुए। इस दौरान बैंकिंग, फाइनेंशियल और मेटल सेक्टर के स्टॉक्स में खूब रौनक देखी गई। दिन के कारोबार में बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 645.97 अंक यानी 1.72 परसेंट के उछाल के साथ 38,177.95 के स्तर पर बंद हुआ।

वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के 50 शेयरों वाले निफ्टी ने 186.90 अंक यानी 1.68 परसेंट की तेजी दर्ज की। यह 11,313.30 पर बंद हुआ। सेंसेक्स में बड़ा उछाल दर्ज करने वाले स्टॉक्स में इंडसइंड बैंक सबसे ऊपर रहा। दिन के कारोबार में इसके शेयरों में 5.45 परसेंट की तेजी दर्ज की गई। उछाल लेने वाले अन्य शेयरों में भारती एयरटेल, आइसीआइसीआइ बैंक, एसबीआइ, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक बैंक, टाटा स्टील और एचडीएफसी बैंक रहे। संकट का सामना कर रहे यस बैंक के शेयर 5.26 परसेंट लुढ़क गए।

इसके अलावा हीरो मोटोकॉर्प, एचसीएल टेक, आइटीसी, टीसीएस, इन्फोसिस, ओएनजीसी और बजाज ऑटो के शेयरों में 2.65 परसेंट तक की गिरावट दर्ज की गई। इससे पहले मंगलवार को दशहरा की छुट्टी के चलते शेयर बाजार बंद रहे थे। ट्रेड वार्ता की अनिश्चितता के कारण एशिया के अन्य बाजारों में मिला-जुला रुख देखा गया।

तेजी की मुख्य वजहें

प्राइवेट बैंकों की अगुआई में बैंक स्टॉक्स में जमकर निवेश हुआ। बढ़त में 400 अंकों का योगदान एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी लिमिटेड, आइसीआइसीआइ बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक ने सम्मिलित रूप से किया।

अमेरिका-चीन गुरुवार को ट्रेड वार्ता करेंगे। हालांकि समझौते को लेकर बहुत ज्यादा उम्मीदें नहीं हैं, लेकिन चीन ने आंशिक समझौते पर सहमति के संकेत दिए हैं। भारत सहित दुनियाभर के शेयर बाजारों पर इसका असर दिखा।

पिछले कई सत्रों में निचले स्तर पर रहे स्टॉक्स में निवेशकों ने जमकर रुचि दिखाई।

अमेरिका-चीन ट्रेड वार पर वार्ता के अंजाम तक पहुंचने की उम्मीदों का भी फायदा दिखा। प्रतीकात्मक

एचडीआइएल के शेयर पिछले 17 सत्रों में 50 परसेंट गिरे

नई दिल्ली, प्रेट्र : बुधवार के कारोबार में हाउसिंग डेवलपमेंट एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एचडीआइएल) के शेयर करीब पांच परसेंट और गिर गए। यह गिरावट इस खबर के बाद आई कि इसके ऑडिटर्स पीएमसी बैंक मामले में जांच के दायरे में आ सकते हैं। पिछले 17 सत्रों में कंपनी के शेयर 52 .8 परसेंट गिर चुके हैं। स्टॉक एक्सचेंज में एचडीआइएल के शेयर लोअर लिमिट के करीब आ गए। सूत्रों के मुताबिक पीएमसी बैंक की जांच कर रही मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा एचडीआइएल के ऑडिटर्स को जांच के दायरे में ला सकती है।

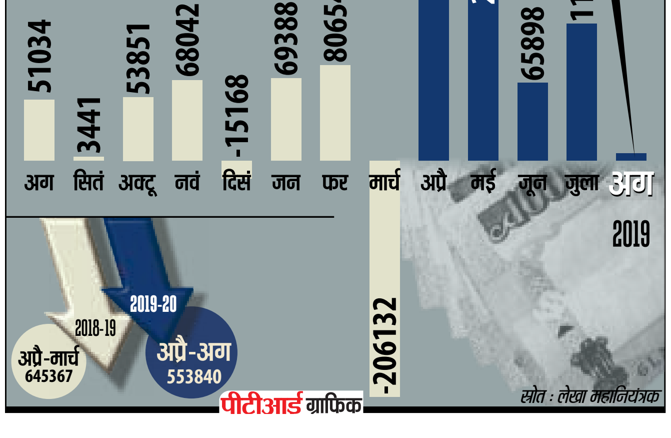

पीटीआई ग्राफिक

4 लोगों की मौत हो गई एक ही परिवार के अमेरिका के ओक्लाहामा में। पुलिस का अनुमान है कि युवक ने पहले अपने दे बच्चों को गोली से मारा, फिर पत्नी को और बाद में खुद की जान दे दी। हालांकि पुलिस अभी ऐसा करने की वजह नहीं तलाश पाई है।

दावा : यूरोप को अस्थिर करना चाहती है रूस की शीर्ष खुफिया एजेंसी

न्यूयॉर्क टाइम्स से

- पश्चिमी देशों के सुरक्षा अधिकारियों ने यूनिट 29155 को लेकर किया सतर्क
- पश्चिमी देशों के खिलाफ रूसी राष्ट्रपति के अभियान को अंजाम देती है यूनिट

वाशिंगटन : रूस अपनी खुफिया एजेंसी के बूते यूरोप अस्थिर करने के अभियान में जुटा है। उसके खुफिया एजेंट यूरोप के देशों में हत्या कराने से लेकर सरकार का तख्तापलट कराने में शामिल हैं। यह कहना है कि पश्चिमी देशों के सुरक्षा अधिकारियों का।

अधिकारियों ने रूसी खुफिया एजेंटों के कारनामे भी गिनाए। अधिकारियों का कहना है कि सोवियत गणराज्य का हिस्सा रहे पूर्वी यूरोप के देश मोलडोवा में सबसे पहले अस्थिरता फैलाने का अभियान चलाया गया। उसके बाद बुल्गारिया में हथियार के एक डीलर को जहर दिया गया। फिर दक्षिणपूर्वी यूरोप के देश मोंटनेग्रो में तख्ता पलट कर दिया गया। पिछले साल ब्रिटेन में रूस के एक पूर्व खुफिया एजेंट को जहर देकर मारने की कोशिश की गई।

ये सारे मामले रूस की खुफिया एजेंसियों की तरफ इशारा करते थे, लेकिन अधिकारियों ने शुरू में इन्हें अलग-अलग हमलों के रूप में लिया। लेकिन अब पश्चिमी सुरक्षा अधिकारियों ने अपने आकलन में पाया है कि इस सारे मामले एक दूसरे से जुड़े थे। इन घटनाओं को रूसी खुफिया एजेंसी की एक बहुत ही दक्ष इकाई द्वारा यूरोप को अस्थिर करने के लिए चलाए गए अभियान के तहत अंजाम दिया गया। रूसी खुफिया एजेंसी की इस इकाई की पहचान यूनिट 29155 के रूप में हुई है। यद्यपि की यह इकाई पिछले एक दशक से सक्रिय है, लेकिन पश्चिमी अधिकारियों को हाल में इसके बारे में पता चला है। अधिकारियों की मानें तो इस यूनिट का मकसद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पश्चिमी देशों के खिलाफ छेड़े गए अभियान को पूरा करना है। पुतिन के इस अभियान में सैन्य कार्रवाई के साथ ही साथ पश्चिमी देशों के खिलाफ झूठा प्रचार, हैकिंग हमले और गलत सूचना फैलाना शामिल है। पुतिन के प्रवक्ता डीमित्री पेसकोव से मैसेज भेजकर सवाल किया तो उन्होंने रूसी रक्षा मंत्रालय से सवाल करने को कहा और मंत्रालय ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। यह यूनिट रूसी खुफिया एजेंसी जीआरयू तहत काम करती है। यूनिट 29155 के अधिकारी बिना रोकटोक यूरोप के देशों में आते जाते रहते हैं। इनमें अफगानिस्तान, चेचेन्या और यूक्रेन में रूस की तरफ से लड़ाई लड़ने वाले कुछ पूर्व सैन्य अधिकारी भी शामिल हैं। पश्चिमी खुफिया एजेंसियों के आकलन के मुताबिक इस यूनिट का अभियान इतना गुप्त रहता है कि जीआरयू के ज्यादातर दूसरे एजेंटों को इसके अस्तित्व के बारे में जानकारी तक नहीं है। फरवरी में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में ब्रिटेन की विदेशी खुफिया एजेंसी एमआइ6 के प्रमुख एलेक्स यंगर ने पत्रकारों से बातचीत में रूस की तरफ से बढ़ते खतरे को लेकर आगाह किया था और किसी यूनिट का नाम लिए बिना समन्वय की तरफ इशारा किया था।

महिलाओं का अनोखा विरोध-प्रदर्शन

जलवायु परिवर्तन को लेकर विश्व व्यापी मुहिम के तहत बुधवार को लंदन में महिलाओं ने अनोखे ढंग से विरोध प्रदर्शन किया। महिलाओं ने इस मौके पर बच्चों को स्तनपान कराया और कुछ ने बोतलों से अपने शिशुओं को दुग्धपान कराया। उनका कहना था कि दुनिया में बढ़ते पर्यावरण को लेकर गंभीर और ठोस उपाय नही किए गए तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। रायटर

ईस्टर हमलों में श्रीलंका के पूर्व रक्षा सचिव की दोबारा गिरफ्तारी का आदेश

कोलंबो, प्रेट्र : कोलंबो हाई कोर्ट ने बुधवार को पूर्व रक्षा सचिव हेमासिरी फर्नांडो व निलंबित पुलिस प्रमुख पुजिथ जयसुंदेरा की दोबारा गिरफ्तारी का आदेश दिया है। श्रीलंका में ईस्टर के दिन हुए सिलसिलेवार हमलों को रोकने में विफल रहने के मामले में दोनों को 23 अक्टूबर तक की रिमांड पर भेजा गया है। इस मामले में तीन महीने पहले एक स्थानीय न्यायालय ने दोनों को जमानत दे दी थी।

बता दें कि 21 अप्रैल को ईस्टर के दिन इस्लामिक स्टेट समर्थित नेशनल तौहीद जमात ने चर्च व होटलों को निशाना बनाया था। इस हमले में 258 लोगों की जान गई थी। हमले की आंशका को लेकर भारत व अन्य जगहों से आई खुफिया जानकारी पर कथित तौर कोई कदम ना उठाने के लिए राष्ट्रपति मैत्रिपाल सिरीसेन ने जयसुंदेरा व फर्नांडो को निलंबित कर दिया था। फिर, अटार्नी जनरल दापुला लिवेरा ने इनपर मुकदमा चलाने को लेकर याचिका की थी, जिसके बाद जुलाई में दोनों गिरफ्तार हुए थे। नौ जुलाई को स्थानीय अदालत ने यह कहते हुए उन्हें जमानत दे दी थी कि पुलिस या किसी और को खुश करने के लिए किसी को जेल में नहीं रखा जा सकता है।

सात साल में कराची को भी पीछे छोड़ देगा ग्वादर

इस्लामाबाद, प्रेट्र : पाकिस्तान के रणनीतिक ग्वादर बंदरगाह के चीनी संचालनकर्ता (ऑपरेटर) ने कहा है कि यह तटवर्ती शहर आने वाले सात वर्षों में विकास में कराची को पीछे छोड़ देगा। अकेले ग्वादर में इस दौरान 47 हजार नई नौकरियां पैदा होंगी। यह पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था के विकास में सबसे ज्यादा योगदान देने वाला शहर होगा। बलूचिस्तान प्रांत का यह शहर चीन-पाकिस्तान इकोनोमिक कॉरीडोर (सीपीईसी) का अंतिम पड़ाव है और यहां के बंदरगाह से चीन के बड़े इलाके का माल पश्चिम एशियाई देशों और यूरोप को जाता है।

यह बात चाइना ओवरसीज पोर्ट्स होल्डिंग कंपनी (सीओपीएचसी), ग्वादर के चेयरमैन झांग बाओजोंग ने कही है। बाओजोंग की यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान सरकार के ग्वादर को 23 साल के लिए विभिन्न करों से छूट देने के फैसले के बाद आई है। ग्वादर बंदरगाह से माल भेजने पर बिक्री कर और सीमा शुल्क में भी छूट दी जाएगी। सरकार ने ग्वादर को फ्री जोन घोषित किया है। बाओझांग ने कहा कि सरकार का यह फैसला पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में तस्वीर बदलने में कारगर साबित होगा। इस फैसले से ग्वादर में अरबों डॉलर के निवेश का रास्ता खुल गया है।

राजनयिक मिशनों के जरिये पाक भारत में नकली नोट भेज रहा

नापाक इरादे ▶ नेपाल व बांग्लादेश से बड़ी संख्या में जब्त हुए जाली नोट

इन नोटों की कमाई से आतंकी संगठनों की हो रही फंडिंग

- अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के जरिए काठमांडू और ढाका पहुंचाई जा रही है नकली नोटों की खेप
- बांग्लादेश में जाली भारतीय मुद्रा की तस्करी में सहयोग के चलते बर्खाशत किए जा चुके हैं पाक उच्चायोग के अधिकारी

लंदन, एएनआइ : हर मोर्चे पर भारत से पटखनी खाने के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। भारत में नोटबंदी के तीन साल बाद पाकिस्तान ने लश्कर-ए-तैयबा व जैश-ए-मुहम्मद जैसे आतंकी संगठनों की फंडिंग के लिए नकली भारतीय मुद्रा की तस्करी फिर शुरू कर दी है।

अधिकारियों के हवाले से न्यूज एजेंसी ने दावा किया है कि भारत में नकली नोट भेजने के लिए पाकिस्तान उन्हीं गिरोह, सिंडीकेट और रास्तों का इस्तेमाल कर रहा है, जिनका इस्तेमाल वह 2016 से पहले कर रहा था। चौंकाने वाली बात यह है कि इस काम के लिए वह नेपाल, बांग्लादेश व अन्य देशों में मौजूद अपने राजनयिक चैनलों का भी दुरुपयोग कर रहा है।

गौरतलब है कि कालेधन की समस्या से निपटने के लिए भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आठ नवंबर, 2016 को उस समय प्रचलन में चल रहे 500 व 1000 रुपये नोटों को बंद करने की घोषणा की थी। इस फैसले से भारत में घुसपैठ करने वाले आतंकी संगठनों की फंडिंग को झटका लगा था। सूत्रों के अनुसार, नकली नोटों की तस्करी दोबारा सक्रिय करने में पाक की खुफिया एजेंसी आइएसआइ अहम भूमिका निभा रही है। अब वह पहले से बेहतर तरीके के नकली नोट छापने लगे हैं। कई जगहों से नकली भारतीय नोटों के पकड़े गए बाद भारतीय सुरक्षा एजेंसियां चौकन्ना हो गई हैं। हर उस संभव तरीके को निष्क्रिय बनाया जा रहा है, जिसका उपयोग पाकिस्तान कर सकता है।

पाक इंटरनेशनल एयरलाइंस की भी ली जा रही मदद

सूत्रों के मुताबिक भारत में नकली नोटों की तस्करी के लिए आइएसआइ पाकिस्तानी इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआइए) की मदद ले रहा है। इसके साथ ही वह दुबई, कुआलालंपुर, हांगकांग और दोहा में मौजूद अपने राजनयिक चैनलों का भी दुरुपयोग कर रहा है। नकली नोटों की खेप पीआइए के साथ ही अन्य अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के जरिये काठमांडू व ढाका तक पहुंचाई जा रही है। नोटों की तस्करी से हुई कमाई से आतंकी संगठनों की फंडिंग की जा रही है।

अलग-अलग धड़ों का कर रहा इस्तेमाल

नकली नोटों की तस्करी कर भारत की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने के पाकिस्तान कई रास्तों का इस्तेमाल कर रहा है। मई में दाऊद इब्राहिम की डी-कंपनी के सहयोगी यूनुस अंसारी को काठमांडू एयरपोर्ट पर 7 .67 करोड़ रुपये के नकली नोट के साथ पकड़ा गया था। उसके साथ तीन पाकिस्तानी नागरिक भी मौजूद थे। 22 सितंबर को भारत के पंजाब प्रांत में खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के पास से 1 करोड़ रुपये के नकली नोट और हथियार बरामद किए थे। नोट और हथियार पाकिस्तानी ड्रोन के जरिये पहुंचाए गए था। उसी माह ढाका पुलिस ने 49 .5 लाख की नकली भारतीय मुद्रा जब्त की थी। बांग्लादेश में पाकिस्तानी उच्चायोग के अधिकारियों को नकली भारतीय मुद्रा की तस्करी में सहयोग के चलते बर्खास्त तक किया जा चुका है।

अफगान में अमेरिकी हमले में गई थी 30 लोगों की जान

काबुल, एएफपी : पश्चिमी अफगानिस्तान स्थित नशीली दवाओं के ठिकानों पर अमेरिका के हवाई हमलों में 30 नागरिकों की जान गई थी। मई में हुए हमलों की जांच के बाद आई रिपोर्ट में संयुक्त राष्ट्र मिशन इन अफगानिस्तान (यूएनएएमए) ने यह जानकारी दी है। हालांकि, अमेरिकी सेना ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया और जांच की प्रक्रिया व आधार पर सवाल भी उठाया है।

गत मई में अमेरिका समर्थित सेना ने फराह प्रांत के बाकवा जिले व निमरोज प्रांत डेलरैम जिले के कुछ हिस्सों में नशीली दवाओं के ठिकानों को निशाना बनाया था। सेना का दावा था कि ये ठिकाने तालिबान द्वारा संचालित थे और उनके हमलों में किसी आम नागरिक की जान नहीं गई थी। हालांकि, यूएन को हमले में आम नागरिकों की हानि की रिपोर्ट मिली, जिसके बाद एजेंसी जांच शुरू कर दी थी। चार माह तक चली जांच के बाद यूएनएएमए का कहना है कि हमले में 14 बच्चों व एक महिला समेत 30 की जान गई।

घटनास्थल की जांच और हमले से प्रभावित 21 लोगों से बातचीत के आधार पर एजेंसी का दावा है कि पांच लोग जख्मी भी हुए और अन्य चार का पता नहीं चल पाया है। हमले में 30 और लोगों के मारे जाने की सूचना है, जिसकी पुष्टि के लिए यूएन अभी जांच कर रहा है। अपनी रिपोर्ट में यूएन ने यह भी बताया कि निशाने पर आए ठिकाने आतंकी नहीं बल्कि आपराधिक समूह द्वारा संचालित थे। अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक, ऐसे ठिकानों पर सैन्य कार्रवाई अनुचित है।

हिलेरी ने कहा, ट्रंप को 2020 के चुनाव में जरूर हरा देती

- ट्रंप ने पूर्व विदेश मंत्री पर तंज कसते हुए उन्हें अगले राष्ट्रपति चुनाव में शामिल होने की दी है चुनौती
- हिलेरी ने दो विफल प्रयासों के बाद इस बार राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर रहने का किया है एलान

वाशिंगटन, प्रेट्र : अमेरिका की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की खिल्ली उड़ाकर उनके तंज का जवाब दिया है। दरअसल, ट्रंप ने एक ट्वीट में क्लिंटन को 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में शामिल होने की चुनौती दी थी। एक इंटरव्यू के दौरान मजाकिया लहजे में इसका जवाब देते हुए क्लिंटन ने कहा, 'बिलकुल, मैं उन्हें फिर से हरा सकती हूं। खास बात यह है कि वह अब भी मुझे लेकर कितने जुनूनी हैं।' 2016 के चुनाव में हिलेरी डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार रही थीं। 2008 में भी उन्होंने दावेदारी ठोकी थी। इन दो विफल प्रयासों के बाद हिलेरी ने इस बार खुद को राष्ट्रपति पद की दौड़ से अलग कर लिया है।

अपने ऊपर महाभियोग की जांच को लेकर ट्रंप लगातार डेमोक्रेटिक नेताओं को निशाना बना रहे हैं। मंगलवार को क्लिंटन पर तंज कसते हुए ट्रंप ने ट्वीट किया, 'मुझे लगता है कि धूर्त हिलेरी क्लिंटन को फिर से राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल होना चाहिए। इसके लिए सिर्फ एक ही शर्त है। उन्हें अपने सभी अपराधों पर सफाई देनी चाहिए। उन्हें बताना चाहिए कि समन मिलने पर उन्होंने 33 हजार ईमेल को डिलीट क्यों कर दिया था।'

हिलेरी ने ट्रंप की इस बात का करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा, 'मुझे मत सिखाइए। अपना काम कीजिए। मुझे कोई समन नहीं मिला। या तो वह झूठ बोल रहे हैं या भ्रम का शिकार हैं।' उन्होंने यह भी कहा कि शायद ट्रंप को निजी नफरतों से ही प्रेरणा मिलती है। हिलेरी ने ट्रंप पर देश की संप्रभुता कमजोर करने और विदेश नीति को पलटने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने ट्रंप पर महाभियोग को लेकर चल रही जांच का समर्थन भी किया।

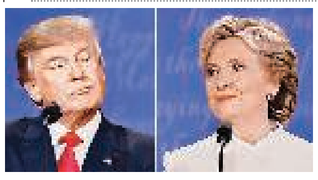

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन की फाइल फोटो।

हिलेरी ने कहा कि संसद नियम के तहत कार्य कर रही है और सभी को उसकी प्रक्रिया का सम्मान करना चाहिए। बता दें कि एक व्हिसलब्लोअर की शिकायत के चलते संसद ट्रंप के खिलाफ जांच कर रही है। व्हिसलब्लोअर के अनुसार ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की पर डेमोक्रेट नेता जो बिडेन और उनके बेटे हंटर के खिलाफ जांच करने का दबाव बनाया था। बिडेन अगले साल राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेट की तरफ से ट्रंप के लिए अहम चुनौती माने जा रहे हैं।

सब्सिडी खत्म किए जाने पर भड़की हिंसा

ईंधन की सब्सिडी खत्म किए जाने के बाद दक्षिण अमेरिकी देश एक्वाडोर की राजधानी क्विटो में राष्ट्रपति लेनिन मेरेनो के खिलाफ जबरदस्त विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। कई स्थानों पर दंगे भड़क गए हैं और पुलिस व प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें हुई हैं। सरकार ने आर्थिक सुधार की दिशा में सब्सिडी खत्म करने जैसा कठोर कदम उठाया है, लेकिन इस कदम से लोगों में आक्रोश फूट पड़ा है। रायटर

अब उइगरों के कब्रिस्तान को निशाना बना रहा चीन

बीजिंग, एएफपी : चीन के शिनजियांग प्रांत में रह रहे उइगर मुसलमानों पर कम्युनिस्ट सरकार की सख्ती बढ़ती जा रही है। अब प्रांत में उनके कब्रिस्तानों को निशाना बनाया जा रहा है। पिछले दो साल में वहां दर्जनों कब्रगाह नष्ट किए जा चुके हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का आरोप है कि ऐसा करके चीन सरकार अल्पसंख्यक उइगर मुसलमानों का अस्तित्व ही खत्म करना चाहती है।

देश के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में पहले ही करीब दस लाख उइगर मुस्लिम हिरासती केंद्रों में कैद है, जो कैद नहीं है उनपर कड़ी निगरानी की जा रही है। चीन सरकार इन केंद्रों को प्रशिक्षण कैंप बताती है। उसका कहना है कि धार्मिक कट्टरपंथ से मुकाबले के यह जरूरी है। कब्रिस्तानों को नष्ट किए जाने पर चीन सरकार के अधिकारियों ने सफाई देते हुए कहा कि विकास कार्यों के लिए ऐसा किया जा रहा है। हालांकि, न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट अलग तस्वीर बयान कर रही है। सेटेलाइट तस्वीरों के आधार पर आई रिपोर्ट के अनुसार 2014 के बाद से अब तक 45 कब्रिस्तान तबाह हो चुके हैं। इनमें से 30 पिछले साल नष्ट किए गए। कई कब्रिस्तानों में तो कब्र पर बने गुंबदों के मलबे अब भी पड़े हुए हैं। प्रांत के रह रहे उइगरों के अनुसार चीन सरकार उन्हें पूरी तरह नियंत्रित करने के लिए यह सब कर रही है।

अमेरिका के वीजा प्रतिबंध को चीन ने भयावह नीयत से लिया फैसला बताया

- कहा, अमेरिका बदनाम करने के लिए मुस्लिम उत्पीड़न की बात कह रहा
- अमेरिका का वीजा प्रतिबंध का फैसला आधारहीन दावों के आधार पर

बीजिंग, एएफपी : शिनजियांग प्रांत में रहने वाले मुस्लिमों के उत्पीड़न को आधार बनाकर अमेरिका के चीनी अधिकारियों और संस्थाओं को वीजा न देने के फैसले से चीन बौखला गया है। इसे भयावह नीयत से लिया गया फैसला करार देते हुए चीन ने इसे वापस लेने की मांग अमेरिका से की है।

अमेरिका ने चीन के पश्चिमी इलाके में रहने वाले उइगर मुसलमानों और अन्य मुस्लिमों के साथ हो रहे व्यवहार की निंदा की है। मानवाधिकार संगठनों के मुताबिक दस लाख से ज्यादा मुस्लिमों को शैक्षिक शिविरों में रखने के बहाने नजरबंद कर दिया गया है।

अमेरिका ने इसी सप्ताह शिनजियांग प्रांत में मानवाधिकारों का उल्लंघन करने के आरोप में 28 चीनी कंपनियों, संस्थाओं और व्यक्तियों को काली सूची में डाल दिया था। इन लोगों के साथ अमेरिका किसी तरह का कारोबार-व्यवहार नहीं रखेगा। चीन ने प्रतिक्रिया में कहा है कि अमेरिका का यह फैसला आधारहीन दावों के आधार पर है।

अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने मंगलवार को वीजा प्रतिबंध की घोषणा करते हुए कहा कि चीन इलाके में उत्पीड़नात्मक गतिविधियों को बंद करे। शिक्षा देने के नाम पर जो लोग हिरासत में रखे गए हैं उन्हें रिहा किया जाए। पोंपियो ने इलाके में निगरानी के लिए लगाए गए उपकरणों को उत्पीड़न का चीनी तरीका करार दिया है। जबकि चीन इस तरह का कोई बंदी शिविर चलने से लगातार इन्कार करता रहा है।

वह इन शिविरों को ऐसे शिक्षा केंद्र बताता है जहां रहने वाले लोगों को मंदारिन (चीन की आधिकारिक भाषा) सिखाई जाती है और व्यावसायिक कार्य सिखाए जाते हैं जिससे उन्हें रोजगार हासिल हो सके।

आतंकवाद से बचाव के उपाय के तहत चीन इन कदमों को जरूरी बताता है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जेंग शुआंग ने कहा, अमेरिका तथ्यों को गलत तरीके से पेश कर रहा है। वह शिनजियांग से संबंधित मामलों को चीन को बदनाम करने के लिए इस्तेमाल कर रहा है। अमेरिका की कार्रवाई भयावह नीयत से उठाया गया कदम है। उसका दावा आधारहीन है।

चीन कड़े कर रहा है वीजा नियम

सिंगापुर, रायटर : जवाबी कार्रवाई के तहत चीन उन अमेरिकी नागरिकों के लिए वीजा शर्तें कड़ी करने पर विचार कर रहा है जो चीन विरोधी समूहों से जुड़े हुए हैं। सूत्रों के अनुसार चीन का गृह मंत्रालय ऐसे सभी लोगों के लिए वीजा नियम कड़े करने जा रहा है जो प्रायोजित यात्रा पर चीन आते हैं। चीन का मानना है कि इनमें से ज्यादातर दौरे अमेरिकी खुफिया एजेंसियों और मानवाधिकार संगठनों द्वारा प्रायोजित होते हैं। नियमों में बदलाव का खाका तैयार करने की शुरुआत बीती मई में अमेरिका द्वारा चीनी विद्वानों के लिए वीजा नियम कड़े करने के बाद हुई थी।

उपजा तनाव

तुर्की की कार्रवाई पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का असमंजस पैदा करने वाला बयान- हम कुर्दों को नहीं छोड़ सकते

सीरिया में घुसकर कुर्दों पर तुर्की के हमले

रास अल-आईन, एएफपी : तुर्की ने अपनी पूर्व घोषणा के मुताबिक बुधवार को सीरिया में घुसकर कुर्द विद्रोहियों के ठिकानों पर हवाई और तोपखाने से हमला बोल दिया। ट्विटर पर राष्ट्रपति रिसेप तैयप एर्दोगन के एलान के कुछ ही क्षणों के बाद रास अल-आईन सीमा के पास सफेद धुंए का गुबार देखा गया। जिन कुर्द विद्रोहियों को तुर्की की सेना निशाना बना रही है, उन्होंने आतंकी संगठन आइएस से लड़ाई में अमेरिकी सेना का साथ दिया था। लेकिन अब अमेरिका ने उनका साथ छोड़ दिया है और तुर्की-सीरिया सीमा से अपने सैनिकों को हटा लिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस कदम की अमेरिका में भी आलोचना हो रही है।

एर्दोगन ने अपने संदेश में लिखा- हमारा उद्देश्य दक्षिणी सीमा पर बने टेरर कॉरीडोर को खत्म करना है। इससे इलाके में शांति स्थापित होगी। तुर्की की सेना कुर्द विद्रोहियों के साथ ही इस्लामिक स्टेट (आइएस) के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। एर्दोगन ने कार्रवाई को ऑपरेशन पीस स्प्रिंग का नाम दिया है। सीरिया में मानवाधिकारों के मामलों पर नजर रखे ब्रिटिश संस्था ने रास अल-राईन इलाके में तुर्की के लड़ाकू विमानों के हमले की पुष्टि की है और बताया है कि इससे जन-धन का नुकसान हुआ है। लेकिन नुकसान का आंकड़ा नहीं बताया है। तुर्की की सरकारी न्यूज एजेंसी ने सीरिया के सीमावर्ती कस्बे ताल अबयाद के कुर्द ठिकानों पर तोपों से हमले की खबर दी है। तुर्की की हमले की धमकी के बीच सीरियाई कुर्दों ने इलाके के लोगों से अपनी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कहा है। सीमा से सैनिक हटाने के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का असमंजस पैदा करने वाला बयान आया है कि अमेरिका अपने कुर्द सहयोगियों को नहीं छोड़ेगा, क्योंकि मुश्किल समय में उन्होंने आइएस के खिलाफ साथ लड़ाई लड़ी। लेकिन माना जा रहा है कि ट्रंप की हरी झंडी के बाद ही तुर्की ने कुर्दों पर हमला किया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने फोन कर राष्ट्रपति एर्दोगन से कोई भी कार्रवाई करने से पहले ठंडे दिमाग से सोचने की सलाह दी थी।

उत्तर-पूर्व सीरिया के अल-आईन सीमा के पास कुर्द विद्रोहियों के ठिकानों पर तुर्की ने बमबारी की। इस दौरान इमारतों से उठता धुंआ। एएफपी

कई दिनों के प्रदर्शन के बाद सुधरे इराक के हालात

- बेरोजगारी व भ्रष्टाचार के चलते पिछले हफ्ते मंगलवार को शुरू हुआ था प्रदर्शन
- एक हफ्ते चले प्रदर्शनों में 100 से अधिक की गई जान, करीब 6000 घायल

बगदाद, एएफपी : एक हफ्ते तक चले सरकार-विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के बाद इराक में अब हालात सुधर रहे हैं। मंगलवार से ही राजधानी बगदाद समेत कई हिस्सों में जनजीवन सामान्य हो गया था। बुधवार को पहले की तरह ही सड़कों पर भीड़ दिखी।

कई दिनों के बंद के बाद बच्चे भी स्कूल लौटे। हालांकि, इंटरनेट सेवा अभी बाधित है। मंगलवार को कई जगहों पर रुक रुककर इंटरनेट चला, जिसके बाद प्रदर्शनों की कई तस्वीर सोशल मीडिया पर सामने आई। बुधवार को इंटरनेट फिर ठप हो गया।

बेरोजगारी, भ्रष्टाचार व बदतर सुविधाओं के चलते पिछले हफ्ते मंगलवार को सरकार विरोधी प्रदर्शन शुरू हुए थे। प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री आदिल अब्दुल मेहदी के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों व सुरक्षाबलों की भिड़त के चलते कई बार प्रदर्शन हिंसक हो गया। इन प्रदर्शनों में 100 से ज्यादा लोग मारे गए और छह हजार से ज्यादा घायल हुए। रविवार की रात बगदाद के साद्र जिले में सेना व प्रदर्शनकारी की भिड़ंत में 13 की जान गई। इसके बाद सेना ने प्रदर्शनकारियों पर अत्यधिक बल प्रयोग की बात स्वीकार कर ली थी।

पोंपियो ने हिंसा की निंदा की

अमेरिका के विदेश मंत्री माइक पोंपियो ने प्रदर्शनकारियों पर हुई हिंसा की निंदा की। उन्होंने इराक सरकार से संयम बनाए रखने और मानवाधिकार हनन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करने को कहा है। उन्होंने यह भी कहा कि शांति पूर्ण प्रदर्शन लोकतंत्र का मूल तत्व है और इसमें हिंसा की कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

बांग्लादेश के नोबेल विजेता मुहम्मद यूनुस की गिरफ्तारी का आदेश

ढाका, प्रेट्र : बांग्लादेश की एक श्रम अदालत ने कथित श्रम कानून उल्लंघन मामले में पेश न होने पर नोबेल पुरस्कार विजेता एवं ग्रामीण बैंक के संस्थापक मुहम्मद यूनुस के खिलाफ बुधवार को गैर जमानती वारंट जारी किया है। 10 जुलाई को ढाका की तृतीय श्रम अदालत ने यूनुस और दो अन्य को आठ अक्टूबर को उसके समक्ष पेश होने का आदेश दिया था। अदालत ग्रामीण बैंक की सूचना प्रौद्योगिकी शाखा ग्रामीण कम्युनिकेशंस के तीन कर्मचारियों को बर्खास्त करने के मामले में सुनवाई कर रही थी। यूनुस ग्रामीण कम्युनिकेशंस के अध्यक्ष हैं। अदालत के एक अधिकारी ने कहा, 'ग्रामीण कम्युनिकेशंस के दो वरिष्ठ अधिकारी अदालत के समक्ष पेश हुए, लेकिन यूनुस पेश नहीं हुए। इस पर अदालत के चेयरमैन रोहिबुल इस्लाम ने युनूस के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया।' अदालत में पेश हुए कंपनी के दोनों अधिकारियों को जमानत दे दी गई। उल्लेखनीय है कि मजदूर संघ के गठन के मामले में जून में ग्रामीण कम्युनिकेशन के तीन कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया था।

ये भी जानिए
पुणे के महाराष्ट्र क्रिकेट स्टेडियम में वर्ष 2017 में हुए एकमात्र टेस्ट की चार पारियों में कुल 757 रन ही बने थे। यह मुकाबला भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला गया था। तीन दिन में वह मैच खत्म हो गया था।

पुणे की पिच लेगी बल्लेबाजों की परीक्षा

- भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा टेस्ट आज से
- सलामी बल्लेबाज रोहित से फिर शानदार प्रदर्शन की आस

पुणे, प्रेट्र : भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यहां गुरुवार से दूसरा टेस्ट मैच शुरू होगा लेकिन इस टेस्ट सभी की नजरें पुणे की पिच पर होगी जो दोनों टीमों के बल्लेबाजों की कड़ी परीक्षा लेगी। विशाखापत्तनम में हुए पहले टेस्ट में 203 रनों से जीतने वाली विराट सेना यहां मेहमान टीम के खिलाफ बढ़े मनोबल के साथ महाराष्ट्र क्रिकेट संघ मैदान पर उतरेगी और इस मैच को जीतकर सीरीज पर अजेय बढ़त लेना चाहेगी। पहले टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका ने अच्छा संघर्ष किया था लेकिन मैच के आखिरी दिन वह मेजबान टीम के सामने टिक नहीं पाई थी। पुणे में जो पिछला टेस्ट हुआ था उसमें स्पिनरों का बोलबाला रहा था और वह मैच तीन दिनों में खत्म हो गया था।

फॉर्म में रोहित: सीरीज के पहले मैच में भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा ने पहली बार टेस्ट में पारी की शुरुआत की थी और दोनों पारियों में शतक (176, 127) जमाए थे। उनके जोड़ीदार मयंक अग्रवाल ने अपना पहला टेस्ट शतक लगाया था और उसे दोहरे में तब्दील करने में भी सफल रहे थे। रोहित चाहेंगे कि बतौर टेस्ट सलामी बल्लेबाज उन्हें जो शुरुआत मिली है, उसे कायम रखे और मयंक के साथ मिलकर वह टीम को पुणे में भी ठोस शुरुआत दे सकें।

बड़ी पारी खेलना चाहेंगे कोहली व पुजारा ने किया निराश : टीम की बल्लेबाजी में कप्तान विराट कोहली और चेतेश्वर पुजारा भी हैं जो अपनी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदल नहीं पा रहे हैं। पहले टेस्ट में कोहली (20, नाबाद 31) और पुजारा (6, 81) ने योगदान दिया था। पुजारा तेज गेंदबाज द्वारा अंदर आती गेंदों में काफी परेशान हुए हैं जो चिंता की बात है। उप-कप्तान अजिंक्य रहाणे का बल्ला भी पहले टेस्ट में खामोश रहा जबकि हनुमा योगदान दे सकते हैं।

शमी और इशांत ने संभाली जिम्मेदारी : पहले टेस्ट मैच में जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में मुहम्मद शमी और इशांत शर्मा ने बखूबी जिम्मेदारी संभाली थी। शमी ने दूसरी पारी में पांच विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। अगर विकेट स्पिनरों की मददगार रहती है तो अश्विन और जडेजा अहम किरदार निभाएंगे। विशाखापत्तनम में भी अश्विन ने पहली पारी में सात विकेट लिए थे। दूसरी पारी में जडेजा ने चार विकेट अपने नाम किए थे। बारिश होती है तो तेज गेंदबाजों को मदद मिलना तय है और यह मेहमान टीम के लिए भी फायदेमंद हो सकता है। दक्षिण अफ्रीका के पास कैगिसो रबादा, वर्नोन फिलेंडर और लुंगी नगिदी जैसे गेंदबाज हैं जो तेज गेंदबाजों की मददगार स्थिति का फायदा उठा सकते हैं।

तीन पर टिकी मेहमान टीम की बल्लेबाजी : दक्षिण अफ्रीकी टीम की बल्लेबाजी पूरी तरह से तीन बल्लेबाजों पर टिकी है और यह पहले टेस्ट में ही देखने को मिल गया। भारतीय टीम की मजबूत गेंदबाजी के आगे सलामी बल्लेबाज डीन एल्गर, विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक और कप्तान फाफ डुप्लेसिस ही सामना कर पाए थे जबकि अन्य बल्लेबाजों ने घुटने टेक दिए थे। एल्गर और डिकॉक ने पहली पारी में शतक जड़ा था जबकि डुप्लेसिस पचासा लगा पाए थे। इनके अलावा थ्युनिस डि ब्रून और बावुमा ने निराश किया था। इन दोनों के अलावा टीम चाहेगी कि एडेन मार्करैम भी अपने बल्ले से रन निकालें। दूसरे मैच में अफ्रीकी टीम पीड्ट को अंतिम एकादश में शामिल नहीं करती है तो नगिदी को मौका मिल सकता है।

भारत का इतिहास खराब

पुणे : विराट कोहली की अगुआई वाली भारतीय टीम जब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महाराष्ट्र क्रिकेट मैदान में खेलने उतरेगी तो वह अपनी कड़वी यादों को भूलना चाहेगी। भारत ने इस मैदान पर सिर्फ एकमात्र टेस्ट खेला है और उसमें भी उसे करारी शिकस्त मिली है। 2017 में खेला गया वह टेस्ट तीन दिन में ही खत्म हो गया था। इस मैच में पिच को लेकर काफी विवाद हुआ था। स्पिनरों की मददगार पिच पर ऑस्ट्रेलिया के स्टीव ओ कीफ भारत के रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा पर हावी रहते हुए अपनी टीम को जीत दिला ले गए थे। भारत ने पहली पारी में सिर्फ 105 और दूसरी पारी में 107 रन बनाए थे। स्टीव ओ कीफ ने दोनों पारियों में छह-छह विकेट लिए थे। अश्विन ने पहली पारी में तीन और दूसरी पारी में चार विकेट लिए थे। जडेजा ने पहली और दूसरी पारी में क्रमशः दो और तीन विकेट चटकाए थे। आइसीसी ने इसे खराब पिच का दर्जा दिया था। पिच के संबंध में जब इस स्टेडियम के पिच क्यूरेटर पांडुरंग सलगांवकर से फोन पर बात करनी चाही तो पता चला कि वह अपना मोबाइल घर पर ही भूल गए। यह वही सलगांवकर हैं, जिन्हें एक स्टिंग ऑपरेशन में पकड़ा गया था और उन्हें छह महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया था। पिच क्यूरेटर नहीं चाहेंगे कि उनके द्वारा बनाई गई पिच किसी तरह के विवादों में आए।

अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय कप्तान विराट कोहली और पुजारा ● प्रेट्र

आइसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका

टीमें	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	अंक
भारत	3	3	0	0	160
न्यूजीलैंड	2	1	1	0	60
श्रीलंका	2	1	1	0	60
ऑस्ट्रेलिया	5	2	2	1	56
इंग्लैंड	5	2	2	1	56
द. अफ्रीका	1	0	1	0	0
वेस्टइंडीज	2	0	2	0	0
बांग्लादेश	0	0	0	0	0
पाकिस्तान	0	0	0	0	0

मैच पर बारिश का साया

पुणे : भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यहां महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में गुरुवार से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच पर भी बारिश का साया बना हुआ है। यहां सोमवार, मंगलवार और बुधवार की सुबह को बारिश हुई थी। मौसम विभाग के मुताबिक, यहां अगले कुछ दिनों तक बारिश होने की संभावना बनी हुई है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और कम से कम तापमान 22 डिग्री तक रहने की उम्मीद है। इससे पहले विशाखापत्तनम में हुआ पहला टेस्ट भी बारिश के कारण बाधित हुआ था।

विदेश में टेस्ट जीतने पर दोगुने अंक चाहते हैं कोहली

पुणे : भारतीय कप्तान विराट कोहली ने कहा कि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में विदेश में जीत दर्ज करने पर दोगुने अंक मिलने चाहिए। फिलहाल सीरीज में 'क्लीन स्वीप' करने पर एक टीम को 120 अंक मिलते हैं चाहे वह दो मैचों की सीरीज हो या पांच मैचों की। विदेश में खेली गई हो या अपनी धरती पर। कप्तान ने कहा, 'यदि आप मुझसे अंक तालिका बनाने को कहते तो मैं विदेश में जीत मिलने पर दोगुने अंक देता। मैं पहले सत्र के बाद यह बदलाव देखना चाहूंगा।' भारत 160 अंक लेकर शीर्ष पर है।

भारत : विराट कोहली (कप्तान), मयंक अग्रवाल, रोहित शर्मा, चेतेश्वर पुजारा, अजिंक्य रहाणे, हनुमा विहारी, रिद्धिमान साहा, अश्विन, जडेजा, इशांत, मुहम्मद शमी, कुलदीप यादव, रिषभ पंत, शुभमन गिल, उमेश यादव।

दक्षिण अफ्रीका : फाफ डुप्लेसिस (कप्तान), तेंबा बावुमा, थ्युनिस डि ब्रून, डिकॉक, डीन एल्गर, जुबैर हमजा, महाराज, मार्करैम, सेनुरन मुथुसामी, नगिदी, एनरिक नोर्टजे, फिलेंडर, डेन पीट्ड, रबादा और रूडी सेकेंड।

01 विकेट लेते ही केशव महाराज अपने टेस्ट में करियर में 100 विकेट पूरे कर लेंगे और वह ऐसा करने वाले पांचवें दक्षिण अफ्रीकी स्पिन गेंदबाज होंगे

11 वीं लगातार टेस्ट सीरीज घर में जीतने वाली पहली टीम बन सकती है भारत। विराट कोहली की टीम दक्षिण अफ्रीका को दूसरे टेस्ट में हरा देती है तो यह उपलब्धि हासिल कर लेगी

04 वनडे अंतरराष्ट्रीय मैचों की मेजबानी पुणे के इस मैदान ने की है जिसमें से तीन में पहली पारी में 280 से ज्यादा का स्कोर बना है

16 खिलाड़ी अब तक 50 या अधिक टेस्ट में कप्तानी कर चुके हैं। सबसे ज्यादा 109 टेस्ट में कप्तानी करने का विश्व रिकॉर्ड द. अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ के नाम है

भारत के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट में कप्तान

कप्तान	टेस्ट	जीते	हारे	ड्रॉ
एमएस धौनी	60	27	18	15
विराट कोहली	49	29	10	10
सौरव गांगुली	49	21	13	15
अजहरुद्दीन	47	14	14	19
सुनील गावस्कर	47	09	08	30

कुलदीप जानते हैं, वह बाहर क्यों हुए : कोहली

पुणे, प्रेट्र: भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली इस बात से खुश है कि टीम के खिलाड़ियों ने 'निस्वार्थ रवैया' अपनाया है और 'उनकी सोच में लचीलापन' है जिससे तेज गेंदबाज मुहम्मद शमी के खेल में बदलाव आया और कुलदीप यादव को पता है कि वह अंतिम एकादश से क्यों बाहर हुए। कभी चोटों से परेशान रहने वाले शमी ने सपाट पिच पर धारदार गेंदबाजी की जिससे कप्तान काफी प्रभावित है। कोहली ने बुधवार को कहा, 'अब शमी अधिक जिम्मेदारी के साथ खेल रहे हैं। हमें अब कुछ बताने की जरूरत नहीं होती। हमें अब यह कहने की जरूरत नहीं होती आपको हमारे लिए यह स्पैल डालना होगा। जब उन्हें गेंद सौपी जाती है तब वह मैच की परिस्थिति को अच्छे से समझते हैं।'

शमी जहां पूरी तरह लय में है वही युवा चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यह सोच रहे होंगे कि अपने पिछले टेस्ट (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में) में पांच विकेट लेने के बाद भी वह अंतिम एकादश से बाहर क्यों हैं। उन्होंने कहा, 'कुलदीप समझता है कि भारत में खेलते समय अश्विन और जडेजा हमारी पहली पसंद होंगे क्योंकि वे बल्ले से भी योगदान देने में सक्षम हैं। हम पिछले दो साल से जो कर (टीम संयोजन को लेकर) रहे हैं, उसके बारे में काफी चर्चा हो रही है। हमारा सिर्फ ज्यादा से ज्यादा जीत हासिल करने का है। हम ऐसा करने में कामयाब रहे है।' टीम में तीसरे तेज गेंदबाज को शामिल करने को नकारते हुए उन्होंने कहा, 'हमारी टीम लगभग स्थिर है और मुझे नहीं लगता कि पिच की भूमिका बहुत ज्यादा होगी क्योंकि जब पिच में नमी होती है तब भी गेंद को घुमाव भी मिलता है। स्पिनर भी प्रभावी होंगे।'

रोहित को लुत्फ उठाने देना चाहिए: कोहली ने कहा, 'अगर रोहित जैसा खिलाड़ी शीर्ष क्रम में अपना स्वाभाविक खेल खेलता है तो हम टेस्ट मैचों में जीत की स्थिति में रहेंगे। हम सभी उनके लिए काफी खुश हैं। यह समय है जब रोहित को टेस्ट क्रिकेट में शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करने का लुत्फ उठाने देना चाहिए।'

भारतीय कप्तान ने कहा, मुहम्मद शमी को अब सुझाव की जरूरत नहीं

बुमराह के कार्यभार को लेकर सावधान रहना होगा : शास्त्री

पुणे : भारतीय कोच रवि शास्त्री ने कहा कि टीम को जसप्रीत बुमराह के कार्यभार को लेकर सावधान रहना होगा क्योंकि बुमराह तीनों प्रारूप में खेलते हैं। बुमराह इस समय चोटिल हैं और इसी कारण दक्षिण अफ्रीका के साथ खेली जा रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। शास्त्री ने कहा, 'हम इस बात को लेकर काफी फिक्रमंद हैं क्योंकि वह काफी अहम, विशेष, अलग और मैच विजेता हैं। इस बात को लेकर विचार किया जा रहा है कि उन्हें सर्जरी की जरूरत है या नहीं। हमें उनके कार्यभार को लेकर काफी सावधान रहना होगा। क्योंकि वह तीनों प्रारूपों में टीम का हिस्सा हैं।'

हमारे युवा गेंदबाजों को शमी से सीखना चाहिए : डुप्लेसिस

पुणे : दक्षिण अफ्रीकी कप्तान फाफ डुप्लेसिस को लगता है कि टीम के युवा तेज गेंदबाज मुहम्मद शमी से बहुत कुछ सीख सकते हैं जिसमें घरेलू परिस्थितियों में प्रभावशाली गेंदबाजी करना भी शामिल है। डुप्लेसिस ने कहा, 'मैंने अपने एक युवा गेंदबाज से कहा कि आपके लिए यह सीखने का अच्छा मौका है। मैंने कहा कि आप देख सकते है घरेलू परिस्थितियों में जब कोई शीर्ष पर होता है तो कैसा क्रिकेट खेलता है। आप (युवा खिलाड़ी) यह सीख सकते है कि पिच का इस्तेमाल कैसे करते हैं और गेंद को रिवर्स स्विंग कराने के बारे में भी सीख सकते है। ऐसे में जाहिर है सीखने के लिए काफी कुछ है।' उन्होंने कहा, 'मेरे लिए टीम चयन के मायने यह है कि मैच जीतने वाले खिलाड़ियों का संयोजन बनाए। ऐसे में हमें उन खिलाड़ियों को ढूंढना होगा जो 20 विकेट ले सके और बड़ा स्कोर खड़ा कर सकें।'

हमें अश्विन और जडेजा पर दवाब बनाना होगा : कप्तान ने कहा, 'मुझे लगता है कि 2015 के मुकाबले पहली पारी हमारे लिए बड़ा अंतर है। आप भारत की स्पिन पिचों पर संघर्ष करते हैं और इसके साथ आप ज्यादा डिफेंसिव हो जाते हैं। इससे विपक्षी को आपके ऊपर हावी होने का समय मिल जाता है। दबाव को वापस गेंदबाजी टीम पर डालने के लिए सकारात्मक खेल, कुछ जगह जोखिम लेना जरूरी होता है। वहीं रिकॉर्ड अपनी कहानी खुद बयां करते हैं। खासकर स्पिन में उन दोनों (अश्विन और जडेजा) ने काफी अच्छा किया है इसलिए आपको कोशिश करनी होगी कि आप उन पर दबाव डालें।' उन्होंने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका में अगर आपको औसत से कम दर्जे की पिच मिलती है तो आपको इसके लिए चेतावनी मिल जाती है। अब यहां आपके अंक काट लिए जाएंगे। मुझे लगता है कि 2015 में जो विकेट बनाई गई थी वैसी विकेट बनाना सही नहीं है।

निर्मला के दो स्वर्ण छीने चार साल का प्रतिबंध लगा

निर्मला श्योराण ● फाइल फोटो, ट्विटर

मोनाको, प्रेट्र: ट्रैक एवं फील्ड के डोपिंग मामलों को नियंत्रित करने वाली संस्था एथलेटिक्स इंटेग्रिटी यूनिट (एआइयू) ने भारतीय फर्राटा धावक निर्मला श्योराण से एशियन चैंपियनशिप के उनके दो स्वर्ण पदक छीनते हुए उन पर चार साल का प्रतिबंध लगा दिया है।

एआइयू ने निर्मला को जून 2018 में घरेलू प्रतियोगिता में स्टेरायड ड्रोस्तानोलोन और मेटेनोलोन के इस्तेमाल का दोषी पाया था। इसके बाद सात अक्टूबर को उन्हें प्रतिबंधित कर दिया गया। एआइयू के मुताबिक, इस भारतीय एथलीट के खून के नमूनों में गड़बड़ी पाई गई थी। उन्होंने प्रतिबंध को स्वीकार कर लिया है और मामले की सुनवाई की मांग नहीं की। उनका प्रतिबंध 28 जून 2018 से प्रभावी होगा, जबकि अगस्त 2016 से नवंबर 2018 तक के उनके सभी नतीजों को रद कर दिया गया है। निर्मला ने 2017 में भारत में हुई एशियन चैंपियनशिप में 400 मीटर और चार गुणा 400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक हासिल किए थे। उन्होंने रियो ओलंपिक में भी इन दोनों स्पर्धाओं में भाग लिया था।

पुणे में कुछ खास अलग नहीं होगा

गौतम गंभीर

फिलक

मेरी ओर से आप सभी को विजयदशमी की शुभकामनाएं। मैं उम्मीद करता हूं कि मेरी तरह आपने भी अच्छा समय बिताया। मैं दिल्ली में था और नियमित रूप से दशहरे मेले की रामलीला में था। वहां मैंने जमकर लुत्फ उठाया। वहां मेरे बचपन की यादें ताजा हो गईं, जब मैं दिल्ली में रामलीलाओं में जाया करता था। क्रिकेट प्रशंसकों के लिए यह भी थोड़ा हर्षोल्लास की बता है कि भारत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है। खेल के तरीके ने मुझे पिछली सदी के नौवें दशक और उसके बाद की याद दिला दी, जब घर में एक निश्चित तरीके से टेस्ट क्रिकेट खेला जाता था।

इस पटकथा की शुरुआत भारत के टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने से हुई और फिर उसने शानदार बल्लेबाजी करते हुए मेहमानों को मुकाबले से बाहर कर दिया। इसके बाद सब कुछ विशाखापत्तनम की पिच के स्वभाव पर निर्भर हो गया। दक्षिण अफ्रीका के 20 विकेटों में से 14 भारतीय स्पिनरों ने लिए और बाकी मुहम्मद शमी की चालाकी भरी रिवर्स स्विंग की वजह से मिले।

यह सब कुछ जाना-पहचाना सा लग रहा था। नौवें दशक में भी तब के भारतीय कप्तान टॉस, पिच और स्पिनरों पर बहुत भरोसा करते थे। और, किस्मत से ये तीनों-टॉस, अधूरी तैयार पिचें और स्पिनर ने भारत को घर में लगभग अजेय बना दिया था। भारतीय टीम से थोड़ा सा भी श्रेय छीनना और इन तत्वों को सारा श्रेय देना गलत होगा। मैं सिर्फ एक तरीके के बारे में सुझाव दे रहा था जिसका भारतीय कप्तानों ने वर्षों तक पालन किया है।

इसे देखते हुए पुणे में भी कुछ अलग नहीं होगा। भारत के पश्चिम भाग की लाल मिट्टी में थोड़ा सा उछाल हो सकता है, लेकिन दक्षिण अफ्रीकी टीम यदि भारत को चुनौती देती है तो मुझे बेहद आश्चर्य होगा। उनके बल्लेबाजों ने कुछ प्रतिबद्धता दिखाई थी, लेकिन यह सिर्फ टुकड़ों में थी। जिस तरह से एशियाई बल्लेबाजों को दक्षिण अफ्रीका या ऑस्ट्रेलिया की तेज उछाल वाली पिचों पर खुद को ढालने में संघर्ष करना पड़ता है, वैसे ही दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों को नीचे रहने वाली और कभी-कभी असमान उछाल वाल गेंदों को समझने में संघर्ष करना पड़ रहा है।

मैं रिद्धिमान साहा और आर अश्विन दोनों के लिए खुश था। दोनों एक तरह से वापसी कर रहे थे। हां, स्कोरबोर्ड साहा के खिलाफ 14 बाई दिखाता है, लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने स्पिनरों के खिलाफ बहुत अच्छी विकेटकीपिंग की। वह शांत रहने वाले व्यक्ति हैं, लेकिन उनमें क्रिकेट की बहुत अच्छी समझ है। वह ऐसे व्यक्ति हैं जो अच्छी सलाह के लिए कप्तान विराट कोहली के काम आएंगे। जिसने भी रोहित शर्मा को टेस्ट मैचों में उनका स्वाभाविक खेल खेलने की सलाह दी, वह मेरा मैन ऑफ द मैच था। मेरा मतलब है कि रोहित को रक्षात्मक मोड पर लाना आसान है, क्योंकि यह टेस्ट क्रिकेट है, लेकिन मुझे खुशी है कि रोहित ने रूढ़िवादी परंपराओं का पालन नहीं किया और उस तरह का खेल खेला, जिसके लिए वह जाने जाते हैं। रोहित जिस तरह से अपने टेस्ट करियर की इमारत तैयार कर रहे हैं उस पर मुझे बेहद गर्व है। मुझे आज उन्हें दुनिया का सबसे खतरनाक और सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज घोषित करने में कोई शंका नहीं है। वीरेंद्र सहवाग की तरह रोहित भी भारत की टेस्ट जीत की नींव तैयार कर सकते हैं। बस उन्हें सिर्फ संभाल कर रखो और प्यार करो।

THE ULTIMATE INVERTER BATTERY
EXIDE INVATUBULAR

महिला क्रिकेट यह उपलब्धि हासिल करने वाली दुनिया की पहली महिला बनीं राज

मिताली राज के वनडे में दो दशक पूरे

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : भारतीय महिला वनडे टीम की कप्तान मिताली राज बुधवार को दुनिया की ऐसी पहली महिला क्रिकेटर बन गई, जिन्होंने वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 20 साल से ज्यादा का समय बिताया है। मिताली ने यह उपलब्धि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को वडोदरा में खेले गए तीन मैचों की सीरीज के पहले वनडे मैच में हासिल की, जिसमें भारत ने आठ विकेट से जीत दर्ज की। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 45.1 ओवर में 164 रन पर ढेर हो गई। जबाव में भारत ने प्रिया पूनिया (नाबाद 75) और जेमिमाह रोड्रिग्ज (55) के अर्धशतकों की बदौलत 41.4 ओवर में दो विकेट पर 165 रन बनाकर जीत हासिल की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 83 रन जोड़े। कप्तान मिताली ने नाबाद 11 रन बनाए।

मिताली ने अपना वनडे पदार्पण आयरलैंड के खिलाफ 26 जून 1999 को किया था और बुधवार को उन्होंने 50 ओवर के प्रारूप में अपने 20 साल 105 दिन पूरे किए। इसी के साथ वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दो दशक पूरे करने वाली दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर भी बन गईं। टेस्ट मैचों में न्यूजीलैंड की वेरा ईस्टर बर्ट के नाम सबसे लंबी अवधि तक खेलने का रिकॉर्ड दर्ज है। बर्ट का टेस्ट करियर 20 साल 335 दिन का रहा। हालांकि, मार्च 1948 में वेलिंगटन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट आगाज करने वाली बर्ट ने सिर्फ तीन टेस्ट मैच खेले और उनके दूसरे (मार्च 1949) और तीसरे (फरवरी 1969) टेस्ट मैच के बीच 19 साल 323 दिन का अंतराल रहा, जो कि अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

मिताली राज ● फाइल फोटो, प्रेट्र

दायें हाथ की बल्लेबाज मिताली ने अब तक 204 वनडे मैच खेले हैं, जो किसी भी महिला क्रिकेटर द्वारा खेले गए सर्वाधिक वनडे मैच हैं। सर्वाधिक वनडे मैच खेलने के मामले में मिताली के बाद इंग्लैंड की चार्लोट एडवर्ड्स (191), भारत की झूलन गोस्वामी (178) और ऑस्ट्रेलिया की एलेक्स ब्लैकवेल (144) हैं। 36 साल की मिताली ने 10 टेस्ट और 89 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले हैं। पिछले महीने ही उन्होंने टी-20 से संन्यास की घोषणा की थी।

पुरुष और महिला क्रिकेट की बात की जाए तो वनडे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दो दशक पूरे करने वाली मिताली कुल चौथी क्रिकेटर बनीं। उनसे पहले सबसे आगे भारत के सचिन तेंदुलकर (22 साल 91 दिन) हैं, जबकि उनके बाद श्रीलंका के सनत जयसूर्या (21 साल 184 दिन) और पाकिस्तान के जावेद मियांदाद (20 साल 272 दिन) का नंबर आता है।

जमुना और लवलीना क्वार्टर फाइनल में

उलान-उदे (रूस), प्रेट्र: पिछले संस्करण की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (69 किग्रा) और पदार्पण करने वाली जमुना बोरो (54 किग्रा) ने यहां बुधवार को अपने-अपने प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में प्रभावशाली जीत दर्ज करते हुए विश्व महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

जमुना ने अफ्रीकन गेम्स की स्वर्ण पदक विजेता पांचवीं वरीयता प्राप्त अल्जीरिया की ओउइदाद सफोउह को सर्वसम्मति से लिए गए फैसले के आधार पर हराया, जबकि तीसरी वरीयता प्राप्त लवलीना ने मोरक्को की अपनी प्रतिद्वंद्वी ओयुमायमा बेल अहबीब को 5-0 से मात दी। गुरुवार को क्वार्टर फाइनल में जमुना का सामना जर्मनी की उरसुला गोटलोब से होगा, जिन्होंने प्री-क्वार्टर फाइनल के मुकाबले में यूरोपियन चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता और चौथी वरीयता प्राप्त बेलारूस की यूलिया अपानासोविक को 3-2 से हराया। वहीं, लवलीना का अगला मुकाबला छठी वरीयता प्राप्त कैरोलिना कोसजेवस्का से होगा, जिन्होंने उज्बेकिस्तान की शखनोजा युनुसोवा को मात दी। पोलैंड की कोसजेवस्का ने इस साल यूरोपियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था। जमुना के ब्लॉक शुरुआत में धीमे नजर आए, लेकिन जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ा, वह हावी होती चली गईं। दूसरे और तीसरे दौर में जमुना अपने सीधे पंचों के जरिये काफी प्रभावशाली नजर आईं।

एजीएम में नहीं बुलाने से पदाधिकारी भड़के

अभिषेक त्रिपाठी ● नई दिल्ली

पदाधिकारियों ने प्रशासकों की समिति पर लगाया बीसीसीआइ चुनाव में मनमानी का आरोप, अभी तक अध्यक्ष ही करता रहा है एजीएम की अध्यक्षता

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) के 23 अक्टूबर को मुंबई में होने वाले चुनाव में वर्तमान कार्यवाहक अध्यक्ष सीके खन्ना, कार्यवाहक सचिव अमिताभ चौधरी और कोषाध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी को नहीं बुलाया गया और इसको लेकर यह तीनों ही पदाधिकारी गुस्से में हैं।

इनमें से एक पदाधिकारी ने कहा कि जिस सुप्रीम कोर्ट ने विनोद राय की अध्यक्षता वाली प्रशासकों की समिति (सीओए) को चुना था, उसी ने हम तीनों को भी बीसीसीआइ की जिम्मेदारी थी। इसके बावजूद सीओए का तीनों पदाधिकारियों को 23 अक्टूबर होने वाली वार्षिक आम सभा (एजीएम) में नहीं बुलाना सोची-समझी राजनीति है। खास बात यह है कि सीके खन्ना, अमिताभ और अनिरुद्ध पिछले बीसीसीआइ चुनाव में जीतकर क्रमशः उपाध्यक्ष, संयुक्त सचिव और कोषाध्यक्ष बने थे। लोढ़ा समिति की सिफारिशों पर फैसला देने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठतम उपाध्यक्ष होने के कारण खन्ना को कार्यवाहक अध्यक्ष और अमिताभ को सचिव का कार्यभार सौंपा था। पदाधिकारी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हमें जिम्मेदारी दी थी और सीओए उसी का उल्लंघन कर रहा है। हम इसके बारे में सीओए, चुनाव अधिकारी और न्यायमित्र से शिकायत करने की सोच रहे हैं। अभी तक जितने भी चुनाव हुए हैं उसमें बीसीसीआइ अध्यक्ष ही एजीएम की अध्यक्षता करता रहा है जबकि सचिव संयोजन करता है। यही नहीं इस बैठक में कोषाध्यक्ष की जरूरत रहती है क्योंकि वही बही-खाते क्लीयर करता है। सीओए ने इस बैठक से पहले हम तीनों पदाधिकारियों से बीसीसीआइ के बहीखातों पर हस्ताक्षर कराए और हमें ही बैठक में नहीं बुलाया। ऐसा गलत काम बीसीसीआइ के इतिहास में इससे पहले कभी नहीं हुआ।

एक बैठक के दौरान अमिताभ, सीके खन्ना और अनिरुद्ध चौधरी ● फाइल फोटो, प्रेट्र

सीओए ने तमिलनाडु, हरियाणा और महाराष्ट्र क्रिकेट संघ को दिया करारा झटका

पुणे : सीओए ने तमिलनाडु क्रिकेट संघ (टीएनसीए), हरियाणा क्रिकेट संघ (एचसीए) और महाराष्ट्र क्रिकेट संघ (एमसीए) को लोढ़ा समिति के अनुसार संविधान नहीं अपनाने के कारण आगामी बीसीसीआइ में चुनाव में भाग लेने से इन्कार कर दिया है। अब ये तीनों राज्य संघ चुनावी प्रक्रिया में भाग नहीं ले सकेंगे और वोट नहीं डाल पाएंगे। सूत्र ने कहा, 'सीओए ने तीन प्रदेश इकाइयों को बता दिया है कि वे चुनाव में भाग नहीं ले सकेंगे क्योंकि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के नौ अगस्त 2018 के आदेश के अनुसार अपने संविधान में संशोधन नहीं किया है।' सीओए प्रमुख विनोद राय इस समय अमेरिका में हैं जिनसे संपर्क नहीं हो सका। टीएनसीए का प्रतिनिधित्व सचिव एसएस रामास्वामी को करना था जबकि हरियाणा की नुमाइंदगी मृणाल ओझा कर रहे थे। इसके अलावा पूर्व बीसीसीआइ सचिव अजय शिर्के के नियंत्रण वाली एमसीए का प्रतिनिधित्व रियाज बागबान को करना था। सीओए की ओर से तर्क है कि चुनाव उनकी निगरानी में हो रहे हैं इसलिए वे किसी ऐसे संघ को आम सभा में भाग लेने की अनुमति नहीं देंगे जिसने लोढ़ा समिति की सिफारिशों को नहीं माना हो। बीसीसीआइ के पूर्व पदाधिकारी ने कहा, 'यदि टीएनसीए, हरियाणा और महाराष्ट्र सुप्रीम कोर्ट चले जाते हैं और सीओए के इस फैसले के खिलाफ स्टे ले आते हैं तो क्या होगा? किसी भी मामले में, श्रीनिवासन निर्णय लेने में एक सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं और उन प्रभावशाली लोगों के संपर्क में हैं जो इन मामलों को अंतिम रूप देंगे।' बीसीसीआइ में अधिकतर लोगों को पता है कि सीओए एक बार चला गया तो अन्य मुद्दों से आसानी से निपटा जा सकता है।

स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा पर रहेंगी निगाहें

रांची : चोट की वजह से एक साल बाद वापसी कर रहे स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा यहां गुरुवार से शुरू हो रही 59वीं राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में आकर्षण का केंद्र होंगे। गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स और जकार्ता एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज ने एक साल से किसी प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया है। नीरज को दक्षिण अफ्रीका में अभ्यास के दौरान कोहनी की चोट का पता चला था।

मेरा लक्ष्य टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने का है और इसके लिए मैं कड़ी मेहनत कर रही हूं।
– पीवी सिंधू, भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी

न्यूज गैलरी

स्टोक्स की पत्नी ने दी सफाई

नई दिल्ली : इंग्लैंड के स्टार ऑलराउंडर बेन स्टोक्स एक तस्वीर की वजह से विवाद में घर गए थे। उन पर आरोप लग रहे थे कि पत्नी से उनका झगड़ा हुआ है। तस्वीर का हवाला देकर यह भी कहा जा रहा था कि झगड़े के दौरान बेन ने अपनी पत्नी क्लेयर का गला दबा दिया लेकिन अब क्लेयर ने इस मामले पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि से सारी बातें बकवास हैं। लगता है मीडिया आजकल खयाली पुलाओ ज्यादा बनाने लग गया है। मामला पेशेवर क्रिकेटर संघ पुरस्कार समारोह से जुड़ा हुआ है। सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हो रही थी जिसमें स्टोक्स का हाथ उनकी पत्नी के गले पर है और ऐसा लग रहा है जैसे वह गुस्से में हैं। (एएनआइ)

पाटिल से मिलेंगे सचिन

मुंबई : दिग्गज भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर गुरुवार को मुंबई क्रिकेट संघ (एमसीए) के नवनियुक्त प्रमुख विजय पाटिल से मुलाकात करेंगे जहां वह मुंबई क्रिकेट के भविष्य को लेकर चर्चा कर सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक एमसीए ने सचिन से मुलाकात के लिए निवेदन किया है जो कि बीकेसी सेंटर में दो बजे होने की उम्मीद है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि एमसीए के नवनियुक्त पदाधिकारी सचिन से मुंबई क्रिकेट को बेहतर बनाने पर सुझाव चाहते हैं। मुंबई 41 बार की रणजी चैंपियन है लेकिन घरेलू सत्र में हाल के दिनों में उसका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। (प्रेट्र)

दीपा ने भरा नामांकन

नई दिल्ली : पैरालंपिक पदक विजेता दीपा मलिक ने भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआइ) के अध्यक्ष पद के लिए नामांकन भरा है। दीपा ने कहा कि अब समय आ गया है कि एथलीटों को सुना जाए। एक एथलीट होने के नाते में जानती हूं कि वे किन–किन चीजों से गुजरते हैं और उनकी जरूरतें क्या हैं। अध्यक्ष पद के लिए मैंने अपना नामांकन भरा है। मालूम हो कि इस साल की शुरुआत में खेल मंत्रालय ने खेल अधिनियम का पालन नहीं करने की वजह से पीसीआइ के निलंबित कर दिया था। (एएनआइ)

भारत ने नेपाल को हराया

थिंपु : भारतीय फुटबॉल टीम ने नेपाल को 4–1 से हराकर अंडर–15 सैफ महिला चैंपियनशिप की शुरुआत की है। बुधवार को खेले गए इस मुकाबले में भारत की ओर से स्ट्राइकर लायंडा कॉम सेर्टो (38वें व 56वें मिनट) ने दो गोल किए जबकि सुमाती कुमारी (7वें मिनट) और प्रियंका सुजेश (66वें मिनट) ने एक–एक गोल किए। अब भारतीय महिला टीम अपने अगले मुकाबले में शुक्रवार को भूटान से भिड़ेगी। (प्रेट्र)

अंतिम–16 में ज्वेरेव, रैकेट हाथ से फिसलकर दर्शक दीर्घा में जा गिरा

टेनिस डायरी ▸ शंघाई मास्टर्स में जेरेमी चार्डी को 7–6, 7–6 से हराया

कैमरामैन को गेंद लगने के बाद एलेक्जेंडर ने मांगी माफी

शंघाई, एएफपी : जर्मन टेनिस स्टार एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रांस के जेरेमी चार्डी को हराकर शंघाई मास्टर्स के अंतिम-16 में प्रवेश कर लिया लेकिन इस दौरान गलती से उनका रैकेट हाथ से फिसलकर दर्शकों के बीच चला गया। ज्वेरेव ने इस मुकाबले में 7-6, 7-6 से जीत दर्ज की।

काफी घटनापूर्ण रहे इस मैच के दौरान ज्वेरेव ने एक टीवी कैमरामैन से भी माफी मांगी क्योंकि उनके एक शॉट पर गेंद गलती से जाकर उस कैमरामैन के जबड़े पर लगी। पहले सेट में 22 वर्षीय ज्वेरेव को डॉक्टर की भी सेवाएं लेनी पड़ी। इसके अलावा टाईब्रेकर तक पहले सेट के दौरान उन्होंने जमीन पर मारकर रैकेट तोड़ दिया। दूसरे सेट में भी उनका रैकेट हाथ से फिसलकर दर्शकों के बीच चला गया। विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज ज्वेरेव का इस सत्र में प्रदर्शन खराब रहा है और उन्हें दुनिया के 71वें नंबर के खिलाड़ी चार्डी के एक घंटा 48 मिनट तक चले मुकाबले में जीत के लिए पसीना बहाना पड़ा। पुरुषों की टेनिस में ज्वेरेव को आने वाला सितारा माना जाता है लेकिन अपने करियर के कुल 11 में से केवल एक खिताब ही वह इस साल जीत पाए हैं। शंघाई मास्टर्स में उनका अगले दौर में सामना रूस के आंद्रे रुबलेव से होगा। उभरते हुए सितारे स्टीफानोस सितसिपास ने कहा है कि वह कोर्ट के अंदर और बाहर सोशल मीडिया से दूर रहने का लाभ उठा रहे हैं। 21 वर्षीय यूनानी स्टार सितसिपास ने शंघाई मास्टर्स में 19 वर्षीय फेल्किस ऑगर एलिएसिमे को 7-6, 7-6 से हराकर अंतिम-16 में प्रवेश किया। सितसिपास ने इस साल दो खिताब जीते हैं लेकिन रविवार को उन्हें चीन ओपन के फाइनल में डोमिनिक थिएम से हार झेलनी पड़ी थी। सितसिपास ने कहा कि मैं पहले से ज्यादा एकाग्रचित महसूस करता हूं और मैं अपने चाहने वालों के साथ ज्यादा समय बिताता हूं। मैं पहले से ज्यादा खुद को इंसान महसूस करता हूं। अब मैं अपने फोन पर ज्यादा समय बिताने के बजाए अपने खेल पर ज्यादा ध्यान लगा पाता हूं।

जोकोविक भी आगे बढ़े : विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविक ने एशिया में अपने जीत के क्रम को जारी रखते हुए बुधवार को शंघाई मास्टर्स के अंतिम-16 में जगह बनाई। सर्बिया के जोकोविक ने कनाडा के डेनिस शापोवालोव को 6-3, 6-3 से हराया। यूएस ओपन से चोट की वजह से बीच में ही छोड़कर हटने वाले जोकोविक एशिया में दूसरा टूर्नामेंट खेल रहे हैं। उन्होंने हाल ही में जापान ओपन का खिताब जीता था। अब जोकोविक का सामना अमेरिका के जॉन इस्नर से होगा जिन्होंने फ्रांस के लुकास पॉली को 7-5, 6-3 से हराया। वहीं पिछले सप्ताह चीन ओपन का खिताब जीतने वाले ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम ने स्पेन के पाब्लो कैरेनो बुस्ता को 7-6, 6-3 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई जहां उनका सामना जॉर्जिया के निकोलस बासिलाश्विली से होगा।

मैच के दौरान हाथ से छुटे रैकेट को देखते जर्मन टेनिस स्टार एलेक्जेंडर ज्वेरेव। एएफपी

पंजाब की जीत में तेज गेंदबाज सिद्धार्थ चमके

विजय हजारे ट्रॉफी

बड़ोदरा, प्रेट्र : तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल की दमदार गेंदबाजी की बदौलत पंजाब ने बुधवार को विजय हजारे वनडे टूर्नामेंट के ग्रुप-बी में बड़ौदा को तीन विकेट से हरा दिया।

पहले बल्लेबाजी का न्योता पाकर बड़ौदा ने विष्णु सोलंकी के 54 और युसूफ पठान के 43 रनों की मदद से आठ विकेट पर 222 रन बनाए। पंजाब के लिए सिद्धार्थ ने 10 ओवर में 58 रन देकर सर्वाधिक चार विकेट हासिल किए। जवाब में खेलने उतरी पंजाब की टीम ने एक गेंद शेष रहते सात विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। पंजाब ने भी नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए, लेकिन अभिषेक शर्मा (38), शरद लुंबा (33), कप्तान गुरकीरत सिंह (39), अनमोल मल्होत्रा (39) और करण काइला (नाबाद 35) ने टीम को तीसरी जीत दिला दी। बड़ौदा के लिए ऋषि अरोथे ने तीन विकेट चटकाए। बड़ौदा की यह लगातार चौथी हार है।

तमिलनाडु की लगातार सातवीं जीत

जयपुर, प्रेट्र : बाबा अपराजित (नाबाद 111 रन, 4/30) के ऑलराउंडर खेल की बदौलत तमिलनाडु ने ग्रुप–सी में रेलवे को आठ विकेट से हराकर लगातार सातवीं जीत दर्ज की। तमिलनाडु के सात जीत से 28 अंक हैं और नॉकआउट चरण में उसका प्रवेश करीब–करीब तय है।

गुजरात छह मैचों में छह जीत के साथ दूसरे स्थान पर है। रेलवे ने मनीष राव के 55 और प्रथम सिंह के 43 की मदद से नौ विकेट पर 200 रन बनाए। इसके बाद तमिलनाडु ने लक्ष्य को 44.1 ओवर दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। अपराजित ने विजय शंकर (नाबाद 72 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 186 रन जोड़े। अपराजित ने अपनी 124 गेंदों की शतकीय पारी में सात चौके और एक छक्का जड़ा।

राजस्थान और बंगाल भी जीते : अन्य मुकाबलों में राजस्थान ने सेना को 48 रन से और बंगाल ने त्रिपुरा को पांच विकेट से हरा दिया। बंगाल की जीत में मनोज तिवारी की अहम भूमिका रही जिन्होंने 85 रन बनाए। वहीं राजस्थान की जीत में आदित्य ने 91 और चेतन बिष्ट ने 71 रनों का योगदान दिया, जबकि राहुल चाहर ने भी चार विकेट लेकर राजस्थान की जीत में अहम भूमिका निभाई।

टैक्स के कारण बार्सिलोना छोड़ना चाहते थे मेसी

बार्सिलोना : स्पेनिश फुटबॉल क्लब बार्सिलोना के स्टार स्ट्राइकर लियोन मेसी ने कहा है कि वह 2013 में कर धोखाधड़ी मामले में जांच से परेशान होकर क्लब छोड़ने के बारे में सोच रहे थे। 13 साल की उम्र से बार्सिलोना के साथ खेलने वाले मेसी क्लब के सर्वकालिक महान खिलाड़ी हैं जिन्हें 2016 में उनके पिता के साथ कर धोखाधड़ी में पकड़ा गया था। इसकी वजह से उन्हें 21 महीने की सजा सुनाई गई थी लेकिन वह जुर्माने की रकम देकर जेल जाने से बच गए थे। मेसी ने कहा कि सही कहूं तो मैं उस समय क्लब छोड़ने के बारे में सोचा था। तब मेरे और मेरे परिवार के लिए वहां रहना मुश्किल हो गया था। बार्सिलोना की वजह से स्पेन से नहीं जाना चाहता था बल्कि इसलिए जाना चाहता था क्योंकि मेरे साथ खराब बर्ताव किया गया था और तब मैं वहां लंबे समय तक नहीं रहना चाहता था।

आज ईरान में खत्म होगी दशकों पुरानी बंदिश

तेहरान, एएफपी : ईरानी महिलाएं कई दशकों बाद पहली बार गुरुवार को किसी फुटबॉल स्टेडियम में मुकाबला देखने पहुंचेंगी जिसके साथ लंबे समय से चली आ रही बंदिशों का अंत हो जाएगा।

ईरान ने करीब 40 वर्षों से अपने यहां किसी फुटबॉल या दूसरे स्टेडियमों में महिलाओं के आने पर रोक लगा रखी है लेकिन हाल ही में फुटबॉल की शीर्ष संस्था फीफा ने उसे यहां के स्टेडियमों में महिलाओं के आने पर लगी रोक को हटाने का आदेश दिया था। इसके बाद निलंबन से डरकर ईरानी फुटबॉल संघ ने फीफा को आश्वस्त किया था कि वह महिलाओं को स्टेडियम में आने की इजाजत देगा। 2022 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में गुरुवार को ईरान की राष्ट्रीय टीम कंबोडिया के खिलाफ तेहरान के आजादी स्टेडियम में उतरेगी जिसके लिए महिला प्रशंसकों में टिकट लेने की होड़ दिखाई दी। रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं के लिए आरक्षित टिकटें एक घंटे से कम समय में बिक गईं। आजादी स्टेडियम में दर्शकों के बैठने की क्षमता करीब एक लाख है। करीब 3500 आरक्षित महिला सीट में से एक टिकट राहा पूरबख्श को भी मिली है जो पेशे से एक फुटबॉल पत्रकार हैं। उन्होंने कहा कि मुझे अभी भी विश्वास नहीं हो रहा है कि यह होने जा रहा है क्योंकि अब तक फील्ड में काम करने के बावजूद मुझे टीवी पर सबकुछ देखना पड़ता था। अब मुझे सब कुछ सामने देखने को मिलेगा। इस मुकाबले के लिए 150 से ज्यादा महिला पुलिस अधिकारियों की भी स्टेडियम में नियुक्त की गई है जिनके लिए भी एक नया अनुभव होगा।

दरअसल ये सारी घटना ब्लू गर्ल के नाम से मशहूर एक ईरानी फुटबॉल प्रशंसक की हाल ही में हुई मृत्यु के बाद शुरू हुई थी। उस महिला प्रशंसक को सुरक्षा अधिकारियों ने उस समय पकड़ लिया था जब वह पुरुष के भेष में एक मैच देखने के लिए स्टेडियम में घुसने का प्रयास कर रही थी। इसके बाद उसने जेल जाने के डर से खुद को आग लगा दी जिसके बाद उसकी अस्पताल में मृत्यु हो गई थी। उस घटना के बाद फीफा ने ईरान पर दबाव बनाना शुरू किया था।

फुटबॉल डायरी

- ईरान–कंबोडिया मैच देखने स्टेडियम जाएंगी स्थानीय महिलाएं
- फीफा के आदेश के बाद ईरानी फुटबॉल संघ ने दी है इजाजत

नस्लीय टिप्पणी होने पर मैदान छोड़ देगा इंग्लैंड

लंदन : इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम के कप्तान हैरी केन ने नस्लवाद से निपटने के लिए खास रणनीति बनाई है। कप्तान ने साफ कर दिया है कि अगर यूरो कप 2020 क्वालीफायर में उनके किसी खिलाड़ी के खिलाफ नस्लीय टिप्पणी की गई तो पूरी टीम मैदान छोड़ देगी। इंग्लैंड के स्ट्राइकर टैमी अब्राहम ने बताया कि कप्तान ने नस्लवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने का फैसला किया है। अब्राहम ने कहा कि हैरी केन ने साफ कहा है कि अगर नस्लीय टिप्पणी की घटना होती है तो हम इसे स्वीकार नहीं करेंगे। हम खिलाड़ियों से बात करेंगे और अगर वह खुश नहीं होंगे तो हम सभी मैदान छोड़ देंगे। हाल के समय में रहीम स्टर्लिंग और डैनी रोस सहित कई खिलाड़ियों को दर्शकों द्वारा नस्लीय टिप्पणी का शिकार होना पड़ा है।

एक ईरानी फुटबॉल प्रशंसक। फाइल फोटो, एएफपी

विविध

सरना के नेतृत्व वाला जत्था ही जाएगा पाकिस्तान

जागरण संवाददाता, अमृतसर

▸ श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ने दिया आदेश, दिल्ली कमेटी की ओर से जुटाई राशि की रिपोर्ट मांगी

श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने शिरोमणि अकाली दल दिल्ली के अध्यक्ष परमजीत सिंह सरना के नेतृत्व में पाकिस्तान जाने वाले नगर कीर्तन को समर्थन दिया है। साथ ही दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी (डीएसजीपीसी) की ओर से भेजे जाने वाले नगर कीर्तन को पर रोक लगाते हुए कमेटी को नगर कीर्तन की गतिविधियां बंद करने के आदेश दिए हैं। अब दिल्ली से सिर्फ एक ही नगर कीर्तन पाकिस्तान जाएगा। ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने कहा कि सरना ने 28 सितंबर को दिल्ली से नगर कीर्तन ननकाना साहिब तक नगर कीर्तन ले जाने का एलान किया था, जिसे पाकिस्तान सरकार ने स्वीकृति दे दी है। इसके बाद डीएसजीएमसी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने भी तीन अक्टूबर को अलग से नगर कीर्तन ले जाने का एलान किया था, लेकिन उसे पाकिस्तान ने स्वीकृति नहीं दी। सिख संगत में दुविधा पैदा न हो इसलिए सरना के नेतृत्व के जाने वाले नगर कीर्तन का ही समर्थन किया जाए। इसमें शामिल संगत व पांच प्यारों का हर जगह सम्मान किया जाए। दिल्ली कमेटी को नगर कीर्तन के नाम जुटाई राशि का सारा हिसाब श्री अकाल तख्त साहिब पर पेश करने व संगत को सार्वजनिक रूप से इस बारे में बताने को कहा गया है।

जन कल्याण पर खर्च होगी राशि : आदेश में कहा गया है संगत से ली गई राशि से अब सोने की पालकी तैयार न की जाए। इसे गुरुद्वारा श्री करतार पुर साहिब में सुशेभित किया जाना था। इस राशि को पाकिस्तान में रहने वाली जरूरतमंद सिख संगत के कल्याण के लिए खर्च किया जाए। राशि बच्चों की शिक्षा पर खर्च की जाए। जो गोलकें स्थापित की गई हैं, उनको उठाया जाए। श्री करतारपुर साहिब में पालकी सुशोभित करने का फैसला अगली बैठक में होगा।

सरना बोले, संगत को गुमराह करने पर सिरसा पर कार्रवाई हो : सरना ने कहा कि सिरसा ने नगर कीर्तन के नाम पर सिख संगत को गुमराह किया है। इसलिए उन्हें पांच सिंह साहिबान के समक्ष तलब किया जाए और कार्रवाई की जाए।

ऊंटों को मुक्त कराकर ले जा रहे पांच कर्मचारियों पर बोला हमला

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

रामलीला में बिना अनुमति कई जगहों पर ऊंट का व्यावसायिक इस्तेमाल किया गया। मधु विहार में रामलीला से एनजीओ पीएफए (पीपुल्स फॉर एनिमल्स) की टीम ने तीन ऊंटों को मुक्त कराया। ऊंटों को पशु संरक्षण केंद्र के हवाले कर दिया गया। केंद्र के अधिकारी जब ऊंटों को लेकर जा रहे थे, शकरपुर इलाके में कुछ लोगों ने उन पर चाकू, सरिया और डंडे से हमला कर दिया। इसमें पांच कर्मचारी जख्मी हो गए। पुलिस ने संजय गांधी पशु संरक्षण केंद्र के सुपरवाइजर अजय कुमार त्यागी (43) की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ सरकारी काम में बाधा, जानलेवा हमला सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है।

अजय कुमार त्यागी परिवार के साथ बसईदारापुर में रहते हैं। वह राजा गार्डन स्थित संजय गांधी पशु संरक्षण केंद्र में सुपरवाइजर हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार को पीएफए की टीम ने मधु विहार में चल रही कामधेनु रामलीला से तीन ऊंटों को मुक्त कराया था। इस दौरान ऊंटों का व्यावसायिक इस्तेमाल करने वाले फरार हो गए थे। लोगों से पैसे लेकर इन ऊंटों पर घुमाया जा रहा था। पीएफए ने पुलिस को तीनों ऊंट सौंप दिए। पुलिस ने उनके केंद्र को सभी ऊंट सौंप दिए थे। अजय के अलावा उनकी टीम में विक्रम, रॉबिन, अनीश और गौतम थे। ये लोग तीनों ऊंटों को लेकर पैदल राजा गार्डन जा रहे थे। रात 10:50 बजे जब शकरपुर इलाके में विकास मार्ग पर पहुंचे, चार-पांच लोगों ने चाकू, सरिया और डंडे से उन पर हमला कर दिया। इसके बाद टीम के सदस्य अपनी जान बचाकर वहां से भाग निकले। हमलावरों का कहना था कि ऊंट उनके हैं। आरोपित ऊंटों को लेकर यमुना खादर में चले गए।

अजय ने पीएफए के पशु कल्याण अधिकारी गौरव गुप्ता और पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और खादर में तलाश शुरू कर दी। इस दौरान एक बुजुर्ग ऊंटों के साथ मिल गया। पुलिस ने उसे पकड़कर ऊंटों को कब्जे में ले लिया और उसे संजय गांधी पशु संरक्षण केंद्र को सौंप दिया। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर उसके साथियों की तलाश कर रही है। वहीं हमले में घायल पशु संरक्षण केंद्र के पांचों कर्मचारियों को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक पूछताछ में पता चला है कि कुछ लोग अवैध तरीके से ये ऊंट राजस्थान से लेकर आए थे। गौरव गुप्ता ने बताया कि आरोपित तीनों ऊंटों से अवैध तरीके से व्यवसाय कर रहे थे। बीमार ऊंटों से लोगों की सवारी करा रहे थे। उनके पास व्यवसाय के लिए कोई सरकारी दस्तावेज भी नहीं था।

हमले के दौरान आरोपितों ने बताए नाम

अजय के मुताबिक हमले के दौरान आरोपितों ने अपने नामक खुद ही उगले थे। चाकू से हमला करने वाला अपना नाम जाकिर बता रहा था और वह दिव्यांग था। जबकि सरिया से हमला करने वाले को आमिर के नाम से पुकार रहे थे। आरोपित यमुना खादर के रहने वाले हैं।

खाना पैक करने वाले प्लास्टिक का विकल्प प्राकृतिक क्लिंग फिल्म, नहीं होगा कोई नुकसान

चंद्रशेखर वर्मा, ग्रेटर नोएडा

खाने और फलों को पैक करने के लिए बाजार में मौजूद क्लिंग फिल्म (विशेष तरह की पन्नी) न तो नष्ट होती और न ही सड़ती है। यह पर्यावरण की दृष्टि से काफी हानिकारक होती हैं। इसे देखते हुए सेक्टर-125 स्थित एमिटी विश्वविद्यालय की वैज्ञानिक डॉ. हर्षा खर्कवाल ने तीन वर्ष के शोध और कड़ी मेहनत से एक ऐसी क्लिंग फिल्म तैयार की है, जो महज 120 दिनों में मिट्टी में पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी। इसको बनाने में पेड़-पौधों का इस्तेमाल किया गया है, जिससे इसमें पैक खाने को खाकर लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव भी नहीं पड़ेगा।

एमिटी विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ फाइटोमेडिसिन एंड फाइटोकेमेस्ट्री व सेंटर फॉर कॉर्बोहाइड्रेड रिसर्च की हेड डॉ. हर्षा खर्कवाल ने बताया कि अभी बाजार में मिल रहीं अन्य क्लिंग फिल्म पॉलीविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) पर आधारित होती हैं। इसलिए ये अपने आप समाप्त नहीं होती हैं। ऐसे में ये पर्यावरण के लिए काफी हानिकारक हैं। साथ ही इनमें पैक खाना खाने से स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है। जो क्लिंग फिल्म हमने तैयार की है, उसको पेड़-पौधों से निकाले गए पॉलीसेक्रेटाइल से बनाया गया है। यह पूरी तरह से प्राकृतिक है। इसमें पैक खाना को खाने से व्यक्ति के स्वास्थ्य पर कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा।

वैज्ञानिक डा. हर्षा खर्कवाल ने तैयार किया प्राकृतिक क्लिंग फिल्म। जागरण

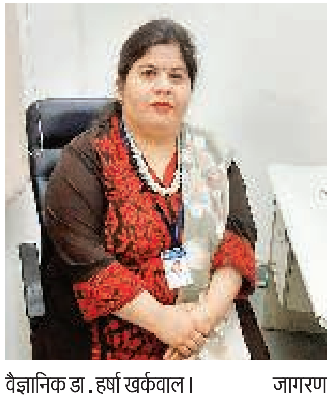

वैज्ञानिक डा. हर्षा खर्कवाल। जागरण

पति–पत्नी के झगड़े में मासूम की मौत

जासं, नई दिल्ली : गाजीपुर के कोंडली इलाके में पति-पत्नी के झगड़े में पांच माह के मासूम की मौत हो गई। दीप्ति पति सत्यजीत के साथ कोंडली में रहती हैं। दोनों ने करीब ढाई साल पहले प्रेम विवाह किया था। उनका पांच माह का बेटा तनिष्क था। सत्यजीत निजी अस्पताल में ऑपरेशन थियेटर में अटेंडेंट का काम करता था। करीब दो महीने पहले उसकी नौकरी छूट गई। छह अक्टूबर की शाम सत्यजीत शराब के नशे में घर पहुंचा। इसको लेकर दीप्ति से उसका झगड़ा शुरू हो गया। सत्यजीत ने डंडा उठाकर दीप्ति पर हमला कर दिया। उस डंडे में कील लगी थी। इस दौरान बच्चा मां की गोद में था। इस कारण डंडे में लगी कील से मासूम के सिर में चोट लग गई। दोनों बच्चे को लेकर लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल पहुंचे। वहां इलाज कराने के बाद बच्चे को लेकर घर आ गए। सोमवार को बच्चा ठीक था। मंगलवार सुबह उसे उल्टी होने लगी। दोनों उसे लेकर पटपड़गंज स्थित मैक्स अस्पताल पहुंचे। यहां इलाज के दौरान बच्चे ने दम तोड़ दिया।

मुर्शिदाबाद में शिक्षक दंपती और बेटे की हत्या, सीबीआइ जांच की मांग

जागरण संवाददाता, मुर्शिदाबाद

विजय दशमी पर घर में शिक्षक, उनकी गर्भवती पत्नी और आठ वर्षीय बेटे की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में प्रयोग किए गए धारदार हथियार को बरामद किया है। हत्या की वजह को लेकर पुलिस संशय में है। संदेह के आधार पर मृतक परिवार के अन्य सदस्यों एवं आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद घर से निकलने वाले एक युवक की भी तलाश की जा रही है।

उधर, हत्याकांड को लेकर इलाके में तनाव का माहौल है। स्थानीय लोगों ने घटना की सीबीआइ जांच कराए जाने की मांग की है। प्राथमिक जांच में संपत्ति के विवाद में हत्याकांड को अंजाम दिए जाने का अनुमान लगाया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार मूलरूप से जिले के सागरदीघी निवासी बंधु प्रकाश पाल 17 नंबर साहापुर प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे।

बताया गया कि शिक्षक राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सदस्य भी थे। करीब पांच वर्षों से वह अपनी पत्नी ब्यूटी मंडल और आठ वर्षीय बेटे बंधु अंगन पाल के साथ जियागंज के लेबूतला में रह रहे थे। मंगलवार यानी विजय दशमी की सुबह करीब दस बजे प्रकाश बाजार से लौटे थे। इसके बाद दोपहर करीब साढ़े ग्यारह बजे उनके घर से चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। इस पर आसपास के लोग शिक्षक के घर जा पहुंचे। आरोप है कि उस वक्त एक युवक को घर के अंदर से निकलकर भागते हुए देखा गया था। घर के अंदर का नजारा देख लोगों के पैरों तले जमीन खिसक गई। बिस्तर पर शिक्षक तथा जमीन पर बेटा, जबकि बराबर के कमरे में पत्नी की खून में सनी लाश पड़ी थी। धारदार हथियार से प्रहार कर तीनों को मौत के घाट उतारा गया था। मृतक महिला आठ माह की गर्भवती भी बताई जा रही है। सूचना पर पहुंची जियागंज थाना पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घर से हत्या में प्रयोग किए गए धारदार हथियार को भी बरामद किया गया है। फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल से नमूने एकत्र किए। स्निफर डॉग के साथ इलाके की जांच की गई। पुलिस की प्राथमिक जांच में ट्रिपल मर्डर के पीछे संपत्ति विवाद का माना जा रहा है। हालांकि हत्याकांड की ठोस वजह को लेकर पुलिस संशय में है।

घटना के बाद शिक्षक के घर से निकलने वाले युवक की तलाश की जा रही है। मृतक परिवार के अन्य सदस्यों एवं आसपास के लोगों से पूछताछ की जा रही है। घटना के दूसरे दिन भी पुलिस हत्यारों तक नहीं पहुंच सकी है। उधर, स्थानीय लोगों ने हत्याकांड की जांच सीबीआइ से कराए जाने की मांग की है।

मुस्लिमों ने सुनी श्रीराम कथा, मोरारी बापू को भेंट की कुरान

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की स्मृति में गोरखनाथ मंदिर में आयोजित प्रख्यात संत मोरारी बापू की श्रीराम कथा सुनने मुस्लिम समाज के लोग भी पहुंचे। कथा के दौरान बापू ने उन्हें मंच पर बुलाया। उन्होंने बापू को हिंदी व अंग्रेजी भाषा की कुरान शरीफ भेंट की। मोरारी बापू ने कहा कि मैं कुरान पढ़ चुका हूं, लेकिन गोरखपुरवासियों ने भेंट की है, इसलिए इसे साथ रखूंगा। बापू ने मुस्लिम समुदाय के लोगों को रामनामी भेंट की। आरती में भी मुस्लिम समुदाय के लोग शामिल हुए।

बुधवार को कौमी एकता कमेटी उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशफाक हुसैन मेकरानी, इं. मिन्नत्तुल्लाह, डॉ. राशिद हुसैन, अरशद अहमद, सेराज शानू आदि श्रीराम कथा में पहुंचे। अशफाक हुसैन मेकरानी ने कहा कि मोरारी बापू में समाज को जोड़ने की शक्ति है। उन्होंने अपने समाज के लोगों से आग्रह किया कि वे मोरारी बापू की कथा का श्रवण करें।

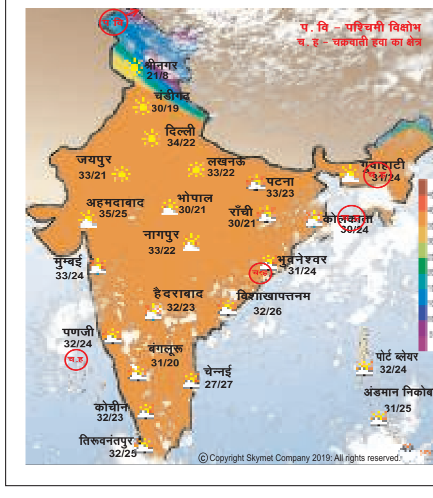

मौसम विशेष

जम्मू-कश्मीर व हिमाचल प्रदेश में वर्षा में कमी आएंगी। बदलीयुक्त आसमान के साथ सुबह शीतल और ठंडी रहेगी। दिन हल्का गर्म व सुहावना रहेगा। एक-दो स्थानों पर हल्की वर्षा होगी। दिल्ली सहित मैदानी भागों में शुष्क मौसम के साथ सुहावनी सुबह में धुंध रहेगी। दिन गर्म रहेगा।

भारत के मुख्य शहरों का तापमान:

शहर		शहर	
मुम्बई	33/24/व	अहमदाबाद	36/26/व
कोलकाता	31/24/सा	बड़ौदा	36/25/आंबा
चेन्नई	33/24/व	नागपुर	32/21/व
हैदराबाद	30/22/सा	इन्दौर	32/23/सा
बंगलूरू	29/19/सा	रांँची	30/22/आंबा
त्रिवेन्द्रम	30/24/आंबा	पटना	33/25/सा
गुवाहाटी	31/25/आंबा	जमशेदपुर	31/22/व
गंगटोक	15/05/व	पुणे	30/22/व

पहली बार अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मेलन आयोजित

1910 में आज ही वाराणसी में मदन मोहन मालवीय की अध्यक्षता में प्रथम अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मेलन का आयोजन किया गया था। यह हिंदी भाषा एवं साहित्य तथा देवनागरी का प्रचार-प्रसार को समर्पित एक प्रमुख सार्वजनिक मंच है। इसका मुख्यालय प्रयाग में है।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाने की शुरुआत हुई

1992 में आज ही विश्व स्वास्थ्य संगठन की पहल पर 150 देशों में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाने की शुरुआत हुई थी। इसका उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरुकता बढ़ाने और मानसिक स्वास्थ्य के सहयोगात्मक प्रयासों को संगठित करना है।

सौंदर्य और अदाकारी का पर्याय हैं अभिनेत्री रेखा

अपनी अदायगी से लाखों लोगों के दिलों पर राज करने वाली रेखा का जन्म 1954 में आज ही चेन्नई में हुआ था। इनका वास्तविक नाम भानुरेखा गणेशन है। पचास साल के अपने फिल्मी करियर में 180 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। तेलुगु फिल्म रंगूला रत्नम से बतौर बाल कलाकार अभिनय की शुरुआत की। 1969 में आई अंजाना सफर पहली हिंदी फिल्म रही। 1981 में आई फिल्म उमराव जान में बेहतरीन अदाकारी के लिए नेशनल फिल्म अवार्ड मिला। 2012 में राज्यसभा सदस्य के रूप में चुनी गईं। 2010 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया।

लिथियम आयन बैट्री बना जीवन को किया आसान

रसायन का नोबेल हासिल करने वाले तीनों वैज्ञानिकों जॉन बी गुडएनफ, एम स्टेनली वीटिंघम और अकीरा योशिनो की खोज से ही आज हम स्मार्ट फोन और लैपटॉप का इस्तेमाल करने में सक्षम हुए हैं। इन तीनों के सहयोग से ही लिथियम आयन बैट्रियां अस्तित्व में आ सकीं। बिना किसी दिक्कत के सैकड़ों बार रिचार्ज किए जाने में सक्षम इन बैट्रियों ने मोबाइल फोन और लैपटॉप जैसे तार रहित इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के विकास की बुनियाद रखी। इनके इस कदम ने पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए जीवाश्म ईंधन पर दुनिया की निर्भरता को कम करने में भी बड़ा काम किया। इन बैट्रियों के इस्तेमाल से आज इलेक्ट्रिक कारें चलाई जा रही हैं और स्वच्छ स्रोतों से प्राप्त ऊर्जा के भंडारण में मदद कर रही हैं।

पुरानी है कहानी

बिंग बैंग की महाघटना के पहले मिनट में ही भले लिथियम तत्व अस्तित्व में आ गया हो, लेकिन इन्सान को इसका पता 1817 में चला। इसी साल स्टॉकहोम की एक खदान से निकाले गए नमूनों से स्वीडन के रसायनशास्त्री जॉन अगस्त अर्फवेडसन और जॉन जैकब बर्जीलियस ने इसका शुद्धीकरण किया। पत्थर (स्टोन) को ग्रीक में लिथोस कहते हैं, लिहाजा बर्जीलियस ने इसका नाम लीथियम रखा। भारी नाम के बावजूद यह सबसे हल्का ठोस तत्व है। तभी हमारे हाथों में मौजूद फोन के भार का हमें अहसास भी नहीं होता है।

अजब हैं गुण-धर्म

सक्रियता इस तत्व की कमजोरी है और यही इसकी ताकत भी है। पिछली सदी के छठे दशक के शुरुआती वर्षों में स्टेनली विटिंघम ने लिथियम के बाहरी इलेक्ट्रॉन को निकालकर पहली काम करने में सक्षम लिथियम बैट्री तैयार की। 1980 में जॉन गुडएनफ ने बैट्री की क्षमता को दोगुना किया। 1985 में अकीरा योशिनो बैट्री से विशुद्ध लीथियम निकालने में सफल रहे। अब यह बैटरी सिर्फ लीथियम ऑयनों से बनी थी जो कि शुद्ध लीथियम से कई गुना ज्यादा सुरक्षित थी। इससे इस बैटरी के व्यावहारिक इस्तेमाल को बढ़ावा मिला।

तेल कंपनियों का भारी निवेश

तेल के खत्म होने की आशंका ने इस कारोबार से जुड़ी दिग्गज कंपनी एक्सॉन ने अपने कारोबार में विविधता पर जोर दिया। ऊर्जा के क्षेत्र में दिग्गज शोधकर्ताओं की इसने मदद ली। **स्टेनली विटिंघम** उन्हीं में से एक थे जो 1972 में एक्सॉन से जुड़े। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में रहते हुए उन्होंने रिसर्च किया कि एक अणु आकार के ठोस तत्व में आवेशित आयन जुड़ सकते हैं। इसे इंटरकालेशन कहते हैं। इसी के बाद स्टेनली ने टैंटालुम और बाद में टाइटेनियम के इस्तेमाल से बैट्री बनाई। इसमें लिथियम का इस्तेमाल निगेटिव इलेक्ट्रोड के रूप में किया गया।

बैटरी विकास में गुडएनफ की रुचि

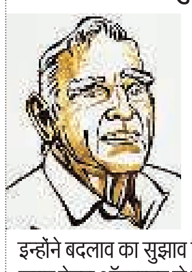

बचपन में **जॉन गुडएनफ** को सीखने और पढ़ने में बहुत समस्या आती थी। जिसके चलते उनका रुझान गणित की ओर हुआ। इससे भौतिक विज्ञान में भी उनकी दिलचस्पी बढ़ी। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के लिंकन लैबोरेटरी में कई साल काम किए। यहीं पर इन्होंने रैंडम एक्सेस मेमोरी (रैम) के विकास में योगदान दिया। स्टैनली द्वारा तैयार बैटरी में इन्होंने बदलाव का सुझाव दिया कि उसके कैथोड को मेटल सल्फाइड की जगह मेटल ऑक्साइड से तैयार किया जाए। इस प्रयोग से बैटरी ने दो वोल्ट की बिजली पैदा की। 1980 में इन्होंने नया एनर्जी डेंस कैथोड तत्व की खोज की जो हल्की और ज्यादा ताकतवर बैटरी बनाने में सक्षम था। बैटरी के विकास क्रम में यह निर्णायक कदम साबित हुआ।

योशिनो ने पहली सफल लिथियम ऑयन बैटरी बनाई

असाही कसेई कारपोरेशन से जुड़े इस वैज्ञानिक ने गुडएनफ के लिथियम कोबाल्ट ऑक्साइड कैथोड की जगह कार्बन आधारित कई तत्वों का एनोड के रूप में इस्तेमाल किया। पेट्रोलियम कोक का इस्तेमाल काफी सफल रहा। इससे इन्होंने हल्की बैट्री से चार वोल्ट की ऊर्जा हासिल की। 1991 में जापान की एक दिग्गज इलेक्ट्रानिक कंपनी ने पहली लिथियम आयन बैट्रियों को बेचना शुरू किया। इससे इलेक्ट्रॉनिक की दुनिया में क्रांति आई। मोबाइल फोन छोटे और हल्के होते। कंप्यूटर पोर्टेबल हुए। एमपी3 प्लेयर और टैबलेट का विकास हुआ।

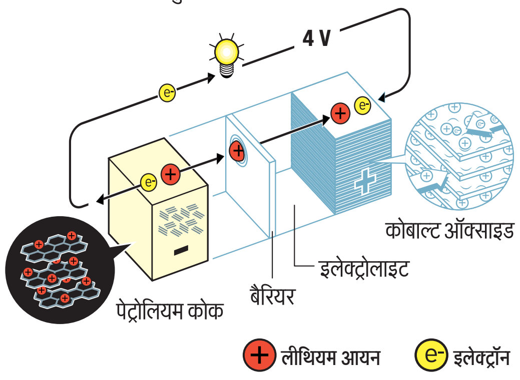

बैटरी रिसर्च की प्रमुख वजहें

बीसवीं सदी के मध्य में दुनिया में पेट्रोल कारों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। उनके धुओं ने दुनिया के कई शहरों को वायु प्रदूषण से ढक दिया। इसके अलावा ईंधन के सीमित स्रोत ने नए विकल्प के तलाश को लेकर वाहन निर्माता और तेल कंपनियों की चिंता बढ़ाई। विकल्पों की तलाश में निवेश बढ़ने लगा। बिजली और वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों से चलने वाले वाहनों में ताकतवर बैट्री की दरकार थी। उस समय फिर से चार्ज की जा सकने वाली सिर्फ दो तरह की बैट्रियां मौजूद थीं। 1859 में खोजी गई हेवी लेड बैट्रियां (आज भी पेट्रोल से चलने वाली कारों में स्टार्टर बैट्री के रूप में इनका ही इस्तेमाल होता है) और निकेल-कैडमियम बैटरी।

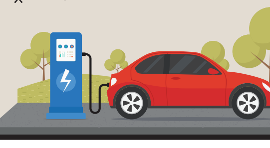

विस्फोट से चिंता बढ़ी

बार-बार चार्ज करने पर लिथियम बैट्रियों में विस्फोट के मामले सामने आने लगे। लिहाजा मैटेलिक लिथियम इलेक्ट्रोड में एल्युमिनियम को भी जोड़ा गया। इलेक्ट्रोड्स के बीच इलेक्ट्रोलाइट को भी बदला गया। 1976 में स्टैनली विटिंघम ने अपनी खोज की घोषणा की। स्विस घड़ी निर्माता ने छोटे स्तर पर इनका उत्पादन शुरू किया।

इधर-उधर की

चोर के गले पड़े अजगर

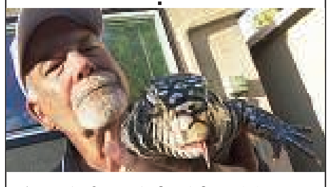

कैलिफोर्निया, एजेंसी: चोरी करने के बाद अगर बैग से कीमती चीज निकलती है तो चोर की खुशियों का ठिकाना नहीं होता, लेकिन अगर प्रतिकूल और अप्रत्याशित चीज निकल जाए तो उसकी क्या हालत होगी। यहां के सैन जोस में ब्रायन गुंडी सांपों के प्रति जागरूकता फैलाने का काम करते हैं। इसी क्रम में एक लाइब्रेरी में अपना प्रदर्शन करने वे तय समय पर पहुंचे। पार्किंग में अपनी कार से बैग उठाकर रखा ही था कि वह गायब हो गया। इस बैग में चार अजगर मौजूद थे। साथ ही एक विशेष प्रजाति की छिपकली भी थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत पांच हजार डॉलर बताई जा रही है। गुंडी ने भावुक होते हुए कहा कि उन जानवरों को मैंने पाला-पोसा और उसे चोर चुरा ले गया। भला इससे उसे क्या हासिल होगा। जब वह बैग खोलेगा तो उसे अपनी गलती का अहसास होगा और शायद उन सरीसृपों को वह लौटाने पर विवश हो। बहरहाल चोरी की सूचना पुलिस में दर्ज करा दी जा चुकी है।

मलेरिया परजीवी का होगा खात्मा

खोज ▸ नया यौगिक परजीवी को जीवन के सभी चरणों में करेगा समाप्त

लंदन, प्रेट्र: शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने मलेरिया के परजीवी प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम के खात्मे के लिए एक नई दवा विकसित की है। मलेरिया एक मच्छर जनित बीमारी है, जिससे पूरे विश्व में एक साल में करीब पांच लाख लोगों की जान जाती है।

साइंस जर्नल में प्रकाशित हुए इस अध्ययन में बताया गया कि एक बहुराष्ट्रीय दवा कंपनी ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन द्वारा विकसित की गई नई दवा 'टीसीएमडीसी-135051' मलेरिया के परीजीवी को उसके जीवनचक्र के किसी भी चरण में खत्म कर सकती है। ब्राजील के साओ पाउलो रिसर्च फाउंडेशन (एफएपीईएसपी) के शोधकर्ताओं ने बताया कि यह दवा विशेष रूप से परजीवी के प्रोटीन-पीएफसीएलके3 को प्रभावित करती है। खास बात यह है कि यह दवा मानव शरीर के प्रोटीन को कोई नुकसान नहीं पहुंचाती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि पीएफसीएलके3 प्रोटीन उन अन्य प्रोटीनों के उत्पादन को नियंत्रित करता है जो मलेरिया के परीजीवी को जीवित रहने में विशेष भूमिका निभाते हैं। इस प्रोटीन को ब्लॉक करने के बाद परजीवी प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम को भी मारा जा सकता है।

अध्ययन के अनुसार पीएफसीएलके3 प्रोटीन को प्रभावित करके परजीवी के विकास के चरणों को न केवल शरीर में मौजूद होने के दौरान प्रभावित किया जा सकता है, बल्कि जब यह मच्छरों से होते हुए दूसरे व्यक्ति को पहुंचने वाला होता है तब भी उसे रोका जा सकता है। शोधकर्ताओं ने पीएफसीएलके3 प्रोटीन को निष्क्रिय करने वाले नए यौगिक की खोज के लिए बड़े पैमाने पर रासायनिक यौगिकों का विश्लेषण किया।

इस प्रक्रिया के तहत उन्होंने 25000 यौगिकों का विश्लेषण किया और 'टीसीएमडीसी-135051' का चयन किया। इस दवा में परजीवी के प्रोटीन को प्रभावित करने की सबसे ज्यादा क्षमता दिखी थी। अध्ययन में यह भी पाया गया कि दवाओं का यह यौगिक प्लाज्मोडियम की अन्य प्रजातियों पर भी इतना ही प्रभावी है।

मानव शरीर पर नहीं होता दुष्प्रभाव: अपने अध्ययन में शोधकर्ताओं ने यह भी पता लगाया कि 'टीसीएमडीसी-135051' परजीवी के प्रोटीन के साथ कहीं मानव शरीर के प्रोटीन को भी तो नहीं प्रभावित करता, लेकिन अपने परीक्षण में उन्होंने पाया कि यह मानव शरीर के लिए बिल्कुल भी हानिकारक नहीं है। शोधकर्ताओं ने बताया कि परजीवी के प्रोटीन पीएफसीएलके3 की तरह ही मनुष्य का प्रोटीन पीआरपीएफ4बी होता है। इससे यौगिक द्वारा इस प्रोटीन को प्रभावित करने का संशय बना हुआ था।

अभी और परीक्षण बाकी: ब्रिटेन की ग्लास्गो यूनिवर्सिटी से इस अध्ययन के प्रमुख लेखक एंड्रयू टोबिन ने बताया कि अभी दवा को अधिक सुरक्षित और प्रभावित बनाने के लिए तीन से पांच साल और लगेंगे। इसके बाद यह मनुष्यों के लिए तैयार हो जाएगी।

प्रतीकात्मक

चूहों पर किया गया प्रयोग

ब्राजील की कैंपिनास यूनिवर्सिटी से इस अध्ययन के सह लेखक पॉलो गोडाई ने बताया कि इस नई दवा का चूहों पर सफल प्रयोग भी किया गया है। प्लाज्मोडियम बर्घी से संक्रमित चूहों को जब यह यौगिक दिया गया तो मात्र पांच दिनों के भीतर चूहे संक्रमण मुक्त हो गए।

फिल्म रिव्यू

★★★

द स्काई इज पिंक

मुख्य कलाकार : प्रियंका चोपड़ा, निक जोनास, फरहान अख्तर, जायरा वसीम, रोहित सराफ
निर्देशक : सोनाली बोस
अवधि : 2 घंटा, 29 मिनट

जिंदगी को भरपूर जीने का संदेश

'आनंद' फिल्म का एक डायलॉग है 'जिंदगी बड़ी होनी चाहिए, लंबी नहीं...'। दुर्लभ बीमारी से पीड़ित आयशा चौधरी की जिंदगी पर आधारित फिल्म 'द स्काई इज पिंक' कई पलों पर भावुक करते हुए हालातों से हार न मानते हुए जिंदगी का लुत्फ लेने का पैगाम देती है। मोटिवेशनल स्पीकर और लेखिका आयशा की 18 साल की उम्र में मौत हो गई थी। लेकिन अपनी छोटी-सी जिंदगी में वह कई सबक दे गईं। अच्छी बात यह रही कि सोनाली बोस ने किरदार के नामों को वास्तविक ही रखा।

कहानी शुरू होती है 2015 में नई दिल्ली से। निरेन चौधरी (फरहान अख्तर) और अदिति चौधरी (प्रियंका चोपड़ा) बेटी आयशा (जायरा वसीम) की मौत से दुखी हैं। कहानी आयशा की जुबानी आगे बढ़ती है और फ्लैश बैक में जाती है, जब अदिति निरेन से अपने गर्भवती होने की बात करती है। निरेन नहीं चाहता कि अदिति दूसरे बच्चे को जन्म दे। उसे डर है कि अगर दूसरी भी बेटी हुई तो हो सकता है कि बड़ी बेटी तान्या जो एक साल की उम्र में दुर्लभ बीमारी की वजह से मर चुकी है, उसे भी वह बीमारी हो। निरेन और अदिति का बड़ा बेटा ईशान है, जो स्वस्थ है। अदिति की जिद पर वह तीसरी बार माता-पिता बनते हैं। बेटी का जन्म होता है और वह भी उसी दुर्लभ बीमारी से पीड़ित होती है। इस बीमारी में कब जान चली जाए, उसका भरोसा नहीं होता। निरेन और अदिति हर हाल में बेटी को जिंदा रखना चाहते हैं। वह उसका इलाज कराने लंदन पहुंचते हैं। पैसे की तंगी के चलते निरेन रेडियो के जरिए इलाज के लिए मदद मांगता है। बीमारी के कारण अदिति आयशा को लोगों से दूर रखती है। निरेन भी लंदन ट्रांसफर ले लेता है। आयशा की तबियत जब संभलती है, तो पूरा परिवार फिर दिल्ली शिफ्ट हो जाता है। आयशा की तबियत एक बार फिर ज्यादा बिगड़ जाती है। उसकी जिंदगी को कम वक्त में खूबसूरत बनाने के लिए अदिति हर कोशिश करती है, चाहे उसके लिए ब्वॉयफ्रेंड ढूंढ़ना हो या उसकी पसंद के कपड़े हों। सोनाली बोस का निर्देशन अच्छा है। खासकर भावुक दृश्यों में। अपनी बच्ची को लेकर माता-पिता की बेबसी और उसकी बीमारी के सामने डटकर खड़े होने की जिद जैसे दृश्य प्रभावित करते हैं। बेटी की जिंदगी को लेकर मां बाप की जद्दोजहद हार न मानने की मिसाल है। प्रियंका ने अदिति की युवा उम्र से लेकर 50 साल की भूमिका को पर्दे पर बखूबी जीया है। रोहित सराफ ने अच्छा काम किया है। जायरा वसीम प्रभाव छोड़ने में कामयाब रहती है।

-प्रियंका सिंह

★★★★★ उत्कृष्ट ★★★★ बहुत अच्छी ★★★ अच्छी ★★ औसत ★ औसत से कम

शोध अनुसंधान

महिलाओं को झुर्रियों से बचा सकता है बादाम

बादाम का सेवन बड़ी उम्र की महिलाओं को चेहरे की झुर्रियों से बचाने में मददगार हो सकता है। बादाम से त्वचा पर पड़ने वाले असर को लेकर यह अपनी तरह का पहला अध्ययन है। प्रयोग के दौरान 28 स्वस्थ महिलाओं को शामिल किया गया। इनमें एक समूह को रोज औसतन 60 ग्राम (340 कैलोरी) के बराबर बादाम खाने को दिए गए। दूसरे समूह को ऐसा नाश्ता दिया गया, जिसमें सूखे मेवे नहीं थे, लेकिन उसमें भी 340 कैलोरी थी। तीसरे समूह को उनके सामान्य खानपान पर रखा गया, जिसमें सूखे मेवे शामिल नहीं थे। चार, आठ, 12 और 16 हफ्ते के अंतराल पर उनकी त्वचा की स्थिति परखी गई। 16वें हफ्ते के बाद वैज्ञानिकों ने पाया कि बादाम खाने वाली महिलाओं के चेहरे पर झुर्रियों के आकार व प्रसार में नौ से 10 प्रतिशत तक की कमी आई। - प्रेट्र

दिव्यांगों का अब होगा नया 'अवतार'

अब दिव्यांग लोगों का भी नया 'अवतार' हो सकेगा। वैज्ञानिकों ने एक ऐसा रोबोटिक डिवाइस तैयार किया है जो शरीर के बाहरी कंकाल की तरह है। जिस तरहसे अंदर का कंकाल विभिन्न काम करने में शरीर को सहारा देता है, उसी तरह यह बाहर की ओर से दिव्यांग, लकवाग्रस्त लोगों को सहारा देता है। इसे मस्तिष्क से निर्देश देकर पूरी तरह नियंत्रित किया जा सकता है। फ्रांस के ग्रेनोबेल शहर में बायोमेडिकल रिसर्च सेंटर में इस रोबोटिक डिवाइस को प्रदर्शित किया गया है। इसमें शरीर को फंसाकर आसानी से चला-फिरा जा सकता है। हालांकि, वैज्ञानिकों ने कहा है कि अभी इस डिवाइस को बाजार में आने में समय लगेगा वर्तमान में परीक्षण जारी हैं। ट्रायल के तौर पर उन्होंने इसे फ्रांस के एक लकवाग्रस्त मरीज पर प्रयोग किया है जो पूरी तरह सफल रहा है। विशेषज्ञों ने बताया कि मरीज को दो साल की ट्रेनिंग देकर रोबोटिक डिवाइस को मस्तिष्क से निर्देश देना सिखाया गया। इसमें दो रिकॉर्डिंग डिवाइस लगी हैं जो मस्तिष्क से संदेश ग्रहण करती हैं। प्रत्येक रिकॉर्डिंग डिवाइस में 64 इलेक्ट्रोड्स लगे हुए हैं। ये मस्तिष्क के संकेत को कंप्यूटर में भेजते हैं, जहां एल्गोरिद्म के माध्यम से उसका मतलब निकाला जाता है। एएफपी

64 इलेक्ट्रोड लगाए गए हैं इस रोबोटिक डिवाइस के प्रत्येक रिकॉर्डर में, डिवाइस में मस्तिष्क के संकेतों को समझने के लिए दो रिकॉर्डर लगाए गए हैं

24 माह की ट्रेनिंग के बाद फ्रांस के मरीज ने इस डिवाइस को मस्तिष्क से निर्देश देना सीखा

उपलब्धि

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश के नाम दर्ज हुई उपलब्धि

विकृत लाल रक्त कणिकाओं को सामान्य में बदला

जागरण संवाददाता, ऋषिकेश

▸ एवेस्कुलर नेक्रोसिस से ग्रसित युवती का रक्त विकार की बीमारी के कारण नहीं हो पा रहा था ऑपरेशन

▸ ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग की टीम ने किया मुश्किल काम

चिकित्सा विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश के नाम एक और उपलब्धि जुड़ गई। यहां ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग की टीम ने विकृत हो चुकी लाल रक्त कणिकाओं को सामान्य रक्त कणिकाओं में परिवर्तित करने में कामयाबी पाई है। एम्स निदेशक प्रो. रविकांत ने इसके लिए पूरी टीम की पीठ थपथपाई है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में यह अपने तरीके का पहला प्रोसीजर हुआ है। देशभर के बहुत कम अस्पतालों में ही ऐसे मामले संभव हो पाते हैं।

एम्स ऋषिकेश में रक्ताधान चिकित्सा एवं रक्तकोष विभाग ने थैराप्यूटिक रेडसेल एक्सचेंज, जिसमें मरीज की विकृत लाल रक्त कणिकाओं को रक्तदान से निकाली हुई सामान्य लाल रक्त कणिकाओं से बदला जाता है, की जटिल चिकित्सकीय प्रक्रिया को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। संस्थान के निदेशक प्रो. रवि कांत ने बताया कि महाराष्ट्र निवासी एक मरीज के रिश्तेदार उत्तराखंड में रहते हैं। उन्होंने महाराष्ट्र से बुलाकर ऋषिकेश एम्स में उसका उपचार करवाया।

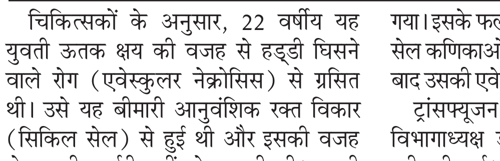

लाखों में एक से दो मामले ही आते हैं सामने। प्रतीकात्मक

चिकित्सकों के अनुसार, 22 वर्षीय यह युवती ऊतक क्षय की वजह से हड्डी घिसने वाले रोग (एवेस्कुलर नेक्रोसिस) से ग्रसित थी। उसे यह बीमारी आनुवंशिक रक्त विकार (सिकिल सेल) से हुई थी और इसकी वजह से उसकी सर्जरी नहीं हो पा रही थी। युवती के शरीर में सिकिल सेल कणिकाओं का प्रतिशत 66.5 तक बढ़ गया था, जबकि चिकित्सकों के अनुसार 30 प्रतिशत से अधिक नहीं होना चाहिए।

उन्होंने बताया कि इस बीमारी के उपचार के लिए युवती को ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग में भर्ती किया गया। यहां उसकी विकृत लाल रक्त कणिकाओं (रेड ब्लड सेल्स) को रक्तदाताओं से निकाली गई स्वस्थ लाल रक्त कणिकाओं से बदला गया। इसके फलस्वरूप युवती के शरीर में सिकिल सेल कणिकाओं का प्रतिशत 17.6 रह गया। इसके बाद उसकी एवेस्कुलर नेक्रोसिस सर्जरी की गई।

ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग में यह प्रक्रिया विभागाध्यक्ष डॉ. गीता नेगी की देखरेख में पूरी की गई। उनकी टीम में संकाय सदस्य डॉ. दलजीत कौर, डॉ. सुशांत कुमार मीनिया और डॉ. आशीष जैन शामिल रहे। इस उपलब्धि में डिपार्टमेंट ऑफ क्रिटिकल केयर, आर्थोपेडिक विभाग, मेडिकल ओंकोलॉजी एंड हेमेटोलॉजी, पैथोलॉजी (हेमेटोलॉजी) का भी सहयोग रहा। डॉ. गीता के अनुसार एम्स निदेशक प्रो. रवि कांत की अगुआई में संस्थान के चिकित्सक नियमित तौर पर नए व जटिल मामलों को सफलतापूर्वक अंजाम दे रहे हैं।

स्क्रीन शॉट

रील लाइफ में खिलाड़ी बन खुश हैं तापसी

तापसी पन्नू को लगातार खेल आधारित फिल्में ऑफर हो रही हैं। वह उनका हिस्सा भी बन रही हैं। पिछले साल रिलीज 'सूरमा' में वह हॉकी खिलाड़ी की भूमिका में नजर आई थीं। अब दीपावली पर रिलीज हो रही 'सांड की आंख' में निशानेबाजी करती दिखेंगी। यह फिल्म शूटर दादी के नाम से विख्यात जेठानी-देवरानी प्रकाशी तोमर और चंद्रो तोमर पर आधारित है। इसके बाद वे अक्टूबर से 'रॉकेट रश्मि' की तैयारियों में जुटेंगी। उसमें वह एथलीट की भूमिका निभा रही हैं। खेलों से संबंधित फिल्में करने को लेकर तापसी कहती हैं कि मैं स्कूल में एथलीट थी। अब 'रश्मि रॉकेट' में प्रोफेशनल के तौर पर भागने के लिए कुछ तकनीकी बारीकियां सीखनी पड़ेंगी। अक्टूबर से भागने का प्रशिक्षण लेना शुरू करूंगी। खेलों में मेरी बचपन से ही बहुत रुचि रही है। स्पोर्ट्स स्टार से मिलने का मुझे बहुत शौक रहता था। मुझे लगता था कि वही सच्चे हीरो हैं। वे दबाव की स्थिति में भी अच्छा परिणाम ला रहे हैं। वास्तविक जीवन में खिलाड़ी न बन सकी तो क्या हुआ, अब रील लाइफ में उनका किरदार निभाने का मौका मिल रहा है। यह देखकर अच्छा लगता है।

प्रतीक बब्बर की अगली फिल्म तीन तलाक पर

अभिनेता प्रतीक बब्बर की आगामी फिल्म 'याराम' विवादित तीन तलाक मुद्दे पर बनाई गई है। फिल्म में प्रतीक लीड रोल निभा रहे हैं, जो अपने दोस्त की बीवी से उनका तलाक होने के बाद शादी करता है। ओवैस खान द्वारा निर्देशित फिल्म प्रासंगिक विषय पर बनाई जा रही है। फिल्म में सिद्धार्थ कपूर और ईशिता राज शर्मा भी दिखाई देंगे। प्रतीक के पिता राज बब्बर ने 1982 में बीआर चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' में काम किया था जिसमें तलाक और उसके दुरुपयोग के बारे में बताया गया था। फिल्म में सलमा आगा और दीपक पाराशर भी थे।

प्रतीक हाल ही में सुशांत सिंह राजपूत, श्रद्धा कपूर, वरुण शर्मा, नवीन पोलीशेट्टी और ताहिर राज भसीन के साथ फिल्म 'छिछोरे' में दिखाई दिए थे। 'दंगल' डायरेक्टर नीतेश तिवारी द्वारा निर्देशित इस फिल्म को क्रिटिक्स और ऑडियंस दोनों से ही तारीफ मिली। प्रतीक वेब फिल्मों में भी काम कर रहे हैं। उन्होंने एक शो 'स्कायफायर' किया है। 'स्कायफायर' जलवायु परिवर्तन की वजह से पैदा हुई प्राकृतिक आपदा को बताता है, जिसकी वजह से हजारों लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। यह शो एक थ्रिलर है जो दशकों को अंत तक रोमांच से जोड़े रखेगा। यह अरण रमन की किताब पर बनाया गया है। प्रतीक ने हाल ही में सान्या सागर से शादी की है।

सलमान ने पानी में लगाए गोते

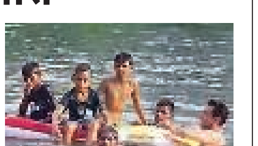

छोटे बच्चों के साथ किसी गांव के तालाब में मस्ती करते सलमान खान ने अपनी फोटो इंस्टाग्राम पर शेयर की है। सलमान खान ने सभी बच्चों को सेफ्टी ट्यूब से पकड़ा हुआ है। इस फोटो के कैप्शन में बॉलीवुड के सुल्तान सलमान खान ने लिखा है कि, 'पानी के गोते लगाए आपके भाई ने कल, काफी कूल बच्चों के साथ, धरती मां का आदर-सम्मान हमेशा सर-आंखों पे...'। यह फोटो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही है। सलमान इन दिनों 'दबंग 3' में व्यस्त हैं। फिल्म 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म में सलमान के अलावा सोनाक्षी और अरबाज खान भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इस फिल्म से महेश मांजरेकर की बेटी सई भी बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं।

फिल्मों से गाने हटाए जाने पर खुश नहीं हैं जावेद

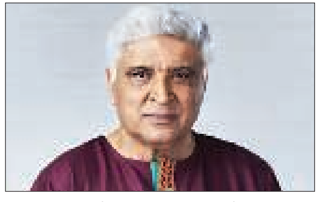

पांच बार राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार, पद्मश्री और पद्मभूषण पुरस्कारों से सम्मानित लेखक और गीतकार जावेद अख्तर मौजूदा दौर की फिल्मों से गानों को हटाए जाने को लेकर खुश नहीं हैं। उनका मानना है कि गाने बॉलीवुड की फिल्मों की पहचान हैं और वर्तमान फिल्मकार अपनी पहचान से ही दूरी बना रहे हैं। मुंबई में एक समारोह में आजकल के स्क्रीनप्ले लेखन पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'फिल्म 'दीवार' का स्क्रीनप्ले मैंने और सलीम जी ने मात्र 18 दिनों में लिखा था। इस फिल्म के डायलॉग भी हमने 20 दिनों के अंदर लिखे थे। उस समय हम स्क्रीन राइटिंग के दूसरे वर्जन से पूरी तरह अनजान थे। हमने एक बार जो लिख दिया वही हमारी आखिरी लाइन होती थी। फिल्म 'त्रिशूल' से पहले हमें यह नहीं पता था कि हम स्क्रीनप्ले में बदलाव भी कर सकते हैं। हम बचपन से ही महाभारत और रामायण जैसे महाकाव्यों को सुनते आए हैं। इनका असर हमारी संस्कृति और लेखन पर होता है। किसी उपन्यास को लिखने के लिए दो-तीन साल का वक्त लगता है। फिल्म का स्क्रीनप्ले लिखना एक उपन्यास लिखने के जैसा ही होता है। आज का सिनेमा शॉर्ट स्टोरीज की तरफ रुख कर रहा है और फिल्मकार फिल्मों में गानों को नकार रहे हैं। इसका मुझे दुख है। विमल रॉय, राज कपूर और गुरुदत्त जैसे फिल्मकारों ने जिस तरह से मेलो ड्रॉमा और गानों को मिलाकर पारंपरिक सिनेमा का निर्माण किया था, हम उससे दूर क्यों जा रहे हैं। क्या किसी जापानी को काबुकी (जापनी क्लासिकल डांस ड्रॉमा) से परेशानी हो सकती है? या किसी इटालियन को ओपेरा से परेशानी हो सकती है? तो हमारी फिल्मों में गानों से कैसे परेशानी हो सकती है।' 'संदेशे आते हैं...', 'कल हो न हो...', 'राधा कैसे न जले..' और 'मितवा...' जैसे गाने लिखने वाले जावेद अख्तर पिछले पांच दशकों से इंडस्ट्री में सक्रिय हैं। इस साल फरवरी में रिलीज हुई फिल्म 'गली ब्वॉय' के लिए भी उन्होंने दो गाने लिखे थे।